য়ৣঢ়য়ৼৄ৾য়য়ৣয়য়ঢ়য়য়ঢ়য়য় ড়ঢ়য়য়ঢ়য়য়ঢ়য়য়ঢ়য়য়ঢ়য়য়

नेच गठिया।

देव:५५:चॅदि:५ग|२:ळग

য়ৣঢ়য়ॱहेॱय़ॸॣॖॱऒॣय़ॱॻॿॸॱॸऀढ़ॱय़॓॔ॱक़ॆऀढ़ऀॱढ़ॖॺॱॿॸऻ	1
5ৢয় [৽] ৼয়য় [৽] ৡৼয়ৡয়৾৽য়ৼড়৻য়৾ৼয়ৼয়৾ড়ৄৼয়য়ড়৾য়য়ড়৻য়৾য়য়য়৽য়ৼয়ৢৼয়ৼঢ়	रे'सकेंद्र'ग्राहस
5.4.2) \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1.4.5 \$1	17
र्थातार्यार्थिरं ताःश्चीः श्रदः त्रेश्चरः यक्ष्या	
त्दर्वः आयाषारः पतः विः यद्यं	
न्तु:धुवा:ह्वांशःवाशुअ:ब्री:ख्रें:चते:बच:वांत्रन्ःथशःकुट:बन्:ब्रोट:वते:वांत्रअः 	
~ A	92
নাবদ্যান্ত্র্যান্ত্রব্বাদেরি কৃষ্ণহান্ত্রাব্রান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যা	
ववायाक्षीत्रययायात्रवायायुवायदेवायदेवायात्वादेवायात्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद	
नाम्बर्धनामायनुबरमार्चोमास्युतनेनमायदिःनाम्मासुरा	
युवाबाविकाञ्चर र्देर विदेर मंदि बर अकेदा	
<u> </u>	
a a a=e	134
ସ୍ଥ୍ୟସ-ସ୍ତ୍ର-ଞ୍ଜିମ-ସମୁକ୍ତି ।	
यदःइबःदेः श्रेदः यगेदिः यः दयाः योः ज्ञेद्धाः यादा	
श्चेर्याधेवाःश्चेत्राराश्चेत्त्वाःश्चे	
ସ୍ଥ୍ୟୁସ୍ପ୍ରଂଷ୍ଟ୍ରିଟ୍'ସ୍ପ୍ରଂଷ୍ଟ୍ରୟୁବ୍ୟବ୍ୟା	
म्बर्रिट येट क्षुनदे निव मानु या क्षेट मी मनु द ही	
` . ~ · ~	159
र्नेत्र माहेर उत्र 'त्रमृत' त्या तर्ने सम्याय द्वर त्यसामामाया मात्र क्षेत्र सो	

५गार:कग

पश्लेषाम्बर्धितः स्ट्रीतः सुद्रः ।	165
পুবাষাবেল্বুহান্ধমমাগ্রীপ্রথান্ম্যা	167
तर्सः घरः म्रो.ज्.याश्रीयाः यत्रराष्ट्रीता खेवाः षाष्ट्रप्राशाम् वृत्यः विदः स्वीयः यप्तः स्वीयः यप्तः स्वीयः यप्तः] ·····169
रदः ह्येच छा सार्चे चरावान्स्रयाया ह्या सार्चेच या ह्या सार्चेच या ह्या सार्चेच या सार्च	170
र्बेब नुष क्षेत्र नुः वर प्रदे हमय नुष्ट्या	
व्यायायञ्जूयायते र्शेषायत्व र्रुव र्रुव र्रेक्ट्रिया	173
र्डे ब'या व तर्थे ब' ह्यूर मृद च कु द खा	174
गु:षद्रशः ह्वें निदेते कुट ह्यु।	175
म् अःकुरः तर्वेद् वितः स्वयं शुरुः तह्या छेषः वुः वा	176
यार चुर क्ष्रीत सूया रे क्षेत्रया युः न्यायदे त्ता अदे या वेत्य वित्र क्षा त्राया व	
	178
चुःचहरः रे ह्या क्चे त्रहुद्दा या कवा वारा या।	179
অম'বারদ্'ডা'মান্নদে'ড্রা	181
প্ৰূ'ঝন:ঠ্ৰমান্সাক্তৰ'ৰ্যমি ননানাৰ মান্তান্সান অমি নেইৰ স্মান্তন ৰ্যমি ক্লিনাইনাম	J.MEN.M.
्रे सुत्राचतिः बुत्रस्वेत्।	
र्ट्या हुँ नि न्यों हुँ नि यो वें वित्र तु वि न्या हुँ विषा	185
बुद्रभः विवादें व र्येषः दे ब्रेंद्रः चर्गेद् यः हेषः द्व व स्वदेव हेवाषः श्रीश्रूदः चक्का	
कुम्रम् यद्वेत यदि स्ट ह्या	
শার্স্টরেশা থীরি মন স্থ্রা	
गाँ ईं रा युवाय वेंवा द्वारय व्यव द्वाद विदेश कें।	
गार्चे व्रात्युत्र येव्यः क्षेत्र व्यो	
गार्डेब्यम्बयाद्वेद्द्र्यायेद्द्र्य	
य <u>ू</u> त्रे: यद्रया	
UN	

*5्*गा×:क्रग

.ब्री.श्रेट.क्रेंश.च्र्वेते:ब्रें.ल्युट.देवाश.चश्रायसेवा.च्रीट.चीश.श्रायम् क्रेंच.क्रेंश.चाश्रु	भ्रःशुःर्ह्मेशः
নু মাম বেষিম স্থানমা প্রকা স্থান ক্রম ক্রমা	220
	223
न्नु रेंट कुथ रेंदे केंब श्रेन गन्द रन्य श्रे श्रेन गी वृह न नहेंन पदे नेन शि	धर्वे नहें र
ই্রমাধনে স্ক্রিমাপ্ত্র্বা	224
द्ये मङ्गुत्र ग्रायाय वर्ष दः दे स्रास्ट्रेस् स्रो खेट ।	225
चुैरा नर्गे ५ डिया मी हेरा ५ त	228
र्त्रु स्रोट त्या रेका केंका चुति वा ह्येका तिहें व चुति द्वीका यति हो न रूट ह्येटका यति त्येव	।ঝ:ঝুঁর্ব:বশু:
শ্বীমান্বারেরের নুত্রন্মান্ধুর।	
র্মুদ ক্রব অইদ নন্ত্র গ্রী ধন গ্রিদ স্থাবি ক্রিব	
क्रिट-देट वी त्रहेव हिटा	
या पर्डे या पा बुषा या पहुंचा	
यार्क्ययाः ह्ये र ये तुर तुर यादे दीया यो।	
ञ्ज्ञ प्रमान्यसा ह्या स्ट	241
ह्मिया क्रिया प्रदेश स्था त्या महिता स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थ	र्द्र केत्र के
ইন্মান্ত্র থকি ইমান্ত্র প্রবাদ্বামান্তীন্ত্র ব্যমিপ্রথানকি স্থ্রির উবা	242
च्चैराया चुरारा की गान्द्रे लिया यी सह्या चुरा	243
बन्यान्यार वर्गाय वर्ग्य की यम मुस्य विषय केंगा यम चनेते मुं कमा	243
रद ने द की दार देवा दूर स्थान में सूच यति भी व देवा	246
रद हिन् क्षेत्र पर विवा वी क्कुच वेर्वा वा सु द्वी वा पर धीवा देवा	248
इव ञ्चया	249
हेन लेग में हेन बेदि केंबर बुद रूट वर्शेका या	
মর্থ্রব্ নহর্ম মঠি ব্রহ্ম নী থে বাষ্	

ব্যাম:ক্রথা

यर्ने श्चन ग्रीकेंट विते रे वेति तुर्याने वा वाष्यर वर्ने वा वाष्य विश्व विश्व विवा	252
কু'ষ্ট্রবি'র্থ ম'শ্রের স্কন	253
वे राम्य विमानी विभार्ज्ञेन।	258
ব্র'ঝ'দুবি'শ্ববা'থিবি'থি'শ্বম-'ষ্ট্রবি'স্কিবা	259
শ্লুব্ ব্রু ন ন্মা ব্রিমান্ট্রমানস্থিনামামা।	
বশু:ব্ৰমার্ক্তমান্ত্র্ব্রম্	
पिरुष्यात्तर्भ्याः सुरः ।	263
শ্ৰু'ম'হৰ'ল্ল্	
कॅब्र चु 'इव 'चु।	264
ह्र्याबाक्ष्य हेर् ययार क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया यहेर्।	265
याचे प्रवामी विषयम्।	267
नर्गास्य भेगामी (मजुरा)	268
नुसान्य देवा की अर्थे प्रहेंना	
यद्भः वर वी हैं अनुब वाबेर में र वाबर यक धी तन्व र के बेर वर्मे अय	
মূবাম শ্রী ব্লুব থমা	
याहेर त्रु सुन्न स्वाप्त विया त्या द्वीया यदि विया द्वीया	269
पश्चेत् सर्वस्थायायात्वेषायाः सुपाद्वेत् द्वेरास्यस्य सुप्तायाः सुप्तायाः सु	
	271
नुषान्य देया यो केन यहेंना	271
ইপ্লিকা	
गानुसारहेर् सालेगामी लेगामुहाहेर हेर मुसायदे स्वाम्ब्रा	272
र्देवायम्बिग्योत्वर्गे वर्देन्।	272
सूत्र क्रेंब्र लेग ने देव ग्री वर्ग वर्हित्।	273

*ব্*শাস:কগ

নমুন ক্রুম স্থ্রিব থমা	274
बी हुना ह्रेंब यदि तुषा यहा	275
नुषान्व केवा या और वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र विश्व विदेश विदेश विदेश विदेश	276
त्यानिहर्ने विवानि विद्युर्	276
क्रुंब [,] क्रीयं त्र्रंबं व्या	277
र्श्वेन द्वा प्रमुन प्रस्ता	277
वर्क्यवर्दे विमानी द्वायायाय्या र्थाया	278
शुद्र अदि स्नुत : १०४ : तर्दे द : वार्षे वा	
षदः यो दो दः श्री सूत्रः वयः वर्दे दः वार्शेया	279
याम्बदाईराम्बुयाक्चीःस्नुब्रान्वीर्द्भव्यादाईर्गाम्बर्धाः	280
श्रुद्र त्वोवा अर्दे श्रुद्र वी से सिंद्र त्वावा	281
म्या रेट सुवा वा प्राप्त हर प्राप्त स्वा प्राप्त विषा	283
शे विंत् शे रेवाय न्ये सुन् वर वी नुयानेव वायर वर्नेत वारी स्वार विंत स्वीत	[35]
	285
यङ्ग बट मी में देर देश की भी में हैश द्वा अदेव हमाय की सूट पहना	
श्रुवायवर येग्रवाश्रुवायीयविर्वाचित्रायस्त्रित् ह्रम्यायायदे त्रम्यायायायायायायायायायायायायायायायायायाया	
श्रु मिर्बित श्रेन मिरुत श्री मर्शे श्री मर्शे श्री मर्शे श्री मार्गित श्री मार्गित श्री मार्गित स्था श्री मार्गित स्था श्री मार्गित स्था श्री मार्गित स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	288
श विंव बिर केव वेंद्र अप क्रिंट वायायायया विंद्य की १९६५ वेंदि वें या या की प्रें	1.त्रर्विट.
ই্রমান্ত্রি প্রান্ত্রনা	290
यार्थाकेर्यायार्थेर्यायार्थेर्यायार्थेर्यायाय्याया	
शे विंद् बिट केंद्र चेंद्र धेवा क्षेत्र च्यू र व्यू र प्रते व्यू सुर प्रतृता	
लाङ्ग्रींनः हेवायाः स्वारं केदेः यदः केदेः यदः केदः वितदेवः स्नावयः क्षे स्नादः वस्तु र स्वारं क्षेत्रः स्वायः स्वयः स स्वयः स्वयः स	र'पी'
বীম'ধনঅ'মা	312

ব্যাম:ক্রথা

ह्मिंशक्रिं प्रम् वर्ष्या हिम्सिंग्याय द्वित निम्निंश्या हिस्सिंग विक्रिंग स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स	ब्रःशें
इरमानुवायातर्केवामान्त्र्यं स्वामान्यते वास्त्राचास्त्राचन्त्रा	318
र्हेवायाक्षेत्रायद्वा वदायुदाहेवायायद्वातीत्वाताक्ष्याचीत्रोयायानुनुदात्वायाकेद्दाके	ब-बेर्
इंदर्भ द्वापाय त्र्येषाय स्मानय विषय ग्रीय विषय त्रीय त्राय प्राप्त विषय ।	322
र्हेवायाक्षेत्रायङ्गः वदायुदा हेवायायङ्कतः द्वाताक्षयाः श्रीत्रोययायञ्जीदात्वय्यायकेत् के	ब्रःशें
ইম্পাননুষ্ মানেইবিশিশন্ত্রীষ্পামনি বাষ্ট্র নিশ্বনা	327
र्हेवायाकेत्रायद्वा वदायुदाहेवायायद्वति द्वाताक्या द्वीत्येयाय स्त्रीदायव्यायकेत् के	ब-बेर्
इर्यानर्षे तायकूर्यायाः सैयया बिता क्रीया बि.ययु. योशीरायवरी	336

देवःग्रेषःभद्यः दगारः कग

বাপের ক্রব, বর্ষার বার ক্রীর প্রাক্তর ব্যুত্তর প্রাক্তর প্রাক্তর ব্যুত্তর বার্ত্তর প্রাক্তর বার্ত্তর বার্ত্তর প্রাক্তর বার্ত্তর বার্তর বার্ত্তর বার
र्केम् यात्र वृद्धान्यात्र यात्र यात्रेत् सिक्ते राम्येत् क्षेत्र क्षे
र्म.पर्वीर.पर्नेथ.तपु.सूर्या.शधर.स्रीपश.इ.वीय.तपु.रेयर.सीया.तस्यूर्या.ता.इंग्र.
शुं धुंनायायित्र में हेर्न ह्येत् । ब्रायायह्र वास्त्र । स्वीया देवायह्र । यह्य स्वायायित्र ।
্রীমান্স্য <u> </u>
स्यानुदार्केषान्त्री अकेन में अर्केम हुन् शुराया हें नाषा केन हिनाषा क्षत्र ह्वां का क्षा अर्के देन में
केर पर्देत् य पर्देत् प्रविद्यायो हैया मी कुर्य यी
याबर क्रिन प्रवेश सद्धे के ब्रीन स्तर दियर सुवा त्युर हे वाबा वसून सदि कुवा सर्व ही
ब्यक्षः यह्रवः य्येषेत्यः त्रदेयकाः ह्याः यह्रवः कॅटकाः यतिः क्षुः द्व्यद्वाः 24
मुत्र भेत् केंग् क्रीमकेंद्र धेंद्र सुवा चति तस्त्र हैं मर्के स्ट्रीत क्री देवा भें।
हेर्चा या सुव रे दे
हें ज्ञारा सुत्र स्त्र अर्झे से अर्के देव दें के दें कि दें ल्वा या मृत्र वार्से या तदेव साम देव के जा हैं विकास के कि साम कि साम के कि साम कि साम के कि साम के कि साम कि साम कि साम कि साम के कि साम के कि स
30
ह्याया केत्र हेर्याया स्वाही र्योषा क्रु सर्वेदि यार्येता तदेवया क्रुव तदेंद्र दीव स्वया कर त्वेच।
यायम् केम केम द्वीर मा वियायम् या रीम दि कियानम् या मुन्यायम् मा विषयायम् व
ম <u>র্</u> শীর স্থা · · · · · · · · · · · · 40
देश'वाश्वर'त्रसूत्र'पदि'वार्डुवा'क्कित'श्रक्ति।सूत्य'सूत्र'वर्'हे'स'देत'र्ये'केदे'ल्ववश'वह्र्व
यायत् केत् केत्र केत्र द्वीद्र या द्वियायद्या देत् यो केते त्वय्यायहत् यार्थे या तदेवयायदेत् यते । यायत् केत् केत्र केत्र केत्र द्वीद्र या द्वियायद्या देत् यो केते त्वय्यायहत् यार्थे या त्वे या तदेव या त्व या तदेव या त
यावतःतव्यः हैं नर्द्वं या ह्वः वावयः निष्यः विषयः वाद्वं वावयः विषयः वाद्वं वावयः विषयः वाद्वं वावयः विषयः वाद्वं वावयः वाद्वं वादं वाद्वं वादं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्वं वाद्व
ଏଷଂ ଶ୍ରୁଷଂ ସର୍ଦ୍ଧଂ ସ୍ପରୁ ଅଧ୍ୟୁଷ୍

यर्ने यर म् या देवा वहित द्राया सूत्र श्रील्यया यहत वार्येया वहेत्या द्रवी योग्या द्राया
বর্ষথা49
चै.चर्टर्भी.श्र.जु.त.श्र.केच.कै.ज.श्रुंतु.चै.श.शटश.कैश.क्र्.यत्रुज.क्री.बचरा.चर्षे चीर्जूज.
त्रदेवसःमदेवःऋषाःश्रुवःपत्रःद्वदसःस्नुव।
याली विया वी चंत्रा की लाट की जान कर या ता अध्या भूट उपर वीट हैं हु दु खेत्र या या से या या या से या
रक्र सर्मुन यद र ज्ञ्री
र्हे ग्रुपा सम्बर्के मुका प्रविदे पा श्रुपा सम्बर्ध प्रविद्यापर सुविद्या समित है विद्या समित स्विद्या समित स्व
ग्रायाः अर्केन् मी ल्याया महत्र म्याया यो या या यो या या या यो प्राया यो या य
त्तुः या कें त्रशुर रेव चे केंद्रे प्यट श्रेट श्रेष्वयम् यह्व ग्रेष्य तदेवमा ····· 57
यावर क्रेर प्राप्त क्रेर प्राप्त वा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्र वा विषय क्षेत्र वा विषय क्षेत्र वा
हेंग्यायायुक् र्से र्से या क्रा या केरिया पे किरायहक या तुम्याय तुवाया सूयया सीयया या सुरा73
नुषा रवषा हेर वार्षवा यदि नुषा दर्वे दि हेवा षा केव यदि वावा केवे सहन ह्ये दि योवा षा सुर
बिया मी विया अवि हैं ज्ञा80
स्रायतः तर्त्ते, सः झे योश्रजाः रेयरः शूर्योरः चीरशायकीरः देश्यः स्रायतः वीः कीः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्राय
월 지······89
মট্টির'নের্বা,ব্রি.য়ূর্ব,ক্সিন্মুমা
ह्रियाया केर्या सकेर्या स्त्रीद प्याद स्त्रीद दि तर्दे त स्नायया सी त्येषाया स्त्रुद्धा
ইন্মান্তর শ্রম ন্ত্র শ্রুম শ্রু শ্রে শ্রুর শ্লুনম শ্রী থেবা ম শ্রুম।
ल्ला के मान्य के मान्
শ্রীন ব্রিনের্ন্র থেবাম শ্রুম শ্রী ইন্য অধন স্থিম।
মার্কুবা স্থ্রুবা ন্ত্রুবা ন্ত্রি বেইর স্প্রুবমা শ্রী থেবা মাস্থ্রুবা
য়ৢ৾৲ য়ৢ৾৽য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়
भूयः भुं वि तर्देव लेगा गै सर दें कंग हु नभूर नते येग्स सुर की मेंग समय।120

*ব্*শাস:কগ

वि'त्रेन् लेग'मे 'येगरा सुरा	122
न्ना, तुः श्रुच द्वेते । प्यानित्ते व स्मूचका क्षी योगाका स्नुष्ट की सेना असदा	124
म्राकेन निर्मा स्मृत्री स्मृत्ति । स्मृत्री समृत्री समृ	···· 127
हैंवाय केत हैंवाय खून सुरम से वोंचा का की की की की का से की सुर तर्रे न वोंचा वार्य पर देवया	'र्नेब'
মৃষ্টিশ্যন্ত্ৰীৰ বেন্সুমা	131
यहं चिर शुं के त्यीय।	134
र्थः इत् पर् प्राचीयर महिया	136
षाञ्चेरि हेन्या स्वार देव दे केदी पर श्वीत वि तर्देव ता प्रमुद्ध प्रति वि तर्देव ता प्रमुद्ध प्रति वि वि वि वि	139
सृत्यकुरः प्रसूतः परिः र्सेन्। तहें तः दुरः श्चीन। तकरः केतः ये दितः श्चीः हेः दुःगा द्ययः द्यी	ज्ञात्व्र
क्वुः अर्केदिः मर्के अर्केम् "भूमुम्य हे ग्रुपः पदिः द्वारः पुना यङ्कः र्वे र त्दिः लययः ग्रीः व	भु:ईव:
ইঅ'রর'৪য়'য়য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	···· 142
ष्परःश्चित् श्चुरः तर्वेतः श्चिषार्थेत्यः तदेवसः ददः वास्तुसः वासेरः श्चीः वीदः हा	···· 148
सुर वर्डेन गर्रेव वर्ने नर्या चर्ने न स्मान्य म्यान्य हर्या	
थीवा तुवा तज्ञुरा तज्जुरा की तज्जुन केवा विरावने।	154
धेन र्न नहीं नहीं नहीं नि	158
ख्रवा प्रति ख्रु अर्केव तहस्र न्यया न्यय चेति क्षुता स्वयं क्षुत विराष्ट्र तक्षुता क्षेत्र।	'Ҳ҅҇҅Ҳ
	139
युवा पति यु अर्केवा तह्म न्यया न्यतः विति वार्षयः श्चेत् स्रेन् स्राम् स्रोयः विति वि	चित्रा
	105
क्रियान्तर अर्के क्रीया में हैं न्दर ख़ूना ख़ुरदहमान्यया न्यय में निवेर क्षेत्र या मुक्त	
यदेवरायाचीत्राञ्चयराध्यायाहेते.धीयाः वियायाः	
यायर.धुँच.क्र्याचार्थया.ब्री.चार्याया.यर्चेचया.ब्रीय.धँचया.यर्क्चा.ब्रींया	
यरिवारार्यार क्वें र विराटवार रेव स्वे र विराध प्रत्य र विराध प्रत्य र विराध प्रत्य र विराध र विराध प्रत्य र व	169

यदे य उत् दुं श्चे यदे हुं यदी दूर द्वेय यदे दिर श्चेत् यदे केत यस श्चेत्।	170
न्यतःन्रःन्याः युतिः वार्के विः वाञ्चः द्वीत् र्सूवाकाः क्षीः क्षुवः विष्यः देवा विनः तत्या क्षीः सेरः स	
न्यार प्रति है त्व्या द्र प्या नि न्यापट प्रया दिने विषय दिने कर त्वेव।	
युवार्श्चेत्राक्ष्याक्ष्यक्ष्याक्ष्यक्ष्याक्ष्यक्ष्यत्वात् वर्षेत्राच्यात् वर्यात् वर्	
यग्रा रे न् ग्रा तर्था तर्केट में ते प्रकट मार्था वा मुनामा सार हेन् त्र मुनामा निर्माण प्रकार मार्था व	_
	184
विःर्व्याःक्वार्यात्रेतः मर्कः श्रीयः योग्रेनः क्रेमः प्रोपः म्योः यस्त्रेमः क्रेमः येत्रः यग्रनः ह्म स्टनः श्रीनः विम	'মঠ
শ্ <u>ব</u> ্যক্তু ^দ া	189
युवाः भुः केतः चे निवानित्रहेतः द्वाः चे स्वाः ची स्वाः ची निवानित्रहेन स्वादे स्वाद्वाः विवानित्रहेन स्वादे स	195
श्रयः पत्रदः या द्वेतः वायाया या प्रतास्त्र व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्यापतः व्य	198
युवान्वो कुवान्वा कर द्विवाया श्रीवान्या निवाय के द्विताया स्वाय विवाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय स्वय स्वय स	<u> </u>
म्बेब पर्दे द प्रमुद्द ।	202
न्यो क्रुयायात्रसान्येत् पर्वतः हेते प्रसार सकेन् न्यों सार्वेन् क्रिया लयासा	208
	211
ञ्च पी दृद रे त्युव द्वुव वी वस्रद वार्सिय तर्दे द स्वृति कर त्येव ।	215
बिर स्रोहेर क्षेत्र स्रोहण न	
गहेरलहें न्।	218
~ ~~	222
यात्रायक्षेत् दे व्यक्तं र क्षेत्राया	225
य द्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्या	
ची पर्श्व केंद्र हें हे न्या वहें अवा स्वा ची पार्विया अकेंद्र न्यर ह्या क्षेंवा मी लगवाया	
	230
म्बद्धः म्बोरः स्रुव्यायायसूत्रायाय देनिः द्वारसूत्र त्यापा	233

५गार:ळग

यान्। वर द्रिम्म सुम्रा क्रीम सिया प्रसुमा प्रदेश क्रुपा सिया प्रस्था प्रस्था प्रस्था सिया सिया सिया सिया सिया सिया सिया सिय	234
यायोरः स्रुव्यायायो प्राप्त प्रति प	
गिहेर पर्वा गर्बेल पर्बुक र्देश मुदाकर त्वेपका	238
र्डेतु:५अर:क्५:पङ्गुव्य:वेर्वा:वद्देव:कॅर:वार्डे५।	239
	240
বার্দ্য-র্নি বিন্দ্র নি ক্রমা স্ট্রির বার্মি বেকুমা শ্রির এমা র্ন্নীর্বা নেবামা	241
	243
योटशःबुँट्यायवियात्तदीःवविदःववियायाद्ग्रींवयायाः हूँयोयाः क्षेत्रः बुँ योटः कूराः वीः क्षेत्रः बुँ	<u> </u>
বঙর ঊষা হ্র ইর্ম হোট্টামা ধরি বিশার ঝুর ন্ত্রীমা হ্র বা	291
বঙ্বংখীগাইৰ বহুৰ আ	320
ह्रियाया क्षेत्र पार्ट्स व्यर त्यार हियाया पार्ट्स दे रचाद क्ष्या द्यी ह्यीया प्येया	324
तुमः क्रुतः क्रेतः क्रितः लयः नर्गोतः क्रेतः व्रुतः नक्ष्यः नर्गोतः वात् रः वात्यः नश्रेयः पतिः वात्रम	\$\frac{1}{2}
	341
ह्र्याना कुष .सी. मींवा कुष .शुष्टु. सैवना क्रीक्रूयामा तत्वर .सिया .पर्धर .रिक्रीमा तपुर .यो रिक्री	:' :222
	332
য়ড়য়য়য়ৣ৾য়ৢ	342
नवात्रायक्रीत्रवावात्त्र्यः व्याप्तः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	
• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	_
तह्र्याचीर वो स्वरक्तियाची र्वात्वर वहुत्यास्य सुत्तु ते त्वित्वर केविष्य र व्याप्त सुत्तु र हार् प्राप्त स्वर	
न्यार तक्या श्री अर्क्य या श्री र प्येत्र त्येत्र के र प्येत्र हैं स्वया	
वयदः तुः दर्गे यः वरे दः करः वरोवय।	37/8

श्चित्राः हे पद्गः श्रुतः पवादः देवः चे केते श्रुवः हें या

त्रमेल'ग्राह्म'ग्रेस'ग्रह्म।

> यर्केन्'श्चेत्र'र्हे हे र्हेन् र्वेते' यो नेत्र'निरामि क्षेर वी यर्द्धे र यगे द यदे दें द वेर की था। क्क्षेु:५गुदि:धे५:घ:५गदःक्षेत्र:हग:दक्के५:घदे॥ श्रे बद्द द्वी प्रदेश्चित्रश्च प्रायदि द्वी विष् र्चरमाञ्च सर्वोद्यायते दिस्स स्ट्रिस स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त रगायाञ्चरायराञ्चायदे हिराळग्राय।। यदेवःगसुदःर्स्रस्थःयदेःद्घुद्रश्यःश्चेःध्यवःयगःयो॥ ૹ૾ૼ[੶]ਗ਼[੶]ૹૻઽૹ੶ૹુ૽૾ૣૹૹ੶ਖ਼ਫ਼੶ઽਖ਼ૡ੶ૡ੶ਫ਼ૄ૾ૼਗ਼ૹ*ٳ* ૡદ્દેવાયાએન સુંવાયાયયા ક્રયા ક્રુપા ચુવા વક્કુતે વાર્ટી 🛚 'सुब'र्क्कैवार्थ'के'न्युदि'यार्द्धवा'ब'स्यर्देब'स्यर्के'न।। শ্বীদ্ ন্ত্ৰিবি মৌবাঝ ক্ৰিবাঝ নেন্ত্ৰুদ বাৰ্ব কৰ্ম ক্ৰিছিম। नर्सेन्-न्यन्यास्त्रवःश्चेवःरेयः संविधायायेय॥ ग्रन्तिरस्रुकायदेः इत्यादर्ह्यात्राक्षाः वार्यम्। ૡૹઌૻ૽ૺૺ૱ૹઌૡૻઌ૱ૹૹૢ૽ૹ૽૱૱૱ૡૢ૱ઌૺૺૺૹ૽ૺૺૺ कुंभ'न्ग्ति'र्देन'क्षेट्र'त्वर'चति'र्दे'सळर'न्द्विग्।

र्नुअःसुःननअःक्रेःनग्राग्।अ८्८अःभ्रुग्।यरःतक्रेरा। क्रेंब्यसर्व्यस्वयायाः सुन्तरे में में मार्थिता इस्रायर कुं स्नर न्त्र्याव हेर सहस्य नतिवा। পবিশ্বন্ত্রীন্ত্র, বার্থ্ব্যাক্রিপ্রপ্রান্ত্রীন্ত্রা यक्षेत्र,यह्र्य.क्रि.श्रें र.क्रूयोग.तपु.रचिंग.य.त्राह्या। <u> न्यायदे ल्या की यनु न ही यने या ध्या।</u> ब्रिन् भुति वि त्यवा द्वेवाया ५८ ख़ुब हिवा हु॥ वर गै : वेंब : हव : विंद : वश्य : अ : अ अ । ଞ୍ଚିଦାଏ:रुअ:पसूब:पदे:र्स्ट्रेब:अं:सुव:पसूब:अळवा। ભૂરયામાં ત્યાં માર્ચિત્રા કુરિયાના ત્યાં માર્ચા માર્ચિયા गार्डुग', দু'নষ্ট্)র', ধনি 'রুম'। এই স্বার্থি 'রুম।। শ্বশন্ম দ্বান্ত্র নাইন শ্বর্ यर्दिन् अदे अर्वे बर्चे से से प्रे महूर बुवायाया। विद्यारा यो द्या हात्र विद्यारा सर्वे विद्या स्था र्वोद्याम्बुर्द्द्वायायायर्थयायदे हेवायव्यायया। याययाक्रेवाक्रें राहेवायायर या शुराहिया ८८.स्र.८४.सप्तु.सप्तुम.योवेष.तायाम.सर्मेषा। वर-दुःर्वेश-वश्रयाः क्ष्र्यायश्रर-क्रुद्-दुर्गा अवतः अरंगावन देन विनायन क्षेत्र मान

ळॅंशःग्री:दिव्रंत्र:यंश्राशःक्रेत्:द्वर:दुःग्वुश्रा चक्किन्यिक्षयार्विव बुदे न्ययादिव साम्रेव स्वाविव स्वाव स्वाविव स्वाव स्वाविव स्वाव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स्वाविव स् गुर-गुरु-अर्देग उद-वेश रच रवः मी वर्टा। <u>ॱ</u>ख़ॖज़ॱय़ढ़ऀॱख़ॖॱॺळॕज़ॱॾ॓॔ॱॾॆॱॾॖॕढ़ॱय़ऀॱ॔ऀॴ। याद्येत्र रनायोः लेखाद्येन् त्यान्त्रुया सेत्र त्या। *ড়*लॱगुत्रःश्लेटॱहेत्रे:स्ट:वाञ्चवार्यःश्चवाःश्चे:तर्ह्या। *५गा*म:ग्रायाय:व्याद:र्केंदि:क:र्हेग्रय:ग्राम्य:देदे:स्र्योद्गा। <u>ख़ॱॺऻढ़ॺॱॾ॓ॱॺढ़ॖ॔ॺॱॿॹॱॺॱॺॾॣऀॱऒ।</u> नक्षे केव स्वाय है हिंद दिर प्रेश स्य केरा র্বাঝ নত্তর ক্রিয়ে নর বিধার ক্রিয়া বিধার ক্রিয়া বা। सम्बद्धाः अन्तर्भाक्षः स्ट्रिक्ष्याः सर्वतः स्वता বাধন্যবিষ্টের্বির বাধন্যন্ব্রান্ধর বিভিন্ন মহাস্কৃত্র ব্রাক্ত ব্রাক্ত মহাস্কৃত্র ব্রাক্ত মহাস্কৃত্র ব্রাক্ত মহাস্কৃত্র ব্রাক্ত মহাস্কৃত্র ব্রাক্ত মহাস্কৃত্র ক্রিঅ'নম্বর'ৡ'য়'য়ৢ'য়ৢয়'য়ৢয়ৢয়য়য়ৢয় <u> ५२४:४२:४५:३५:२०१:४:७१</u> প্র-ইর-অবির অ'রেধবাশ্ব'মর র্রির্'র্নার ভর্যা लूट्यार्ड्यायायस्य सप्तः सुः सुः स्वार्ट्या के'च'त्रुवा'ख़ब'रेवा'वहिंब'चक्कुर'यवे'र्खेवा।

য়ৢঀৢয়য়ৼয়ৼড়ৼয়ৼ৾য়ড়য়৾৾য়ড়য়৾ঀয়য়ৼয়য়ৼ৾য়ৼৢঀ ড়ঀ৾৻ঢ়৻য়ড়ঀ৾৾য়৸৸৸৻৴ঢ়ৢ৾ৼ৵৻য়য়ৼ৻৸ৠয়৸৻য়ৼ৻৸ श्चेशःश्चरःयर्ष्वाःस्तः न्यवः पवः त्यः स्टूरः न। योष्यायसर प्राचयः दे योड्रेन होने दी त्राप्त्र प्राचीया। ક્ષુંગાંગ:નુંગ:સુંન:સુંગંચ:સુ:વર્ન:નું:નુ भूया:बन्:अर:अदि:अन्दर्गःय:र्धुग्रय:य:धी। ক্ৰি, দু:দ্বৰা ধ্ৰম:বাধ্যম:ক্ৰিৰ্ বস্থৰ মন্ত্ৰীৰা नन्द्रम् . ताता द्वेत्रात्रा लेव ची वत्रात्र केट <u>च</u>ूर केट ॥ 'त्यातः (वेया:रूरः अर्घरः क्रेंर्स्यः म्यानक्षेत्रयः च्युरः ग्युरः।।। . तर्त्र त्याः द्याः सदिः श्रुकाः अर्केषाः वर्षेः अदिः वार्ये रा। लय.चक्किर.चरेबोका.क्यर.पर.चीक्य.पर्किर.सूर.रसा। **सर्** वैर वायर क्रेब संख्या क्रिय क्रिय क्रिया चारे प्रस्वा। च्यायारायदे चार्च स्थेर् यदे द्वरायञ्चेरया या અર્ને સુન વાચેર ૡૄેંન્ચ ભૂરેવા ર્કેચ છે. સુના क्षेत्र.तपु.रेतपा.क्रीय.यायीयायीय.यीय.यया - दुःष:ग्री:द्वाद:पीष:श्वाद:पीद:स्वाय:प्रश्वा। र्अट मी ख़ूना अर र्धुन्य रायदे दे अ वना नसूर्याय सूर्याया देशाया सर्ह्य र या च्या है।।

अः<u>श्चित् श्चित् स्त</u>्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्र ફ્રુફ-સૅર-ફ્રુફ-સેફ-સર્ને-સ્વાચ-ગાલુર-સુવાચ-ગાફા षर:र्वा'खुर:र्र:रेवाय:ध्याकेर:वाववाही। <u>ज्ञ</u>ुः सेन् त्वर् दुर्नेन् र्हें सः यदे त्द्रीत् त्यरा ग्री। क्रिज.इ.योबार.तथा.व्रूर.तीयो.य.इर.तर.विद्या हुंग्यान्त्र प्रमाक्तियाः मान्त्र त्र्या चित्र हुन्या। अद्यतः द्वाः गानुबः यः दवेचकाः अविकः र्देदः र्ह्नो रः हेते॥ क्षेराम्द्रीयादह्वाम्यराक्षेत्रम्याद्यी 'चस्रुब'खुर'खुग्रथ'र्रे'क्रेब'र्रे'देर'वद्गर'चस्रुबा। ल्ट्यार्स्यायाक्षियानस्यायास्यात्रीस्यार्स् त्युदः हेर्ग्या व्यवः हवः हो नवे द्वायः वयरः ना <u> ब्रि</u>न्'ग्रुरेग्'रेब्'केब'र्वेर'तुदि'स्'र्केंब्य्य'हे॥ र्रे सर्वर र्देन सूर क्वर रेट सूर्य पर तसेया। यम्यायदेश्याक्षेत्राच्याक्ष्याः यहित्यर्थे न। विद्याः हेवः क्षेत्रं व्यः द्यः केवा द्यः प्रविः युवा। 'বর্ঝঝ'ড়ৢয়'বাৼয়'ঽ৾য়৾৽৾য়ৄৼয়'য়ৢ৾'য়য়৾য়য়ৢয়'য়ৣৄৄৄৢ ম্বীদ্রেমের্ক্ত নরিম্ট্রিদ্স্তীকান্তিন্দ্রমন্ত্রকা। - इतः नसूर् सूर्वारास्य स्युद्धः पदि वात्र द्वारास्य र्क्रेग्रथाञ्चराचराज्ञेरायाचरुराञ्चेतेरावहुर॥

বৃৎষ্ণবাৰ্ধৰ ট্ৰাই্ৰেন্সৰৰ ইন্ট্ৰিৰ্ট্ৰ্যুষ্ণ দ্ৰুষ্ণা र्देब'त्रयुच'न्या'ख्रेते'क्कुत्य'र्घ'धीन्'चलैब'न्चन्।। व्यार्स्ध्यायायतुर्न्यदेवायोत्रीत्राक्ष्यायवे स्ट्री। *न्*गारः स्ट्रेंग्रचान्नुः धीः तुः सर्वेदाः स्त्रीन् प्रतिः स्ट्रेस्। क्चेर अर्दर सूर कुर ग्यु जि से हेंग कुय। सर्दे र्ह्युन त्यरात्य चुन पते सम्र वे सराप्या पहर्वास.र्रेट.र्या.र्वेस.र्ड्ड्य.स्र.कर.क्रीस्रा यार् रामुतातर्ग्र तर्हेस्रयायाः स्रेयाद्यताचा। नर्द्रातर्वायम् स्वासीरायास्त्रीरायास्त्री ननरः अर्दन्देव भेन्दे स्तुते तस्य विषया श्रीया। नहवःगर्थेदै:दूरमःनद्धदःतवी्यायःदरःस्व्रवःद्वेवाःह॥ ळे'न्गुते'धेन्'ग्री'मह्रुब्धात्रेष्ठ्वान्तेन्'या मुजायिष्यायार की रचर स्थित क्षेत्र विकास मि অঝারু ন'ব্রীনঝাঝাব্যাবরী বৃনঝাঝরী র্মুবা यो क्रुन्द्र अर विशेषानि के क्रुन्ति न्युन्स्। য়য়ৢঀ৻৸৻৻য়৻য়৻ঀ৻ড়ৣ৾ৼ৻ঢ়ৢ৾ৼ৻ঢ়ৼ৻ড়৸৻য়য়ঀ क्चिरःक्ष्रवःदेः बतेःसुःधेः।वेरवः यः तर्धेग। गुद्गःचन्नः द्युवार्याः ग्रीः यदः चढुदः हेर्वार्यः यहे।। र्योदःग्रयायः द्वीद्यः यदे प्रदः देशः ग्रयदः प्रदे हु॥

'বর্ল্রম'ম'ব্যার'মহাব্যর'র্ন্র'বাদ্বিষ'র্যু'রীরা। বার্রনের্নেরের মধ্য মাঞ্চুর্ন ইবা দরি বা পিকা। র্ন্নিঝ'ন্ত্রঝ'নউঝ'ঝাইন'অঝ'দ্বা'র্ন্স্র্রঝ'ন।। ক্স:ক্রন্'র্ন্ত্রবাঝ'ঝুন'র্বঅ'নবী'বার্ব্ব'ন্থ্রবাঝ'র্ন্রা। अर्देव'सुअ'रद'गवद्'देश'यश'र्कद्'रु'नश्चुत्या। रर रेगावहें बाबेर अपर्डेशरर प्रांत्रीर ॥ यर ब्रुट द्या य केंग द्वीर्य क्रुव दुः प्र। क्र्यायाः द्वायाः च्यायाः च्यायः च्यायाः च्यायाः च्यायाः च्यायाः च्यायाः च्यायाः च्यायाः च्यायः च्यायाः च्यायः च्य বর্ষমবেশমইর্বাঝস্থামন্ত্রমক্ত্রেত্র अद्यतः ज्ञायः द्वाः अतः अतः भेरतः सुः चः हेर्ग्या। बुर तह्वा ध्वा कु केव रेंदि वे तिसर पहेला। ढ़्वें तर्शक्रेंशचर् द्वेंग्रश्यक्रियां स्थिता। यिव त्यस्य त्यस्य प्रितः द्वा प्रवास्य प्रितः स्वर्गा ग्रिन्डिन्रागान्गार्देन्याययाकेदार्देन्।। <u>ॡॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॣॗॖॖॖॖॖॣॗॗॖॖॖॣॗज़ॣॴॣॴ</u> 'বর্ষ'কবাঝ'ঝর্কর'ঝর'র্ষ্ট্রঝ'ম'র্ঊর্নঝ'ন্নী'না। বার্ব্ব্রেম্বর্ট্রেম্ব্রেম্ব্রেম্বর্ম্বর্মা गीय.यदेवीय.त्रा.ह्यी.यसिंत.यय.केंट्.कींट.तरी। यालव:र्यर:त्यात्य:क्रीव:यार्ट्व:क्रीयाय:सबर:पश्चर:री। ल्राचीयाष्ट्रात्तित्रीतात्राच्यात्राच्याच्या

श्रीतर्तराम्ब्रीयायाः क्वायळेराह्या यहवालेगा 'रुब'मासुअ'अर्क्र्व'अर्थ'र्नवेद'यदे'रुब'ग्री'क्रा। यञ्जित्रानुत्राः श्चिरः श्चुः यदे श्चुरः यी वर्षेत्रा। तर्भे च्राय द्वा स्रोते होया है ज्या स्था स्था यर्'अर्क्रेग्'र्र्र्र्'र्येदे'अर्गेद्र'र्'्व्यश्र'यह्रद्र'यार्थेत्या के ज्ञते के न्यायहर मार्थित क्षेत्र वित्र महुत्। दुरुषायर देवा चति यो जीवा वार्ति द द्वार यद्दर्थ। <u>ब्र</u>ॱक्रेंतेॱॡ्वं पर प्रश्लेष पति पति । से प्रोत् । से प्रा याश्वर याश्वर याथे न स्रोत् प्रते स्थ्या क्रिय नहता। न्वित्रः हुः स्नुत्यः योदः त्येषाः सुतिः तकेदः चः उत्।। यार्द्रायम्बरार्श्वेद्रास्त्रवायतेःद्रवायाः उदाया। <u>ઽ</u>ઽૹ૽ૼઽઽૣૹૼઽઌઽૺઌૹૹ૽૽૱ઌૢઌૢઌૹૹ૽૽ૹૣ क्कीर हे विकायके पर वा बुवाक हवा रिक्स विवा बिनबाबुदासी:वैवाबाई(हेते:रे)वासी। ૹ૾ૺૡૹૄૢ૱ઌૡૢઽ૽ઽૢઽ૽ઽ૽ૺ૱ૹ૽૽૱ૢઌ૽ૻ૾ૹૢઽ૽ઌ૽૽ૺ૾ૢૺૺૺ ट्रं सक्र क्रें याया या क्षेया ह्रेयाया स्वाद्धिता। ब्रुअर्धेते रामिक्रम्बर्भियायाम्डिम् हुर्बेव॥ यह्रवायास्त्रेन् स्र्वेनयामत्या वी वी मुन्त्रास्य स्राम्य स्व र्द्धवायायने येवायायकु स्वा स्व क्षेत्र क्षेत्र स्वा सव नदेव तचुर गवन संभित्त विवास के स्वापन स्वान्यस्य स्वान्यस्य

चिर्याये र नम्रीयायते केंब्र व्यायर्था क्रिया चिरा नर्रे के दर्शन है या भू नक्क घर यदी दर्शन बुदःकुवःद्वे चःद्यः यदे ययः क्रूँवः य।। क्रियः च 'र्ने ब 'ग्री ब 'च्री च 'च 'च 'च 'च 'च 'च 'च 'च ૻૻઌ૽૽ઌ૽૽ૹ૱ૹ૾૽ઌ૽૱૱ૺૺૺૺૺૺઌ૽૽૱ઌઌ૽૽ઌ૽ૹઌૡ૽ૼઌ*ૺ*ૺૺૺૺૺ শ্বীক্লুনি'বৃদ্ধ'মার্কীম'নের্ধিষ'মনী'অ'মার্কর্'বাম্যা वर्के सेर्ह्याय र्यंत्र स्वरं स्वरं स्वरं तर उर्वेर मिजाय विश्वास मिज वीर दुवी सार्थसार्ह्मेयायानुयाक्कियानदेश्यान्वेयान्धेन॥ गीय वियासियर स्त्रा हे हे श्री सद्गाय स्त्रीय **बी:बन:क्वें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्रें:ब्र** तहस्र द्रम्य ह्यु नदि है सम्दर्भ वो सेवाम ह्यूर्य। यर्के बुरः **त्रु**पते खुर्ये के करण द्वर ख्या अर्ळर <u>भू</u>वायर र्र्हेश अहेश य रवा वी ख़ा।

स्रव्यत्यक्ष्यः त्रत्यः श्रीत्याः विकार्याः व

चन्-चर-मिलेम्बर-द्रिक्तिकार-द्रिक्तिकार्याः विका-तिर-अर्द्रिक्ति-प्रिक्तिः स्वी-व्या-विका-तिर-अर्द्रिक्तिः विका-तिर-अर्द्रिक्तिः विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विका-तिर-विर

यार हिंद तर्ता तह्न स्मेन तर क्षेत्र याद्र याद्

ষ্ক্রীবাম'র্নুম'র্নুর'মন্টিম।। হবা'র্নুবাম'র্ন্টুম।।

নশ্বন'বাধ্যম'থ্যম'র্ষ্ট্রনম'রম'রম'র্কুম'ন্যেরম।। নমা'নমূর'বেইর'র্রম'মেরি'ম্মুশ্রুম'নশ্যুমম।।

বাদ ট্রিদ শ্লব দার্লির শ্লব দ্বাদ ট্রিদ শ্লব দার্লির শ্লব দার্লির শ্লব দার্লির শ্লব দার্লির শ্লব দার্লির শ্লব

त्रस्तु, अक्ष्र्य, एकट, बूट, मीरु, अक्ष्मी। योगट, योशी, स्विच्न, स्वीय, योशी, योशी, स्वीय, योशी, योश

त्त्र्वाकायतेः प्रश्चनायते स्वाहे का श्चित्त्वाकायते प्रश्चना स्वाहे का श्वाहे का श्वाह का श्वाहे का श्वा

ষ'বেই'ঝইষ'ধম'ত্ত্বম'মবি'ই'ঝঠ্চম'ত্ত্বীষা। বন্ধুৰ'অ'ই'র্মিম'বত্ত্বীষ'র্ম'শহ্ববি'ঝঠ্চৰ।।

> য়्वाशःकुंत्रश्चेत्रःयःकुतःश्वशःक्षःकुतःत्वितः॥ श्चार्थःकुंवाश्चरःकुतःश्वश्चरःश्चरःवित्रःवह्वा। श्चार्यःकुवाश्चरःवर्षःशःश्चरःश्चरःव्यव्या। स्वार्यःश्वरःश्चरःवर्षःशःश्चरःश्चरःक्षयः।। स्वार्यःश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःक्षयः।। स्वार्यःश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःक्षयः।। श्चरःश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःश्चरःश्चरः।। श्चरःव्यश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःश्चरःव्यशः।। श्चरःव्यश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःश्चरःव्यशः।। श्चरःव्यश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःश्चरःव्यशः।। श्चरःव्यश्चरःश्चरःवर्षःश्चरःश्चरःश्चरःश्चरः।।। श्चरःव्यश्चरःश्चरःवरःश्चरःश्चरःश्चरः।।।

मनेश। अक्ष्यं प्रचर अर्थर मुंदा या गित्र पर्ट्स अर्था मुखा अर्था रेश प्रचेश। या विश्व अर्थ्य मुंदा प्रचेर प्रचेर प्रचेर अर्था मुंदा अर्था स्वाप्त स्व

पद्गरः स्वरः प्रश्चेत्रः चित्रः प्रदेशः स्वरः प्रवेशः स्वरः प्रश्चेतः ।
स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः प्रवेशः प्रदेशः स्वरः स

हे श्री ५ श्री ५ प ५ रे श्री ५ पर ५ रे श्री प्रयासी ५ ५ प । प्रयोग श्री प्रयास । प्रयास ।

देशः व्यायाद्यात्र स्वायात्र स्वायाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्व

म्भूत्यायाः क्रुं स्युवायतेः देवा तिह्न क्रुं श्री वहन् व्योधितेः क्रें पञ्चन व्योधितः क्रें प्रवेधः विश्व व्योधितः व्याधितः व्योधितः व्याधितः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः

यार वित्रकार्तर न्यर मुख्य प्रदेश प्रदेश प्रदेश कुं क्षेत्र स्वार्थ क्षेत्र क्षेत्र प्रदेश या स्वार्थ क्षेत्र क्षेत्र या स्वार्थ क्षेत्र क्

त्यः त्युरः रे विः स्ट्रेंदः वीयः नम्भयः वः प्यदः॥ व्यवः स्ट्रेंनयः क्षेवाः तः व्युनः प्रदेशः नय॥ व्यवः स्ट्रेंनयः क्षेवाः तः व्युनः प्रदेशः नय॥ व्यवः स्ट्रेंनयः क्षेवाः तः व्युनः प्रदेशः नय॥

पश्चन्याने स्वितान्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त स्वात्त्र स्वात्व स्वात्त्र स्वात्त्य स्वात्त्र स्वात्

ধ্ঝভূদ র্ক্তর্মশ্রী অক্তর্ন র্ম অর্ক্তর্বান্ত ক্রুদ মে স্ট্র্বান্ত করে। ইবান্ত প্রের র্ক্তর্ন র্ক্তর্ন ক্রিন ক্রেন আর্ক্তর্ন স্থান করে। বর্মুদ্র দ্বান্ত ক্রেন আর্ক্তর ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্রেন ক্রিন ক্র

र्दे हे र्देव रेवि साद्येव र या वेद्द ने से या या या विकास सामा विकास सामा विकास सामा विकास सामा विकास सम्मानिक सामा विकास सामा विकास सामा विकास सम्मानिक सम्मानि

चान्याकाः क्षेत्रः वाप्त्यः चीच्यः स्वायः स्वाय स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्व स्वयं व्यव्यः स्वयः स्व

> ८८:घॅर:८गात:क्षुट्वं घ्र्याय:धुँग्याय:येट्यया। पर:टुः व्याः देव:क्ष्यायय:क्षुं त्यदेवा:पठट्या। घः यर:प्याय:देव:क्ष्यायय:क्ष्यय:य्यायाः द्यायते:क्ष्याः क्ष्याः य्याः क्ष्ययः य्यायाः द्यायते:क्ष्यायः येट्यायः व्यायः य्यायः व्यायः द्यायते:क्ष्यायः येट्यायः व्यायः य्यायः व्यायः व्यायः व्यायः हेट्रायः (बुयः येट्यक्षयः यह्याः युट्यं व्यायः युट्यायः युट्या

ફેંશ્વામંત્ર હિં.જાજૂવા શ્રીતા ત્વારા ત્વારા ત્વારા કરી છે. ત્વારા ત્વારા ત્વારા ત્વારા ત્વારા ત્વારા ત્વારા ત र्दुल'न्गुदि'नन्ग'केन्'ग्नर्भ'रेदि'क्कुब्'सर्द्वेग'नसूग्राम्। क्तित्रचर्त्रेष्ट्रेय्।स्यरःश्चरःसद्यःयविष्ठःद्वरःत्य। য়৾৽ঀ৾৾য়৾৾ঀ৾৽ঀয়৾৽ঀড়য়৾৽য়য়ৢঢ়য়য়য়ৢ৽ঀড়য়৽৸য়৻৻ ૡૢ૽ૺ૱ૡૢઽૻૹૻૹૹ૱ૹ૱૱૽૽ૄ૾ૹ૽ૺ૱ઌઽ૽ૺૺૺૺૺૺ तर्नुतात्रहेव नसूव भत्रे क्विव ग्रिव ग्रिव स्था क्षेत्र हु कुर्वा सद्य कुर्वा नसूत्र कुर्व दुर्वा नदी। ફ્રેન્સ્વત્રેરસ્થિષ્યન્ત્રુયાં છે.ત્યરાજ્યન नसूर्याय सूर्याय गरिकाय क्लिंग्या ल्वाया। য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়য়ৢ৻ৼয়য়ৢৢৢয়ৢয়য়ৢঀয় न्ययाः भूवाताः व्याः व्याः व्याः व्याः वात्रः व বর্লুঅ'অ'রু'ষ্ট্রীর'বাৎঝ'ডর'অবিঝ'অৎ'র্ল্লিব।। क्र. दच्ची र. र र. जीयोग. एड्र वो. श्रायना हूँ वोन्ना कुषे. सप्ती ·सृः<u>च</u>्नापायायायः च्रुराः र्रो : क्रुं : क्रुंदे : सर्वता नुकारदिर द्वान पति नम्भव पार्वेर त्यादहेव॥ त्वादः वैवा ह्वायायाः रे नया नसूदः वनयः सूत्। हिन्छैरानसूर्यायते स्रीट में खुट दर हें वार्या। नन्दर्भ्यायम् <u> रुअ:मद्य:अर्ग्नुब:कुं,कुंब:बुंद:बुंच:बुंद:मद्यी।</u> श्चैत्राय:र्य्य:स्व,त्रय:स्व्याय:द्वेत्राय:द्वेत्रय:स्व, स्वा

ग्रद्धित् स्थायतः त्यायस्य स्थायः स्थितः स्थितः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्

ন্ব্যাস্ক্রীঝামহ্রান্ব্যমান্ত্রীঝাঝার্শীঝালাআনালনি দ্রীন্থারীর্

द्याःयत्रेःग्राश्चेरःश्चर्क्याःग्राध्यतःद्दरःश्चेःश्चर्द्यःग्रादःश्चित्रःश्चेशः चक्कुत् :बेद्यःयरःश्चेत्र॥ द्रुत्यःकुःद्रगारःश्चेंःदुत्यःद्दरःश्चेःत्रद्रेश्वःतद्देरःश्चरः चत्रेःत्यःदेःचश्चःश्चेद्य॥ श्चेग्राशःदुशःचश्चदःत्रद्देदःकुःश्चरःद्रवृश्चरःद्रशःवःग्रादःश्चित्रःश्चेःग्रावेद्वःश्च्यःश्चेरःत्ययाश्च॥

चञ्चीत्रः याद्दे न्यादे न्याद

याः वियाः विद्याः क्षेत्रः याः व्याः वियाः विद्याः वि

डेशापतर हॅग्रथ के देते स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्

बुर तह्याप हुँर परे केंब हें हेंवे हु॥ . . ४२.५५४४१.क्रु.क्रे.इ.क्रू.४५५१,५५५१ यदेव क्षेत्रा याशुर वी अद्यु द्वीव क्षुत्य द्वारा र्स्कृत्य। ह्यनःभतेःसुरःहेग्रचःनसूत्रःभतेःस्त्रेरःभेतःमहुर्।। বাধ্ব প্রের শ্রীব প্রি শ্রীকা মার্কর শ্রীব পরি স্তিম। ह्येर अहर व्युव पति द्वर धुवा तिर्वर लेति अर्वी वा। विनर्भः भर् निर्मायः निः सर्वे र निहतः सुरा ग्व-पह्रप्रश्रास्त्रं वार्यः यार्देव स्त्रीयाश्वान्त्रः स्त्राली। याब्रद्भन्दर्भायाः याक्षाः मुख्याः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद्वयाः याद् ऑरशः <u>ज</u>्ञानः कें ख़िते दें चें र ह्वा नहत्र भते॥ દેં સહ્ય કેં. વાયા શુરાયા સાંદ્રયા શુરા કેવા इस्रायात्रावाकी सक्ता स्वार्क्षर हेर हिरायी *सारवावाबानु दबासानदे केत्रायो लेखा*वा<u>न</u>्याया

ख़ुत'चुन'अर्ढद'द्येर'र्ह्यारा'यदे'र्दे'अर्ढर'द्यया। शुः यद्यीरः हुं हुं पुंजिशका श्रीः हेवा विधित्र सूर्या द्याःकेत्रः धोःलेत्रः क्षुः अतिः र्रेत्यः यारः श्<u>री</u>। याञ्चयात्राः अपूर्वः द्यीयः वित्रं स्ट्रेंट्टेवे सुरावस्या स्ट्रेरा। याः अर्द्धवाद्मान्याः श्रीः श्रुवा क्रुः अर्द्धवः श्रुवः या। चुनःगिरुभः तर्देन: नगुति: गिरुम: नुः तर्क्वः गिर्वर्भः गर्भेला। वक्कुन्'ख्व'त्तु'अदे'ग्न्यश् : वन्दन्'र्द्वदे'पद्दन्। र्देअका बोदार्देश प्रदेश प्रमुखा लुवाका स्वरा हेवाका प्रका বালি র্ন্রান্যবান্তবা মার্ন্রর ক্রিক্তা প্রবাক্তম।। न्नरः श्रुरः र्केशः श्रीः कुराः चेरः प्युत्रः चलुवाशः विवा गोर्चित्रवर्षाक्षे त्रश्चुरः ह्रव्यः त्रणः व्रेगाः योदेः ह्या। सूर र्हेर रिचेर सेर हें हे तया यातरे वाइवाया। ૡ૽૽ૼૼ૱ૡઽૹ૱ૹ૱ૹ૽૽ૺૢૹ૽ૺઽ૽ૡ૽ૺૡ૽ૺ૱૱૱૱ૡ૽ૺૡ૱૱ૢૢૢૢૢૢૺ 'নর্ফ'ঐন'ন্র'অন্ত'র্ম্বরা'দ্ভ'বাচর'নেট্রিঅ'র্নিবা। याबर केत क्रुं र इसमा गातु क्री याबर परि सहित। ૹ૱ઽઌૺૹ૾ૢૺઽૹ૽ઌ૽ૡૼૺ૾ઌૺઌઌ૽૾ૣૼઌૺ૱ૹ૽ૢ૾ૺૺૺૺૺ 'इ,द'सेद'रेपा'तहेंद'र्दस्य प्विते'ग्रायर त्यस्य केते।। বাধ্ব বেইব ঠ্ছৰ শ্ৰীষ্ট্ৰ ম' দ্ব্য নৰ্বাধ্য বাৰ্ষযো गा'न्वा'र्श्विवास'र्केन्'सू'न'सार्देब्'श्रुर'र्छेन्'।। ૡૢ૱ૣ૽૽ૢ૱ૣૣૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૱ૡૢ૽ૺ૱ૹૢ૽ૼ૱૱ઌઌૢૺૺૺૺ

ब्रुनः सेन् : श्रीनः सम्मान्त्रः सम्मान्त्रः स्त्री। सम्मान्त्रः स्वान्त्रः सम्मान्त्रः सम्मान्त्रः स्वान्तः सम्मान्त्रः स्वान्तः सम्मान्त्रः सम्मान्त्रः स्वान्तः सम्मान्त्रः सम्

अक्ष्मान्त्रस्य स्थित्। स्थान्य स्थान

য়ৢয়ৢয়য়ৢয়ড়য়ৼৠৣয়ড়ৢঽৼয়য়ৼয়ৢয়ৼয়ৢয় ৼৼয়ড়য়ৼয়ৣয়ড়ৣৼয়ড়ড়য়৻ড়ৢয়৻য়ৢঢ়ঢ়

देद'तुष'क्कुत्य'नक्षुत्र'त्रे'स'तुन'रेद'र्धुन्। षारवर्षामञ्जूदेःर्क्षेष्रायाराबुद्धार्थाके॥ मुन्यति सुन्दर्दि द्वार्चे प्रमान <u> अपदि सेंग में रामुश्रामणीया कुत्।</u> स्र-विवास्त्रवः चावायः सङ्घतः देः नस्र- वीया। र्ह्येर्'स्व'म्रर'र्जुव्य'र्चर'सेर्'चगुव्य'ह्यर्था। ळें त्याद्वरावते द्वरार्श्वेराक्षदार्थे प्यरा। नम्पानम्याःश्चेनयायतेः द्रायाद्देयासुः कवाया। त्रहेग्रान्यस्य ह्या ह्या स्थानीत्रः ह्येत्रस्य स्थानीत्रः **अ**न्युद्ग्यावे त्ययात्रयम् नुते स्विन्त्रम् यर्दिन् अदि अर्थे ब र्ये अंधि यहूर बुवायाया। वियः यर्गः व्यः अदः विषः रशः यश्चेषः यग्नायः श्रश्रा <u> न्वींन्यान्युन्दें व्यायान्यत्याम्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या</u> *ચાઽૹઃૹ૽૽ૢ:એઽઃ*ઢુઽઃઽૢગાઽઃૹ૽ૼૡ૽ૺ૽ૡ૽ૼ:અલે:བઢુઽૢૢૢૢૢૢૢૢૢ न्यायदेःगन्द्रायाययः कीः र्वेत्यार्गे है। नश्चैल'न'श्चन'यदे'अर्केन्'य'अर्केन्'तुःशेअरु॥

ধ'বাউবা'ব্লু'অই'বাধ্যুদ'বী'বদুদ'স্কীই'বস্তুদ্যা गुरु:ह्वाःर्श्वेर:वदे:ववर्:धरःहेर:सुरु:धदे।। ষষ্ট্রির ম্বান্ড্রমান্ত্রমোক্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত ইর'বার্ইরি'ধ্রবাঝ'নষ্ট্রীব'বনী'ন'বাব'ট্রিব্'র্কমা। <u>ਫ਼ਜ਼੶ੑੑਸ਼ਸ਼੶ਫ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਖ਼੶</u>ਜ਼ੵ੶ਫ਼ਗ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ਖ਼੶ਖ਼ਫ਼ਜ਼ੑਜ਼ੑਫ਼ੑਜ਼ੑਖ਼ਫ਼ੑੑੑਸ਼ क्रें-देर-च्यून'यदे'याद्रश्रामुं ह्यूट्रश क्रेद्राचेंद्री। বর্ষান্থর'র্টুর্'মাই'র্র্র্রম'র্র্রম'র্র্রম'র্বার'নই।। ने'न'नगर्याचीचेतु'स्नन'स्नन'स्ना। रे'द्रवास'द्रस'नदे'र्सेवास'ग्राद'नवा'सेनस'क्रु॥ गुर्धे बेर् हें नदे (वर न न र कुबर र वाद न। ह्म (बुद्र-क्केंद्र-क्रेर-चरुष-धरा हिन्-क्क्र्य-वर्ग यर ग्रिना र्मया क्री से ह्री या सर्वे दाया थी। ર્રે તેંત્રે હ્યું દ્રષાગ્રી ગદ્ય ગહિંત એદ સુંગા હુંચા ष्ट्र सेन् सुर रेग्र र रें किर क्वेंग पर। याराष्ट्रीत्राचेत्रायुद्धिर्प्तन्यराधिकार्या त्रुव र्धे क्षुव रेर अहेश य से के विवाय है वा ना यायर केंब दिन यायय देश देव श्चेत श्चेत श्चीत श्चीत ।।। য়ৄ৾ৼ৾৻৴৻৴৵য়৻ঀৗঢ়৾৾ঀ৻৸৻ঀৗঀ৵৻য়ৣ৾য়৻ড়ঀ৾৻ঢ়ৢৼ৻৻ ট্রিস্'ঈস্'রম্'বী'ঈ'ঝ'বাঈশ'ধম'বস্থুবাশ্যা

નું ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રા ह पर्व वर्षेषा श्रीका क्षेत्र हो र प्रवर वर्षे हो। हेः सुरः हः त्यः द्वुः गुतिः हें त्यः वः विद्या। র্লুবান্য:ক্ট:মঞ্চন:দেই:দ্ববান্য:ক্ট:বারন:দর্মুণ:শ্রেরা। ब्रिन्'स्र्वित'न्यग'नश्रस'ह्वित'यते'न्नन'वन'सुन्।। चक्किट्र खुदे : यद्य स्वार दिश्वा चित्र : च्या कि स्वार स रु:५अ:५अ:५म् वि:५मर:र्येदे:सॅ:म्इर:केर॥ पक्षे सेन् श्रेंग् गी यास्य स्ट्रिश से नहस्रा गान्वावेन्याययात्रम्यीन्त्रीन्याकेवार्यम्। <u>२,व म् न सूर न न ले थि स्य हें ग्राय पति।</u> য়য়য়য়য়৸য়৾৾ঀৢয়৾ঀয়য়৾ঀয়য়৾ঀয়য়ৼয়য় বাৰ্ষাশ্ৰীৰাশ্ৰীৰ শেষী দিন ৰেইৰ অন্তৰ্মানৰ বিদ্যা रेग्रथाग्रीः श्रुं च चल्या यदि रादि श्री श्री। **इ**.लीज.षीष.धीर.कैर.चषु.श्रेचका.हीका.षणा। র্ষ্রঝ'ন্ন'নঝম'র্ম্ব্রঝ'র্মি'ঝবা'র্ম্হবাঝ'৸নী'বারঝা। ८.क्षा.स.सीता.या.चर्चेर.पत्तीया.सर.ट्रीयाया। য়ৢॱয়ঀ৾ॱঌ৻ঀ৻য়ৢ৾৾ঌ৻৸ঀ৾৽য়ৄ৾য়ঌ৻ঀঌৼ৾ঢ়ঀ त्तुव रेंदि खु र्रुग्य हो अदि विद र् तुः या। तसेर न सेर भने रसा राज्य से हिने ही राष्ट्री ग्रायेत्यः च स्त्रेन् स्तरे ययः ग्रास्त्र स्त्रेन् स्त्रेग्।

ने क्षन क्षे चर्त्र सेन च हे क्षेत्र हा। ব্যাদনি মর্বার নতকা মন্ত্রান্ত্রানা দার্ঘী। हेब त्र बुद नह्यु न बोद पति ग्विय सुवाय या। न्वॅर्न्याव्याव्ययाः श्रीतिष्यायाः विष्यायाव्यायाः निया ૽૽ૼઌ[ૢ]એ૬[ૢ]ૹ૾ૢઽઌ૽૽ઌૢ૱૽ૼ૱૽ૢઽૹ૽૽ૢૹૣઌૢ नन्याः भेन्। विनः नरः त्रियः नतेः स्वाः वीः सेनः ॥ तर्वः द्रगादे कुः धैर्या यर्डेर्स हे छिर् छ्रिंग्र यहर्य। क्षेर नी ग्रायर ग्राह्म देव ग्रीय क्षे नदे वेरा ब्रम्भायते याहेर प्रविद्यास्त्र प्राधिद प्रदेश स्त्रीय वयःविगः दुषः सुः चनषः कें है : क्षेट हें द्या સત્યદ્રેયાર્સ સ્પ્રાયકોના તાલું વાસો સાથે કરો કો સ્ क्रिया नगरा हु। यवित नव्या पति ही मार्गित पर्या ঽ৾৽য়ৄ৾৾য়ৢ৾য়ৼঀৗ৽য়য়৾ৼয়য়৽ঢ়ৗয়৽য়য়য়য়ঢ়ৗয় गुरु नरुष तर्रु र प्रदे द्वार स्थार स्थार स्थार चग्रा विषारे विषास्त्रीयका है से दक्ष चर सुर्था।

র্বশানন্ মর্ক্রবান্ধ্যান্ত্রশান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্ত্বর্বান্ধর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তর্বান্ধ্রন্তব্বলান্ধ্রন্তর্বর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্যর্বন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধর্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বান্ধ্রন্তব্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্বলিক্তর্ব

हेंग्रयास्त्र देव से के त्यास्त्य नित्र सकेत्।

हेव.र्यव.य.य.यरय.क्य.रह्य.व्येत.क्री। ल्याः क्रीः नर्द्रः स्ट्रीः नर्दे नर्वे स्त्राया। અૡૠૻ૽૽ૼૢૺૹ૽ૢ૾ૢૼૢૼૠૡ૽ૺૡૢૡ૽૽૽ૢૢ૱ૹ૽ૼૡ૽૽૽૽ૢૺ૱ૹ૽૽ૺૢૢૢૢૢૺ बर्क्न व्युर विदायाञ्चर यह तस्ति। <u>२अ.तथ.व्रिथ.व्रिश.चर्ययश्चरत्र,योरेष.क्रा.क्री</u> च्च्याया महोसारीया अधिक स्वाप्त ग्राष्ट्रीत्र्यर्भेत्र्राः प्रेत्र्राप्त्रा। स्रे'ग्रासुस्र'र्ग्नोद:स्रव,र्ग्ग्यायास्य प्रदेशस्त्री। नश्चर्यानवे पायळॅ इ.र्गे.ज्येग्य.र्रययाची ग्रीम्या। র্ধ্রবাঝ'শ্রী:ঘ'র্যুম'নশ্লঝ'মম'স্টঝ'র্মাবঝা। च्यवाकायाद्वात्व्यच्याच्यायाद्वीयावकात्राह्या द्यार्क्सग्नायर यहँद् नहेंताता हो न नहिती શુ. શદ્દર વિજયા. ગ્રી. યોષ્ટ્રજા. યો. શેંજા. કરે. જૂ. યો. યો. न्विषायते से हिंगाय हिंदा त्या होया चरा देखा। *ক্র*ঝ'নঝ'ল্ল'নঐ'র্ল'নেধহ'নৡঝ'ম'বাহ'॥

इनक्तिन्त्री इन्याना वालवा सेवा क्षेत्र। ধ-পূঝ-নু:অঁঝ-ষ্কুরা-ঘর-বার্ঝ-অঞ-আদ-॥ *``* इं'ग्रेज्'श्रे'ग्रॉऑ्ग्र्य्यात्र्यात्र्द्रियात्र्व्याय्या समितः दरः सः ग्रिन् हिरः दरः होतुः प्रतिद्या सर्केग्'न्सद्'सर्वे'न्सर'सून्य'ग्रेश'न्द्रे'त्युर है।। ૡૢ૾.ૹ૿ૡૢ૱ૡઌૢૼ૱ઌ૱ૹ૽ૺ૱ૡૡૺ૱ૡ૽૽૱ ক্লি'ব্ৰথ'ব|ব্ৰ'ট্ৰ'উৰ্'চ্ব'ব|ব্ৰব্'থ্ৰথ'ব্ৰধ্ব|শ্ব| व त्तुव वीं वानवार निम्नुनवा प्रति मी वानवा <u>ज्ञ</u>'र्देर्'न्र्र्र्,क्षेत्रे'वेग्र्य'य'र्क्न्'न'र्र् थिन्'वेन्'च्रम्'रेवे'च'म्राअ'र्या अहेरा'यर।। बर गी है स इस दिईर क्षेर स पर 'বর্ব'নক্রু'गे''য়য়'য়৻৻য়য়'য়য়'য়য়'য়য় र्कर केर वायु वें वा सूर पति सहे वा सूर्वा वार ॥ ट्रै पर्वेद ग्रायर प्रयाप्त मुला परि । दर्षे र खेरा था। र्ह्मेब्र-विर-प्यवायाते स्यान्यायात्र प्राचिता। <u>क्</u>रवशदगार:५वा.पृ:५र्क्ड)चदे:क्वःकु:५८:॥ न्याः क्षुत्रः चुः न्दः चुः तुः त्रेतः स्त्रः स्त <u> ५अ'यदि'र्केश'ङ्क्ष</u>'यर'ये५'ङ्क्षेग'५६'यउरु॥ <u> चणायेदःधेदःग्रीःदणतः क्षेत्रः इसःसरः क्षेत्रा।</u> કું.વર્જીર.લેંથે.તુંશું.બજા.ટેંટજા.તપું.જોવલી

` इेनरा'नकुन्'तिर्देर'र्येते'म्बुग्राचार्यास् न्तरः तुरा है। ज्ञुदे । जेर अन्दर्भ ग्रायर या है ।।। *૾ે*ફ્રૅન:વાયબ:ફ્રે:ધો:અર્દ્ધેત:નધેર:નન:વીય:ન્યુના तर्वाचक्किर्यक्किं कियायते विद्रायर्था मही। *র্বি*রু'বার্ঝন'স্কু'বার্কন'স্কন'স্ট্রীঝ'ঝ'নদন'নঝ|| यरे क्ट्रेंट ख़ुब डिगा क्रुका यदि यो की या दरा।। न्वेरः भेः श्वेन् पदे नर्रः कें या कुत्रः नुरा। तक्रीयोदायुःधीसञ्जार्वरमायदीगाद्दर्या। न्नरः अर्देगः द्वैः धेगः लुदः अरः चडुरः वद्देयः चदे।। कें देर नहत्र गर्धि क्षेर में गयुर दुर देश। श्चेतुनःरेष्मश्चित्यःशुरःनरःरेगा মাদ্রমান্যানমান্যামের ই নির্মান चुन य चुन य अर में विविवास यदे लुवा। য়ৢ৴য়৶ড়ৣ৴য়য়৻য়ৼ৻ঢ়ৄৼয়ৗ न्यायान्यायाद्विन्त्याक्ष्यायरावर्ष्यया। बि'नदि'हिर'दिह्य गर्थे सेन्र र्रेग्'नब्ग्'नबिर्गा য়ৢ৴ॱঀয়ৢয়৽৽ড়৾৽ঀয়৾৽য়ঀৢ৽ড়ঢ়য়৽য়৾ঀয়৽য়য়ৢঀ र्देब:क्रु:क्रुअ:घन:यादश:यदेवे:य:याद्वेश:ययाया। क्षेर वेवा क्षेर रेंदि चसूत य रे केंदि वाइवाया।

[माह्येर बेर पु तर्सेर पते पु राज्यवत तर्पर ॥ र्देव'चक्कुद'च्चेब'क्क्षचर्यादर्वोदर्यायदे'य'र्यवायाळे॥ यावरायदेर पश्चीयाया सर्वेर प्रसायते सुरार्या। ने सुन् सर्दुन्य न्याय प्रहेषाय सेन् प्रेंत् पृत्र सर्वात्।। पर्इति'सर्स्त्रप्तरूर'यन'सेश'नक्कुर्'पते र्देर॥ बिन्याम्हेरर्रम्म न्यात्रियम्याम् नुसायाननसम्पर्दातुरानु हैसारी तदेवासा। क्रें-देर-व्युच-धदेःग्वरूष:ग्री:क्रूब-ह्येंर्रूर्यःस्या क्षर यद द्यायदे के यह स्दर पदि है। विन्त्री विन्त्राचित्र विन्त्राच्या विन्त्राच्या ૡૣૺ૱૱૱૱૱૱૱ૢઌૢઌૢ૱૱૱૱૱૱૱૱૱ हे:श्रेर्'नर'र्'अहर्'र'याधर'र्घुर'नदी। ग्ययः द्यार्वि द्याया स्रेयार्वे र साथी। বশার ব্রির রের্ক্টবাধ্যম বিশার্থ কিন্দার্যী র্যাক্যা नेष्ट्रीर वार्धे नते सुर वीश केर नशुकानते॥ *इ*'ग्रव्यायी'गेति'सूर'म्ह्र्व'रीसेंर्)। বন উন্সেন্সূর্বি ধনী প্রমান করিব করিব বিশ্ব বিশ্ব भूनरा-तु:स-भून:पन्तुन:स-भून:पन:<u>भून</u>।। यर्नित्ययान्तेयान्त्रम् की.मे.मेंतिन्धूरया।

য়ঢ়য়৽য়ৢৢয়৽য়ৢ৾৽ঢ়য়৽য়৻ৼয়ৼয়৾৽ৼয়৽ঢ়য়৾য়৽ৼৢৢৄৢৢ। য়ঢ়৻য়ৢ৾ঢ়৽ঢ়য়৽য়য়৾৽ঀঢ়য়৽য়ৼ৽ঢ়য়ঢ়ঢ়ঢ়য়য়৸ য়ঢ়৽য়ৣঢ়৽য়৾য়৽য়ৣ৽ঢ়য়৸য়ৼয়৻৸

योश्रिमासुन्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ

র্দুবাঝান্থর ন্ত্রা আর্ন্রার্শ ক্রান্থর ক্রিন্তার ক্রান্থর নির্বাধান করি ক্রান্থর ক্রান্থন ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থর ক্রান্থন ক্রান্থন ক্রান্থর ক্রান্থন ক্রান্থন ক্রান্থন ক্রান্থন

ॐॱॺॗॱऄॗॱऄॾॗॗॗॗ। नश्नुं सेन् सर्केग् ग्रासुसः स् ग्रासुसः सुनः सः न्नः।। तके सेन्देग तहें म्यून यदे दूर केंद्र मेशा देर दिर पदेव क्षेत्र मुन्य पदे विषय स्क्रिया। र्मन्यात्र्येत्रः अपितः तर्मे तत्त्रुः स्वाः यन्यः यदे तिर्वर ॥ ૡૢ૽ઽૻૐૼઌૺઌઽૹ૽૽ૼૺૹૺૹૺઌૺૺ૾ૺઌૢ૽ઌૢ૱ૹઌ૱૽ૢ૽ૺઌૺૺૺૺૺ नक्ष्र्वातह्वान्यायते क्षुं केति तस्र केलाणा श्चे त्र शुरू चहुत्र पदि वायुर दुर से वि चर्गी द्या अर्योष:ब्रिट्र पर्स वियादिया अध्यास्त्रीमा ૹૹૡઌૹૠૻૺૡૢૡ૾ૺ*૾*ઌ૾ૢ૽ઌઌ૽૽ૼ૱ઌૢ૽૾ૼ૱ઌ૽૽ૢૺૺૺૺ૾ઌ श्रे-विवायायःश्चिर यन्त्र श्चीयन्वा केन न्या विनद्यासन् निर्मातामा क्री स्वर्धे स्वति स्वर्धे स <u> सःरग्रायम्बरग्र्येते दृर्यः चढुर् कें धे द्रेया।</u> सासुरानहुन्नुतद्वियानदे स्नून र्यदे सुंगा

श्चीत्राक्षेष्ट्राञ्चरायह्याञ्चयाञ्चाकेर॥ त्रवें अें ५ : वें ५ अ. मुच : कें द : दें च : च ह द : वा वें व्या गर्नेन् अदि अर्गेद में श्रे थे हुर लुग्राया। व्यनः यद्वाः तहेवासा स्रोदः वाः हः दः सः स्रोसा। क्रेवा'चक्कुन्'वान्स्रस्य'यान्नन्'यद्ये'झ्वास'ग्री'स्रस्या देश'ग्राथर'नसूत्र'यते'क्कुत्र'रु'से'तर्त्र'नतुग्राथा। ઌૹૠૢૼઽૻઽ૽૽ૢઽૹૻૹૢઽઌૻૻઌ૾ૹ૽૽ૄૢ૱ૢૢૺૺૺ ૡૡૢૼૣ૽૱ઌ.૮ૺૺઌ૽ૺૹઌૢઽૢૢૼઌૺ.ઌ૾ૺ.ઌૢૣૢૢૢૢૢૢઌ૱ૹૣૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺઌઌૢ क्क्षुं तहेवा प्रचीरा च्या तके से ५ '५स' पर्वे सर्वे सा श्चीत्र हिंदि भ्रुप्त हुना मलुवारा वार्राया। त्र्युः स्थे न स्रू भी स्थार्थं स्वान म्हर्गा हु नह्रवा। রব'বাশ্বর'বাশ্বর'বী'শ্রু'ব্রহশ'র্ট্রুব'রী'কর।। वार्थि सेन् झुवार्य क्षे:न्वींन्र्य पति झवा केत्र हेवाया। म्वायर केंग वितर ५८ वर्ग वत्वाय पर हेंत्।। <u> श्रे</u>'नितेरे'न्ययःश्चेरासर्दि,सर्शेर्'। क्रॅशःस्रीन्'न्वातःच'ध्यर'तिष्ठित्यःस्रुते'स्रानुब'रु॥ वर्के येन यर्के ग्वान प्रज्ञते यर हें र केर।। गर्भे सेन् हिन तहित् नहिताम्बर्भ सम्बर्धि स्वर्थे किया क्रें देर ख़ु धी वाद्यायक्रेंग द्या यहें अर्थेट्या।

नन्ग'र्मेर'नलेश'यश्र'रुद्धुन'दर्खे'नदे।पर्यथा। तर्वे भेर दूरका सदि विवासिर सेंद्रका प्रत्नुस र्वेवा। यानेन्यारुवाकुःयानेन्यानवीयीः स्नान्यारुवा। यः केवः रयः चर्दः ग्रह्मां व सर्वे व सहस्यः य।। <u>५५०:१) से ह</u>्ने स' सर्कं द' पते 'रे 'र्वेदि' र्से र ॥ यार ब्रिन्यार्नेर ख्रेते कुल से ह्या यह ब र्वेगा · लुवाशःद्ववाः क्रेंब्रः धर्यः चङ्गुत्यः चत्वेः चनेबः क्रेवाः ५८ः॥ অর্টর ট্রন্থাত্তীন্ত ক্রিম্বার্মির ক্রিম্বার্মির ৼৢঀ৾৾য়৻৸ড়ৣঀ৻ড়ৢঢ়৾৽ঢ়ৼৢঀ৾৽ৼৢয়য়ঌ৾য়ঀ यन्याः स्यायायानुत्यः इति । न्ययः नुः तर्के याविकाया स्या <u> त्र्या'नश्यः ५५'नक्तुशः५६शःनदेः रे र्श्वेदःदन्य।।</u> सक्ता नासुसा भ्राप्त निर्मा स्थापन য়৻ঀয়৻ড়ৼয়৻য়৻ঀয়ৢঢ়৻৸য়ৼ৻য়য়ৼ৻ঀঢ়ৢঀ৻৻ बुनः सेन् :न्वोः येवायः न्ययः क्रीयः वीयः क्रुनः ग्रायर म्युअ क्षेत्र होत् यावद त्य ह्वा हु स्वर ॥ र्षेत्रायशर्वेर् बेराग्चे प्रशासीर पति हिन। অমান্তর'বাবুঝান্ত্রিমান্তর্কথামনাদু:ক্রুমা नगः वैषः दवो नषः षः वासुक्षः धेंद्रषः तवोद्रशः विवा।

डेश'य'तदे'हेद्'ये शेट केंश ब्यु केव चेंति क्यें त्यु र देवाश नश्या तसेया क्येट की स्थे क्यें देवा त्या क्येय क्ये

ই্বামান্টর ই্বামান্থর র্ন্ধ র্ন্থমান্ত্র মর্ক্টর বার্মিয়ার বিষয় ক্রুর বের্ন্বর ব্রিন্ট্রর ক্রমমান্তর মেন্ট্রবা

र्श्वेवं कें क्ष्मा द्युच के नावश्यामा वाद्य केंगा न्द्रिवं कें क्ष्मा द्युच के नावश्य मात्र द्याय केंद्र केंद्र

উষা মার্ বা বী : ঠিবা : मार বা ঠবা : घॅ : दे : चश्रू द : घरा छे : र र र से हे सा ति है दे छी : বার্ষি না স্ক্রীর : ব্যবসূত্র : ঘা নে दे : हे : वा र वी : केंसा छी : सके द : घॅ : प्रक्रा : भूत्या र वा से आ हु र । বার্ষি ।

दक्षे से द विया सदी सर्वे द विद विद स्थान ૻૻ૱ૡ૽૱ૹૻૹ૽૽ૹ૽ૺૢૡ૽ૺૡ૽ૺ૱ૹ૽૽ૢૼ૱ૢૹૡ૽ૺ૱ૹ૽૽ૺ૱<u>ૺ</u>ૹૺ *ॱ*इॱगशुअॱशु८ॱयाॱधेःलेशॱशुक्राःख्रक्। देर.पर्दर.चर्व,ळेवाच्च्यायप्र.रवो.जवायार्क्स्या। क्रियाद्वरायञ्चात्राप्त्रे स्थाप्त्राच्या ૹ૾ૼઌ*ઽ*૱૽૽ૢઽઌૹ૾ૺૹઌૻૡૢ૱ૹઌ૱ઌ૽ૺૄૼૹઌૹ૽૽ૡ૽ૺ૱ૢૢૢૺ ष्ट्रिन नद्या मृत्युद्ध र दिस्त र देनाया सर्दुद मिया ना ইবাঝ'নব্বা'ব্ধঝ'শ্ৰুৱ'ল্ল'ঝ'ৰ্বঝ'নদ্ৰ্ব'বাৰ্ঝঝা। तह्यान्तुर्याञ्चानदे सुर्धिया हेवान बुदानका। धे^ॱवर्गवुर्यः प्रः र्धे्ययः यदे गृहेरः र्वेयः गृ। सन्:बुर:याययःयते:न्वर:धुवा:क्वायते:हे॥ <u> ल्यंद्रेयाः सूदः यदेः अर्द्धेदः दुः ह्याः यदः यत्याया।</u> র্ষ্রমানমমাস্ক্রুনামানার্কিমাননীয়েরামান্ট্রনমান্দ্রা 'ন্যার'দ্বর'বর্ত্রর্ন'ম'র্বীঅঅ'মন্ট'ন্অ'বডর'বদ্ব।। क्रे'गठिगासक्रस'मर मत्वामदे ध्रुग्रास हेदे क्रुगा याश्वर मार्थिश ह्रा हुए क्ष्य श्री भेषी निष्य याश्वर मार्थ स्था

अ'नर्डेरु'इर'र्येदे'र्थेद्र'हद्गन्तेर'न<u>बर'</u>विश्ररु॥ ૹ૾ૼૼૼૼૼૼૹૹૄ૾ૢ૽ૢૼૢઌૹ૱ૹ૽૽૱૱૱ૹૺૺૺૺૺૺ *ॱ*इअॱघरॱग्रुठं८ॱअदेॱर८ॱन्ववि, द्वीग् गी अर्केग्। क्रिजानस्वासक्रित्रक्तिःक्विन्तुःह्रास्यास्यान्त्रिता 'নেক্ড্,'অ'ৰ্ছ্ৰবাৰ্ম'ৰ্ম্ড্,'ইড্,'ইড্,'ইড্,'ইড্,'ইড্,'ট্ৰা र्क्डेन्'यते'खूयाय'य'यक्तय'यह्या'र्क्क्या'न्यर'याथा। ક્રિંચ.તત્ર.ત્ય.તર્સ્યાસ્ટ્રેય.ટ્યું.ચલુ.અપી गर्भे से दःदर्भे नदे सर्गे दःदःहगः पर नत्वारा। यर ब्रिंट केंब नक्किंट ब्रेब प्यय देट ब्रिय पदी। यर्क्व स्नुव स्नु धिर्य हीव पति इ से र पीर पीर नसूत्र तहें तृ चेंका सदि ग्राचे र वि सर्वेत् चेंकर ।। भूया.त्र्रायचीर.तपु.योध्याचीराह्यीयायाचीरा। ग्रन्भुंद्रअयः श्रेयः गर्लेब बुयः ह्रगः यहवः विदः॥ लेग्रायासुर सेग् से तहुंस पते ह्यू तस्ता पहता। श्चिम् राम्याः वर्षे हित्रे र्रे या प्राप्त हिन्। केंगरें १ र केंगर वर इस ५ वर्ग न क्षु से २ ५ ८ र । <u>ॡॖॴॱॻॴऒॱॾॣऒॱॳॸॱॸॣॴॸॱॻढ़ॱॸॖॆक़ॱढ़ॼॣॸॱॵॴ।</u> বার্থাঝারচর শ্লুবি ধরী বের্মান্ত্রর বিন্তুর দুর্গা त्त्रीयः त्र्यायः प्रतिः द्रयोः त्रेयायः त्रयः स्त्रुयः द्वया

ब्रैं त्वीयात्त्र व्याप्त व्य

देश'ग्राश्चर'मद्रेग'र्स्ड्ग'त्र्ड्ग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रुग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिग'स्त्रिन्त्रिन्त्रिन्त्रिन्त्रिन्त्र्यंत्रिन्त्रिन्त्र्यंत्रिन्त्रिन्त्र्यंत्रिन्त्र्यंत्रिन्त्रिन्त्र्यंत्रिन्त्र्यंत्रिन्त्र्यंत्र्यंत्रिन्त्र्यंत्रिन्त्र्यंत्रिन्त्र्य

रचःदश्चर्यार्स्रवायःरुयःगाुद्रःदःहवाःचतुवायःयदे॥ अर्क्चन'गर्भुअ'सू'५८'च५ेष'क्षेन'सून'यदे'गर्डे।। ૱ૡૢ૱ૐૡૢઽ૽*ઽ*ઌ૿ૢઌૡ૽ૼ૱ૡૻઽ૱ૄૼઌૢ૱ઌૹૢ देर वदेर चदेव सेवा वच्चा चित्र सकेवा र्सूब सेवा। यः क्रेवः योव्ययः द्वायः द्वायः वायुवः क्षुयः यदेः वार।। नर्मन्यत्रम्भेयात्रह्म्यः अक्र्यामी सुर्यः यदे सुदि॥ 'ৰ্বম'ধন্'শ্ৰমে'শ্ৰ'নদ্ৰ'ধন্ত'মন্ত্ৰৰ'নন্ত্ৰুম'মাইন্।। অন্ত্রির মন্ত্রি ক্র স্থ্রবাক্ষ শ্রী সূর্বি ক্রম প্রমা श्चु नदे ज्ञु न नग नी नमय नु नगे न। নমূর দের স্ক্রীর ঐ শ্রীর দের ঐবা বাইবা দ্রী। ৼয়৻য়ড়৵৻য়ৢ৾য়৾য়৾য়৻য়৻য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য় অশতর দ্বামের রেরিম অবেরীর রাদ্রশমরী। ইবাঝ'শা্র'নের্ঝ'মন্ন'ড্রিন'নর্বা'র্শ্রীঝ'নের্বিম'বার্কী।

अर्केग्'गें)र्दे हे क्रेन द्र्येत ल्वर पनहत्र ग्रेन्य। ग्र-ॱभ्रु'र्भग्नम्भयःभिरःर्रः तुस्राम्बरः मलेदा। ૹ૾ૼૼૼૼૼૼૹ૽૽ૢ૾ૺૹ૽ૼ૿ૼૼૼૼૼઽૢ૽૽૽ૢૺૹૡ૽ૼૢૼ૽ૼઌ૽૽ઽ૽ૺૢઌૢૹ૽ઌ૽ઌ૽ઌૺ याबर याब्युक्ष की बुच वेंद्र चुति कुल अर्क्ष द्या द्यवाः यदः क्रें व्यूक्षः हवाः हुः चर्युदः खुः रहेवा। षो द्वीद्रशः र्सेट् के द्वारी द्वीर पर्ने पाकेर।। . इ.लू.च्या. १.च्या. १.च्या. १.च्या. १.च्या. १.च्या. १.च्या. ऍर्यान्युन त्युर सेन् र्स्या नी सेन् रेन् री। श्रे-विवायानु रत्यास्रादे चिवायो राह्यानहत्र विवा अर्धे देश भू अर द्वुश द भू द्वर द्वर । यानवः व्ययः कुः श्रीरः विदः वः वेः ज्ञाः निवा। <u> रास्ट्रेट नसूत्र वर्षेत्र केंग्राय त्र सूत्रा यो ना</u> श्रीक्ष्यार्ट्र हेते वित्याह्या पराचत्वाया। <u> ५११८:४२:५५८:वें.स२:५वैं.स.५१</u> য়ৼৼয়৻য়ৢঀ৻ৼৼৢঀ৾য়৻য়ড়৻য়ড়৸৻য়ড়৻য়৾ঀয়৾ঀ यायर त्रिंद्व यायर प्रते प्रम्या स्राप्ति प्रते विकायार्थिय।। ग्रन्हिन्धिंद्र, स्वायकेषा स्वायक्षित्र, स्वायक्ष क्र्यानकुर्गाययःधाद्गीः समार्थरः सुरमायमा শ্বশংঘর র্রিশেরক্র মেরাধ্যমার র্রী দরি মর্যার।।

श्चात्र प्रस्ति स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स

चत्रः क्रुरः क्रुरः क्षेत्रा।

चत्रः क्रुरः क्रुरः क्ष्या।

चत्रः क्ष्यः स्ट्रः व्याः विष्यः स्ट्रः क्ष्यः प्रदेशः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः प्रदेशः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः प्रदेशः क्ष्यः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः क्षयः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः स्ट्रः क्ष्यः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्ट्रः स्

শু-শূ-মূ गीय वियाश स्वयाय हुँ र क्रय दिया क्रिय गारी। नर्'अर्क्चेन्'न्नाद'नविदे रेंब्'र्केर'ह्ना'नश्चुर'न॥ প্রষ্ঠের মুধ্য প্রস্কার কুরি প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র প্রস্কৃত্র देर वदेर चदेव क्षेत्रा सुच यदे लेख य क्षेत्र। वें5'अर्द्धन'क्ट्रेंर'ययर'5्यग'से5'र्द्ध'धे'ख़ू॥ . ५ कु. मुर्-अकूर्य। चींच. क्यि. रचट. नयैं. ५ चींट.।। तर्कें सर्न श्रुव श्रुव श्रुव सामा <u>त्त्व केंद्रे वृंद्य पर तके क्षेत्र श्रें वा ही व हे वा ।</u> यर् केंब केंब क्षा भूति सूर्य व निराधिव प्युका। विंद्यार्श्वेत्रः ह्वीयाः अतिः विदान्यः विंयाः यादगार।। ग्राद्वत्यः श्रुयः श्रुरः यवः ग्रीः श्रुतिः सः श्री। देर दिर वा बुवाय अपूर खूर अर्केवा हवा वह व वार्येत्या। য়ড়ঀ৾য়য়ৼ৻য়৾য়য়ৢ৻ৼয়ৣ৸৻৸য়ৣয়ৼড়৻ঢ়য়৻৸৻৻৻৻ <u> चन'ग्रायत्य'दर'गी'दे'याचिर'द्रय'दकर॥</u>

यरे र्क्ट्रेर द्यर अहर ह्ये व र्खे या मा यानतः यद्भयः चर्ने केवः द्ययः वें व्वचर्यः चह्वः वार्वेत्य।। · अंभ्यं बुर तह्या अवअभेर देव प्राप्त त्र्या বহ্'রবঝ'বাঝহ'বর হৈ'য়ঽৼয়ৄৼ'বয়ৢয়'৻ঽঢ়ৢয়॥ अर्द्रवृश्चुर:ह्रग्रवार्श्ची:धुर्ग:क्तुर:पर्देश च्यून देवाबा त्यका क्री दिन हों तर्के वाले बार वार्वा वा <u> न्वायन्त्राकोश्वर हें हे कें पी कुला।</u> कें'वर्देव'द्रमञ्जूब'द्र्याञ्च सेर'या'धेरा। বিষ্ণান্যক্ষানদ্ধান্য্রি:বৃদ্ধান্তর্বা বাউবা'নমুশ'র্শ্রবা'বী'শ্কীন'র্মশার্শ্রিন'রের্ক্ট'র্শ্ববা। द्रयायानविदःयायतः तर्वे के देर सके र से स्थाप ग्रवशःसुयः विदः श्चेदः दुन्नी हो नः धैय।। हुँचीय.यधुषु:रेर.घर्या.कैय.ज.पचीर.शुरीपश्ची। श्रे'तदतःह्रग्'हु'नह्रुद्र्यते'र्क्के'ग्'श्चूनरू॥ शः ह्युँद्रद्वायः चः षरः विद्याः भूतेः र्वे च्वदः॥ नगाःविकाळें धीःमञ्जून् तद्दीवान्नावः मदीः र्कवा। য়য়ৢয়য়য়ৢৼয়য়য়৾ৼয়ৼ৾য়য়৾য়য়ৢৼয়৾ৼ৸ गण्ड दुर रे विश्व हिन् विषय ह्या सहित र्विगा श्चर्टिग्रयः बेट : द्र : श्रु: चे : चर्गे दः यः चेश्रा श्री सहर विर गुम्मा हिन मति ह्या तस्या सा।

स्त्रः स्वान्तः हे स्विन्ति त्या स्वान्तः स्वान्त

च्याः क्ष्मा व्याप्तः व्यापतः व्यापतः

यर्शेयःयदेनसःद्योःयेग्रस्द्रम्ययःय्वेषःव्रसःचह्र

क्रियः नः न्वाः क्रियः इतः श्रेनः व्युनः परेः वार्दे।। <u> અજૂના નાર્જાં સંસ્ટર ક્રીંટ જા. અર્ઘે. ક્રેંડા જથી</u> য়৻ঀয়৻ঽ৸ৼড়ৢ৾ঀ৸ড়ৢৄ৾ৼ৻ঽ৾৾৻ৼৢ৾ঀ৸৻ঀৢ৻ৼৢ৾৾ড়৸ <u> रवा'ल'चनेब'ळेवा'चुच'चते'बळेवा'कुॅल'ठेवा।</u> 'सुब'र्केवाबा'नहब'५८'वाओं नदी'५वो'अर्कब'नडु५॥ यार्रेया'तु'त्रदीत्य'चत्रे'र्श्य्याहेब'दू ८ष्य'खदे'स्या। श्र-विवायायः श्चिर-वर्त्व श्ची-व्रीर-व्रास्ता ओ'र्स'गिरेश'से**न**'त्तुर'त्त्त्व|'र्दे'र्चर'र्सुत्य| सुल: हुर: सुन: रेग तहें द: य तिरं र लेति सर्गे दा। तर्से च्याः हें हिते।प्रस्य सुःह्या पह्रम् पति॥ तके बेद कें ख़ुदे दें चें र विचय चह्र वार्षिय।। यर द्यवार हैं वा से र ह्ये न चत्र ले नदे । वस्त्री স্ট'বাইবা'মণ্ডম'শম'নৰবা'মন্ত'ট্টম'নইব'ক্টুবা। पश्चेद:ह्रॅग्य,रच्चेर:बोद:रेब:याक्रेय:क्वेर:या। র্যাঅম্যদের ক্রমান্তমান্ত্রী ক্রমান্তর বা

নন্না র্য়নাম নিম্বর্ম বের্নিম নাই শ্রীন দ্যা। কুম শাুর বের্রম মৌন ইম স্কানর্ম স্ত্রুম দ্যা। কুম মানত ই শ্রীন বের্লি মে ন্মম স্ক্রীম না। কুম মারিন দেশ নির্লিশ মান্তর্ম মম নির্লা।

देशःसंदरः रचः वाद्यश्यः स्थाः स्वाद्याः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्य स्वाद्यः स्व

चुन'पत्रे'न्चुन्य'क्षेत्र। क्रें'त्रयेय'क्चे'ल्नक्ष'नह्रुत्रगर्सेय'स्त्रेत्रा'क्षेत्र'क्षेत्र। चुन'पत्रे'न्चुन्य'क्षेत्र।

द्याः भूदः चुदः तह्यां श्रेष्ट्यं गृत्यां अत्यः भूता।
द्याः मूदः चुदः तह्यां श्रेष्ट्यं गृत्याः यद्यं म्याः विद्याः यद्यं च्याः विद्याः यद्यं च्याः विद्याः यद्याः यद्याः

য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৢৼ৻য়৾য়য়ৼয়য়ৢঢ়৻য়৻য়য়ৢঀ क्रें'भे'द्ररःश्रॅरःञ्च'दरःग्व्यायदेःक्रेंग्रम्॥ હનુખ. છે ર. માર્જીયો જા. જા. જાર્ચે. જે વ. પ્રાંત્ર જે ત્યારા જીવા છે. नक्ष्र्व तद्देव अर्क्च न नी क्षु के नहव शुरु रहेगा শ্ব্যবিদ্ধুম: রব: বাঝন: বাদ্দি: उत्र देख: प्रविद्धा। શ્રે'નૄષુઅૠૣ૽ૼ૬'૬નૄાતે'અફેંઅ'વહિબ'નતે'અર્દેંૠ इरसेन्कुयपंग्युन्नरःक्षेत्राञ्चयान॥ বর্ষিন,ঙ্বুবা,বর্রু,হানু,পর্যূথ,রু,হানুস্বাদ্যা . अ.स्.वेर.प्रदेग.प्रकीर.शरे.यरे.कुरे.यो.कुरा। सन्नतः तृपः तृ'द्दे र्श्चेष्। यी क्षेदः ये द्या। શુ.ૡૹ૽૾ૺૠૡૺૺૺૹ.ૹ.ૹૺૹ.ઌૠ૱ૡ૽ૺ૱ૺૹ૱૱ૢઌૢઌૢઌૡૢ૽ઌૹ૽ૺૺૺ इस्रायागुराधीःसर्केगाःस्र सेंदाकेदान्दीरस्य। श्रेःविवायाताः क्चेंरायम्यवायत्त्रम् छेः दर्देशा त्युरः येदः दृद्यः यदे दे चिरः ह्या यहवः यदे॥ नर्भु सेन् नदेव पति द्वो त्येवाय तयर श्रुर रहेवा। चग्रा-विबारगुद्र-चिट्ट्-चर्च्यूबा-चह्नद्र-चार्थिते न्द्रम्था। चगाःवैषाःविद्यः तद्षाये वाषाः स्वीषाः विद्याः वद्यः वसुद्या বিশা-পূৰ্বা-মুৰ্বা-মেই প্ৰিবা-মেই-মেই-মান্ত্ৰীসন্থানা। चग्रःक्ष्यःचन्द्रःऋषाःन्याःचयःव्य्वानःसुरःक्ष्या।

याली.प्र्याची.याराक्रीलार्श्यात्राक्ष्यात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राच्यायात्रा

त्रें सदे ह्युं तस्या दिवास से द स्नाय न व र सर्वा। याययः मदे । हुः सर्केषा योः वेषः से ह्वेदेः व्यवस्था युवानह्रेशचुन्त्रयार्केशन्वीरशायरार्वेयानु॥ श्चे नदे सेट न दहें व न लिया नह व न के लिया ૽૽ૢ૽ૣૼ૽૽૽૽ૣૼઌૻૹઌ૾ૹૻઌૺૺૺૺ૱ૹ૽૽ૢ૽ૺ૱ઌઌ૽ૺૹ૽ૣ૽ૼ૱૱ૺઌ૽ૼ૱ यानर्डेशः स्टा हुटा देवा की प्यो क्रियान हुरू। रेग्रायान्तुति। ह्या प्याप्ता दें हे त्रीहें व पा अर्केग्रा श्रेष्ट्यूर हें हेते द्विष्य ह्वा पत्वारा र्वेगा वयःक्रुषःर्रेषःग्रीःविष्रःर्षःह्याःहःपर्श्नेर॥ रेअ'ग्रेअ'ग्रन्थर्य'यर्भ्य'सूत्र'य्युत्र'र्स्चेत्'र्वेर'र्म्या अन् जुन श्रुवार्य मञ्जीन योवार्य स्रोन रन्तर वीर्य त्यूया। বাধন:বার্থস:সার্হ-রেস্বর্ম:ব্রিস:বর্মা:পূর্বার্মুর্যা। ओ'न्ड्रीन्स'नने'केब'चे'नेस'ङ्गु'यदी'ग्रम्। ૡૻ૾૾ઌ૾ઌૢૻૡૢૻૼઽૻઌઽ૾ઽૢ૽૽ૢઽ૱ઌૢૼઌ૱ૣૼ૱૱ઌઌઌૣ यिष्ट्रमा स्वर्थः विष्यः यहे स्वर्ध्व स्वरंभा स्वरंभा यातवावाः भ्रुवः युवः श्रेनः पतिः क्रुवः नः वहवा। यर्ने नियम राज्ये हो न निष्णे भी समिर्ग वेवा के द के राज्यें र प्रमुद्धे र द्वात के या छै।। त्युर:५६:हेर्ग्यायदे:य५ग्'क्रे५:क्कुय:यदे:यसूर्वा। न्यर्नियः प्रश्नास्त्रीयः यः प्रश्नेयः व्याः र्युगा

प्रहेग्रयः सूर्यः प्राच्यः प्रवाद्यः स्वाद्यः विवाद्यः विवादः विव

यक्षायेदायर हुर दें हेर गर्शेयाय पदिवस्य

र्म् च्युप्तः स्राप्तदः स्रेतः स्राप्तविदेः प्याः स्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः प्राप्तवः स्रितः स्राप्तवः स्रितः स्रितः स्राप्तवः स्रितः स्राप्तवः स्रितः स्राप्तवः स्रितः स्

प्राचित्राची निर्मा नि

देशःत्वुदः सः चः चह्रवः यदेः यदः द्वाः विस्रम्। र्वरमार्श्वेर्प्षर पति कुषा सर्वन् श्रेप्पति द्वर॥ नम्बेर्यायहर्द्र्यायक्रम्यम् नित्राचित्राची इ.स. द्वीया त्रह्में प्रति स्रकेया हिन् लियम प्रह्म यार्थिय। <u> ५८.सॅर.२स.मधु.यनेश.योवेष.श्</u>री.स्र.यश्रेषा। नर-पु-वानुस्रयः बनः यनुन् द्वैः यसुन् नु-विक्या। हैर[,]दिह्य,याळ्,जुर्य,यार,ब्रिट,चश्चेज,चक्चेर,चध्या। अख्य कें अगुदारें में देन विदाने दा ক্রমে:রুঅম:গ্রুবাম:শ্রী:বাম্ম্য-নে:ভূব:রুরি:বৃদ্রীৎনা। शॅ'र्से'रर'रेवा'तसवार्यायते'र्न्वेर्यार्सेर्'या। न्वर तर्द्धेर लेश रच हैं वाश द्विन हवा चहत लेंगा वहिषायाओर पर्रायया इसा कुया दे हिते आ यानतः यद्भयः बिदः ह्यः यद्भयः यरः हवा नर्गोदः दे॥ ૡ૽ૼઽ[੶]ઌૢૹૹ૾ઌ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱ तर्ज्ञ र्सेते थीर ग्री सुन या सबर होर र्नेगा यार अर्ळन् भ्रुप्धे पर्योद्धायते द्रिया त्रियं र या बुवारा। विचर्यायन हें हे दे हि त्या त्या नहत्र यदे॥ चगुःविवारे।वाचश्चीरवायते।वायुरःदुरःरेवा। ब्रमः यदः वार्थे सेन् श्रीनः बिते न्ययः नुः विवा

डेशां डेशां डेशां केंग्रिंगां न्यां लेश ह्यां शुंदि ह्यां शत्वेद 'त्रवेद ह्यां श्रेत स्वाक्त हें त्यां हि ह्यें देश ह्यां श्रित स्वाक्त स्वाक्त हों न्यां स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त स्वाक्त ह्यां श्रित स्वाक्त स्वाक्त

র্বেষ্ট্র-ইর্ন্ট্র-ইর্ন্ট্র-আন্ত্রিন্ট্র-ব্রব্যান্তর্বার্ক্ত্রান্ত্রন্থা

સ્ત્રપ્રેસ્ફ્રેં ક્રમ્મદ ગફેશ ફેંબ સેંદ હુરા रैव'क्वेव'सूर'च'ह्वेब'ह्वेर'ह्य'चह्व'गर्शेला। য়ৼৢৼয়ড়৾য়৸৸ঽ৾ড়ৢ৾ৼড়ৢৼঢ়৾ৼৼৠৢঀ৾ঢ়ঀৗ ક્ર્યું·સુત્ર·ગુનુદ:નચાસ·વર્કેચ:ર્સદચ:ક્ર્યુંન:ન્ધવા ट्र ह्येग ग्रायर मदे कुल सर्व सेर सर्वे प्राये। नसूत्र मते अहेरा क्रुत्र मलेरा महेत्र स्तुत मल्यारा मर्रात्य क्षुचेदावर्देदाधिवादुगायी केंद्रावाददा। ৾ঀয়৾৽ড়ৼ৾৽য়ৼ৾৾৻ঽ৽য়৾৽ড়৾ঀ৽ড়৾ঀ৾৽য়য়৾ঀ৻৻ इब्स्वेबायुःचादर्वेदार्थेबाह्यासुदान॥ *ब्*बरायाञ्चलायदे यने का छिन्। स्पृत्रात्व स्त्रे स्विगा **इ**:५गादे वाद्याय प्रस्ति या के ख़ूर प्रदी। यष्ट्रिव,रय.केंग.यश्वत.चय.शुष्टु.की.योधेर.कैंयो। নার্নুত্রের বের বিশ্বর क्रुवराद्यार तर्से वते सहस्य स्वा हवा वया र्वेगा क्ट्रॅन:केव:गा:५वा:वर्5्य:अ:च्रुय:पवे:५च्चेन्या। सूर न स त्याया सूत्र मुन रेल सेंदि स्ला। स्रु:र्क्ष्याया:क्रुव:रु:तकर:पदे:श्रीर:बेदे:तस्या। यार ख्राका केंग हिन अहमा धर में यहिया विया सर्क्र्या ग्रायास प्राप्त ग्रायास स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स हेब्र डेर त्वेल त्वुर चक्षु च खेर् पर्वे अधुरा।

चन्द्रेत्रः क्रेंत्रः क्रेंत्रः चर्त्रः देशें चग्रानाः तनरः चर्णा। रु:नासुरु: द्वोः चर्त्रः चग्राः विरु: ह्वाः क्रेंतुरः विना।

स्तर्भ्यायक्वीर्यंत्रः यद्यायस्तर्भ्याभ्यात्त्रः स्त्रीर्या। स्तर्भ्यायक्वीर्यंत्रः स्वर्यायस्य स्वर्याः स्वर्यः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्यः स्वर्यः

त्याचीर त्याचीय त्याच

केव'म्री'र्रे'र्क्केवायाः सुरायाः वुरासार केव'म्री'रे'र्वयावायाः चुरासाम्याः ग्रीयाक्षरा क्ष्मीं प्रमुख्या क्षित्राया विकासी अर्द्ध्यया विकासी বল্প। ঐপ'ব্ব'অব'ঐপ'শ্রী'ই'র্ন। বশ্র'প্পি'দ্বাপ'শ্রী'অর্কর'ম। क्र-चार्यन्यत्रियान्त्र्या स्थायक्रियात्रस्यान्ययान्यतः विवायी स्था ন্ত্রীপ'মর্কর্ম'। মাদ্রপ'মন্ত্র'ন্ত্রুবাপ'স্ট্রিনপ'ন্দ'ত্রের'বরে'ব্রম'ট্রীপ' અઢંત્ર'મતે'એ<u>≒</u>તે'રે'ર્વે'લેશ'અઢંત્ર'ત્રે'<u>ૠ</u>'ભૂર'ર્વેડ્સ'સું'ગ્રુગ્ગગ્રગ્મતે'ઢેંશ'ગ્નેર'ઢેત્ર' र्रेदिःगर्दुनाःभनाः।मरःनु। नुभःसुदाःसुद्राःस्वीयःभःर्स्नेदाःभेदेःनस्रीयःभःमजनरःभे। নব্বাভবাবী শ্লুৰ মামঙ্গমামী পুত্ৰীর ক্রুমার্মনী নশ্লুৰ মাম্যান্ত্রীর ন র্টু৴প.প্.ল৴.২স.ক্র.ঈবন। এবপ.দুড়.ফ্রিজ.মু.র্ট্.ইড়.ক্র.হব.ক্র.খিম.র্ यार.च.स्व.क्र्यायायप्रत्यस्याची:र्या क्र्यंविच.सुड्ड.र्र्याचयु:र्यरम्बर्यूराया কবাঝানইণু:র্রুংর্র্,পেঝাক্রীপার্বার্নার্নার্নার্ন্র্রুমান্ট্রুমান্ট্রুমান্ত্রীনাক্রী <u> ব্রিমঝ'রম'মম'বৃগ'ম'ঝ'র্ম্ব্রর'দেইগ'ন্রহ'স্কৃব'ঝমঝ'শ্রী'র্ব্যুঝ'মস্ক্রীব্'নদ্রর'ম।</u> याबर न क्याबर में इस पर्मेर प्राप्त के राज्य राज्य र निया न साम के स् ৻ঀয়য়৻য়৻ঀৄ৾ৼ৻য়ড়৻ড়য়৻ড়৻ঀৼ৻ড়য়৻য়ৢ৻ঀয়য়৻ৼ৾য়৸৻য়ৼৄঀ৻ঀ৾৾৾৻য়৾৽ৼ৻৸ नेया द्वारीया परि या वर्षा सम्रात्त प्रात्म स्वार प्रात्म स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर **षदबाय। दक्दायार्चेग्बायायेदाय। र्हेदायादग्रह्माद्दायाय।** ৸ৼৢ৶৻ঀ৾৻য়ড়ৢ৾৾৻৵৻ৼ৻য়৾ঀ৺৻৴য়৻৸৻ঢ়৻ড়ৢ৻৸৻৴য়ৢ৻ঢ়৻৸৻৸৸৻ঢ়৸৻ড়৸৻ঢ়ৢৼ৸৻ঢ়ৢঢ়৻

तिर्दरस्त्र स्त्रार्स्य विषयः सिन्दि स्त्रियः विष्यः दिन्दियः कें'द्यद'सकेंग'रुद्रा শ্বী৴:ড়ূ৵৻ঈ৾ঀ:য়ৣ৾৾৻ল৾৻৸৾য়৾৾৻৶৾৾৻ঀ৾৻ঀ৴৻ঀ৾৵৻য়৾ঽ৻য়৾৻য়৾৾৾য়৾৴৻ৼঢ়ৣ৾ঀ৻৸৻ঀ৾৴৻ र्थे'ॲब्'ॸॖब्'ॼॖॆश'चक्कुब्'यदे'द्यर'ऄर'द्यो'दर्बुद्य'दर्श'यदे'ऄ्वेक्'र्ये'द्र'। ঌৢ৵৻ৼ৻ৢয়৻ৡৢ৻৶৵৻৸৻য়ৢয়৻৸৻য়৻য়য়ৣ৻৸৻ঀৢ৻৸য়৻৸য়ৢয়৻৸ৢয়৻৸ৢৼয়৻ৼ৻ ह्र्यान्न.तपु.र्यम्,यख्या.यसेष.ताक्रिज.यपु.यगोष.र्टर.र्योट्नायचीज.ची.यसेष. বর্ভমারবাউদাক্ত্রাক্তাক্রদামার্ক্রাবার্মার্বার্মার্বার্মার্বার্বার্মার্বার্মার্বার্মার্বার্মার্বার্ বাল্বদ ক্রব র্ম দ্বা বী র্ক্তর্ম শ্রী ক্স্রা দ্বর্হক দ্বম শ্রী হি র্বির মব্যুম ব্রুষ র্মী কর্ यरः*भ्रे*जानबिवायास्रो। देःस्रायस्वासुवाराक्षेत्रायःस्यायास्या तदेर। यत्रप्राचित्रक्षां अर्द्धिः त्युराग्रात्रशास्त्रायार्वे प्रसूत्रायारे वार्षे के स्त्रीः <u>५८.वी.चेबा.पहुब.वी.पित्रका.पटुर.लीचेबा.स.२८.वोचेबा.स.२८.कुमा.</u> ঽঀ৻ঀ৾য়৾ঀ৻য়ড়ৄঀ৾য়৾ঀ৻য়৾ৼয়ঀ৻ঀৼ৻ঀ৾য়৻ৼয়৻ঀয়৻য়য়৻য়য়৻য়ড়৻য়ঢ়৻ नस्रुवःभःतद्देवःशुदःस्रेयःनरःग्रेदःभःय। नस्रुवःभत्रःश्लेदःभेदःदिःह्रग्रयः ধরি বদ্বা ৡদভর অব ষ্ট্রিম দি ৡদভর্পদ দেশ স্থ্রিম দি কি ক্রান্থী বা বাম বিষ্ণুর ধরি ग्रिक्षत्रअप्तस्रुव्रस्तर्भेषात्रीप्रयोप्तत्त्वर्भेवर्भिकोधीवर्भवेष्ट्रप्रदर्भेषा र्वेस नविव-नन्गः क्रिव-नम्भव-तिह्दव क्रीः श्रीय-नु-नय-प्य-प्य-न्य-नव्य-प्यक्र-पिक-न्य-न्य-मॅर-५-पगुर-पन्धे। ५५५-छ्र-पार्यकान्यापदे सुग्रवाका ब्रियायका या तर्वा 'প্রনা র্টুর'য়ৣর'য়ৢ৾ঢ়য়'য়ৢ৻ঢ়ৼৢ৾৻ঢ়য়৾য়ৢয়য়৸ঢ়য়ৣঢ়৻ঢ়ৢয়য়য়ৢয়ৢয়৸ঢ়ৢঢ়৻ঢ়ৢয়৸য়ঀৢয় नसूत्रभासेलानदे न्वीं वानात्रम् हिन्यम् उत्तर्भ सुत्र हिन् निन्दिर য়৾ঢ়ঀৼ৾ৼৢঀ৾৾ৼঢ়৾ৼড়৾৾৻ড়৾ৼঢ়ৼ৾ৼয়ড়ৄয়৾৻৸৻য়৾ৼ৵৻ড়ৢ৾ৼ৵৻য়ঢ়য়৻৸৻ঽঢ়ৄৼ৾য়ঀয়য়৻

<u>ૄ</u>ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૣઌૻ૱ઌૢૻૺ૱ઌ૱ૹ૾ૢૢૼૼ૾ૼૹૢૻૢ૽ૢૢૢૼ૾ઌઌ૽૽૱ઌ૽૱૱૱ૹ૾ઌ૽૽ૹૢ૽ઌ૽૽ૹૡ૱ૹ૽૱ૹ૽ૺૺૺૺૺૼ૾ यह्रम् तर्वे म्यान्य प्रमान्य स्थान्य र्नेव्यक्रियाः त्रे केर क्रियाम् देश ही हिन ही या लिया पत्रे सक्ष्य याद्य पत्रिया या অবাপার। য়য়বার্থরাস্ক্রিরানার্থানহর্পা ব্রানর্থানার্থানার্ধানার্ধানার্ ৼয়৶৻৾৽৽ৼয়ৼড়ৢ৾য়ড়৽ৠৣ৾ৼ৽য়ঽ৾৽ড়ৢ৽ৼৼ৽য়ৣৼ৽য়৽ড়৾৽ঀ৾ড়৽ৠৢ৾৽য়ৣৢয়৽ৼৼ৽ড়ৢয়৽য়৽*য়*ৢয়৽ अनेशःविर:र्वाद:वर:श्रीशःयःविशःपदेशोर्नेवाः कर:रु:श्रीयः हेवा रे:सूर:सू: ८८.य२४.तपु.प.सू.प.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू.या.सू ધૅં×અઽૡઃગૄૹૼૡઃ૱ૹઃઢે૱ૡ૽ૼૡ૽ૺૹૐ૱ૄૹ૽૾ૢ૾૽૾ૢૼઽૼૢઌ૱ઌ*૽૽ૢૺૹ*ઃઌૡ૽ૺ૾ઽૢઌૢૡ૽ૹૢૼ૱ૢ૽ૢ૱૽ याञ्चिषायाद्गराचीः भुग्ने वह्ने दानायायुषायायी। वार्युदाहे दार्यो वार्युदाहे दार्यो दा केव'यहिंद'यद्व। ध्रुण्याहेव'हेंद'देव''''। यद्यत'हेव'द्र'देद'द्रापर'धें ৻য়য়৽য়ৡয়৽য়ড়৵৽য়ৄৣয়৽য়৵৽য়৻ড়৾৽য়য়৾৽য়য়৽য়ৣ৽ঢ়ৼ৾৵৽য়য়ৢ৻য়য়৾৽ঢ়৾য়<u>৽</u>৻ড়ৢঢ়৽ ૡઽૻૹૹૢૼૺઽ૽૽૽ૼૺ૱૱ૢ૽ૺ૾ૺૺૺૺૺૺૺઌૢૡૺઌૺઌૹૡૺૺૺૺૺૺૺૺૹઌઌૺ૱ૡ૽ૺૺ૱ૺઌ૱ઙૢ૽ૺ૱ૹૢૡૺ૱ૢઌ૱ न्चेरान्वेरार्चेन सुन्र्यीः कर। यान्यीः यार्यान्यस्य स्वार्धेरान्त्रः चीः सुन्याः येग्रथःर्क्षेग्रथः द्येः नद्येदः ग्राव्याधीनः नदीवः द्ये विदः न्यः द्यः न्यः विदः न्यः विदः न्यः विदः न्यः विद त्र्राव्यमायर्ग्यस्यायाकुः सर्क्रार्य्यः विरागविमानमा गुनार्यर कुयानः

मःश्वराद्यात्रात्रस्य स्वर्त्वस्य स्वर्त्वस्य स्वर्त्त्वस्य स्वर्त्त्रम्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्ते स्वर्ते स

줬고'따드'풢지'디 <u> देर'दुअ'क्कुअ'चङ्गद'वेद'वेद'दुच'य'वे॥</u> ૮૧.શ્રુંટ્.૧૧૧.૧.શ્રુંચીત. \$જજાનશ્રીનજા કેજા છું ! ૹ૽ૼૹ*ૻ*ૡૢૼઌૻૹૣઽૻઌ૽૽ઽ૽ૺૡ૽ૼઽૢઽૣઌૣ૱૽ૣૢ૾ૢૼૹૻઌ૽૱ૢૢૢૺૺૺ हे हिंद् द्यार वार्यया ह्या च वार्वे व वु धीवा। क्षे:लेका:धेर्ग्री:सुक्:याग्रीट क्राक्रेया। ल्याः ह्रेयायः श्रीयः चितः स्र्यायः स्थयः सम्बदः सः नश्चित्। र्त्वे स्व त्रें धे यद र्ज्य प्रवद यदे गुरुवा। ळॅंश ग्री हे ब्रिंट् है ज्वेंब्र ज्वेंब्र ज्वेंब्र प्राची वा सर्र्ज्यायाः करायाः स्राप्तान्त्राचीत्रायाः विदः॥ त्यात्यः योद् 'कुयार् योद् याद्यार्थः याद्यः याद्याः त्याद्याः हु॥ क्रार्यायाश्वास्त्रीयाश्चीयायाह्रयाययायाया अर्वोब हिंद नसूब ल सूब या विकास माना र्दे सक्रम् सम्बन्धः नृदः सुनः परिः गृद्दः रूपः केदि॥

अन् वुन कुल नसूत्र ग्रोधे अर्केन सून ला। અર્જુવા છુંટે : ટ્રૈવા રગામ વાલી છો. સંસ્થુળ અદ્દેશી ହୂଁ = ଷ'ଦ୍ରମିଦ୍ଧିୟ, ଝୁଁସାଷ, = ମଣ୍ଡା କ୍ରିଷ, ଜ୍ୟୁସାଷ, ଅଧିନା মানম:২৮:রা্ন:মর:বাৎর:২নম:২ুম:র্টুর:ক্রী। व्रेरःयुत्रःस्रेरःक्रःचक्कुरायतःम्याःस्ररःव॥ ग्रन्छिन्द्रं अप्तुति कु ग्राक्षेत्र सु व सुग्रा र्मेय। यर्नेज. रेया अष्ट्र्य. उत्तेष. तपु. ऐस. वया उर्ज्या। सहत्रच से से द से द है ते सु च के या। क्रूबाग्री:बुःधेबादवित्रःचदिःषःस्रवदःसु। শ্ব্রীন্য নরি 'বিব' বর্ষির মৌর্যমান্দ্র বাদ্যান্তর নাম্বর্যা ক্রির্বান্তর বিবাহিত্য নাম্বর্যা ক্রিয়া করিব ক্রিয়া করিব করিব বস্তু বাদ্টি অ: স্ক্রুদ: বনি: ঐর: দ্ব: ।। য়য়৻৴৶৻য়ৢয়য়৻ড়ৢয়৻য়ৄ৴৻৸য়য়য়য়৻য়ৼ৻৸৻ঀৢয়৻ৢয়৻৻ श्रायकाः वृदः श्रुपः यात्रे वात्रायाः वात्रे वात्रायाः वात्रायाः वात्रायाः वात्रायाः वात्रायाः वात्रायाः वात्र <u> ब्रिंद्र्यी:इस्राधर:ब्रेंद्धर:ब्रेंद्र्यःस्रादर्गेदः॥</u> য়ৢ৵৽ঀৠৼ৽য়য়৽৻ৼৼয়ৢ৽ঌ৾৻ঽ৾৻ড়৾৵৽ৠৢ৽ৼৢৼ৽৻৸ दे'धे'दर्गेदर्भावम्यायस्यायः चेद्रम्याययः पदिः गाबुदः॥ इस्र-५वा-५६५-वासुस्र-स्र-१त्रेर-वर्गाय-वा। र्श्वापकीर:बुट:मेपु:बुलायहूर्य:बुट्राजरानी। र्ध्विष्य रेते गृबुद स्वाप्य के केते क्षा दर्धे द स्वाप् र्र-'र्'चम्यायः र्वेशःचित्रः सः सबरः श्रेवा।

विवासासे दावास्यास्य देवा सदी सक्वे है। *ને*ન:નુસ:વાનસ:સેતે:હ્યુંનસ:સ)ફિન:યસ:સ્કા) ग्रन्धिन्यार्वेद्वतुर्देनुष्यद्वरावे प्रायी। ৸ঢ়ৢ৻৸৾৻ঀৢয়ৢ৸৽য়ঌ৾য়৾৽৸য়৾য়য়ৼঢ়৾৽ঢ়৾ৼ৾৻৸৾য়ৢৠ द्रमञ्जीवाःक्विताःसस्यः वार्यम्यः प्रतिः द्रमत्यः तस्य राषाः तर्तातह्म्याष्ट्रीरायदःश्चरायदेशसम्बद्धाः यज्ञते:सुरु:ग्वरूप:रु:प्रःग्वरूप:ग्री:रर।। पर्जुति'सर्वद्गत्रकर'र्घेषाषा'स्रोद'र्श्चु'नदी'द्वर'।। पर्चः नगर संस्थर नम्याय र्रेर श्रीवा तहेता। মহ্লর ন্ডেন বীশ সমূবাশ রৈ শার্ত্তির স্কীর স্থা। **बूद**'न'गुबार्ह्सेन'ब्रेद'स'र्देब'द्य'नदेब।। गिर्वेषासुः साधिवः द्वीरः स्रोदः सकुसः केदः द्वीदः स्रा। है प्रवित्र ग्राचेग्राय प्रति स्वेरा प्रवास्त्रुव सर्वे वा ग्रीया। ळॅर्राकुर्परिदायाः अर्थेरायाः हिंद्पर्दार्द्योद्या। नर्षेष्रयुर्ध्यम् ल्यां तस्तु र्रात्रा की यान से या सिंदा तस्तु रामा स्त्री . जर्दः द्वाः कॅद्रः अदिः क्षेत्रः ब्रिट्यः स्वाः अदः ॥ द्याः यदे या से र प्यति व सार देश सुसा से र या स्था। (यश्रुद्रायद्राय्यायती) मेर्ग केर्ग विष्या क्रिया। केंब्रुं र प्रवास ल प्रदे धे लेख हु र ॥

बर ग्राया मुनदे निष्ट्र या सुनदिया न स्था। याययाळेगाळेंदाह्यायायाहिंदायेदासु॥ ব্যান্যব্যান্যমের র্মান্ত্রকার্যান্যর র্টুরেম।। মাদ্রমান্যান্যান্য নার্নীর নমুণ নার্নীর প্রা য়ৼ৾য়য়য়ৼ৾য়য়ৼ৾য়য়য়য়য়ঢ়ঢ়৾ৼয়য় यर द्वायर द्वायय स्वेति हिंद् विवासकेवा **ऍर**:चर्यार्सेर:च'ब्रिन्'यदे'यय:क्रुर्य:द्रर:॥ દ્ચેન્સપ્યસાદ્ચેન્સપ્યત્વેગ્રસ્યતિ ફ્રીપ્ટોન્સ્યાયસા र्रेट-तुःर्स्चिम्रायायिः यद्याः धेद-द्वट-र्येदिः यद्दा। ब्रिट्र द्युग्रयायाक्षेयाच वटा त्रवेया क्रीया दुरायर व्या र्दे'ल'रेब'बर'नर्रु'न'ब्रिश'यदे'र्शेल॥ र्वेर ता क्षेर पॅर तहें व पा त्व व पेति त्यका। थॅब न्द्रिय सुब स्थित प्रविद वें र प्रवे अर्केगा বার্ত্তবা'র'নন্ট্রম'ন'ম'শ্লুর',রম'রমি'। सःश्रुराःर्क्षेग्रयायदे दरः दः रोह्ने र् অশ্রীর নত্ত্র- ভূতি বিজ্ঞান প্রতিষ্ঠা ह्युव र्येते ज्ञायाव सामकाया सहता सेव हो। देर वदीर आवर्षा यात्रया यवि दत्या व सहिया। इत्युद्दर्भ श्रीकायनन मति भ्रायी भूदिका। क्र्यार्वेर:द्यय:ग्रीय:अह्य:यद:ब्रेट:प्रस्य:क्रेर।।

ইবাঝ'ট্ৰ)স্ক্ৰী'শ্ৰীব্'বৰুব'ববৈ'স্ক্ৰীঝ'ক্টৰ'ব্বা यात्रसारदेति पञ्चन त्येत्रसामलेखा उत्तर्थेन न्या। क्षुत्र पति पा ५५ ता था थी सु दा अर्थे। चीर्यान्य.त्रपु.योर्टीयोन्य.ट्यांच्य.त्री.यंत्रीचीटी.यहूर्या। ৵৽য়য়ৢ৶৽য়ৣ৽৴য়ৢ৾ঽ৽য়ৡৢয়৽য়৾ঌ৽য়ৼ৾য়৽য়ঌ৾৴৽৸ स्याम्यास्यास्यास्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य वक्षायम्बात्युरः देवाया अर्द्धेव करि विवस्ति विद्या र्केल'रव'लुख'यदे'चर्डब'हॅर'दर्दे'श्रेव'वश्रा त्भुव में व्यव द्वार स्थार अहेरा मति विर प्युव वी বাদ্ৰ-ৰেন্ত্ৰিঅ'বাড্য'ঐ'অঠি'ঐবি'ঊৰ'কব'ইঝা द्रम्यः वेयः वा वरः स्रमः चगाः चरेः चम् क्रियः वर्षे वा श्चुग श्चेत न्या श्चेश सु नदी सु र रेवेदे । तुर ॥ ख्रुवा:स्रव:वार्वव;तुर्व:प्यव:वार्व:केंन्व।तुर।। **ऄॗॱॸ**ॸॱॼॖॺॱढ़ॸॣऀॺॱॿॖॎ॓ॸॱॻॖऀॱॺॖऀढ़ॱॺॺॱॺॾॕढ़॥ ग्रवसः क्रेंब कु लहेंब द चति चर देश वर्षा। ৼৢ৾৾য়য়ৢয়৽য়ৣ৽ড়৾৽ঢ়ৢড়ৼ৽ড়৾৾ঀ৽ঢ়ৼৼঢ়ঢ়ৢয়৻৻

याप्युत्वत्तुयाः श्रुस्यास्याते वित्या श्रीसा श्रिन् हिन् त्या। द्वरः अर्देगः क्रेंबा वी अहत्य द्र त्व्या वर हुरा। क्रॅंकृरःगणुः धेःवें अदेः करः क्रेंरःगी ধ্র'র্রবি'गो'শম দ্র্গীদ্'দরী'অথ'নদ্র শ্রী। इै'विय'रर्'यदे'चसुर'गैर्याष्ट्रेर्'हेर्'या। चरुवायदे श्वेब क्रेंबाय श्वेंच या श्वेंबाय ५८ सर्द्ध रया। <u> ५२४ १२ वर्षः मृष्यः सुः त्र्रियः वर्षः सुः सु</u>रः मी। क्ष्यासेरासुपारानगरानिते से वारादरा। ৻ৼৢয়ৼৢয়ৢয়৻য়য়ৢ৾য়ৢয়৻য়য়ৼয়ৣয়৸ <u> ब्रिन्:ग्री:श्रुव,सःस्र</u>ेषायानक्करःश्चेषात्यः होता। याञ्चीत्रवार्केन्यायदे।म्नानावर्षः याया मासूर मीया नर्से रायते कुराया विद्याराया। र्रे.र्जेथ.पर्यंश.र्येषु.पिंत्र.क्रीश.र्थे.राष्ट्र.योध्या। इर र्सेट क्व रेंदि सेश रेंदि केंग यश र्घेश। <u>२</u> १ तुन्न सुन्न से से सम्बन्ध नित्र नित्र स्थापन सम्बन्ध *ৡ*'বার্ল্ডর'বাম্মম'নম'নম্ব্রম'নর'রের্ট্রম'নবা'ভর্যা। हिर्ल्य द्वी अळॅ मर्जे वा यदि हिर्लि राज्य यावरायदेविः प्यायाः स्वावः स्वावः स्वावः स्वा শ্বীর'বার্লির'ঝাবর'ঝ'ক্কু'বরি'বর'ঝুর'বী। धीन र्दिन हुन नुषा मन्या मदी मधीया महुन स्वेता।

रन:न्ग्रर:वि:वेंश:केंश:केंन्रंनेन:व्या न्विषायति से हिंगा कर दु पक्कीया पायद्वा। ग्रवस्य प्रदेर ग्रायुर दुर प्रके रासे र प्रदे र प्रया। थॅब्राह्य निर्देश हैं दें से निर्देश स्थान स्था নক্রদ্রনান্ত্রপানার্লির রুবি অন্যর্ক্তরি দুন্ত মার্ব র্য্রা ल्.चक्चेपु.श्रवर.लट.पहूर्य.तपु.चर्थेर.जुर्यंचीय। ्च^भवार्वेब पर्दु र क्षेत्र ख्व प्रते ख्वा पर्दे अगुत्य। ૽૾ૢ૽૽૽૱૽ૼૣૼઽ_૽ઌ૱ૢઌ૽૱ઌ૽૽ૺઌ૽ૣૺ૱ૐઌ*੶*ઽઌૢ૱*ૢ* रर बुर लेख दगार ख़ुब र्चेते र्चे बर के।। ট্রিস্'শ্রী'নমম'নদর'গ্ররম'ম্'র্ট্রস্'র্মম'নশ্লুরা। क्रेंग'च्रथ'ले'चर'ग्रह्थ'यदे'हेर'दद्देव'य॥ 'ড়ৢয়ৢয়য়৾ৼ৾৻ড়৾৻ঀ৾য়৻য়ৢয়ৼ৻য়য়৻য়য়ৢঢ়৻য়ঢ়ৢয়৻য়ঢ়ৢঀ वग्वयः भ्रुः धैः वदेः वदेः वदुदः द्वेदेः दें।। য়ेशॱय़ॕয়ॱॿॖॎ॓ॸॱॻॖऀॱॾॣॺॱॸॸॱढ़ॸऀॱढ़ॱॸॿॴ म्रे'चलेते'न्ययाग्रीयायर्देव्यार्वे चर्येन् वस्ययास्या त्याया सुराये वाया या तर्वा तर्वा या या सुरा सुवाया। क्षेत्र.चीयोल.रचिर.की.इ.योलट.क्षेयोल.यकीर.क्रेरा સુસાસ્ટ્રેન સૂચા ગ્રાદ સ્ટ્રેન પર પોર્ નાઉં અર્છી यार यी यायर याशुक्ष के विवाय धें क् हक कर्हें हा। ह्यायहर्ष्यक्र्यं स्थित्र स्थित्र हित्र विस्था

च्वेत्रेक्षरः **अ**न्युद्धरः केंक्षः श्रीः विष्ठेवः चेंद्र।। बिनमः बुरः गोर्थः ये ५ निस्तानक्तरः नहवः बुरः छेगा <u> ५२४:कॅर्अ:क्रेन्डो५:ग्रायर:यदी:खूट:च:दर्नेया।</u> न्वो येवाय श्चीन सी के यान्य हवा है।। 'तकर'नदे'न्वो'अळॅब'गुब'ब्ब्य'न्वेन्'युर'ङेवा। नग्र नेरा वाद विवास्य द्यार प्रमा की अर्देगा इु:रुते'अ८८४'त्रहेव'कें'८४ग'ये८'यर्गेव'क्येश। देर दिर क्षुं कें रेर चित्र च्या विश्व र्क्क्ष्या। चगाः विषाद्याया क्षेत्र ह्वा वाष्यर प्रदेश अर्देगा ૹૢૻૹ૾ૢૺૺ૱ૹૹ૽૽૱૱ૹ૽૽ૹૢ૽ૺૹ૽૽ૹ૽૽૱૱૱૱ म्बर्भिन्यर र्द्धिते चर्म्या वास्त्र स्वर्मिन्दि। ह्वा हु भू र्श्वेच चह्र पदि चगा विश्व र्श्वेश। नगाः विकासर्केवाः सनः नुसः नरः सनः स्वतः सर्देवा। क्केंचिन्नार धेर्न्च विदायिर सेर्पे के यसेया अरुपा त्रविर तर्वा मह्व गर्धिते कें महुर योग्वा मङ्ग्रीय मशा বাচৰ:2:য়ৢ৻ঢ়য়য়:ॻॿ८:चয়:ঀয়:য়ৢ৾য়॥ 'न्यर'बेर'गुर'गुय'ग्यर'धते'यर कें'या। चक्कद्र'गर्देश'गर्दिद'द्रदेशस्त्रह्म द्रिश्य'या

सिंदे प्रति: द्वार द्वारा प्रति । प्रति ૹ૾ૼૼૼ૱ૠ૽૽ૼૹૡ૽૽ૢૺૢૼૹૢૻઽ૽ઌ૽૽ૹ૽૽ઌૢ૾ૹ૽૾ૢૼૹૢૺૺ रवर्गार वार्षायी सुनिर्देश के वार्विन वक्किया તિશુદ્ધાના સામાના સ क्षेप्राहेत्रामित्राकेषाञ्चुवार्यामीविष्याप्याप्रमा तर्वे गुद्रस्य नस्य ते स्वी परि प्राप्ति स्र्रीय। अधिर लुक् दूरका अका चुना तर्दा चर्चेद दगाति क्रा नर्रात्र्राह्मयाचेर्द्वहित्यक्रम्यकराना। गुरुद्र चदि चद्र वार्चे धुवा द दें हे धैरा। देर वदेर वर कर खेल वदे वगा विक क्रूँगा <u>ख़ॖॱॴॴॸॱऄॱॴॱढ़ॸॖॱॸढ़ऀॱॸॸ॓ॱऄॗॗऀॸॖॱॸॸॱ॥</u> त्यु र्वे र द्रथल दु हिन्। यदे या अर्ळ व दृष्टि है। ૹૼૼ૱ૹૢઌઽ૽ૹ૽ૺ૱ૢઌૡૺઌઌ૽૽૽ૺ૽૽ૼ૱ૹૼ૱ૹ<u>ૢઌ</u> व्यायम् वृत्रायोन् क्यायते न्याः विशः विषा स्ट्रेर-व-नग्-विवाने ज्ञान्त्रम्-ग्नुवान्द्वया। चर-**द**-चग्रा-वियायेवायार्क्षवायाददाप्रा यः दः नगाः वियः तर्दे दः मृः गण्य दः दः दिश्वेय।। दुअ'गुब्र'चग्रा'वेब'दवो'चब'छिच'छुर'ठेव। चमः विषागुद्र क्रीःचमः विषाः क्षुद्रः पदेः द्रथा। चग्राक्षार्वो चति चग्राक्षाय्यायायायते स्रीत्या।

न्याःवैकःस्र्वाकःमृतः न्याःवैकःमृत्यः त्रवः विवा। न्याःवैकःस्र्वाकःमृतः न्याःवैकःमृत्यः त्रवः विवा।

डेश। इश्राम्यत्रः याव्याः श्रृंवः याव्यः स्वायः स्वयः स

র্ব্যমান্ধ্রমান্ত্রীকান্ধ্রামার্কীরের মান্ধ্রমান্ত্রীকার্মান্ত্রীর ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রীর ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্য ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রেকান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্র ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ত্রী ক্রিকান্ধ্রমান্ত্রী ক্রিকান্ত্রী ক্র

ন্যা প্ৰশান্ত মানুম ভিন্

त्रुं त्यानुका क्षेत्र त्या क्षेत्र । त्रेत्र त्या क्षुत्र त्युत्य त्युत्य क्षेत्र । त्रेत्य त्यो क्षुत्र त्युत्य त्युत्य क्षेत्र । त्रेत्य त्यो क्षुत्र त्युत्य त्या क्षेत्र । त्रेत्य त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र ।

धिन्दिन्दिन्दिन्यः यात्राचित्रः वो स्वरः न्त्रुस्य। सर्वदः न्येदिः वाञ्चे दिन् सूर्निन्द्वरः सर्वे सुरे सह।। सूरः न्त्रुसः के हृदिः वाद्यसः सुः हवा दियः द्वस।। विषः यदिः सो हिवा नुसः गुद्दः स्वरः नुः सूर्वि।। देट. यट्टेर. ट्योका. यद्ये. यहंका. खका. क्षेत्रा. तर्रा व्याप्त क्षेत्र. यद्ये व्यापत व्यापत

चर्हेर् तर्रेर् थेर् थेर् थेर्गुत्र हेर्ग्यी। स्रु र्केंग्य रे से सर्केंद्र पते र्स्क्री। र्ग्य प्राप्त र्ग्या गी तर्रेर् त्रहेरे खूर्या। स्रुद्र प्राप्त र्स्स्य प्रकेंग् चेद्र रेग्।

*ঀ৾ঀয়*ॱঀয়ৢঀ৾৽ঀয়ৣয়৽ঀয়ৼ৻ঀয়৾৽য়ৣ৽য়ৢয়৽য়ঢ়য়৽ঀয়ৢয়৽ৼঀ৾৽ঀৼৢয়৽য়৽ <u>चक्कै.स्रवा.सर.त्रा क्र्य.स्रेष.स्रेष.क्रूवोय.त.म्रुवा.क्रै.स्रेष.धे.स्य.५म्</u>ट्रेर.लर. गुर्भर:सु:ब:ब्रेन्:धंदे:ब्रेंक्:ब्रेन्:ध्रेन:ध्रेन:धेन:प्राचेन:धिन। गुन्ध: <u> রবাঝর্বাহবার্ণী ইঝাধাবতকাশ্রী র্ক্তকারেরি মাবর্দ্দির বরি দ্বীরার্ঘার বারার্দ্দির </u> हेब'यर्चेय'क्चे'अर्दर'र्स्वेदि'स्नवर्य'यर्देर। र्वेग'अर'र्यय्य'स्बर्'त्व'य'र्यय'स्नु' क्रें.चञ्चित्रःविचर्यःयन्।चह्रवःयदेःहेवःदचुनःनुःश्चःविद्यःवार्यव्य। चर्योवाद्यः नभूरःशुरःवित्रःभ्र्या कुवःर्नरःभ्र्वःववुरःग्वयःर्रगावदेः वॅर निवेरका प्रते न्यीयावर्षिर मी न्या विया स्रोका द्वारा रेवा विदेश से स्रुपा पर्दा स्रीते । न्यताः अर्वे वृञ्चः याः अर्के वृञ्चताः न्वनः यञ्चः देन् विषयः विषयः न्यवाः हुः योनः मदः र्र. मूर्यः श्रीदः श्रूः मद्भः स्वाया श्रीया साम्यः द्वाया साम्यः द्वायाः साम्यः द्वायाः साम्यः बैर गी तत्त्वा सर्वेद श्रुव नमूर लु न त्या र्विण सर सर्हेर दर दगार पे क्रिव से यम्रोबाः स्प्राच्याः परिः पर्विद्वाद्विदे । यदः क्षेत्रः व्यव्याः यदः पर्वेदः देवेदः देवेदाः दुः $\mathsf{deg}(\mathcal{L}_{\mathcal{L}}^{\mathsf{T}}) = \mathsf{deg}(\mathcal{L}_{\mathcal{L}}^{\mathsf{T}}) + \mathsf{deg}(\mathcal{L}_{$ ૹ૾ૼૹ_ૺૹૢૼૹ_૿૱ૢૹૹ૾ૼૼ૾ૡૹ૽ૼૺ૾ૹૹૡ૽ૼ૱ૹઌ૽૽૱ૡ૽૽ૺૹઌૢૼ૱૱ૢ૾ૺૹ૽૽ૼ૾ૹ૽૾ૢ૽ઌૹૢ૾ૢૹ૽ઌ૱૱૱ૡ૽ૼૡ૾ૺ૾ सिया.रन्। वियानायात्राम् स्वरामानायात्रीया.प्रेस्टर्म, स्वरामानायात्रीयात्रीयात्राम् कृट्राब्यकायन्। नङ्गात्यायाः क्रुष्ट्राक्ष्यं स्याह्यां ब्रिट्राक्ष्याः स्वाह्याः स्वाह्याः स्वाह्याः स्वाह्याः

> **到工:到初:11** <u>इ.ज्रेट.र्टेर.जर्र्या.</u>ञ्च.याब्र्य.पहंक.ज्रुट. म्रॅ्व सर्व सम्बद्ध स्थान स गुत्रत्रशःसर्वेदःपःसेदःपदेःसूगःनश्रसःसद्दश्रा गुरु परुष स्ट्रिंग स्ट्रीन परि द्रा की राष्ट्री द्रा क्षुे अप्यति से 'हिंग्' द्वें द्विर्यते खत्य से 'सुर'।। ষ্ট্র-র্বুম-বর্ণপ্রবা-বহন মন্ত্রীর-মর্ণস্থা। 'रग'क्रुब'तुर'चर'तितु'चते'क्रुब'क्रुब'छेरा। र्धुवाबाद्मस्यायकोटबायदे के वार द्वेता प्रवासकी। র্ট্র্র্ অ'ক্রন'দ্যাম'র্ন্থ'ঝন্ট ক্রুব'নরম'নী। यालर.पश्चितायालयासी.पश्ची.यपु.पर्देश.प्रेयमाजीया। ब्रिन्यः यरः यरः सहयः नदिः र्द्वेवः वनुवः ल्या त्रहें स्त्रेग सहेरा स्वादियाया है विद्यापित है ই'নর্ল্ব'ন্ম'ন্র্ঝ'নঙ্গ্ন্ম্ম'ম'নর'ধ্রুবা'বার্ঐন'শ্রীঝা। सुद्र-ध-सेद्-धर-धर-धर-दर्वेद-धरी-वर्दश्रा

ग्राहित्र्रूरःषरःयेवर्यःयरःवर्ःद्रः अर्द्ध्ररू॥ ख़ॢढ़ॱय़ऀॱॼॖॴॱॸऀढ़ऀॱॻॱॴॖॺॱॺऻॿऀढ़ॱय़ऀढ़ऀॱॿॖॎऀॸ॥ <u>ज्ञ</u>ु पर्वित पर्दे र द्वेप होता थान्तर ज्ञुला । ઌ૱૱ૹ૾૽૱૱૽ૺૹ૱ઌ૱ૹ૱૱૱૱૱ ট্রিস্'অ'বার্বঅ'অঅ'বাব্যম্ম ম'ফ্ট্র্র্ব্য'মম'ট্রস্বা बुरःकुनःबि'नदेःब्रेंब्रःबेर:इरःवेंदेःक्षेर॥ खेर नया रेगा व तहस्र पति तसुर तस्याया। য়ৢ'য়য়ৣ৻ঽ৾৻য়৾৾৾ঢ়৾য়ৢ'য়য়'য়য়য়য়ৢঢ়'য়'ৠ यत्यान्त्रान्त्र्याञ्चेत्तेत्र्य्याः वश्चना <u> ५५०१ की श्रे के श्रायक्षेत्र पतिः रे विते श्रें ६०॥</u> য়৾ঀ৾৽য়য়ৢয়৽৾৾য়য়য়ৢয়৽য়ঀৗৼয়৽৸য়৾৽য়ৣ৾ৼ৽৾য়য়৽য়৾য়৸ <u> २ अर अर ५२ अ ५६ अर भेर भेर भेर १ वित्र था।</u> য়ৢঌ৽ৢয়য়ৼড়ৼ৻ড়ৼড়ৼয়য়৽ঢ়য়ৼয়য়৽ঢ়য়৽ঢ়ঢ় *ૡ*ઽ૾ૠૢૢઽૹ૾ઽૢઌઌ૽ૺઌ૱૽ઌ૽ૢૼૠૢૢૹ૽ઌ૽ૺ૽૽ૺઌ*ૢ* ব্যবিবা'দু'বদ্ধর'ম'ঝর'মরি'নের্'নের্মাশ্রীমা। श्चें नदे सेग रु दड़िय य स्वार्चिय पदि॥ ৰ্ম'নৰ্ম'ন্ম'নড্বী'ই'ই'ফ্লী-'বীৰ্মমা। र्श्वेद'दगार'ग्रुट'र्टुकुं'चदे'वद्घ'य'थेय।। कु'त्रह्म ह्यूं'रु'त्रविर चत्रे सूर कर ग्रीला।

यर वी वाद्यार्थे क्रिस के सुर प्यर नश्री। ૡૢૻૺૼ૽ૼ૱૽૽ૢૼૺૼૺૼૢૹૡ૾ૺૡ૽ૼૼઽૣૹઽૣઽૹઌઐઌૡૢૡઽૣૢૣૢૺ त्रच्या सेन्'नु र स्रेस्र र नास नास्य है' प्रविद है।। क्वें द्रगते थेद्रश्चे नदे देंद्र द्रद्र द्रश्य वर्ग। य'गठिग'सुव'ग्री'नम्रे'शेशश'रन'नहव'विर'।। यान्डिनाश्चीराद्रस्थीराधीराक्षीराक्षेपा ইর প্রর'ব্ল'ঝ'বাউবা'বীঝ'বষ্ক্রুদঝ'ঘ'অ।। মর্কুনা, ট্রিন, জ্বি, নম, বার্থ, নধ্য, নধ্য, বার্গির, ক্রী। শ্বীন'ঐদ'নাপ্রবাশ'শ'দ্বা'শশ'শ্বীদ'অর্ট্রিদ'দেশে ন্ব্ৰাভ্ৰাব্ৰ নহন্ত্ৰ ব্যুৰ্খন বি নদু মান্ত্ৰ বাৰ্ ग्र-(व्याधीन्यार्ग्यस्य प्रते सर्दे में ग्रन्थ देसा। ग्रम्भुः क्षुव्यव्यायक्रीं सर्दन् क्षुव्यात्वयः सुरस्या বর্হাঝর্ক্সব্রেমনেরেক্টেরেস্ট্রেক্সর্ক্র্রিক্সা तर्भे न्या ह्या पा न्या प्रते सु र्वेच र्येगा মাধু,দো, মমা, পুৰা, কুৰা, দেইছি, সেষদে, ৰামা, ছীৰা।। लयः श्री:नगाः विवानोगावायः सेन् ग्रानः नवसः नर्शेन॥ मुंभःस्'नगाःक्षाम्बन्धान्यक्षाम्यक्षेत्रःस्युपःसद्यी

यवि'यय हैरा यासुय यहे यदे यहा विराजिया चग्रा विशादमार्थे विवालो क्रवा विवासे। नगाःविकामहिकायासाद्येदामहिकायोःविकायनम्। यग्राःवैशःगशुक्षःयःश्चेद्रःगशुक्षःश्चित्रःवःयद्देद्र॥ नग्-११रानिःमः स्रेनिदेतः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रा चग्राःविश्वास्यायसास्यते ध्यात्रः हत्या यग्राःवैकाद्ववायः ध्वेतःद्ववार्श्वेदःयः कॅटः॥ चग्रा विश्व चरुव सारस्याय विस्व चरुव छीय धुवा। चर्याःवैकानक्कित्रयान्द्रकाच्युनः इकानक्कित्रवर्धेन्छ।। चग्र वैराद्यां या हेवा द्यादि राज्य हेवाय।। चगाःवैषः द्वाः चर्रेवाषः रूटः चः चट्षः ग्रीः वादी। चगाःवैकायरात्रवेवाश्चेन्यते खुः स्वकाग्चन्य।। चगाःविकार्झेट विस्रकारकोट्या चरिःचगाःविकास्य।। ন্মা:পূঝারব্রুঝান্ত্রীঝান্দ্রবান্দ্রিন্মা:পূঝা

উপ্যান্য ক্রিক্স কর্ম স্থান্য নাম ক্রিক্স নাম ক্রিক্স ক্রিক্স নাম ক্রিক্স না

5्रथः रचर्या केरः वाहिवा प्यतः त्र्या त्रवीतः ह्रेवा या केत्रः प्यतः वायः केतः सहतः क्षेतिः यो वायः क्षुरः विवा वी र्चवा सम्बद्धः हें स्था

ঐঁস্বস্থা यग्रःविकाद्यायः यायकाविकार्वेदः सुदेश्यर्देद्र। 'સુર્કાર્સેંગ[અ'૬વો'અર્સર્કાસ)ર્ચેર્કાનું તર્યુવા'મંદ્રે 'વાકેરા[रेबॱकेबॱग्*स्*ब्र<u>म्</u>चीॱॼ्यग्रथॱक्षुब्र'च'दब'दग्रार॥ শ্রীন্'র'অর্প্র'নম'লাচর'ন্ড'শ্রুন'ন্ডুন'ন্ডিলা ক্রিন:ইপ্রসান্ধর:বারিপ্রাব্রিরানর্কিপ্রপ্রপ্রপ্রব্রেরা र्रे अर्कर प्रज्ञते क्रेंट र्येते सेर क्रेंत प्रा বর্ষ ক্রম-বৃদ্ধ মের স্ক্রানক্র্ম বর্ষ্র দরি মর্বারা। षक्रु.भुष्याचितायायिषात्राच्याच्याच्या यवयःत्त्रअः बुटः र्रेजः यथेषः तपुः तच्चे वरः विषया। **बू**र्केंग्यान्याकेंयानतुन्द्वेयान्त्रेरःक्केंन्या বক্কুব্'বাধ্যম'ব্ধম'ব্ধম'ঝর্বার'স্ক্র'ম'মর্ক্রবা'র্বমম'শ্রীমা। ন্দ্রির দ্র্বীদ্র্যান ক্রুদ্র ন্ত্রীর ক্রন্ম দ্র্যান্ড ক্রিয় তিনা र्षेद्रशः ह्रेवाशः क्वियः चस्त्रवः वाद्रशः श्रीः श्रुवः रेतिः श्रीर। र्रे अर्द्धर से ह्वे स्वयं से दे हुन है।

ૡૢਗ਼ੑੑੑੑਸ਼੶ਫ਼ੑੑਫ਼੶੶ੑਖ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑੑਫ਼ਸ਼ਖ਼ਜ਼ੑਫ਼ੑਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑਸ਼ त्तरः स्थापक्ष्यः प्रक्षः प्राची हतः द्वा क्षा र्श्व कें रेग पहेंब नक्कुर पति रुव वर्षे अपिर ॥ चगातःह्रग्राक्षःश्चे चेंद्रःचर्गोद्रःचतःद्रगः स्वारक्षा पहुर्यायाचिताः स्राप्तवीरः मिताः वार्स्यायाः क्रेवायां स्रो। ব্যাব:য়ৄ৾ঽ৾য়ৢঽয়য়৽ঽয়৽ঽয়য়৽ঽয়ৢ৽য়ৢ৾য়য় <u> ५न८:५ग:क्षु</u>:अ:र्स्नुग:गी:र्ह्नुश:ग्रर:ग्रीश। श्चे: न्य्ति: धेन: रोसरा तकेर नितः न्यर सर्दा स्वा र्ट्रेब'तव्युच'र्र्चा'खेदे:क्चिय'र्घ'र्पपत'चह्न्य'र्न्ध्र-॥ <u> न्यार द्वियाय याध्यय या मुख्य प्रते र अर्के मुह्यया।</u> रुट:ज्ञुःस्रावतःत्यःळेंशःपत्रेःचत्रेत्रःसर्ट्र्सात्या। त्रहेग्_र पुरःसूरःसेग्ॱस्नूरःसेन्'ग्र्थं च'स्न्।। बियानग्रामाञ्चाधीन्यवान्येवान्त्रेयाः स्टार्याः वार्वे॥ নির্ব্বেরেধন শ্রীন্মরি অন স্ক্রীম নশ্লীবাকা।

चर्व क्री.चर्याः क्षेत्रः द्वीत्रः स्थः द्वर क्षेत्रः स्थः चर्यः स्थः चर्यः क्ष्यः याः क्ष्यः स्थः द्वर क्षेत् व्याच्याः क्षेत्रः द्वीत्रः स्थः द्वर क्षेत्रः स्थः चर्यः क्ष्यः याः क्ष्यः याः क्ष्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थ

यद्गे-क्षेत्र-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्षय-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्ष्य-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्वाक्षय-स्व

શ્ચુેષ:૨૦ષ:૬.૧૪૨.૬૬.૦.૬.૧૪.૯૪૬૫૫ 'यत्र'ग्रिंग्'र्डंय'र्'ुय'र्धेत्र'र्यः यदे यर्गेत्।। यार्डुया यो देर सुर अर्के र भन्ने के या धिरा। ब्रेल'ल'विवानुःवाधेर'वदेःर्द्धर्रान्वर'धरा। હૈ. ક્યા ત્રાસૂટ ફ્રીય ફ્રીં. તા ત્રાદ્વ 2 ફ્રીયો ના ढ़ॖ॔ॺॱॹॖ<u>॔</u>ৼॴऄॖॴॻक़ॗॴॸॴॹॗॖय़ॱॿॱॸ॔ॸॱढ़ॎॼॖॕऻ। म्नुं च्रिंश सुद्रायर रच चक्केवाश मार वाहेश द्विदे॥ लग्र-द्वर-विवाय-द्ववार्-वावर-स्व-द्वेते हुन्। ध्र-रिक्र्यायायात्राच्य-प्रयाचर्त्रयायदेश्य। ग्रन्तिंन्द्रिंग्याम्यात्र्वयान्तिःर्नेय्यस्य समितः यस सीर प्रवितः हिंदा द प्रमाग प्रपर है।। *ब्रथःसु:* ५८: ज्ञु: ५७१२: वेंदि: ब्री: श्रेदि:गोग|या। নৰ্ক্লিবা'ঐব্'অঅ'ব্নহ'নঠৰ'ৰ্টবি'বাৰব'এঅ'নষ্ট্ৰীনআ। ने कें प्ये कर क्रिया वर्गा दुः सुर्गा ह्या। मनेशासेन् वरायात्र विस्था पर्वे सुराप्त्र । यर्टि-रिचेर्याश्रया.क्यास्त्रिय.तपु.री.यायोध्या। र्थे ब्लिश नवारश नवे शे केंद्रे वर्षे सामानिया। 'ৰেম'ক্ৰমম'শাশ্বদ'ৰ্ঘী'ছ'মেই'দ্বন্বাম'দ্বভূদ'মক্ৰিদ্যা क्षेर वी रे सेंर वर्गेर पदे वायर दस उद्या श्रीत्रश्चर रे सूर पहन पते द्यापकते तुरा।

শ্র্রিকা'ক্ষীশ'শ্রুহ'বনি'দ্যান'ধ্রব'দ্দ'দ্যন্ত্রদশা। নিত্রমনেট্রিমর্লাঝ্যঝুবঝন্ট্রিশ্মের মন্দর্লে র্লাক্রীঝা र्थः इर द्वियोगः नश्चर स्ट्रेर न्यतः स्ट्रीनगः चेणः विशा श्चु रेर्य दें द्यूर अर्थेर प्राष्ट्रिर ग्री अश्व। ·षरःम्रीःकुःतहेवःदगारःम्बारःकदःचन्नुरःचते।। या अळॅब नह यो मे बेंदि अर्दे ब हुग्य उद्या <u> ळु:तुर:अेग्।यीशःय:तद्येद:वॅदशःयदे:क।।</u> च्याकाःहेकातव्हरकानतेःह्रयाधरानर्वेद्धरायरायहित्। <u>ર્કેવઃર્ક્સેવઃદ્યુવાયઃનસ્ક્રેનઃસુઃરેન્યઃગ્રેચઃકન્યઃફેા</u> ग्राञ्चनाश्रास्त्रम् अर्कत्र द्रयेश चक्कित्यते हेत् विद्राप्तर ।। ঝাবঝ'বঠুঁর'বর্র ইরি'র্নৈর্রই'বর্ম'রের্র্রি'বা देरः दिरः द्युवः वसूत्रः द्योरः चित्रेः समितः त्यः वहेत्।। द्यायते द्वया घर रदा चित्र प्रवास र्येते प्रारो বর্ষ/বিষয় বর্ষীবা বহু বহু ম বর্ষ ম হ বিশ্বিষ যো र देवे ग्रयत येश्य सर्गेश दे त्रय कशा বমূর'ঝ'ই'র্মেঝ'বগ্রীঝ'র্ম'গ্রুব'ধরী'ব্বহ'॥ इस'न्याविसराग्री'नश्चन'यराज्ञुन'नश्चसराद्वेर'॥ अर.ब्रुंश.^{क्र}श.तर. ५४वेर.तपु. १५४. रच.चग्रा। हैर दिह्न चुन नक्क् रहेंग्रय प्रते प्रस्वाय पर्हेया।

र्देव'चक्कुद'हेंबार्यायदे'य'वाबिर्याक्चेद'व्य'द्वद'॥ वर्दे व सुद् परि धर अधर रच चक्के ग्रायका। नश्चनगर्भुअर्देरःयशः वश्चेरः वेटः वैदः (वेटः।। য়ঢ়য়৸য়৾য়ঢ়য়৸য়য়ৢয়য়৾য়৾য়৸য়ড়৾য়৸ৠ रेत्रवर पर्दे पदे हें रूप पासीर हेते प्युपा यानव्यक्षर्यात्रम् ह्यूयाक्षेरासरायरानक्ष्र्यायान्वरायान्त्रीत्।। र्कुल'न्ग्दि'न्य'यदे'र्धेव'न्व'चग्गग्'दनर'च॥ श्चेन प्रदेर न्यों ब प्रदे प्रदेश हेब स्येग या हेगा हेन। र्वेरःग्रेक्षःग्रेरः५८:ग्रेक्षःग्रुदःवर्द्वेषःनदे॥ सवार पद्ध लवा क सु तुदे सुव ह्वा ही। <u> न्यर सेर ह्याय ग्रीय प्रमुद ल्यय सूर् सर्वेर द्या।</u> ট্রিব্'অ'বশ্ববাধাধনী মৌর্লিঅর'বক্কম'বর্ষমা यार्द्रस्याविक्राचाव्यार्द्याः इवास्त्रुत्यः क्रिं गर्वेन्'यदे'वि'क्रुन्य'सूत्र्य'र्धेदे'च्चैन'अ'ठव्या ર્રદ:નુ:સુદઅ:ધર્વ:રેવા:ચૂવાઅ:એ:સુેવે:અદ્યુઅ॥ র্ম্বর্ম নর্মানার্বির দ্বের্মান ক্রমের ক্রমের ক্রমের করে বি নঝঅ'শঝ'ৰ্ছঝ'ৰ্ব্ব,ক্ৰ'্ব,আবাধ্যুঅ'ক্ট্ৰিঝ'ব্দ্ৰবা।

. હવ.નજાજા.શ્રુંજા.નાટુ.ધ્રુ.જાયો.વંટ.વંજા.^{શુ}જાી 'বক্তর্মের্ছবাঝ'ঐর'ঝর্ই'য়ৄবাঝ'বার্বুর'বক্সুই'স্তর্রা र्देन्'ल'ज्ञु'चल'सुर'न्र-'रेग्रन'यदे'सर्देन्॥ ફ્રેંઅ'ભ'ૡૄવાઅ'ખઽઅ'<u>ફ</u>્રઅ'ન્ફોર્ન્-અર્સુદ્રઅ'એન્'મ૨૫ বাদকাত্তর আনকামেই দ্র্তাকার দ্বামেইকার্কিন यावयः पयः वेयः द्वितः र्क्षेयः गुत्रः गृत्रः या प्रवा। 'चर्डुद्र'पर्य'चसूद्र'य'क'र्कर'चर्वा'वीर'चलेखा। चबर रेंदि थेंद्र हद ख़ुद क़ुर अर्द्धर या यो र प्रया ब्रिंट्रायाः हवाः हुः चयाः विश्वः श्चेतः श्चरः हवा। *च*95'सर्थासुर'वी'र्केश'गुत्र'दिहेत्र'सर्हर्'हिर'॥ ब्रुवःयशः हेर्वायःयदेः चस्रुवः यः श्रेयः ५८ र सुवा। য়ৢॱয়ৢ৾ঀৢঀ৻৻ঀয়৻য়ৢয়৻য়ৢয়৻ঢ়য়ৢয়৻ঢ়য়ৢঀ৻য়ৢঢ়৻ঢ়৻য়৾ঀ বির্ম-র্মে'বাশ্বর'ট্রী'অর্হর'বরম'শ্বরা इरःब्रॅरःब्रुवःयःभ्रुःग्लुदेःक्ठें वर्डुन् अन्दर्या। 'বৃত্তিবা'দু'ইঝ'বাই'বদ্ধ'বাইনি'দুমন্মা ૡૡૼ૱ઌૠૣૼૼૼૼૼ૱ૢૺૼ૱ઌ૿ૢઌ૽૱ૹૹ૾ૢ૾ૢ૱૱ नश्रीय नक्किर तर्के बिर मिब्रेश परे दियय है स्विगी ञ्ज्ञ् अर्केन् नार्थे से दाहना चहन नहिंस नहिना चला। वार्युर-द्वरकारवावाः येद-द्व-द्व-द्व-रूप-सुर्बेवा। রিবার, ধূর, পারত, হিন, রুই, রোরার, পারত, রবির, রিনা योश्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा इस्राचिते त्रित्रायम् सारम् सुन् श्रीका द्वीया र्देव पित्रेक सुव चुन धेर पत्रेव रचर पी कुया। 'स्वाय' बुर कुय अर्जन हे जेर ह्वा पहेर परी। দ্বী'মৰ্ক্ষর'ন্ত্রী'নম'ন্ত্রিদ্'ম'স্ক্রুদ'ন্ত্রুদ'ন্তিম स्रे नति द्यो न दुते द्यया श्रीरा सर्दे द सर्शे विदः॥ *ঊ'*৲য়ৢ৵'য়ঢ়ৢ৲'৸ঈ'৻ঀয়৵'য়ৢ৲'য়ৢ৾য়'য়ৢয়৾। श्चीत्र विश्व द्वार विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विषय म्या.पे.र्बेर.यपु.स्.अक्र्य.पेशका.श.क्रीर। थे र्झेट गावश्व प्राचित्र वावश्व स्थान ख़ुर्न्युन:बूर:प:इअ:प्रेवेदि:स्य:<u>ह</u>्वाय:प्रया। भ्रु'गशुस्रायसाद्यीःसूराचराररार्चेलाचति॥ *ౘ*৵:ᢖᡪ*ౘ*৵:ఙౢౢౢౢఀ౫:ౚౖౢౢౢౢ৵:ঌৼ:ౘ:བౙౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢ यायायाः विषयाः विषय गिर्देश या स्रीत यदि सम्मान समान सम्मान सम्म शॅ'र्शेर:हेवाय:पदे:वेय:र्यायन्या:वीर:यहिं।। वेग'नकुर'चुन'अवदे'र्स्थ'नलग'र्से'रेअ'कुर्गा रेग्'सर'अ'शुर वेग्'से'तत्र्यात्तेते कुल।

'अर्देब'चुर'हेंग्रथ'यदे'य'र्थेग्रथ'विर्'श्य'न्नर'।। <u> श्</u>रेग्न्युअर्ग्नेर:५गुदि:मङु५:ईअ:अब:६ग्रन्थे॥ ৽য়য়য়য়ড়য়য়য়য়য়ৣ৾ৼ৻য়য়য়য়য়য়য়ৼ৻য়ঢ়ৄ৾ৼঢ়ড়ৢঢ়ৢঀঀ न्वॅन्यान्त्रुन्द्रिव्याययार्श्वेयायते यते ने न्ते सुया। 'ব্বার'ম্ব'ব্ধর'র্বরি'বাশ্বর'ঝেইব্'উঝ'ঐ'রইবা। **য়ৄৼॱ৻৸৸৸৸৸ৢয়ৼঢ়ৣ৾ৼ৾৸৸৻ৼঢ়৸৸৽ঀ৾** न्वेरा होन् ह्वें 'धे' दिहें व 'सदी गुव हें वा राम्रा। म्याःकर्ययाः तर्याः व्याः स्याः स्याः स्या वर ग्रायाय प्रायति त्यो स्वीय क्षित्र हुत् र स्वा गुद्रायः क्रुँबरुप्यते गुर्शेर क्रीः युः पादर्देरः।। त्युग्रथः बुदः येग्रयः प्रयदे तयम् तस्य तस्य तस्य तस्य प्रयोगि 'न्वेंबि'तर्नेन्दे'च'क्रेंन्चिन'चर्येव'ठ्रा। चगाःविश्वःगनुगश्यः केवः स्वेचः स्रदेः ब्रिंबः प्यन्यः चन्य।। ૹ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹૻૼ૱૱૱૱૽૽૱૱ૢૼ૱૱ૡ૱ૢૺ अष्टिव,योधेन.ता.चेन्न.^{स्}रीन्न.स्य,प्रियोन्न.स्यार्ह्यान्ना। अवयः धरा यर्चे चरे स्नू र य र व लेटे गहेता। यग्रा-विश्वायाश्चेर-द्यी-५-द्यी-६या-६-स्रहेरगा অর্ইক্সবাপর্ক্রমাস্ক্রকামন্ত্রির দর্মন্ট্রের আহকা। देश'गठेश'ङ्गेव'र्च्चाय'त्रस'ची'त'क्वव'सहेश्। <u> चू</u>न'गढ़ेस'तर्देन'तर्देक्त्र'नुते'नडुन'ग्रीस'ग्रान'॥

नगुः विषागिहरा क्या नुसार हिंदा गुना सर्हित्। ઌૢૺૹૹૢ૽ૢૢ૽ૼ૱ૡઽૹૹ૽૾ૢ૽ૹૹ૽ૼૹૹ૽ૼઌૢઌૢ૱ૡૺ૱ૢ यत्रनदेवे दे नस्द जैलासर रान्द्र है सेस्। भैजायबर मेर दैवा अ.त्र्या अस्त्रिर देवीवी नगुःवेयायद्यायद्यायद्वाद्वयायरानग्।। र्ष्ट्रेन् श्रुरःश्रु नः स्टायदे राज्याना শ্বীপ.ব্লুব.পত্ৰিথ.নপ.ヨন.ছীপ.প্ৰুপ.শ্বী.শ্বী্যা नकुः चुन् द्वना नी केंग प्रतिर नमुतानि स्या। नगःनेरागधरातिशानुरानी सराङ्कास्त्रमा मुग्रम् ग्रम् अर्देव दुः सेद्र पदिः गृहेदः सम्रदः स्रा सक्रेन्द्रस्याञ्चात्रीयाः स्रोत्रास्यस्य स्वरा गुद्गः हु : बनः ले : वर्षः या चुर्यः यदे : र्केश्य चगाः वैषान्यवाञ्चीः चेतुति विनः याषीनः चहेन॥ য়ঀ৽৴য়ৢঀ৾৽য়৽য়য়৽ৼৄয়৸৽য়ঀ৾৽৻য়য়য়৽৻য়য়ৢৼ৽ঀ र्देव पठियासूब सुपार्वे र सुदि हेवा अहेथा था। चगुःलेशः शेः बुचः क्वात्यः सर्वे द्रार्थे ५ त्यदे र सर्वे ॥ कृषा'गठिषा'विषा'योर ह्युक्ष'यदि स्ट्रे'य'यश्रा ररःब्रूरःख्रख्यार्यर्गर्गर्गातुरासुष्टुर्ग्नगा। यार तर्तुयः क्षेत्रसङ्गेरः ख्रुयः ऋदिः वर्गोर् पा उद्या।

नगः विश्व तर्वे र त्ये वा ग्रास्त्र विश्व विष्य विश्व विश्व

ধ্রম্পর্মের ক্রান্ত্র্র ক্রান্ত্র্য ক্রান্ত্র ক্রান্ত ক্রান

क्रॅ.स्यर. ७५५.र्यीय, ८५५ श.चीय. १४४.रं श्रीजा। इ.स्यर. १४५.च्यीय, १५५५ श्रीय. १५५५ श्रीय. १५५०। १८०० श्रीय. १५५० श्री. १५६५ श्रीय. १५५०। १८०० श्रीय. १५५० श्रीय. १५५० श्रीय. १५५० श्रीय. १५५०। १८०० श्रीय. १५५० श्रायवाराक्त्यात्र्यं क्रियाः स्वाप्त्रं त्रिक्षाः स्वाप्त्रं स्वाप्त्रं त्रिक्षाः स्वाप्त्रं स्वाप्त्रं त्रिक्षाः स्वाप्त्रं स्वाप्त्रं त्रिक्षाः स्वाप्तः स्वापतः स्व

स्र-र्यादः स्रेंद्-र्-द्वेशः द्या त्या त्वीरः य्वीरः खीः यदिः याद्वेशः योः करः व्ययः यरः स्राप्तः स्रेंद्-प्रेंद्-प्रेंद्-प्रेंद्-प्राप्तः याद्वेशः व्ययः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः व्यवः याद्वेशः य

स्वाद्ग्यात्र स्वाद्य स्वाद्य

장고, 장의,지 नहवःगर्थः ह्युः अते विदःग्याश्यानदे केवः द्यीदशा र्देब गढ़ेब पदिंद पर पदिं चरि द्वी अळव द्वी । रनःदग्रारः हैवायः विदेशः सुदः चेरः येवायः नश्चीतः नया। र्श्वेव या धीर पतिव पर्देश परि पर्देश प्रमुचन्या। वर्षे से द द्वापा द्वापा वातुवा सदे र्स्वा য়:প্রাঝ-५ৼঝ-য়য়৾৽५৸য়৽য়:ইয়-য়য়ৢয়৽য়॥ षाः ध्युरः कें 'धीः हेवः सुरः हें हे दी प्रस्या। चुन पते द्वो अळ्य हिंद ल देश हुर हेगा বালি'ব্রিকে'ঝ'বর্তক'ব্রিক্সীর্টক'ন্টিব'ব্র योष्, सैर पूर्य योजाता अक्या यो स्था जारा यो स्था बुर तह्वा तसे सेर चरे सेर क्वा तस्या क्वी चर्चेशः मुद्दात्रसं च्रायः श्लीदः चेतिः श्लेवा त्व्युवः विवा यदिवा-८८: नुःसायश्यायन्यः स्ट्रेंदः क्रेस-८ड्डीरया। सर्केना हु 'से 'त्र शुरू हुना के दे 'यो 'ले रा के दे ।।

स्वारह्मश्राद्ध्यात्र्यं व्याप्त्यात्र्याः व्याप्त्याः व्याप्त्यः व्याप्यः व्याप्त्यः व्याप्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्यः

ड्रेस:ई्वाय:क्षेत्र:सुर:ह्वाय:क्ष्रेत्र:पद्धःक्ष्य:यद्धः क्ष्य:यद्धः ह्वाय:यद्धः द्वाय:यद्धः द्वाय:यद्धः व्यायः व

পত্তিব, ধরি বা, ব্রি, কুঁর, ক্রী, দ্যুবারা, ক্লীম

स्र्वास्त्रम् स्राचित्रम् स्र

स्वरः स्वरः स्वरः विस्वरः स्वरः स्व

अर्ळक्'नबरःक्षु'णे'ॡेंक्'च'ह्ना'नहक्'लेंगा सर्देन भ्रेंना 'दर्के' नदे 'रेना सूनाय सम्रानर्दे नर।। चैंच.तपु.रॅट.बूट.कू.पहूब.रेतज.की.कैंगी अक्रुवा, ब्रिट. इस. चित्रं स्वाया नेयानुः इसायर सिद्धेतायते नेयार नार्दि। येग्रायानेयात्तर देराय होत् प्रयोग्स्य देशेत् प्रया केंद्र र्येते प्रवृषाद्य सी विदेशका क्राप्ति है। क्षेत्रयायते गिरेर केत्र तहसान्ययान्यत र्वेषा हीत्। याययः यानुयः या स्वतः वर्षे चः तुः चलितः दु।। क्षेरॱहेॱळेबॱर्येतेॱधुज|'जैथ'येज|थ'नक्सुर-'बेर'॥ ৻৺য়ঀ৾৻৸৻ড়৾৾ঀ৾৻৸ৼ৻ঀ৾য়৵৻৸৻ৼ৻ৼ৻ড়৾৻৸৻ঀঀ৾৻৻ पक्षे[.]केब्र'धे:लेब्र'केश्वाची:के!लहुंक्य'पवाःकुंत्या। श्चेर स्रेंचय अर्क्रवा हु से भ्रेर से हेरे ख़ुवाया। য়য়৻য়ৼ৵৻য়ৢ৾৻য়য়ৣ৻য়৸ৢ৾ৼঌ৻ৼ৸য়৻ৼয়ঌ৻৸ৼ৻৸ ૡૢ૱૱૽ઽ૽૱૱૱૱૽ૡૢ૽૱૱૱૽ૣૼ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱ মহান্ত্র্বিম্বান্ত্র্ব্বাদ্যান্ত্র্বাপ্তর্মান্ত্র্বা। ५ ७८ मार्थ ५ मार्थ से मशुक्र क्या रेदि स्रो। अ:रु<:वर्द्र:श्री:रु:अर्द्धेंद्र:केर:वार्थिदे:कें।।</p> য়৾য়ঀয়য়ঀয়ড়ড়য়ৼয়ঽয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়

यापायाः क्रियाः विशायते या द्वार् हिंदायाः क्रिया।

सर्केन्यात्रात्त्र्यत्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा स्यायम् त्यक्ष्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र त्यायम् विषयः विष

वयायइःस्रायायवरःदेशःस्रुरःयर्दे।।

ইবাঝটের মর্করা শ্রীন অন শ্রীন শ্রি নের্নির শ্লীনঝাশ্রী: থবাঝাশ্রুম।

स्वयः केतः क्षेत्रं त्यायः क्षेत्रं त्या विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषय

গ্রাপ্তর ধর হ্রদ ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম করা। *য়*৴ৢৢঢ়৴৴য়৾৸য়৾৽য়ঢ়ৢয়৸৽৴য়৸৴৻য়৾ঀয়৾৾ৼ৸ नर्भेन् व्ययार्भे स्रोते क्वा सर्के विद्यान दे स्ट्रिया દ્ર. ષ્ટ્રજ્ય. હર્દયા. કુંચા. કુંદ્ર. યો. હર્દિયા. કલા 1 वनरा लेखानाकोर क्षिक रहें गाुद द्वारा सहेका। युन'गिरु भार्ते र 'तुति' तरु द 'ग्री भार्भे द भागा हरा भागा स्वःर्क्ष्यायः न्ययाः यययः विदः यी। यः क्विवः उव।। <u>बर्भर्गहेरक्ष्यस्य स्वर्र्</u> सहसामित्र वियानवर तर्मा सदि विराधना हिनाया। ભૂરયાના શ્રુપાયાના તુ. તું. ત્યાર કુંચીયા તર્જરા તથીના र्थेद्र'हद्र'यो'सर'बेदु'द्रबु'रव'क्कुर्याया योश्ट.योश्रींश.योश्रींश.च्ची.तर्चे. ईश.तर.च्यो। अप्तर्केश्वास्त्रवाप्त्रयाद्वाप्त्रवे स्टायर्देवाद्वाप्ताम्। रुषाःगुःननषाःभवेः सरः श्रुवेः श्रुवः दग्रुर्वाः उद्या ત્યુગાચાસુદ અદ્દેદ વસુદે સાવદેશ દે સાંવવુયા

क्क्षे: न्युदि: धेन् त्रकेन: यात्रि: विनः केन उद्या *ञ्चवार्याचार्यः द्वाराची* संदुति विदेश सम्बदा अना। इयाद्यावियमायीयात्रात्रेद्रासी য়ৣৼ৻য়য়য়৻ৠৢৼ৻ৼৄ৾৻ঽয়৾৾৻য়৻য়য়ৼ৻য়ঢ়৻৻ড়ৼ৻৸ ग्रथर केंब बेंर चुति हेंग ग्रीय अर्देब अहेंब पति॥ <u> ફ્રેયોઝ.ખઅ.\$ૹ.ૹ૾૿ઌ.ૹૺઌ.ૹઌૣ૱ૺૢૼૢૢૢૢૢઌૺ.ૹ૱</u>ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ गर्धि सेन् केंस सुदि से न सुसर्धर प्रिया। ररःस्रूरःव्यर्भः सुतिःग्रथरः क्रीःसुः विदः प्रगा। য়ৢ৾য়৾ঀয়য়ৄয়ৠৢ৾ঽয়ৼ৾৾ঀয়ৼৢ৾ঀয়ড়ৄ৾৾ঀয়ঀৠ भुग्वसुस्र २८:कराद्यर स्ट्रुट विद्र विद्र विद्र सि लूर्यार्ह्यायायसेयातपुः ही शुःर्गायवीराता। ने'धे'खुर:हेंग्रय'नसूत्र'पदे'दबुर ग्रादयक्री। 'यह्रवीयाचेलाक्रां'यच्चीराक्चीलाचाक्र्यां या क्ष्यां या ह्रवीया क्रिक्तां या ह्रवीया क्रिक्तां या ह्रवीया क्रि नश्रुवायाग्रनाह्येन् अहेषायत्रे क्कुवान् के।। तर्दे र पुराय द्वा यय ग्री ग्वर द्वर वीय। इस्राधर ले'च सेदासदी बुगार प्रेसा। गुत्रवश्यवरायदे थेन् उत्रव्धे र्केष् द्याय प्रदेश स्ट्रिंग प्राथम प्राधित ग्रीका ही बा ફ્રેંવાયાયમ:શુરાયતે:શ્રેવાય:શ્રેંદ્રસુવ:શ્રેંપથયા| के चर न्यायाया यदे चर्ष्य सेता वर्षे र रेदि यदि । अवर:वेद्रग्यायुवावका:कुवानवे:र्हेर्हेते:अर्द्धेता। র্ষবান্ধ নে ট্রিন্ বাইবা ন্দের নর বান ক্রেন্ড বান্ধা र्वेज्।रेंदे सेर यः कवारायदे सेंद न्यस्य ५८।। য়ৼয়৾য়য়ৣয়য়৽য়ড়য়ড়য়ড়য় य:तु:तु:धेश:तर्केंद:नते:कुश:दते:तुश_] अर्केणार्ह्चेन् रेप्तरे हेब्स्र प्वन संधिव॥ येग्रयादाने प्रदेशियार्था ग्राह्म ঐপ:यःपद्यारः पदः कुलः कुरः ह्यः ज्याः यापदा।। ब्रिन्'हेन्'शे'त्रचुर'ग्राशेर'ची'स'सन'नहत्रा। नर्भवःस्वरग्रह्मः रहिःसरःसरः नक्क्षेत्रः नर्भेरकः सदि॥ यार्थार्थेर्थायरायञ्जर्भेवायायवरायार्र्रा ब्रॅ्चियः शेययः ता क्रुदे : ब्रुवायः व्र्र्विययः त्वायः वश्चे ५ : दे।। यार्तेर्यायायरायते।याराष्ट्रेरादायर्केर्यायेवा। ऱु'न्य'ग्नर्य'रेते'क्रन'न्ग्नर'र्दे'क्रुव'क्रीश्रा त्यरः इते क्रुं च ५६ चे चत्तु ६ रा जुरा पर्या। <u>ढ़ॣॕ</u>ॸ॔ॳॱढ़ढ़ऺढ़ॖॱॻॾ॓ॺ॔ऒक़ॣॖॖॖॖॖॗढ़ॱक़॔ॴॾॣ॔ॴढ़ॸॱक़ऀॴ नमूबःश्रेवाःवार्डरःसदेःद्वेःर्देरःसःवायोवःरेसा। ટ્રે.શુટ્ર.જાજૂર.હાર્યેટ્યા.શ્રેખ.વહુ.વર્સેય.સ.છું! यहूर्याताञ्चाताज्ञीयाताहूर्यात्राकुरातप्री।

र्रेट खुग्रमः श्रीट्र पति ब्रिंद ट्र व्येट्स यन्य पति। सर्वेर वियान नर्भेर अहर मास्य के अर्थेना ইবাঝ'মদ্বর'র্ক্কবাঝ'মন্বি'র্ব,'বী'ট্রি'র্ডামর্ক্কবা। च्यान्यः नग्यः सुः सुन् न्योतः प्रवितः सिन्यः स्वरा चग्राः वैकाञ्चर वकाका करि वहर अञ्चर ख़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ॱय़ॏॗॸॱॸढ़ॏढ़ॱॸॣॻॖॴढ़ॱऒॕढ़ॱढ़ॳॴॴॴ ग्रोभेर देते खेर प्रशासन्न त्र प्रशासिक विद्या ग्रन्तिंन्यसूत्रवित्रन्तुरुव्यस्यासेया। यात्युषाके'न्ग्रिते'र्यानते'क्कुत्'क्कुर'ठेग्। यग्राःविषायाषोरः द्यीकिः सार्वेद् बेराववर॥ यरे.ज्येयात्रार्ट्रर.यी.ह्व.य.क.त्रश.ह्यात्रा। स्य क्रुवाय क्रुं सर श्रेव र्चवा हवा है। वहूराया। न्ध्रमञ्जूनाक्षे त्रवायाः कैयायाः या विषाः विषा

भूग्राम्युक्षः द्रश्चेरः येदःगुक्षः च वदः द्वेद्देः वकदः॥ र्वोद्यानम् स्रुव्यत्र्रं र्वेवायो स्रिय्येष्य र्यी.जेब.चर्केंट.त.बॅंट.अर.चश्च.त.लुया। देर वदेर द्वो येवाय ह्वा यते वियाय ह्यू यया। विर प्युवा सु प्येष सु र निर न्ववाया सु व हिंगा सेश रें राज्यानिया वृद्धा वास्त्र स्थित स्थित स्थानिय लें कुरादर दगार देर सेंदि स्नुव वर ला। 'कुस्रक्ष'सेन्'त्ये'ळॅद्र'याब्यर'सदि'र्रे'प्र'त्वर्गेन्॥ र न ग्रन्थ रेथ सक्ष्ये भरी धुरा न्तु रायश्रा न्दर्दुर्धेवारायदेश्यर्वेरः र्श्वेदः श्वेदः युवार्छ।। ळे'५गुदे'गार्डुग'गी'तु'द'अर्देद'अर्घे'न॥ षरःश्रुषःद्रुषःपदेःग्राञ्जषःश्रुःशिषःपवहेत।। र्वेरःधुरःवज्ञरःचवेःत्तुवःवःस्यायःश्<u>रे</u>ता यारवर्षाञ्ची र्वालेग्यायन्त्र विद्याची राजवी। यायनारमः सूर्यानारमधुः संस्थानारम् स्थानम् स्थान रचिरमार्जिय सम्बन्धिय प्रतिय स्थित स्थान्य स्थान्ये न

型工、加工、型型、コ ञ्च के अपित व क्युं प वया अपिते क्युव।। _ ર્યાત્રયાર્થાત્રાના વર્ષો માત્રાના વર્ષો ત્યાના કર્યો ત્યાના કર્યા ત્યાના કર્યો ત્યાના કર્યા ત્યાના કરામા કર્યા ત્યાના કરા કરા ત્યાના કરા ત્યાના ક र्कुल'नवर'य'रवर्षार्श्वेर'पदे'त्वर'र्देर'ग्वर्षा। *- न्ध्रेन* : स्वाचुः र्वेदे : श्रेवा : त्रः स्वाच्या : स्वाच्या : स्वाच्या : स्वाच्या : स्वाच्या : स्वाच्या : स्व केत्र दिते गर्भेन तकर क्षेर गे क्कें तर्देग्य उत्। यर द्या भ्रुव पति चर्षुव त्या सहतः स्रेव परा। *भूर अर र्गे क्वें र गर्विब बुरि रर र्ह्या वरिषा*। *२*अःक्रॅंशःतर्नुताःचत्रेःगृतुरःताःचक्रेःसूरकाःग्रुवा। क्रुंब'अर्क्ब'अपिद'ल'क्रुं'श्लेर'ह्रस्य'नग्रा'णर'॥ न्दरदेते:स्वादरअर्धे:चते:कृःग्दरह्या। सर्दे ब्राप्त प्रमाणाया है चले ब्राप्त वा प्रदेश हो जा । ৻য়ৢঀ৾৽ঀঌ৸য়ৣ৽ঀ৾ঽ৽য়৸ৠৼ৽ঀ৻ঀ৻৸৻য়ৢঌ৽য়৾ঀ৻৻ यर छिर धुँ रेंश क्रेंब छैश क्रुंस अंब पर। ৻য়য়৻৴য়৻ঢ়ৢয়য়৻য়ৣ৾৽য়য়ৢয়৽য়য়৻ঢ়য়৻য়ঢ়৾য়য়য়৻৸ र्भाधीः गुर्शेरः चल्ले दः धेर्त्वः हत्वः च गुर्गा वा विषयः च ।। 'নব্'বাইবা'বি'র্শ'ব্র্ব'শ্রী'বশ্বর'নইর'মর্স্করা। न्तर बुन यानत यानत कुल नते राते हिंब रा न्यर येर ह्वाय क्रिय प्रमुद्ध द्ध वर्षेट यर्षेट द्वा द्रमः क्र्रीया क्रिया सर्वेदायकरा चार्ते । द्राया चार्चिया स्वा

नसूर्वाया दे सेंद्रान्यक्रीया सेंद्रिया पर्दे सुर्या मुद्द्रप्य क्रूप्य सुप्तर्दे प्रति दुष्य क्री सम्बद्धा શ્રી સેંત્રે સંદ્ર શ્રીઅ ગાલભા વતે મેં જેં અ હતા। 'र्यवायाद्या'यदिर'ययायायाच्चर'वेयाक्षर'क्र्याया। য়ৣ৾ৼয়য়ৣ৾ৼয়য়ৄৼয়য়য়ৢ৾ৼয়য়ৢঀ৸ য়ৢৼয়ৼ৻ড়ৣ৾ৼ৻য়৵৻ড়ৢ৻ৼ৸ঀ৾৻য়য়ঀ৻য়৾৻য়য়৾ৼ৻৻৻ तीर.क्षा.चीय.क्षर.क्षर.क्षर.प्रक्षा.पचीर.यपुरी *૽૽ૢ૾*૱ૠ૽૽ૺૹૢૼઌઌ૱ૠઌ૽૱ૹૡ૾૽૱૱૱૱૱૱ 'এবাপ'রিহ'দেবাধান্যর'নেপ্সান্ত্র্র্ব'সকুবাদ্রীই'নর্ফবাধা। <u> ५८:सॅर:बॅर्अ:यदे:ज्ञाय:व:पर्हेव:वेट:यहवा।</u> यर.टी.यमभातमा.धियोमा.क्रिटे.क्र्य.टेट.एट्रेमा यद्यतः यरः क्रेंयः र्देवः विः नदेः हिरः वहेंवः नक्रेया। अर्क्च । सुद्र स्तुन पदे सुत्य स्व । सुद्र त्य द्वर । । <u> द्रमत्म क्री ओड्से साम्मान सर्वे प्रमान में ति श्रीमा।</u> यर विषायिषायिष्ठ यहित्र क्षेत्रीयायायि दे र् ग्रन्थित्यार्थरायायायाः विदानिताने।। शें तशुर रर अर्र शहरा हु हैं साधर सहैं द्या त्यायः विवा स्ट्रिं स्थायते । सामवा स्थापा । त्यायः विवा ઌૻઌ૽ૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૱ૻૹૢ૽ૼ૱ૢૢૼ૱૱ૢ૽ૺૼ૱ૢૺૺૹૢૼૺૼઌૢૹૢૢૺૺ <u>ૡ:ઽઌૹ:ઽૢૹ:૱ૹ૽ૺૹ૽ૢઌૢૹ:ૡૢૹ:૱૽ૢૹ</u>ૢૢઌૢ

रैवाबाः अञ्चत्रः क्रैवाबाः प्रते 'न्सुरः वी'न्सुरु। तुः अ।। तह्यान्त्रीर तहिंदायदे प्यर से चेंद्र केंद्र विद्या য়ৼ৾৻৸য়৵৻৾ঀৢ৾৻য়৾৻ঀৼ৻ড়ৄ৾৻ঀ৽য়ৢ৸৽৸ঀ৽ঀৢঀ रेगाया:ग्री:रुयाया:दगार:धें:चक्क्षुद्र:यदी:प्युया। સ'નક્ષેભ'ક્ષુવ|**સ'**ગ્રી'સે'તેંદ'ગ|ફંદ'સ૨'ફ્રેંદસ|| र्ह्से न्यवः सेगा क्रुटः बुटः चते खेः वर्गा न्टः।। ন্যু ব্রিমাধ্র মাঝার ব্রিমি বর ঠিবা ব্রা ভূমঝ'মূৰ,'নইব্'মর'ইবা'মূবাঝ'নঐ'স্ট্রুই'স্ট্রীঝা। रर जालव परे त्यात्रे र पर क्षुत परे कुया। বাধরাস্ত্রীনরানক্রিন্বান্তিরারেইবারানেরেরেই ক্রের্বাররা ૹૻઌૺૹૡ૽ૺૣૺઌઌૹૺઌૹ૽૽૱ઌૢઌ ষ্ট্রি'র্ম'র্ক্তর্ম'শ্রী'ক্রুম'ঘন'র্কর'র্ননি'শ্রিম। ग्र-छिन् गर्थे अन् ह्या हु चहुब धर लेगा र्कुल विस्रकाराईट सदि सः नः रनः नहतः पर्।। हैर'वहेंब'बे'चवे'क्रुब'क्के'वें'वर्घ'क्क्या। नेयार्यासर्क्रमायीत्रव्ययात्र्याप्युरावायते॥ বস্থান বাৰ্ডাপ্ত নিৰ্বান্ত বৰ্ষা কুৰি নাম কৰি প্ৰা श्रॅं घर तर्तुया नदी गावर नगागा र्सुया नलेव शुरा। દ્યુદ એસના સર્દે સ્ટ્રેલે વસુવ જ્ઞુંદ તુસના માસેના योबर र्ज्येया असूर्य तपुर त्या सुन्य वियायोजा ।

द्यायाश्यार्थः श्रून् द्यायाः श्रून् यात्राह्यात्रात्र्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्याः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्षः व्यवक्षः व्यक्षः व्यवक्षः व्यवक्षः विष्टः व्यक्षः विष्टः विष्वः विष्टः विष्

यमःक्ष्यःक्ष्यं व्यायः स्वायः व्याःक्ष्यः क्ष्यः व्याःक्ष्यः स्वायः व्याःक्ष्यः व्याः क्ष्यः स्वायः व्याःक्ष्यः व्याः क्ष्यः व्याः क्ष्यः व्याः क्ष्यः स्वायः व्याः क्ष्यः स्वयः स्

ज्यायाञ्ची स्वीत्र क्षेत्र कष्ण क्षेत्र क्षेत

श्चेन्द्र, के. चत्रे. क्र्न्य, न्वन् वन् वन् विद्रायिष्ट्र, विद्रायेष्ठ, क्रियाक्षेत्र, श्चेत्र, श्चेत्र, विद्र र्यो. त्यो. विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्यायेष्ठ, विद्याय

মথানন্ত্র ক্রম্বর্র ক্রেম্বর্মা অর্কর্ম দ্বি স্ক্রি র্কি দ্বিদ্যা দ্বীশা বাদা প্রনশা মুথা দ্বম স অর্কর্ম দ্রিদ্য দ্বিদ্যা

श्चें या के जा व्याप्त के प्राप्त के त्या के स्वाप्त के त्या के त्या

र्दिन् अर्द्धन् स्वेद् त्या र स्वेद् अवतः अर्वोद्धः श्चीः ब्रुवाशः गितिः द्वैः धीवाः द्यादः अर्देवाः ब्रुवः अर तद्वेतः यदे पद्चितः स्वेदः अवतः अर्वोद्धः श्चीः ब्रुवाशः गितिः द्वैः धीवाः द्यादः अर्देवाः ब्रुवः

মীঙ্কুরি'বৃৎম'মার্ক্রম'ম'কবাম'নেব্ব'র্ম্বুর'মার্ক্রম'ম্বুর'আমার্কর'বাহ্রবাম'র্মুরি' ঘর্মাব্'ম'ডরা।

स्विना। स्विन्त्रास्त्रस्य विद्यान्त्रस्य विद्य

*बेश-*नर्रेश-चेर-रेश-धर-नर्हेन्-धरे:क्वेग-गी-धेर-चश-अनुब-चशुश्र-हे-ग्रन-बिग-म्रोर नर मुन्य है। दे प्यर पुरा तहंग्र म्रीर तहें द स्रोत हो न सर स मुरा क्रॅर इ.ब्र्य तपु. योष्या क्रॅ्य तपु. रेश क्र्य वीर तपुर प्रवीर विरम क्रिय र तसवीयानपुराधीयात्राची है। है। है दि विद्यान्य स्वयाची है। है। विवयान विद्यान्य स्वयान . त्यापानदेः सूरिया देः याः यरः सूर्वः यस्तः रेशः सूरः याशुस्रा नरः वः न्तुर्यायार्वरात्रुः। अन्ययार्वे। अन्ययार्वे । व्ययायार्वरा कॅश्यीकेंग्राम। अर्नेश्वेन्त्रीधीकेंग्राम। अर्नेश्वन्हणीकेंग्रामावेशकेंग पि:इस:यात्राम्युस:<u>क</u>ुरा:पर्युरा:वेंद्र:केंद्र:वेंद्र:वेंद्र्य:क्री:व्यंद्र:वेंद्र:क्री:व्यंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वेंद्र:वें <u></u>૱ઌઃૹ૽ૼૼ૾ૹૣૢઽ૽૽ઌ૽૾ૺ૾૾ૹ૱ઌૢ૽ૺૼઌૢૹઌ૽૱ઌ૽ૻ૱ૹૄ૽ૼઌૹ૽૽ૢૢૢ૽ૼૼૼૼઽઌ૽૽૱૽૽ૼઌ૽ૹૢઌઌૣૢ૽૽ૺૡૄૻૢ૽૾ૺ ক্রিঅ'ই'ই'রেরব্রস্থ্রা'বীঝ'ঝুর'বর মার্দ্রিবাঝা শ্লীর'রমার্ক্রম'রম'বরি'ঐ यावर्षा वृत्रःग्र्ट्यः क्रुंत् क्रुयः यदे याहेत्रः यहित्। ध्रुया तुः हः वहिर्ययः यदे सः यायद्भा वावयासुवासुवार्ख्यार्क्षवायायाः क्रुचार्भः सुरासुरार्ख्याः संप्तृतः स्रे रेग'रा। अर्थ'हर.इ.जीर.हैंग!श्र्राहाकी.लूब'क्य:यत्रावरी गेलकाह्य. য়ৄঀ৾ৢয়৾ঀ৾৽ঀৼৢয়৾৽৳ঀ৾৾য়ৢ৾য়৽ঀৼ৽য়৾ঀয়৽ঀয়৽য়ৼয়৽য়৾৽য়ৼৢৢয়৽ৼৢ৽ঀঀৢঀ৽ঀঽৢৢৢ বাল্ড্র-মু-বাল্টেরেরিবা-বেক্সিম-লেবা-প্র-মেম-ইড়ি-মু-মু-র-ম্র-ম্রা-র-ম্ব-মা ૡૣ૽ૼૡૢૢ૽૽ૡૢૹૻઌ૽૽ઽ૽ઌઽૢૼઽૢૹ૾ૢૺૺૺૺ૾૾૽૽૽ૢ૽૱૽૽ૼૹ૽ૺૹઌઽૢૺૺ૾ૺ૾ૹૣ૽ૼૹ૽ૹ૽૽૱ૹ૾ૢ૾ૢૺૹ૽૽ૺઌૣૻઽ૽ বীঝ'য়ৡয়'য়৾৾য়'য়৾৾ঀৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়য়য়ৢয়ৢয়'য়য়ৢয়৾য়য়য়য়ৢয় यद्भिर्यं स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं स्व

क्ष्यायः न्दः यावि क्वः यक्षः न्यायः य्यायः व्यायः व्यः व्यायः व

ॴयतःतर्देरःचःकुं अत्रःदरःतद्यःक्कृत्यःख्या। यारःप्यरःप्यतःत्यताःचकुरःस्वरःरेशःतवादःर्वया। स्वतःतर्देरःकुःभूरःकैत्वरःस्वःखरःयरःप्यरः॥

मून्यतः म्यान्त्रः विश्वः व्यान्त्रः विश्वः विश्वः

ॺॱख़॓ॺॱॾॗॊॖॱॸॻऻॖऀॸऀॱॸख़॔ऒॱॶॺॱॸऻड़॔ऒऄॺ॥ ॺॱॶॺॱॾॖॊॖॱॸॻऻॖऀॸऀॱॸख़ऒॱॶॺॱॸऻड़॔ऄॱॻऻऄॺ॥

. जर-देवा: श्रुच: प्रदे: चर्चुव: प्रश्नः देव: के: च।। *ક્રે*ન્ડ્રિન્સ્ટ્રિન્સ્ટ્રિન્સ્ટ્રિન્સ્યા ষ্কৃত্যত নুৰ্ভাৱ হাত্ৰ ক্ৰিত্ৰ নিৰ্ভাৱ ক্ৰিত্ৰ बीर र्वस नज्जर नदी नसूत तहें त्र जेंग साथिय। नसूत्रसेयात्रदात्रसार्श्वेदानवि नुसरसेरान्द्रिया विंगायानेनावर्षा सेनानु क्षेत्राया सेना या उद्या सुव र्वति द्वर पुराया सूर्या स्वित सके।। नर्सु होत् स्याये देवाया स्वाया नर्तु न्यी अर्के वा गर्धे क्रव नर्द्र सेंदि वहुँस रेश दुग क्रव स्था। वर्रम्बुयःरेटः रुक्षुटः वः युवः रुप्तरे॥ র্মিবা'রের্ক্রর্কা'বারি'অব্দেশ্য স্থান্ बार्ट्रम्मु और पर्केषा निते श्रुषा हुन पिनेषा। यदियाः क्वीयः यदियाः योशः तर्द्धः नदिः तर्दयाः त्यसः क्वीया योध्यः दें,योक्ट्रन्त्रयुः स्त्रेयो यश्यान्य स्थानी स्ट्रियो। यर्गेव ये १ ज्या कुर मलेब म्या मुन्द्र मही। ५अ'यदे'श्क्रुेश'तु'बृ'र्येदे'र्नेग'यबेव'यगुर॥ <u> द्वाःगहेबःचरःस्रागाुबःसःस्वःपशःर्श्चेदः॥</u> न्यायदे रूर र्स्यायाये रामित्र प्रमायम् ५:३८:देव|बाधबावश्चेट्टेश्यावदेग्वायरःवार्देरः॥ अ:रनअ:रर:वाविश:रव:पते:र्वा:ठव:रेवाया।

*ૢ૽ૺૡ*ૹૄઽ૽૱૱ૹઽ૽ૺૹ૽ઌૹ૽૽૽૽૾ૡ૽ૺૺૺૺૺૺૺૺ૱ૢૺ য়ঀয়৻য়৻য়৾ঢ়য়৻য়য়৻ড়ঀৢ৸৻ঀৢ৾ঀ৻ৼৄয়৻য়ৢ৻য়ৢৼয়৻৻ विंद्रशः यद्रशः द्र्योत्यः के र्कुवाशः वह्रवः वर्क्केदः विदः वहेद।। यावर्यः यहंदर्यः चल्नेत्रः गायायः द्याः क्षुत्रः क्षेत्रः वाहितः वाहा गुरु-८-अह्त-बिर-गुरु-अरु-द्रयम्ब-४-४।। ૄ ક્સાન્ફોન્સફેવાઃહ્યું સેંજેએ ક્કાર્યું સ્થાન র্থ। বর্ষা বর্ষ বহুমান্ত্রী প্রমান্ত্রীয়া বর্ষ বি বাৰৰ ধৰ হ্ৰদ শ্ৰমণ নশ্বন থ ক্ৰুৰ দ্ব বাৰ্ম্যা इश्याचित्राचार्यर क्रियोगालया क्री ईतार हिंदार्या। য়ৢ৾য়৵৻য়৴য়য়৸য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৣয়৻ঢ়য়য় 'નચચચ'નચ'નુચચ'બેફ'નૄકૈન્।'નું'કૈબ'નદે'નફુન્ শ্বীঅ'দন্ট'বাৰ্ব'ড়'ট্রিম'নম'নের্ঝাদন্ট'শ্রীবা यदिवा उर वर्षिय यदे हें है दे सद्य स्वर्भ र स्विवा য়য়য়৽য়য়ৢঢ়ৼ৾য়ৢ৾য়৽য়৽য়ৢয়য়য়৽য়য়ঀ 'बैर.पर्ह्या.योजल.झूर.रेवुर.श्रेर.सियो.की.कु।। <u> ૱</u>ૻૹૺઽ૽ૹ૽ૢૼૡઽૣઌ૽ૄૻૼૼૼૼૼઌૢઌઌઌ૽૱ गर्धिः सेन् 'नर्गेन्र्यं प्रते 'गान्त् 'श्रेन् 'नन्ग् 'गेर 'श्रेर्या અર્દ્ધના હિન લવસાયન સે ત્ર હુર નાયુન દુન રેસા म्या पहराहे हेते विस्था सु रच तहरा प्रया

ধুর ঠিবাঝ ঐবাঝ মার্ছ হ'ট্র তার তারা ঐপ হেনথা। अर्च्चित्र-तुःतवीयाः मदः द्वो अक्त्यः स्वा। चर्याः,श्रेश्वाः सम्बद्धाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः म्रे'नदिते'तर्चेर'नर्यासर्वरस्व सर्वे सुप्ये र्वेट्रया <u>ह. क्र</u>ेंट्र.क्र्य.क्री.ब्रेट्र.य.पत्तवीय.तपुराति नसूत्रव्देत्रव्यययः यन् नहत्रयते नगाः वैयः विवा चगाःविषाःवाष्परःविद्याःवर्देन् न्त्युवैःवाहेरः श्रीः अर्दिन्।। <u>ॡॱॻऻॴॸॱॶॖफ़ॎख़ढ़ॣॴक़ढ़ॖ</u>ऻ॔॔॔॔॔ॾॾऻऻ ଶ୍ରିମ୍ ଜିନ୍ଦି:ଞ୍ରୁ ସାਘମ୍ୟ ନ୍ଦ୍ର ପର୍ନି ପ୍ରଥି ଆ श्चेत्रम्भुवा वासुर्या तहेँ यया पति प्रया विया विवा नगः वैभाभे बुनःसुनः हें गुन्नः नसूत्रः यदे श्रेंगा यन्दर्दर्ञुवयम्भः श्वेत्यवदेश्वे क्रुमः है॥ क्रियान्य स्वायान्य स्वायः स्वायः स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान <u> नदे श्क्रीद्द्रम्थाया स्तार्या नदी नमाः विशः विमा</u>

सर्केग सुरा हुर लेग हि तर्दे व स्नानक है । येगा व सुरा

यग्राक्ष्याद्मयाः श्चीतित् चेरः श्चीया। या व्याक्ष्यादयोत्त्या मदिः या सर्वत् उत्या। सर्वेत्रा व्याक्ष्याक्षेत्रः क्षेत्र चेत्र्यः। यग्राक्ष्याः स्त्रूतः चित्रं चेत्र्यः वित्या। स्रोडोत्रास्त्राः स्त्रेयः वित्रा वित्रा स्त्रीयः स्त्रियः।

ने:याद:चग्रा:विश्वासर्क्षण्डि:द्वो:चति:दुश्व:क्षेत्रःचन्नदःधं। व्यद:दव:वह:चहुः चतुःदव:द्वे:वद:क्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिःकष्टिः

型工、四上、型刻、口 चगाःविश्वास्त्राययःवाःचनुन्द्वेतेःकुःवद्वेत्रायद्विग्राश्वा। য়৻য়৻ৼ৻য়ৼৣয়ঀয়৻৴য়য়৻৸য়৻য়য়৻য়৻য়য়৾ৼয়৻৸য়৾৾য় . लटकारायु:मुखावसकासी:ब्रॅंस:क्रॅकाग्रीकावर्द्धिम। क्रॅ.चर्शर-झेब.चोबानाक्चैन्नानपुः चर्याः वेनाः वेवा। चगाःविकायेगाकाः र्क्षेगाकाः सुचा स्रोदायमेकाः विदासुका। ग्रद्भार्भित्यीः अप्तेत्रप्रव्यास्य स्वा क्षेत्रम्भस्य स्थासदिः क्षेत्राम्बिद्यास्य मीर्थायम् मा ন্মা-পূকা-মান্ধী-'নেজু-'বিপাকা-তেনিপাক্লী-পারিকা ৼয়৾৻ঀ৾ৼৢ৾ঀ৻৸য়৻ৠ৾ঢ়য়৻ঀয়ৢ৾য়৾ঀ৻য়ঽ৾য়৻ঢ়৻৸য়৻৻ के'न्ग्रि'विन्यायामित्रायाञ्च न्यायाम्। য়ৢ৻য়য়ঀ৻৸৻৻৸য়৻য়ড়৻৸য়৻৸য়৻৻৸য়৻৸৸ বশ্র:পৃষ্ণারক্রদৃষ্টির,মধ্র:মুধ্রমান্যান্ত্রী। च्याया सुन र्ये द प्रते से न सर्वे न सर्वे प्रते । न्यर येर तर्यात्र के क्रेक्ट राम्य के रा

क्रिंगः इ. ह्वाः हुः क्रेवाः यदेः चग्राः वैवाः वेवा।

र्वे अंट क्रिंग्च्य द्यार इति सेट ग्रीय स्त्री

अर्क्ष के स्ट्रेंट्र प्रदेश के प्रत्यात के स्ट्रेंट्र प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प

वर्हेर्'वर्रेर्'वार्थे'वर'व्हेर्'यते'क्रुर'लुवार्याचीरा। इस्र-रिंग् में में स्वायन्य स्वायन्य स्वायन्य য়ৢয়ৼয়য়য়ৣয়য়য়৸ড়য়৻য়ঢ়ৢয়য়য়৾য়য়য়৾য়ৢয়য় नर्केन्द्रन्यःवियायाञ्च्यायदेशम्दर्यास्य क्षेत्र सर्वत स्थापत त्या तर्से पति से पेर तिहेत्।। इ.धेर.के.अष्ट्र्य.इब्य.यम्.इ.अष्ट्र.पर्तिजी ट्रे.चर्लेब:क्रॅब:क्रॅब:ब्रुब,बर्बाय:चक्रुंट्र:चन्नट:क्र्युंट्र:सद्या त्वींवा सेन नुषा सु क्षेत्र त्या सु लेवा पक्षेत्।। चुत्र.पु.श्रुवायायमः श्रुमः प्रति । स्तु র্মনাইনাস্থির হ্র:স্ক:নর নের্ম স্থান স্থানা ઌઌૻ૽૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻૹૼ૱ૹ૽ૼ૽૽ૼ૱ૢ૽૽૽ૢૺૢ૽ૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻૹૼૹઌ૽ૻૡ૽ૼૢૢૢૼૢૢૢ तकरःगारःर्ध्वेवाषाःपदेःवाञ्चःत्यरःचग्रावाः अ८्टरावर्वेर।। 'बुअ'भ'রঝ'নর?'য়ৢবাঝ'য়ৄ৾৸য়'র্ম্রবা'বী'ঝাম৴॥ बै:विज्ञब:र्<u>र</u>हेदे:र्हेट:वा:ज्ञुब्ब:पठ्य:हे।

नम्जानहगासे से नम् पते र सम्बन्धान र्क्तेयः द्वार्श्वरः यीः दृरस्यः सः दुरः द्वराः सुरस्य। त्तुवः र्ह्से दशः विवा पर्देशः वक्कवाशः यदिः वः त्तुदः वार्देदः ॥ श्चेंब्रायेन्।द्यरायेराह्नवायाच्याच्युवायदेरयेया। ख़ॱऄॗॖॴॸॣॴॱॴॸॾॣॴय़ढ़॓ॱक़ॕॴज़ऻ अधर: में देन पोर्ट्र : स्टेरे : नहुत्य: बुवाय: हवा: पुः हें अया। क्क्षुं अर द्या केंग्र दिन त्य दुर राज्यी। ৼৼ৾য়ৢয়ৢয়৵৽ৠৣ৾য়ৼঢ়৻ৼৢ৾য়৽ঢ়য়ৣ৾৽ঢ়য়৻ৼঢ়ৼ৾৽য়য়ৢ৾ঀ বারুবা দু মেধ্রর মে হর্মবান্স মার হিবা । नेर-तुषावारकारेत्रे अवातावास्यायर पहेता। ક્ષુંગાચ:નુષ્ય:આવશ:ય:એ:ક્ષેત્ર ક્રેન્સ:ય:ક્ષેત્રા મુંદ્યાનયામુંદ્યાનયુઃધિ:દેવેદ:ર્કેટાનયુ:શુ! बर विशास्त्राप्त पुर रिश्च केत्र गहिर। योष्ट्रायद्वरात्राच्याः अट. क्षुयोयाः तयुः क्षेत्रः त्या आह्या। तकर्म्याकुयाचार्क्यस्य विराम् ৡ৾ৼ৴৸৵৻৸ড়ৢ৾৾৾৾৾৾ঀ৸ঽ৾৻ড়ৢঀৗ৵৻ৼ৻৸ঀৗ৵৻৸য়ৣৼ৵৻ঢ়ৢ৾৾ৗ र्क्रें यायया क्षेट गी सुद्धारा प्रेंट्या येया नदी। श्रायम्। र्युत्म यामुक्षः क्योमा तहेवा हेव स्युव सः स्वत्या। त्यातः विवा केंद्र भेंदि से र वीश सर्वे र स्नेसश श्री र ॥ याबर तयाय श्चेद त्या श्चें चर्या परि श्वें चर्या बर या।

ব্যক্তিম'অন্তম'ম'মুহ'ব্ম'ঘরি'হহ'র্কুম'শ্রীমা। নাল্ব'ধব'র্যুনা'নী'র্হম'ম্'উম'র্ম'নষ্ট্রা। য়য়৻৴৶৻য়ৢয়য়৻য়ৢয়৻য়ৄ৴৻৸য়য়য়৻৸ৼয়৻ড়৴৻য়৸য়৻৻ याधाः अन् हिन प्रहें ब्रायकेया यी न्योंन्य न सुन न हैया। ૹ૾ૺૡઙૣ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼઌૢૹૻૻ૱૽૱ઌ૽ૼઌ૽૽ૺ૱ૹ૽ઌ૽૽૱૽ૺૹ૽ૺૺૺૺૺૹ सम्बद्धाः विश्वासी स्वासी स्वासी सम्बद्धाः स्वासी सम्बद्धाः स्वासी सम्बद्धाः ড়ৢৼৢঀৼ৽ড়ৣ৽ঀয়ৣ৵৽ঀ৻ৼৢঀ৾৽ঀ৾৵৽ৡ৾ৼ৽ঀঢ়ৢৼ৽ঀ৻ঀ র্নি নেবমর্নি ন্তুকা মর্কর দেনি র্ক্তকাশ্রী ব্রিম্যা विनरा हुर प्युव र् रु नह्रव भन्ने प्यायळेव उद्या বার্নীং ইং. বৃ. বি. বাধ্যম: নম: ছি্রিই প্রথম: প্রীর শা। नगःनियासर्केषाः हुः द्योः नः द्याः यदेः सर्वेदि॥ श्चित्रयान्युम्भारतात्रते क्वित्रः हुनानर्गेद्राप्या। श्चीन्द्रनः वि नित्रे के स्वाप्ययासुद्र के विषया मुख्या रवो येवारा हो नदे अर्ह्ये व र दे हवा व ग्वाया रेविया

डेबः नुषः रवबः हेरः वृडेवः यदेः वें रवबः न्दः येंदिः वृदः वैष्

यार ख्रिया त्या का स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व

ने स्यर यार अप्युव र र या र गार र वे अप्युर्ध र या के अप्युव र या विक या के अप्युव र या विव र या के अप्युव र या विव र या विव र या विव र या व

द्रंहर्ड्स्वरंद्धः यो निवास्त्राचित्रः प्रति प्रति स्वास्त्रः स्व

ঽ৾ঝ'য়'য়ৼৢ৾৾৻ৼৢ৾৻ৼয়৻ড়৻ড়ৣ৾য়৸য়য়৻য়৸ঢ়য়৻ড়ৄয়৻য়য়ৢৼ৻য়৾৽ড়৻য়ৼড়য়ড়৻ড়ৼ৻ য়ৢ৾ৼ৻য়ৼ৻৻য়ৼ৵৻ঀৼ৻য়৻৻ড়ৣয়৸ড়য়ৼয়য়৻য়য়৻৸য়য়ৼ৻ৼ৾৵৻য়ৢয়৻ঀ

मिः वर्दे ब विवा वी खेवा वा श्रुर।

औं सुः है। सर्द्ध्य सोन् त्यद्वेष या हैं यया यहते यन्गा। मान्यिक यहिं त्या सुर्वा यहत् दे।। द्यायते र्क्कार्यय स्थित यते सुद्या। क्ष्याय प्रति स्थित स्

প্রাম देट : द्रश्चित्र प्राप्त देश क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क

बेशः क्षुवः परः क्षुः पदेः क्षेया गीर्शः सूवः पशुशः हे ग्वारः क्षेरः परः चुः पःः।

ॐॱशृशे क्रॅ्रचर्यानकुदेःक्र्रेचर्यायद्याद्भयायद्येवाक्र्यायद्याक्रिया बि'नश्रीयाम्बा'रु'न्बो'न'न्यप्यायदे'र्केश्रा रेगाः र्वेत्याः व्यव म्हार्यात्र वार्ष्य म्हार्याः विष्य यर्केर 'र्रम' इया ग्रासुय ही 'र्नेदे कुर र 'यर्केर। র্রব নেশ স্থ্রব অর্হ দ বার্বশ বার্শ্যর আনর রে ব্রাই।। *ૹ*.વાજીજા.કૉ.જૂવાજા.જી.હચંજા.વાર્જુવા.ધે.చશ્રુંથા ক্রিঅ'শ্বর'বাশহ'বাশ্বর'বাইবা'বস্থুশ'র র্ব্র'বরি'মর্বারা। वके सेर हें हे दे भू वकर सूय वदे भू॥ নমূর মে শ্রুর মাবারী সামাক্রী মাবর দেব দা। यञ्च गा रकासी त्रव्या ह्वा हु क्केंट्रिया। रेअ:५ग्दे:बेग्:धदे:७८:हे:थें:ग्राग्रुआ।

अर-वुर-७४:हेदे:वाबर-२४अ:ह्वाब-४-केदे॥ ন্যার নন মর্ন শ্বরাঝ নশ্বর মর পিন দ কী। <u>चैत.र्यट.कैज.य.लय.सॅश.प्रेग.प्रे.कैजा</u>। 'বাশ্ব-'ক্রর'বাশ্ব-'নরি'বান্ট্র-'রেইর'র'র্ক্তবা। *ॱ*इअ'नविते'र्ञ्चेर'्यश्यागुर्वाय'न्नर'दर्ज्जेर'न॥ धे नेयाययाद्दायाद्वानेयाद्वा स्वाउद्या कृ.योद्यंत्रःऋँट.अञ्च.ट्यो.ज्योज्यःक्ष्यःतःऋँचन्यो। अ'स्-वेंर'न्दे अहें न्य'न्नर हुर नदे॥ શ્રાનક્રુદ્દ,શ્રુષ્ત્રાત્રાદ્દવાતાત્રાત્રાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતાત્રુદ્ધાતા য়য়ৢঀ৽য়ৣ৾য়ৼয়৽ঀ৾ঢ়ৼ৽ঀয়য়ঀৼ৽ঀঽয়ঀ त्दीव्दन्नी:सर्वद्वत्त्वस्य स्वास्त्रीय:दुर्स्ट्रीवा। योः विषाद्वीद्रषायीः क्रुवार्वे छो। माह्य द्रवायद्विस्य स्वार्धिस्य वा अतः से दिः सः सुः त्या र्दे'हे'येग्रथ'यदिंद'गेट'र्ये'कुर'वठर्या। ' નુસ'હ્યું સુંકું દ' चर' સ' વાયો ભાગ અપાય 'રેસા বিষপ্যবাধ্যমালীন নেবাবা দ্বি নেবাবা নিবা ক্রিট ক্রিনা देवासःवासुअःवाद्वेवाःवसूसःद<u>वाः</u>वदुत्यःसेदःक्रेदाहेसा। गणुयाक्त्याञ्च प्यासः क्रेन पदीर स्ट्रा भीगा

यायर क्रिया म्याया स्वीता क्रिया क्रिया क्रिया म्याया स्वीत् प्राया स्वीत् स्व

स्वरायराञ्च्याय।

वा विश्वरायराञ्च्याय विश्वराय विश्वराय

चर्याः विश्वः व्याश्वः व्यवः व्याः विश्वः व्यवः व्याः विश्वः व्यवः व्यवः व्यवः व्याः विश्वः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः विश्वः विश्

मञ्जूर पदि त्येग्या स्ट्रिया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीया स

यह्र तस्त्र प्रदेश श्री चर्र चर्र चर्र मा त्या स्त्र मा स्त्र मा

स्वाति क्षेत्राचार स्वात्त्र स्वात्त स्वात्त्र स्वात्त्

यह्र स्थ्रेय स्थ्राय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्येय स्थ्रेय स्थ्येय स्थ्रेय स्थ्रेय स्थ्येय स्थ्

য়'য়৺ৼ'য়ৢয়৾য়য়৸৻য়৾৾ঀৼয়ৢয়৸ য়য়৺ৼয়ৢয়য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়৸

> स्यान्तरः र्वेत्वयः ग्रीः ते वेदः स्यव्यान्त्रयः स्था। स्यान्यत्यः अर्दे श्रीः स्थाः यात्रयः स्थाः स

चगाःविश्वःश्रृंदः।वस्रश्वःशुःद्दःस्रीःधिःसुत्रःस्र्वंगश्वःयेगश्वः च्रशःवर्श्वः वस्यः स्त्रुशः व्याःविश्वः स्त्र चगाःविश्वःस्रेंदः।वस्रश्वः प्रदेदः द्वादिः त्येषः ग्रुतः त्वशः त्येदः त्वदः द्वेदः स्त्रुगः ग्रेदः प्रदेश। चगाःविश्वः स्त्रें व्याध्यदः त्वेद्दं द्वितः त्वेद्वः त्वः स्त्रः त्वितः व्यवः त्वेदः त्व्युगः ग्रेदः प्रदेश। चगाःविश्वः यादः विवाःधिदः स्त्रुतः त्वेतः त्वेदः त्वः स्त्रः स्त्रः त्वेदः त्वस्यः स्त्रुवः त्वेवः।

रचःवाद्यशञ्ज्यायः सूचाः हेरः ह्यः ५ प्रतेः क्षेत्रात्यः प्रहः सूत्यः च व र देश।

स्वायाम्ब्रायाम्यायाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्

गुर्वाद्यनः देवाः क्षेंद्रः क्षेः क्षेत्रं चाकुवाः सदीः वस्या। नर्-क्रेव-र्र्स्-हेत्र-धुन्-क्रु-स्थ-स्थन्यस्थनः-पदि॥ गान्यायर्नेन्यदेयावीन्धिन्यकेष्यं व्या ૡૢ૱ૣ૽૽ૼ૱૮૱ૺઌઌૢ૱ૢઌ૽૽ૹ૽૱૿૽ૺ૱ૺૺૺૺૺૺૺ ট্রম:ত্রম:বর্ষুঝ:ব্হ:বর্ষুঝ:বইর:ববা:ঝ:ৡঝা ৼৼ৻ঀ৽ৼৼ৻য়ৼ৾ঀৄ৾৻য়৸ঢ়৻য়৸৻য়য়৻য়ৼৄ৾ঀ৾৻৻ यित, ज्ञूल, उन्हें अ. यहे. कुष्या अह. यह त्या अह न्वींर्याक्रिन्चेत्रस्य प्राप्ति वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा BZ-१र्क्स-युन-भूत-त्वार्याः नायः नायः अद्दर्या। बुर । यह गान हुँ र नित्र हो । नित्र गाने र जा न्द्राचदिःस्यायमास्यार्द्वेग्रमस्यूयानदेःसु॥ अद्यतः प्यत्रा से सहेत् वितः तुः सदेतः सूतः विता। wप्तवरुप्तदेव लेव सक्त प्रदेव प्रायुक्त हें वा यी। বার্বর:গ্রীঝ:ইন:বৃষ্ণ:বচ্ব:ঘর:অম:গ্রুম:দের্গ্রা। मनेशासेन्यान्दान्यदेःध्यार्थास्य स्वान्यम्

सर्वेद्राष्ट्रेन्द्रिन्द्राः सद्यान्य स्त्रा देर:दुश:क्कुल:चक्षुब:क्वेद:चेर:दनर:देर:क्ला। *क्रेर-क्षेवार्य-*ध्यन्तिःस्_र्स्त्र-स्वार्यःद्वाःस्रा। १४४.घर्या.योर्टेज.चे.जूर्या.लश्च.योलट.४.जया क्केंत्र धेर अर्गेत् छिन् क्षर प्यतः मा बुग्यः क्षुर प्वेत्य।। 'বর্ল-'অম'বশ্বীঝ'ম-'র্কুর'রম'সন্তরীবাম'বশ্বীব'রেরমা। यर्रे केंत्र विवाय प्रयाय या यह र खुवाय हेंते वसुवा। श्री-विवाबा हवाबा ग्रीका के निवेश सर्वा स्वा। स्थितः चत्रे वार्ये र विता सार्चे वार्या सुर तर्चे द विवा র্কুঅ'বারঅ'র্ন্থর্অ'বর্ম্মর্অ'বরে'র্ট্রব্য'র্চর'র্ট্রবাঝা। सिंद्ये प्रियायो स्वेया सूर प्रति प्रवि हिता तम्या বর্রথ র্ক্র ইর্ শুর্ ব্রুব ধরি দেব শুর্বা কী। यर हिन्यिके रायदे या रोट विषा हुर सहय विषा तकन्त्रासर्दुन्यासेन्द्रन्त्राः सुन्तः सुन्तान्त्रा ৡ৾৴৻৸৻ৼয়৾৾ঀ৾৻য়৻য়ৣ৾য়৾৸৻য়ৣৼ৻ড়ৄ৵৻য়ৣ৾৾৻য়য়৸৸ ફ્રેંચ.તર.૧૧૮.વષ્ટ્રેય.ધી.૮વટ.ક્ર્યીય.૧૮.હેવન્યી यिष्यास्य स्त्रीय स्त्रीयस्य स्तर्भन्ति । म्रे'निवरि'न्ययाचीराधेंन्यातविन्तियीयान्यानुनानी অঝসূহ স্কিনঝস্ট্রহ বেনহ নব বেধুর অঝস্ট্রা वित्रं वित्रास्य स्टेर् न्यर होत् देस वासर वी।

क्षेर मेंत्रे नसून मार्चेर मत्रे ज्ञम क्षेर लेगा ह्य-नसूत्रायुर-५८-हेर्ग्य-५८२:सु-५न८-युर्गा मन्द्रम् न्यायिष्यरः स्त्रीतः वर्षायाः वर्षाः ধর্ম র্কুম ক্লুবা অম বেদ্রীর মরে মেন মিবার্ম শ্রী। र्दे:हेते:अर्द्धेन:केन:तकर:चते:द्रध्य:अरत:वेगा ছিন্দের রেকা দের্ম্থ শেষ ক্রিবাশ দের বার স্বার্থ সের বায় नसूत्रवान्यः ह्वायः श्रीयः सूत्र्यते विदः देवा सर्वे। र्देशकार्ययः ह्याया क्रुका विते र अर्के वार्षेत्र । ·अं क्वितः अपितः भेतिः भेटः त्युवाका नगातः वाहे रः केवा। রব'বাশব'ঝাবর'র ব্রিরি'য়ৢব'রিবা'য়ৢবাশ'য়ৣ'ঢ়য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢ [य:ब्रिं:कॅर:कॅर:वर्ते:क्रेग:क्रें**र**:ब्रु॥ ह गर्ने द से देवे स सबर हग क्रें द रेवा। য়৾ৄ৽ঀয়ৢয়৽য়ৣ৾ৼ৽ৼয়ৢ৻ঽ৽য়য়৽ৼয়৽য়ৼৼঀ শ্বর্নরহ:ধ্বাঝাশ্রী:অহ:নস্তুর:ইবাঝানস্কা। सुतः हुनः तद्यसः चुते : बुसः गाः यवाः सञ्चरः नु। तदेव'यदे'विराह'ग्राबर'यर'क्षुर'दर्चेव'विगा क्रेंग'चल'स्गानसम्'नग'मदे'मनेबस्य हान्रा। गर्भेल नहन नहीं न शेर तपुर हेव तनुर अधुरा। ल्तरंजाः क्रिंबः चर्वः चर्वः क्षेत्राः तच्च्याः चुरः बर्णा।

र्देव विशेषासुव च्या प्रमाशक्षेत्रा स्ट्रा हिन र्वेग।

कुर-खुर-हेग।

केश-हेंग्रथ-केव-पावव-प्राविध-प्य-स्थुल-देव-घं-के-बंग्रथ-प्राविध-प्रमुल-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्य-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्रविध-प्य

নহ'ন্তহ'ঝ'য়৾হ'য়ৢ৸য়ৼ৸য়৾য়ৢয়ৢয়ৢয়৸য়য়ৢয়ৢ

र्देशकाश्चेरासहकायतुः स्मृकायत्र हिंतासुरायते॥ त्रयार्देश्यकुरुषा द्वीरायदेश्यपेते गुद्दा हुवा। र्वे रेटकारुकानम्दिनकुः सकाकार्यरामम् 'বর্ষিক'লখ'লই'বর্ষিক'র্ন্তর্প'রর'ইস'রহ'র্ন্তর্পা क्षेत्राच्चरःस्रकःर्द्रवःगविषःनदेःसद्यःसःपरः॥ यदेव'गशुर हें हेवे'यगाव हगार दे खेवे हा। য়ৢ৾৴৻৸৻ঽঀৗ৾৾৴৻৸৻৻৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য় यार ब्रिन् ब्रुयाश पञ्चीर पर्वं संदेश हैं पर्वं स्पर्ध । ભગઃ ક્ર્સેંત્રઃ બૈદઃ ફઃ વદ્યું કોઇએ એ વાયા કદ્યા ધા सेह्नेसासळॅदायदी रे मेंदिगोपा प्राप्त र्ष्ट्रर से द सहे राज्य है में स्वीत से दिया है से सिंह के सिंह से दिया है से सिंह से सिंह से सिंह से सिंह से स ই্ব-ৰ্ষ্ট্ৰর-অম-ই্রত্ম-তর্ব-র্যন্ত-ব্রত্ম-শ্রত্ম 'বাധম'ন্ঝ'বাউবা'দু'স্ট্রুঝ'ব'ন্ঝ'ঘন্ট'ঝর্বারা। ড়ৢঀ৾৽ঀয়য়৽ঀ৾ঽৼয়ঢ়৽য়য়ৢ৾য়৽য়ঢ়য়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়য়ৢঀ৾ঀ ଛ୍ଟିଅ'ସ୍ୟ'55'5'पदेश'य'र्सेअ'रे'रे।। ৡ৾ঀ৾৾য়৾য়ৢ৻৸ৼৢ৾ঀ৾৾৻৸৾য়৾য়৾য়য়৾য়য়য়য়৻ঽৼ৾৻ঀ ने'धी'बेर'ग्रीकामर्ज्जे'त्र होन्'हे'न विद्या अर्केग सु न्यायाय न्यायीय सुर इत्याही। *ने*ॱधीर्यायात्रस्य त्यन्ति यानुत्य द्वारी स्थाने ढ़ॕढ़ॱॸॸॱॾॣॕढ़ॱढ़ड़ऀढ़ॱढ़ॸॱॺढ़ऀॱढ़ॼॖॕॻॱॸॳॗॺॱॿॕॴॗ

तयायः तक्ष्यं मुक्यः तद्देर क्ष्यं व्यायः यो वा वा व्यायः तक्ष्यं मुक्यः त्यायः त्यायः तक्ष्यः त्याः तक्ष्यः त्यायः त्याय

देशक्रेद्र यह देव क्षे वाश्वद वाह्या

स्याठेगाद्वराख्न्यस्य स्थात्राक्ष्यात्वर्षा।
स्याठेगाद्वराख्न्यस्य स्थात्राक्ष्यस्य स्थात्वर्षाः
स्याठेगाद्वराख्यस्य स्थात्रस्य स्थात्रस्य स्थात्यस्य स्थात्रस्य स्थात्यस्य स्यात्यस्य स्थात्यस्य स्य स्थात्यस्य स्यात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्यात्यस्य स्थात्यस्य स्यात्यस्य स्थात्यस्य स्यात्यस्य स्यात्यस्य

શે'લવાબ'શ્રેન'ન્વુઅ'8ૅફ્લે'મર્ફ્ને'નું રેંબ' અર્દેન્॥ ૹૄૼ૱ૹૢૣૼ૱ૹૢઌઌઌૹૢૢૢૺૢ૱ૹૹૢ૱ઌઌ૽ૺઌઌૡઌઌ૽૽ૹ૽ૢૼઌૹ૽ઌ૾૽ૢૹૢૢૢૢૢૢઌ শ্বীর র্লুমে'ন্ট্রীম'নের্দিম'বাউবা'মে'নত্রম'মৌন'ন্,র্ক্তবাম'মনী। अकेन्'ग्रिंग्'या'देवे'अर्बद्ग'तकन'चुर'योन्'ग्री'क्य'वर्चेर। नक्षे के दाशुन्य सहस्य साम हिन्द या नुस्य साम सम्बद्ध । वराग्रयाद्यानदीयोत्वेषाक्रें राष्ट्रायी पराया ध्चेर ग्रार्थ्य अधिद क द्याया सेर् सक्दर द्ये प्ये प्रद्या हेर्।। देशप्रापृष्युवार्येदशासुतिविद्वेवायशाम्याः कावहिवा। गर्ता चित्र तर्वे द्र स्थित श्रीत श्रीत सीता र प्रा *ने*:प्यरःग्यरुष:स्तुरःग्यप्यःस्व,क्ची:रःन्।। वियानग्रमास्य धेरासुन चित्रासार् हुन् ग्री विनावस्या। প্রবিধানপুর্বানীন নতু, নাট্রিপানপানপুর্বানী, পাঞ্জী, পাঞ্জী, পাঞ্জী <u> द्विषाणीयास्रस्व पति वें र त्येह्व यद्यायाः धार्मे व्या</u> . जन्मेर. यर् . यद्वे. यक्ष्या क्षेत्र क्ष्या का देवा की द्वार की देवा जी का जी है जी का जी है जी की का जी है जी য়ৢঀৄয়৽য়ৣয়৽ৠঀ৾ঀ৾য়৽ঢ়ৡৢ৾৾য়ৼ৽য়ঢ়য়৽য়৾য়ৢ৽ঢ়ৄ৸৻ৼঢ়৾৾ঀৄ র্ত্রহম:ইংফুমেরে:পূক:২ন:২গ্রাম:খ্রী:গ্রিম:বা। ૹું વિશ્વશ્વાનીયાં ગીયા વર્ષના પહેં ત્યા સર્જય છેં. છેંડી ન *૨*ઃ૪ઃૹઢેઽ઼ૡૄઃૡર્જોૄ૽ૡ૿ઽઃૡૹ઼ઌઃએઽ઼ઽૢૢૹૣઽઃૠૄૢ શ્રે'ત્રજ્ઞૂર,દ્વાંત્ર,ગ્રીત્ર,સર્જ્ય,ત્રહ્યું, સંસ્તુર,ગ્રીંગ્ય, યાંગુના

अर्देर देश यञ्चे र पर्दे वार्य र पर्दे देर पर्दे वा *इ*'ग्रुअ'धु'८८'शु८'अदि'चदेब'ळॅग्'गे'रे'ब्रॉ। इत्यादर्ह्य स्वाप्यकार्या प्रति देत्र यात्रवा ही सूर क्रिक्या। नर्म्नार्थाहेर् त्रचेत्य केंग्रायि प्यायकें राष्ट्री त्रव्या नवरा। वर्गेनासेन्गरेनारुरःवरायाओसार्नेषाया। ব্দথ্যক্রির বেশ্বর থকা বর্ শূর্ণী থা অবি স্ক্রের্কিবাকা। र्याः र्वेषायः सूर्ययाया द्वार प्रदेश्य स्वार स् विं नदुः सं योदः वृं दः शुरः यः यो र्वे नवः ग्रीका। नर-कर्नन्दुन्ग्रीःगयुत्याययामुत्यानारुः अर्हेन् हेगा हेंचार्य केंद्र अद 'र्या क्षेर वेया यादद सेंध 'यगाद सुर ।।। अप्रचान देर योग्य प्वतः स्वितः स्विता यार्डे र खें सुः <u>सी</u> र्श्वर्यार्सियोः प्रिमी श्रीयसीयाः सेष्रेश्रीयाः श्रीयाः पर्स्यो। व्यात्वेयाद्विरःस्यास्यायास्यास्यास्यान्त्रास्यायास्या য়৾৽ঀয়ঀয়৽য়ৄ৾ঀয়৽য়ৣয়৽য়৻৸য়৽য়য়য়৸য়ড়য়৽ড়য়৽ঢ়ৢ৽য়ড়৾৾ঀ৽ঢ়ড়৾ঀ৻৻ 'বুঝ'ঝ'নন'ধরি'য়ৄ৾র'য়ৢ৾য়'ঝঝ'য়ৄ৾৾৾৸ঝ'ঝৢ'ন৾৾৾ঢ়৾৾৻৸ঝ|| <u>ञ्च</u>नराक्रेव'न्वीनरापदीस्ताक्रेव'रन'करासुर्हेग्रारादिगा *૽્રે સ્*ત્ર-'ઇ'ન્ટેન્ટ. વર્શ્કવે. તા. ફ્રેંશ. વર્શ્કવે. શ્રે. શ્રે. જે. તા. ક્રો. શ્રે. તા. ક્રો. ક્રો. શ્રે. તા. ક્રો. ક્રો. ક્રો. સ્તે. ક્રો. ક્રો बरःष्ट्ररःक्चित्रःश्रयःष्ट्रीतःर्श्वेदःपात्रःर्वोद्ययःविरः॥ यायर प्राप्ते प्रमुद्धियाय अवस्थित स्थित स्था ।

यदःग्रायदःदिर्धः केत् दृद्याः यदिः कुत्यः यद्यः विद्याः विवा। भ्रुः कें त्रके स्येद्रः से त्रीयायः गयुदः दुदः ग्रीयः सर्वदः वेदः ॥ स्येग्रयः कें त्रायः यवः कुषः द्यायः स्यान्त्रवेदः स्थितः त्रिक्तः ।। सर्वदः त्रस्थेदः सम्मदः कुषः द्यायः स्यान्त्रवेदः दुदः ग्रीः वेद्यः द्या। दसः स्यायदः हैः श्रीदः दर्शे चित्रदे द्यायः सर्गेदः दुः विवाः विवा।

डेशः रचः वावशः विदः होः होताः ह्वाः वावशः हेवाशः हेवाशः हेवाशः वावशः होताः वावशः हेवाशः होताः वावशः व

ড়ৼয়ৣ৾ৼৼৄ৾ঀঌ৻ড়৾৾ঀৼয়ৼৼয়ৼ৻ড়ড়ড়ড় য়ৠৼ৻য়ড়৻ড়য়৻ড়য়

योशर्या योशर्या स्त्रीत्राचर्त्रा न्या प्रस्ति व्या स्त्रीत्र व्या स्त्रीत् स्त्या स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्

प्रभुद्धः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वावक्यः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्

यदियः चेदुः क्षेयाः अर्भुदः याः द्वायः यद्वायः यद्वाय

याः सर्वतः सुन् देशे देसराः निनाः हेन् रास्तरः सा र्यायद्भरः क्रीवार्यात्यविः सर्वत्याः स्वेरः चर्दे बिटः॥ 'বর্ত্বম'র্দ্মবার্মান্রম'র্বম'র্ব্বম'র্ক্রমা यागर क्रेन प्रस्त प्रते क्रेन होत् त्वर प्रते या है गा विंगिः ह्यां स्ट्रास्य स्थान हिना हिना हिना है। ' ૬૬'ર્ધેર'એઅઅ'નક્ર્યુક'ક્ર્સેન્'મતે'રદ'ના રૂનાઅ'ઈઓ है:श्रीन् पर्विरः चर्ते पहेगा हेत् क्षून्या ग्रीन्य। तव्याः सेन् तर्वे नें त्र क्रिन्यः स्थान्यतः चति॥ नसूत्र भते स्त्रेर में खुर दर हेंग्य भते रेंग्या यत्र द्रम्यून प्रशायहें व पशुर से ता प्राप्त स्थी। सहर्मन स्वालक मी दिन्य से प्रहेश प्रकार तर्ची देव दुर्याया चचया श्री चसूव तर्हेव के।। রূপ, এপসা, এক্সুপ্র, নার, পূপ, স্বর, প্রধা, ক্রীপা पकर्`र्सेर्'र्सेअ'यदै'दिष्टीक्'यकाःर्सेज्वर'वन्य॥ शिवश्याचर्द्धंत्रःचन्द्रःच्यंत्रःच्यंत्रःच्यंत्रःच्या द्यायते सुताद्याया यहेषायते प्राप्ति स्व

> क्षेत्रायः देशः स्ट्रिंग्यः स्ट्रिंगः यहेत्। स्वार्यः स्वरः स्वर्यः स्वर्य

नक्षे:केव:ब्रुवाकाद्देकाःसःनिहःध्रवाःसेटःवीका। ' र्मुज्ञारा राष्ट्रीय स्वराय रेदि राष्ट्रीय राष्ट्रिय स्वराय । ही:री:स्.वरापरीजायमाःक्रीरायक्षममःस्रीरा॥ वर र पुन्य स्थाय प्रमान स्थान 'বাপদ'ন'বাপদ'ঠের'অর্ক্রবা'বী'ক্রম'শম'শ্রীর।। देव क्री हे रु गा दयय दक्षीय वर्षेर पर्ही। र्मे्याय में वार्यों विषय अदि महत्त्र्य महत्त्र्य क्षेंद्र'च'र्देश'यहेंग'के'ळेंदे'चशक्ष'गृहद्र'यश्रा रैट दुः दर्श यदे यदेव ग्वीवाय केंश की हेते। *ૡૢૼ*ઌ:૬ઌૄૢૢૢૢૢૺૡ૽ૺ૾૽૱ઌઌૺ૱ૹ૽ૺૹૢ૽ૢૺૡ૽ૺૢ૽ૢ૽ૼઌ૱ૡ૽૽ૼૺઽઌૣૢૢૢૢૢ ग्र-'न्ग'न्य'यदे'हे'याद्ध'ख्र-'र्ध्वेग्रा। विंगिः हैं वाः श्रीवः श्रुः श्रुवाः त्यः द्वीं दः प्रतिः छैं।। য়য়য়য়৾ৼৢৼয়ৠৢ৾য়য়য়য়য়ঢ়ৢ৾ৼয়ঌয়ৼ৻ঽ৾ঀ বশার ব্রম্বার্ক্সীর বী মী র্মিম দ্ববা দ্ব বিশ্বা অন্ত্রির দেশ র্ক্তম দ্বিদ্ মহির দারীবাশ আবশ দেই হেন।। यर्रे प्रमाग्नियानु हेमायर्देन पर्देन परि सर्केगा *বুঝ:মঝ:মন্ধুব:ম*র:র্মুবা:৫৻ৼর:মরহ:র্মুর:ধ্রুমা। ८४.तरु.४४.वर.भु.४५८.क्रिज.४४४.४५॥ বস্তু:ধ্রবা:রুহ:বী:বত্তাহ:ন্তুরি:বের্বহ:ব্রি:মু॥

योर्थार्जुर्याक्षयान्त्रयास्य स्वास्त्रान्त्रान्त्रा लूट्यार्ड्र्यायाचीयायसेयात्रीः सुर्यार्कायचीरातपुरी নন্ধৰ স্থ্ৰুবা ক্ৰিং ৰখা স্থাং আঘৰ ছিই প্যুৰ স্থা। ग्राम्ब्रिन् यसूत्र यदे क्रेन् ब्रेन् देन् यकु य। यायर क्रेब पर क्रिया या क्रेब पुर प्रस्त ह्यू र ॥ बि'नते'तुन'रेर'र्धुग्रायायते'त्री'क्रुत्'क्रुरा धेर्ग्रीविक्रिक्रिक्ष য়ৢঀ৾ঀয়ৄয়ৢয়৾য়৾য়য়৾য়য়৾য়য়ৼঀৼয়ৢয়ঢ়ৢ৾ঀ 'નઅસ'એસ'લનુઅ'ધલે'ફ્રિ'એ'અનુન'વન્સ'વલે|| <u>हेर्यान्त्रेतिःक्विवाः धर्यार्यारः धरः ह्वाः नक्षेवायः यदी।</u> रेवाबासम्बद्धार्टर संदिष्धः स्वाबास्यास्या यार अर्बन चाराश्वापते स्याबुद देन राम्य उन्ना कुलानसूत्राधर्यायदे स्वायदायान्याना त्यर पदे। অৰ্জন্ব দ্বানি দ্বানি ক্ৰিয় ক্ৰিয় ক্ৰিয় কৰা বা আৰু মূ र्धुवाकाःवदिरःकुर्वाःदविःवादुदःचःद्वदःस्रेदःद्वीदा। র্নি ব্যব্দির ব্যব্দির ক্রিমের বিশ্বর श्रीयहेवायायोर्दराष्ट्रयायहेवायायते केंयायी विरा। ৻ঀঀয়৾৾৽য়ৢৼ৾৽ঀ৾য়৾৾ঀ৾৽৻য়য়য়৽য়ৢ৾৽ঀয়৽য়৾ৼ৾৽য়ৢ৾ৼ৽য়য়৻৻ র্ব্বস্তাহ বাহ প্রবাশ স্থ্র নর মাম মেমা।

बुन'सेन्'स'केब्'न्गार'धेर'धेरस'नश्चुर'नदे॥ तर्सेम्'ययाचर्द्रास्त्रितै'त्रेम्यायाः ह्रिम्यायवतः चया। कृत्वचुर कुल प्रकृत गो ल न खे दे॥ न्गुःस्वः चैवः क्रुन्यः नक्कुन्यते सः नः नहव।। <u> पर्केंट.पहूर्य.भाषमा.चीय.वी.मधु.मुट.कृर.फह्यी</u> ক্রেথ'বন্ধুর'ষ্ট্র'ঐহ'য়ৢঽ'বেব্বই'বাচ্র'হ্'বর্ফ্রই'।। ষ্ট্রম:ব্রমান্ত্রীন:মন্ত্র:মারের্ছম:মন:বাপ্রাম:মমা। श्चें न्दायके नियम्बर्धिया स्थायन्य स्थितः ॥ योर्वेग्रेश्-५८:चबु्ग्रेश्-भदेः द्यः स्नु५:गुद्र-च्रत्थ:ग्रु८:॥ **ख़ॱॸॸॖ॔ढ़ॱढ़ॹॖ॔ॱॺॱॹॱॸॸॱॸॗढ़॥** <u>ढ़ॣॺॱऄॗॖॖॖॖॴऄ॔ॸॱॴॺॴॱॴॺॸॱॸऄॱऄ॔ॱज़॒ॸॱक़ॆॸ॥</u> पर्त्वाच्याः श्चिष्याः भूष्राः सुद्रान्यः ॥ *ॱ*तत्अःद्वग्'न्वे'अळॅब्'व्छियःनवे'च्छेब्'नक्क्नियःहेब्।। বারিবান্য:শ্লুরি:শ্লুবান্য:মার্মর:শ্রুব্য:বর্ন:বার্মনা। অর্ক্টর'ট্রর'দ্ববাশ শ্রী'রু'অ'বিম'বাইঅম'শ্রেম'॥ অর্ক্টব্'ন্ড'র্ন্ব'শ্রী'ন্ন'ম'শ্ক্ট্র-'ন্ন্থ'ব।। **बै:विग्रथ:५५:चक्कुदै:धर्ह्नेर:हग**|र्रेव:चर्षा| 'यर्ने'य'ग्नार्नुर'विर'वुय'यदे'ग्नावयायायकेरा।। ર્કેન'યન્ન'અર્ને ક્રુન'ર્સ, વોકેર'સ્ટરાં છેન'લકેના

न्ययाययानेयाचागुर्द्धाने केन्द्रेन्यया। শ্বীঅ'শঅ'বালি'দ্রীদেঅ'বান্তবা'অন্টে'নর্ডর'অ'ঐরা। यःहेराःतुःधेराःबेद्रायदेःयार्वेरायरा॥ 'तकर'मराचेषा'अर्केषा'मसूब'मदीम्हार दिंब'दिर'॥ ક્રિંટ.તબ.చર્જેવ.તપુ.ઉંચીબ.૪.ળુવીબ.ત૪.રીંટ.!! ફ્રેંઅ'યચ'શુર્ર,એસ'નવોંન્અ'યતે'*** 'વાર્ષન'વાચવા| 'तर्न'ग्रेग्।वें'त्रश'र्यायते'र्ग्रह्मार्था মাদ্রমান্যান্ত্র ব্রান্ত্র প্রার্থ প্রার্থ প্রার্থ প্রার্থ বৰ্ত্তৰ্যমন্ত্ৰীকান্ত্ৰেদান্ত্ৰীমানীদানু <u>ઌ૱૮.ઌૢૼઌૢઌૹૹૢઌ૱ૹૢ૿ૺઌૹૢ૽ૺ</u> थॅव् ह्व नश्वेयाच अर्के दाया गुवा हो अर्के गा શુવાયા અશુદ્ધાયા વાંદેવા સુદ્ધાયન લેદ્યાં અશુસ્ત્રીયા ! ষ্ট্রিমশ্যন্ত্র্ব্রেশ্রেশ্যন্ত্র্র্ব্র্র্ন্ত্র্র্ব্রেশ্রেশ্র अर्दे क्रुन्यगाय गहेर वक्कुन्यते श्रेंभावतुर वा। र्म.एक्रीम.क्रीज.पर्मेथ.रेयी.एसर.तीथ.री.आर्म्रा হ্রমঞ্ছম:প্রাথ:বার্ম্বর-রাব্রম:মার্ম্বরা। द्यतःत्रवेचःह्वायाःयः देःचतः चसूदः चलेवाःह्या *ॱ*ख़ॖॱॼऻॴॳ॔ॸॱॴढ़ऀॱॸ॔ॻॖऺॴढ़ॴऄॗ॔ॸॱढ़ॸॣऀढ़ॱॴ। सहर्पति खूर्यास्य रेश र्शे पृद्धि खूर्यस्य से द्या कु'नलेब'र्<u>स</u>े 'सू'गालब'न्नन 'स'श्चुर'रेन'॥

बे'नविद:रर'ग्*विरा*क्तंरेग्'ब'कुबरापर्या। वयः विवाः विवायः क्रेवः वेदः ग्रीयः नङ्गीतः नदेः स्वता। 'বার্ল্লিঅ'মন্ট'র্ন্রাম'নেই'মানম'মনাম।। र्ध्वेज्ञरान्देवे वित्तर्वेद्वर्थे वित्तर्वे । रैट-टु-ट्रेंर-व्य-द्य-धिते केंय-दिंद-धा ক্রিঅ:ব:ব্রক্রীর্ম:মন্ত্র:অম:বর্র : ক্রবা:বার্ত্রবা:ম্ব্রী। <u>२८७.तपुरम्बन्यः अक्र्याः ग्रीयः गीयः पक्षः स्त्री।</u> বাদ: ধ্রবাঝ রদ: বাঝথ ঠেম: শ্লুবি: বালি: দ্রন্তিদের থেম। *૽ું*ક્રમ્યાત્રાત્રાસું મનતું કુંક્રમાં કુંક્રમાં કુંક્રમાં বাহ'নের্ম'স্কুম'ননি'নেধ্রীর'মেঝ'বাঝহ'ন'ঊঝ श्चरः यदः विदः यदिवे स्त्रान्यः ह्वा र्शेवः देवा र्रे सक्र प्युत्भ के ब्रायम मुन हो नदे वाद्या देश'र्देब'ग्रुट'कुन'र्केश'ग्री'क्षीट'सर्केवा'गी। 'বর্ষধ'ন'প্রষধ'শ্রীক'র্মুর'প্রষম'বদ্ধর'শ্রীম'ন্ত্রবা।

यश्चर्यात्राचेत्र्यात्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्याचित्राच्याचित्राच्याचित्राच्याचित्राचित्राचित्राचित्र च्याच्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र च्याच्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच বশः শ্লুবশः हे 'द्रभः या गदः देवे 'द्रगेंद्रभः हें ग्रमः अर्केद् 'वर्तुवः श्लूवशः वरः वर्ते। व्रमः

অংশ্বীণ্ড্রাই নেইবি শ্রী বার্ষকে নেইবর্ষণ দুণ্ডর । বার্ষক শ্রী কিন্দ্রা

' মন'দেন্ত্ৰপ্ৰথ'ক্ৰিজ'নদ্ধ'ন'বাৰ্থপ'নাৰ্থপ'নাৰ্থপ'নাৰ্থি क्षेत्राय:रुष:प्रसूद:प्रचेदि:सर्वेद:रु:पेर्स:प्र:पा। अक्रयाये<u>न ज्ञ</u>ायाद्वितास्व केंगा शेहिया। नक्षे:केव:ब्रुवाका:हेका:क्षुर:प्यट:केर:दर्वोटक:विवा। শীর দু: রবাজী স্থ্রীকাধার্মা বরি স্রৌরা ૽ૼૹૼ૽૽ૹૹૡ૽૽૾૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૺઌ૽ૹ૽૽ઌ૽૽૱ૹઌૹઌ૽૽ઌ૽૽૱ૹ૽૽ૺ दर्भे बेन् कुल पदे प्रों र रायर में या हैया पदे।। वित्रायमार्ने बाद्यार्थिमार्थी । ৼয়৾৽ঀয়ৢয়৾ৼৢঀ৾৽য়ৢৼ৾৽ৢয়৾৽য়ঀ৾৽য়ৣ৾৾য়৾৽৻য়ঢ়ৼয়৾৾৽য়ৢ৾ঀৗয়ঀ त्वयायेद्वर्षः वसः ह्वाः हुः सं वस्तुदः वस् <u> ब्रिन्'भ्रु'</u>सु'दब'यन्य'च'उन'यन्देव'द्रस्या। यार ब्रिंट्र द्यायदे यर्गेद क्रीश हेश पत्र राये।। यवेषास्रेर्'तसार्स्ट्रेर'ग्यापर'रार्रस्त्र्र्य'रा'र्गा

वाशुर वी वर्तु र क्षेत्र ह्वा हु वक्षु र अव प्य ।। ૹ૾ૼૹૡ૿૽ૢૹ૾ૢૼઽૹઌ૽ૻૄ૱ૡઽ૾ૺ૽૽ૢૺૹૡૢઽૣ ঽ৵৻ঽ৸৻ড়৸৻৸ড়ৢঽ৻৸৾৻৸৻ঀ৻৸৾ড়ৄ৾ৼ॥ <u>ज्ञ</u> च्याङ्का नदे द्वर धुवा वार्दे र ख्राया। ब्रिं-र पड़िया से तहिया था हि त्या यह व से वा यदि ॥ श्चे क्षुत्र क्षु 'धैरा चन्या 'धैन ह्यें र 'धें र चुरु।। यर्गेद्रार्हेर् र्वेग्येर्र्र्युयाद्याप्याप्याप्याप्या नर्रे केंद्र ध्वाराहेते वायर न्य नहत शुर दा। यद्वाःश्वायायादुत्यः द्वृतिः स्वायाः सार्येद्यः दिना *_* ५५२:ब्रिंद् ले'चर'सद्य'च'चर्डेद्'यग्रथ'रास्रा ক্স:র্মান্তর্মে:বুমর:মন্ত্র:মম:বারম:শ্রহ:॥ અનિશ્વાનિક લાફેવાશ્વાન્સાના તે ખેતું કર્યા કર્યો ক্রিঅ'বশ্বর'ঝ'ক্রর'ব্রহ'ঘঝ'নেব্রিব্রমা नर्वाचीर नलेश हिंद् तर्ह्या ह्यीर यहेश पति क्विमा यार यो यायय सूर यहत रेति हैर यहेत् अश्रा रेग्'यहेंब्'क्षेर'रेंवे'चन्नुक'यक'केर'चक्षुव'चका। क्षेर-द्रुष-भे-विग्रय-दुर्घ-सदे-दे-चे-रु॥ तु^ॱ५तेॱऄ्वा'वी'क्षे८'र्घर ह्वा'हु'चल्वारा। য়য়৻৻য়৶৻৸য়৸৻৴৸৻৻৻ঀ৾৵৻ঀ৾৾৾৽য়য়ৣ৻৻ঢ়ৣ৾ঀ৾ঀ स.श्रधय.शु.शर्ट्य.जूर्य.तत्रर.पत्तिय.क्रींप.यी।

ૹ૾ૼૼૼૼૼૹૻ૽૱ૹ૽૽૱ૹૢ૽ૺ૱ૹૢ૽૱૱૱ૹૢ૽ૼૼૹૣૢૺૺૹ सर्वेद या श्रेद पते ह्यू न पते सकूरा या। क्षे'ग्रेक्ष्ण्यार्वित्यःचते कें ग्राक्रेरः दर्गेद् द्या। য়৾৻ঀয়ড়ৼ৾য়৻য়ড়য়৻ৼঀ৾৻ঀ৾৻য়য়ৣৼ৻য়য়৻য়ৼৄ৾৴৻৻ রেইম'বড়ম'বাবুদ'বরি'ব্রুদ্ম'শ্রী'দ'র্ম'বড়ম।। क्षें गर्यस्य रचार्यसङ्ग्रीस परि यदि स्तुरः।। য়ৣ৽ঀ৾য়৻য়ঀ৾৻৸য়৾৽য়ঢ়ৢয়৻ড়ৢয়৻য়৻য়য়য়য়য়৻য়৻৻ ५वॅ(८४:चक्कु५:हॅवाय:धदे:धःधवाय:५८:क्कुंव:देवा ह्येन् ह्युग्य प्रचेन्य प्रवेश यो जेया द्वीन प्रवास मा सिंद्येत्र र पार्चे र प्रदेश हैं । सार्श्वे र प्रवर प्रदेश श्री वर्षे वर्षा प्रति या हिर ५५ ५ इस ५ हेर्डि या विस्ता यन्यार्द्वेते याने स्या स्य स्वास्य यान्य तर्हेस्य रेवा। यन्वा उवा देर द्रशः ह्यु यदि सम्बन्धा गुद्र हु॥ यार ब्रिंग् न्यायदे अर्थोत् ब्रीश हेश पत्र तिरा। মাদ্রমানর্ভ্রমানর র্মির দ্বামান্ত্রীমান্যবামান্তর্ভ্রমানর । इस्राधर सर्केषायी हेरा सु हवा तर्वे र्वेषा लूट्यार्ड्यायाचीजायर्डेयाडी:श्रार्डीयाचीयाता वन द्वाह्यका क्षेत्र चक्कु दायदे से सामित

রাবাঝ্যমন্ত্র স্কুদ্র নান্ত্র নান্ত নান্ত্র নান্ত নান্ত্র নান্ত্র নান্ত্র নান্ত্র নান্ত নান্ত্র নান্ত নান্ত্র নান্ত নাল্য নান্ত নাল্য নান্ত নান্ত নাল্য নান্ত নান্ত নাল্য নান্ত নাল্য নান্ত নাল্

উষ্ণ মানবি আনবা কর স্ক্রানবি র্বি স্থান স্কর্ম স্কর্ম নির্বাহিত করে। প্রসামনি বার্ষিমান্ বাহিত্যার স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্রান্তর স্ক্

शुर तर्चेव गर्याय तर्वय पर्व केया मु र्च र व्या विका चु प

बी'गार्थि'हिर प्दाईब'न्यायप्री'स्'न नह्नु॥ র্ষ্রপানপ্রসানস্থ্রীর মন্ত্রী প্রসামনার বিশ্ব স্থ্রীর মা ऍरसः तर्नुसः रमगः नस्याः ह्यूनः भः नस्य सेरः विगा શ્રા, અદ્યુત, વર્તુ, ત્રું છે કું ગુષ્ય અત્યા કું આ કું ત્યા હું દા મ वरक्तिकुष्ठीतुर्दिर्द्यरदेरद्विण् गणुयःकुयःकुःधैः चः ५४: हगः चर्चे दः चर्दे।। गिर्माक्त्रियासीर तरिते स्यामिर स्वीतः विगा *न्यायतिः क्याचर हिः चित्रेवः न्रां गायदिवा।* नस्व पते स्वा न इर नस्य प्य न स्वा प्र ર્જુબ:૮વીતું:ત્વ્રું-૯વે.કેવ.કેવે.કેવે.જેવાજુંટ જાજુંટ જાજીંટ.તજીં क्रॅ्राम्यःस्व,याम्बरःसद्यःद्रभयःल्य्वाद्यद्वेवःस्वीरःक्र्या। শ্লুঁর'অম'র্মবা'মন্ট'ন্ট্রার'শ্লুঁম'বর্ন্,'মবাঝ'বার্ন্তা। रेग'र्यूग्र्य'रद्दिव'र्ह्ने अ'स'अव'र्ध्या'प्यय'याववा। श्चुः धेरा ह्या तर्के ज्ञा द्वें दा द्वारा धी। নশমাস্ট্রীম:দর্শদরি:দ্বদ:দ্রু:ম:ক্রুম:ক্রিলা याहर् सेर् रेया पते मु:कुर म्रेर प्रहें सामना। यायुःस्त्रुरःयाश्रेरःश्चीःयार्वियाःस्त्रद्रातस्त्ररःस्त्रेरःख्रा ૄ ૠુંતર્સુતે સૂંદ 'દુ'અ'તદુઅ'ૠુંસ'ત્રિકા અર્ઢેતે || रपः अहेराः पद्भितः नेताः अररः यविषः याः श्रुव।। ॱइॱग्_{र्}ज्ञ, दुः न्युं रः अद्यः चन्द्रे अद्यः प्रः ।।

ळॅबःकृत्रळॅबःडवःचक्षुः येत्रःचतेषः यदेः क्रॅ्च्या। चत्वाःडवाः य्याः स्वाः इयः यरः त्वाः यः ध्येष।। क्रॅबः त्वः हेः चल्लेषः वयुचः यदेः चयाः विषः व्या।

त्रेश्वरात्त्रीश्वर्श्। होश्वरात्त्रीश्वरात्त्र स्ट्रें स्ट्रें स्ट्रें स्ट्रें त्रिं के लिया स्ट्रें त्रिं स्ट्रें स्ट्रें

लुयान्यं यान्यं याय्यं यान्यं याय्यं याय्यं

মনমান্ত্রীর বর্ম। জুঁ-মুন্দ্র প্রমমান্তর রমমান্তর র্মির স্থ্রী বর্ম। প্রমমান্ত্রীর বর্মী বর্ম। জুঁ-মুন্দ্র প্রমমান্তর রমমান্তর র্মির স্থ্রী বর্ম।

> कुँः क्रूँर:यदे:रर:यग:रर:ब्रूर:क्रुय:रग:य। <u> ૨</u> સથ્ય માત્ર તાલુકા તાલુકા કરી છે. તાલુકા કરી તાલુકા કરી તાલુકા કરી કરી તાલુકા કરી તાલુકા કરી તાલુકા કરી તાલુકા માત્ર કરી તાલુકા ક अरुब्रः अविरः यदः दगारः ज्ञः वविः याद्वः <u>छीः स्रे</u>दः॥ तसवायाः अर्क्चेवाः तहेवाः हेवः न्यनः सुवाः स्ट्रेवः ह्याने अर्देवा। वितायित्र महिना मिल्लिक्ष वित्र मिल्लिक्ष मुक्त मिल्लिक्ष मिल्लिक्स मिलिक्स मिल्लिक्स मिल्लिक्स मिल्लिक्स मिल्लिक्स मिल्लिक्स मिल्लिक्स **३**.यपु.सियो.यपुरेश.धियोत्रा,योत्र.घरा.सू.सैत्री। ढ़ॕॻॱॺढ़ॱख़ॖॻॱॻऻॴॺॱऄॺॱॸग़ॾॱॼॿॸॱॿॖ॓ॸॱॸॸग़ऻ गर्धित्रप्रशायद्वाद्वग्यज्ञात्रम् द्वार्या स्र स्वाया प्राप्त स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स 'न्तु'गुर्दुवा'र्रेवाश'यन्वा'र्वेन्'न्धवा'स्रेन्'धश'सस्त्रा। षक्ता.यारीषा.स.यारीषा.र्यीय.पर्टेश.धीयारा.हुसु.सी। अःसुरुःक्कुथःगुत्रःतरुषःधतेःदेः चॅत्रःग्रवशा ধ'ঝঝ'বাই': ট্রঝ'নব্বা'র্মবাঝ'ঝঝঝ'ডর': ট্রীঝা। *ઽ*ઌઃૹૢ૽ઽ઼ઌૢૹ૽ૹ૽ૹ૽૽૱ઌૢૹ૽ઌૹૹ૽૱ૢૢઌ न्देशवर्द्धेरधीन्यश्चुद्दावत्यहेन्यवस्या

र्मेर्स्याप्तेःस्वानस्याःस्वान्त्याविस्या।
स्वान्त्र्वाःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्यानस्यानस्याःस्वानस्यानस्याःस्यानस्याःस्वानस्याःस्वानस्याःस्वानस्या

लेब.र्थुट.। अक्ष्मब्र.ब्रेंच्ड्रिंब.चर्चेल.बुर.श्रुंट.हुंदु.टट.बंब.लुवा.र्येव.रवेटबा.सी.

खेर्जी: इस वर नवर चंदि हेस तर्वे क्या।
खेर्जी वर्ष स्थान स्

दे 'से द 'स्ट्रेंब 'त्र द्वार प्रति सद्दर्भ 'त्र हे ब 'त्र धवार्थ 'सर्वे व 'स्यां के व 'स्यां के व 'स्यां के व वाचेवार्था।

२ॿॖ॓য়ॱढ़ॾॖ॔য়ॱय़ॸॖॱॸॖग़ऻॸॱॿॕॖ॔ख़ॱॸढ़ऀॱॷॗॖॺॱॿॖॸॱॸॸॖॴॱख़ॱॺॏॎ॔ॱॸढ़ऀॱॸढ़ॖ॔ख़ॿॖऀॺ॥ ॠॸॱढ़ऀॴॱॸॿॖ॓ॸॱऄॸॱॸॸॱख़ॱॿ॓য়ॱॺॢ॓ॱॹॢऀॸॱॸॖॹॖॺॱय़ॸॖॱख़ॐ॔ॸॱॸॖॴॱॸॕख़ॱॸॺ॥ ॸॸॱॿॖॖॸॱढ़ॺॴॺॱय़ढ़ऀॱॴॺॸॱॴॺॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱऄॸॖॱख़ॱॸऄ॔ॺॱॸऀॴॱॺॗॕ॔ॸॱॾॖ॓ॺॱय़ॸॱॶॣॎॗॗॗ

वीशः ह्यां श्राक्षेत्रः यहः यहः स्तुरः ह्यां श्राप्तः स्वाः यहः स्त्राः यहः स्त्राः यहः स्त्राः यहः स्त्राः यहः स्त्राः यहः स्त्राः स

ध्याः द्वाः चङ्गाया

৻৴৴৵৽য়৴৽ঢ়৵ঀ৵৽ঢ়৾য়৾৾৻ঢ়য়ড়৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়৽য়য়ৢ৵৻৻ ૹૢૼઌ_ૻઌૼૺ૱૽૽ૼૺ૾ઌઌ૱૽૽ૼૺઌૺૺઌ૱ૢ૽ઌ*૽*૽૽૽ૼૺઌ हेब'दर्ने'ध्री'ब्रुष'यर'यर'र्वेच'द्गाद'च्या। ৻৴য়৻ঽ৾ঢ়৴ৡ৾৾৾৾৴৻৸৴৾ঢ়য়য়৻য়য়৻য়য়৻ঢ়য়৾৾ৢঢ়ৼয়৾৾ঢ় ळें दिने से ह्या द्या यायदे क्वेंया दर दिया र्वेरविःशेःहगःसुः।पदिःवैयःनरः अर्दुरया। दक्षे.यद्या.बयाय.त.स्य.इयय.श्र.प्रेय.तथा। **ऄॱहग**ॱढ़क़ॆॱॸॱड़ॺॱॺॴॵॴड़ॖॴऄॗ॔ॸॴ। कें'विदेर'वश्चुर्याचवे'देव'केव्'य'स'स'द्र्रा| यशःग्रीशःवर्वेषःचतेःस्वःश्वेरःतुःकंशेवाशा ক্ৰীৰ্মানৰ দেৰ্ল্ন স্থ্ৰীমানন মৌমমান্তৰ শ্ৰী <u> ५व र्स्सर स्वाप्तस्य ५व वस धेव ५५ व स्वित्सा</u> ৻বৗৢয়য়য়য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢঢ়য়ৢঢ়৻ৡঢ়৻॥ য়ৄ৾ঀ৾৻য়য়৻য়ৢয়৻ৼ৾ঀ৾৻য়ৄৼ৻ৼঀ৻ড়ৢ৾য়৻৸য়য়য়৻৻

द्यारःद्रवाःद्रवोःश्चेवाःत्यसःद्रद्यस्यःद्यश्चिद्या। कुःद्रवसःवक्षुःसेदःवससःद्रवःधवाःदुवाःक्चेद्रशा

দহ্ম-শ্লুথ-চৰদ-দীশ-দ্ৰীশ।

बूर केंद्र क्रुं येद क्रुं वस्ता द्वार केंद्रा 'त्याया'खेर':रर':पर'सुब':चुन'त्रचुअय'ग्नाय'रादे॥ यनुत्रायातरः हुँ धीवा न्यर सेर धेर सा शुर त्या। यष्टिव.रय.ता.पेय.श्री.क्य.केय.तय्.की। कुल'गुर्व वासुर'वी'द्वर'धुवा'वहस्य'यदे'द्वरस्य। ग्र-ग्रायायायर परि अन्दर्भ दिंद गर्विद सुव अहेरा। श्रम्यायम् । त्री मान्यायम् । स्त्रायम् । स्त्रायम् अ्त्रयः र्थेवः र्येदैः र्थेदः ग्रीशः श्रुवः र्योदः चक्कव।। धुगा गप्य नेय रच रय मी यावत या गदेरया। गोर्षेत्र प्रशास्त्र होत् । चुरा हो प्रश्लेष्ट । विनयः गर्नेयः हें हेर्रः श्चेतः संग्नादः ग्रीयः नत्वाया। सूर्केवायाद्याद्याद्याचेत्राक्षेत्र स्वार्गिया। गुत्रव्याञ्चयःविदावेदाञ्चेदावर्षेताःधे॥ र्सर सेर हैं। भेग तनर नदे दें र बेर की यासुरार्द्धिग्रयानुरार्द्ध्यायाने विदागुत्रात्रया। याययः विया ताः भेषा हैं हैं तह साम ते निया। 'तर्विर:५८:चरुराय:क्षुत्र:५८रायादीय:बोट्:चर्सूय।। बःकग्रन्दिकेदःक्षेट्रः पदिः स्टाङ्ग्यायय।। ग्रदः १४ : रेंग्यं च स्त्रुः र्केंग्रयः सकेंद्रः यदेः श्रेत्रा।

र्भना प्यमः बुक्षः क्षानितः निरः चरः प्येरकः तनुतः बा। नर्भे केंद्र द्युवार्य हेर्य द्वीं र्य र्ध्वेर नत्य र्य वार्यया। ख्रीं खर्ये अही सी यात है स्वाया क्यागुद्राचार्द्युट यो देहि अन्तर द्वेदावकट ॥ यद्विव रच यो नेषा यो तिर दिन केव स्वा। यमितः स्ट्रेर अद्या देन अर्के वा वी ह्या अरतः न।। वर्ड्याव्याङ्ग्यावतः कुषाची हिन्यावर्ष्ट्र <u> सूरः धरः धीः वीः वर्तु वः धरेः सृवावः सेरः वीवा।</u> नर्भेर नदे ध्वाय स्वा हैं प्रय दें र वर्ष र है। नन्ग र्जन्य क्षेत्र (पर विकासका क्रेन्य परि सुन्।। বারুবা.ছম.বার্ড্স.নধ্র.ক্রম.ব.ম.ম.ছীপ.নধ্য। *ऀ* हेर तहें ब्रायों अंद कृषा श्रायों के दाया था। <u> यूर क्रेंट क्रुं दर ग्रायय क्रेंट ग्रायुट हैं है।</u> नरे क्रेंट द्याया है दें चेंट केंट त्यून दया। रेगाःश्वेंरायोः वेषार्दे हे तहस्रायते द्वर्षा শ্রমানভমাক্রমানর স্থ্রবামান্দ বার্ট্যমার্ট্রা रट हुट थे लेख केव वॅर्सर रें गठिया हुर। জীজামখার্বার্বাইঃ

देवाः स्वायाः कुयः चंत्रः तत्तुः चतुत्रः या। इतः स्वायाः कुयः चंत्रः तत्तुः चतुत्रः या। न्वेर न्वेति न्वित् न्वस्तु व स्याप्त न्या । विरायमा स्वाप्त न्या स्वाप्त । ।

बार्चा बहु ब्री पो गा सू र म्हु हु प्या ५5 ह्या कें कार है। वे र है। बहु वे कें कु कें के कें के कें के कें कु है। वे कि प्यापत कें कु प्यापत कें कु कें के कें कें कें कें कें कें सामी है प्यापत है र र र कें कु हुँ हुँ हुँ। यत यत यत स्वृह्या

> हुं हुं हुं वट्यायह्याह्याह्याह्या सक्ताह्याह्यात्म्याह्यात्म्या स्रोति हुं हुं वट्यायह्यात्म्या स्रोति हुं हुं वट्यायह्यात्म्या स्रोति हुं हुं वट्यायह्यात्म्या स्रोति हुं हुं वट्यायह्यात्म्या स्रोति हुं हुं वट्यायह्यात्म्या

सबर दे सूर से द्रात्य त्रात्य त्रात्य त्या गुद्रा। द्रसर से र ते द्रात्ती सुर से र त्या स्था। वासर वासुस त्रहस द्रस्य द्रमत से धी। रेवा से द्रात्य त्या स्था त्या स्था।

पश्चेत्-देश्यात्र्याः श्चेत्व्यात्र्याः हित्तः हितः हित्तः हितः हित्तः हितः हित्तः हि

ॴढ़ॴॴॱॾॖ॓ॺॱढ़ॻॖऀॴॱड़ॣॴख़ॴढ़ॗॸॱॴॸॱक़ॕ॔**ॸ**ऻऻ यर्व,यिक्ष,र्यंद्वेर.श्रेर.वंदर.प्रह्या.प्रह्य.सप्तु.प्लेश्री र्चेशायबुषाहेशासुग्वइरायदेश्म्रीयशास्त्रेशास्त्रीगा नन्यार्क्के स्वार्वया होन् त्यार्खेयाया सुर रहेन ॥ गर्भे सेन् गुरुप्यराप्तर्ति प्रति महुत्य लुग्नरा महरू। बुअ:यदे:ब्रथ:ब्रॅं क्षेट:वार:केर:वर्गेट्रवा। इस्रामिकार्त्रस्याचीयार्यात्रस्यात्रस्या रमज्ञाया धीर् क्षेत्रे के त्रिन दूरका यदि देंका। अर्ळ**४**:५भेदे:वाञ्चवाराःच्युव:२:व्यं क्ष्ट्रं५:दनर:न॥ हिर:तद्देव:धैर:क्युंश:व्येश:यूंश:क्यूंर:क्यूंर:क्यूंग न्यययः सूर : कर्न : नुः ध्रीतः यद्भे : सम्राज्य स्था : विना तवुर तह्वा वार्ष चते तुर स्वारा हे हेते ह्या। 'বর্ধ'র্ঝ'বই'क़ॆढ़'বাব্দম'য়ৢ'বা৻য়ৢয়'য়য় नेयः रवः हुः धेवाः तवरः चतेः श्रेवाः लुवायः वया। र्द्रे:ब्रुंन:सर्दुन्य:सेन्:क्र्यानेते:वृत्याय:वृत्या। श्चेत्रप्रयाञ्चपाञ्चर्या स्ट्रिंट यी सहस्यापदी का। ব্যক্তবা.টি.বর্জপররেইড়.ধরা.ধরম.ধরিধ্য.হর.জী। यर् क्रेम् न्याय यत्रित र्रेस् क्रेम् म्या यश्चीयात्र प्रमा। बी:बन्'क्रुब्'न्या'क्रुं'नदी:बुक्'च्छेब'क्रुंत्य।। କ୍ଷ୍ମିୟ:ଜାନ୍ୟର:ଦ୍ରିଆର୍ଥ୍ୟ ପ୍ରଥିଲି:ଧର୍ଷ୍ଟାର୍ଥର:ଧର୍ଷା

ধর্মার্কুমাইবার্যানর্মানর্ম্ব্রীর্ব্যামরি র্মেবার্ম্ব্রাগ্রারা। यदेव क्रिया हैं हिते विवाय सम्भानमें रायदे॥ यह्यानाचनार्स्यन्यायदे दुःस्कृत्यानार्स्यम्। র্ষ্রবা'ঐ-১-শ্রি-শ্রুবা'ন্ন' দের্ল্রবাঝ'র'অঝা। यर द्या भू चते द्येग्य स्मार्थेग पर थी। मुल'पदे हे लक्ष अर्केन ल'पदी दुर्भ र्नेना तर्देरःसूरःर्शेक्षेशःस्तुःसदेःसेर्वा ग्राधेर्याना सेन्यते स्ट्राकेन्य होन्य प्रा तहस्राद्ययाग्रेद्रास्रिःग्रिक्ष्यायाः स्ट्रीया र्राच्या के श्रम्भित्रे या हवः श्रीतः चेवा परः विवा। ববী ন'বেই অম অপ্রব:অম'বর্র র্ট্রবাম'শ্রীম। . यर:रवा:यरे:वावेवाय:वेय:स्व:इंत:श्रुर:द्या। श्चीय योप्रेय सुदाय दुर द्या दिन्ने सुर्य हो। बर गी के या क्षेर त्या लय शुर हिना য়৾৽য়৴য়য়ৢৼয়৽য়ৄ৾ঢ়য়৽য়ৣ৾৽য়ৄ৾য়৽য়ৄ৾ৼ৽য়ৢঢ়৽য়ৼৄৼ৾ঀ क्षुवायहेनकारवावी द्ययादर क्रान्धित वाहेर। য়৻ঀ৾য়৻ৼয়৻ৼয়য়য়৻য়ৢঀ৻৸য়৻ঀ৾ঀ৻ৼয়৾৾ঀ৻ৼৢ৾৾ঀ रर रेवा तहरा र्याय र्या रेवत र्वे सुर त्यू वर्षेवा। क्रुं'न'क्रुं'न'रूसर्यासु'न्य'र्केय'वहिंद्या

डेश-ची-अर्द्रअश्वाया-दश्यानुर-श्वत्ची-तर-शेट-विवाय-चेश-पर्ग।
हेंवाश्वा-ची-अर्द्रअश्वा-केत्-चेन्द्रि-चित्-चेन्द्र-ची-केत्व्य-चर्ना स्वा-चित्र-चेन्द्र-चित्-चर्ने-चित्र-चित्-चर्ने-चित्र-चित्-चित्-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्ने-चर्न

> ख्रा न्ययाध्वाम्यराचीः न्यराधुनायहमायते ख्रा न्यराक्षेत्र हेत्र होत् त्य्याधुनावीः तेत् त्य्या। सक्ष्यास्य प्रावेत्र द्वेतः श्लीः क्ष्याः स्यान्य स्वराः स्वरः स्वराः स्वराः स्वराः स्वराः स्वराः स्वराः स्वरः स्वराः स्वराः स्वराः स्वर

বর্রের ইবাঝ ক্রব প্রী ঝর র্ক্তর্ম রুরি শ্বী শ্বীর ক্ররের প্রার্থী প্রত্যান্তর প্রার্থী প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্য

मुयाद्वर अर्के भ्रुका है है दर सूगा सुवह साद्या द्या द्या द्या के स्ट्रिक्ट स्ट्र स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्रिक्ट स्ट्र स्ट्रिक्ट स्ट्र स्ट्र

द्ययाः भृतः भ्रेत् स्वायाः यदे स्वायाः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

মর্কুবা-য়ুঁমে:এম:গ্রী-বার্থমে:এইনম:গ্রীর-রূমনম: মর্কুবা-য়ুঁমে:এম:গ্রী-বার্থমে:এইনম:গ্রীর-রূমনম:

भ्राग्रह्मा क्यां क्यां विष्या प्रस्ति । ব্যন্তবা,বর্দ্ধরা ক্রমের ক্রমের ক্রিকার্ম र्दे:हेदे:श्ल्रुं:ठव:२८:बु८:गुव:ह:पब८:॥ यक्रयायेदायदेवायायळेवात्यायायेवायायदेवया। য়য়৽৻৶৽য়য়য়৽য়ৣ৽৸য়৸৽৸য়৽য়ৄ৻৽৸য়য়য়৽৸৻৻ঀ ફ્રેંચ.નફ્રેંથ.મૈળ.દ્ય.વૈદ.જેવ.જુજાય.૮તય.છું! न्तुग्राते स्था गडिगा समित केता ले न पर्के । নমূর্মনি শ্রুর্মীর মার্করি বা মোবার্মি মানা নেই নমা। तहस्र न्वुरस्य संधि कंरस्य पति कुंता तहें ब्राया। ग्रन्थः स्वाप्तः स्व खुःधीः ओं हिंगा द्वीः श्रेंदः खेतुः वर्डदा। अदतः पद्गापातः द्वैदः उदः यः गर्वेषः पः तद्पेपशा - दुषः द्वाः क्षेत्राषाः अतिः तद्देगाषः चक्कदः विः चः दरः॥ র্ক্রমামপ্রবাদমধ্যমার্যা প্রবাদমার্যা *चुेब*ॱऋनशः अळ्जा यीशः हवा हुः श्चेंदः खुदः छवा।

यद्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याः स्वाप्त्रम् । यद्याक्ष्याक्ष्याः स्वाप्त्रम् ।

त्रुँ अय्यः द्वुँ ने सु द्वा।

वर्ष्ठ्य स्वरं सु ना स्वरं स

क्षुत्र'यञ्जूत' वृत्रो'य'त्रच्चीय'र्घ। स्ट'र्स्स्य'र्द्धवा'वी'यभूत्य'र्द्दर'द्दीय। क्रुव्र'यञ्जूत'कुर'र्स्स्वाय'ग्रीय'रव्युत्त'र्घे। स्ट'र्स्स्य'र्द्ध्य'वी'यो'यभूत्य'र्द्दर'द्दीय।

यदे'य'उब'रुक्कुं'यदे'कुं'यदी'दर'द्योथ'यदे'दीर'क्क्र्रेब्' यदे'केब'यस'क्क्र्रेब्

न्रुभुं सेन् नने ख़्य लिन सर्वे व रेन् न्यवा सेना। য়ৢ৾৾৽য়ৡয়৽৴৴৸য়৽ঀয়৽য়ৢয়৽ঢ়ৢ৴৽য়য়ৄয়৽য়৻ <u> ५८.चयु. त्रुर क्रूर क्रू</u> श्रद्ध क्रु श्चाप्तराविद्यायस्य द्वाप्तुः तकर वर विवा ঀৡ৾৾৻ড়৾৾ঀ৾৾ৠৼ৾ৼৢ৾৾য়ৼৢৼয়৸৸ঀ देवा.धे.यूष्प्रयानपु.क्यि.ज्य ह्यूटे.षक्र्या.यूक्रा द्यवा:प्यरा:दवी:पदि:स्र:पः प्रेंद्ररा:पर्सेंद्र:रेविवा। . ४८.२८.योषेष.क्रीय.२४.योशीय.ययाय.त.त्री। इस्रान्ग्रारावर्शेन्द्रस्थाःसुरार्धे हे स्रेन्या 'रश्चेयायाञ्चयायवित्र'यासुस्रार्या'ययाञ्चर सुरास्त्रेरा। ऍरशःशुःनश्रें नशःश्चेर् भः अवरः होर् र्वेगा ब्रिन्यायनयम् वर्षेत्राच चन्न यान्ना अर्देब हेंग्रच धेन या वीं अरा यदि हैन दिहें ब सहरा। देशर्देबर्देद्रद्भग्याः अद्रायदे ल्याः अर्थेदः दश्या नर्रेकेब्रलिर्गम्बर्भःह्याः हुःदिहेब्रस्यरः विया

चेश्वाद्वरायत्रभ्याद्वराद्वरायत्र्व। इस्याद्वरायत्रभ्याद्वरायत्रभ्याद्वरायत्र्व। इस्याद्वरायत्रभ्याद्वराय्वर्थः विश्वरायत्र्वरायत्र्वरायत्र्वरायत्र्वराय्वरायत्र्वराय्वरायत्र्वरायत्र्वरायत्र्

> ব্যন:ব্ম:বৃশ্র:য়ুর:বার্ই:র্ম:বার্র:গ্রুর-র্ম:শ্রী:ক্রুম:র্ম: ঝুব:মিবা:র্ম:বার্রা,বার্ড:শ্রম:আন্মম:ঘর:দ্ধ:নের্ম: ব্ম:অবা:বী:বাঅব:ব্যম:ব্র্বামার ক্রম:নের্মন:উম:গ্র:ম:মন্ব্রামা

> > द्वार्ट्स स्वार्ट्स स्वार

श्चीन वि नहत्र गर्धिते कें गयन गठिया कर सून्।। भ्रुंक्यर्वाः स्रेतेः वीं सर्वेद नर्वे नर्के नर्के न यातियाम्यासम्प्राध्यक्षेत्रस्ट भारवितास्तरा ૅર્નાર્ફ્સના ર્રસ્તર્સ્સુર્સ સુરા ક્રિભ અર્જ્ય ક્રીજા | र्सुवाबाताबार्षेत्रात्रम् क्षेत्राच्याः क्षेत्रव्याः क्षेत्रा सक्चित्रान्यःक्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्यःस्त्रेन्य *ୠ*ୗ୵୕୕୕୕୕ୗ୶ଊ୷୷ୖ୷୵୷ୠୢୖ୷୵୕୕୷ୡ୷୕ୄଡ଼୕ୗ୶୕୷ୡଢ଼୵ୗ त्रिंर.कुं.र्नद्राचेर्त्यः ह.र्न्यवी.बिं.दर्यका.जा। यिष्यः न्ययाः द्वीः वात्र व्याः विष्यः विष्य देर दिर देश स्वाप्य प्रमानीय हिन् यो स्था द्वार या. स्वाया श्रीयाय प्रीयाया मिया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया यार्वर अते प्रश्नर यो अर्के र श्रेव हैर तर्दे व तर्स्या। धीनवित्र वर्षेत्र धीन वर्षेत्र चर्तेष नशुष्य अर्केन्।। इल दर्हेर नद्यायी स्तुल यविश से इर ला। तच्या भेर प्युव रु तिर्वर पति हेव भावर केंगा बी निवास हैं हिते क्रुं भी हैं र केंद्र दस्या ग्वे महेर् हे अप्त्तु अर्थे वेश द्वर अर्थे नशा त्यायाः सेन् स्व न्दि यासुन यी यासन न स्या। स्व तहेनयः सु द्वर्याः ग्राप्तः श्वीः स्रायमः ग्रायदः सेनया। याना में र त्यूर से र ह्या र शी र शेर र से र र से र

=न:नर्ह्वर:यह्वरअहेर्याह्वर्चियानायर:केव्रवेनया। द्यतःह्यःह्रेचराक्षेत्रचाक्षेत्रचार् 'বেল্লৰ'ঐ'-'অহ্ন'ষ্ট্ৰন্ম'ৰ্বুম'মই'স্কম'নাঅন'ৰ্ধনমা। ধ্রবা'মর্কর'মর্-, বেবাশ মন্ট্রাই স্ক্রীম ম্বনমান্ট্রী। ૹ૾ૺઃ શુત્રઃ વાબુભઃભગઃ ક્કુભઃ વતેઃ ત્યતઃ વાબદઃ ધેવગા ছিন্দের বাদ্পান্থর র্ক্তর্পান্তী র্লিন বিষধ্য ক্রম।। श्रे'चलेते'न्ययाची'वर्चे र'चर्यासुग'य'न्टा। क्रेंगःग्रेन्:पसूर्वःप:न्रःविन:पसूर्वःवद्देवःसद्युर्वा। श्चे न्त्रित नने श्चेन तसेया नते स्वाप्य । त्त्रा नक्ष्र्व रोभः न्यः श्रीकः क्रुनः न्युवा भेवाः क्रुनः यावव।। द्याःलुग्रयः रयः श्रीः ८ र : अशः स्टरः स्टें ५ : त्या न्यावियाः श्रीरः यीः दृरसः सः द्यतः चतिः श्रीस्रमा સભ્યાસુષાએન રેભાલેન ન<u>ુ</u>એ પ્રસ્સાર્થના য়য়য়য়ৢয়৽ঀ৾ৼ৻য়য়য়ড়ড়৾য়৻ৠৢ৾য়৽য়৻য়ৢ৽ঢ়ড়ৼ৻ঢ়য়য়য়৸ দিমশ'শৃধ্যম'শীদ্'ডব'স্ক্ৰুম'দনি'নেশ্বৰ'শেশ'শ্ৰী| कुल'र'ग्रायर'य'र्दर'यदे'ग्रेर'र्ये'रु॥ હિંદ્ર છેટ્ટ ક્યું કર્યા વસ્ત્ર અસ્ત્ર સફ્યું કું કોવા धीन् गारुवा सहंदान से खेन हें हिते सन्न। र्यः क्ष्याः श्र्वां यो स्वाः क्ष्यः प्र्यं र या वियः प्रया। <u> र्वाः त्रः श्रे : दरः त्रव्याः स्रे दः तर्वे वाः यः धी।</u>

सर्ग्व्सुन्याय्याय्याद्याः म्यान्व्याय्यायाः हिना स्रु: ५८: स्रु: न्यायायाः स्रियः स्याः स्रो। स्रे: ५८: स्रे: र्यायाः गुव्दः हुः स्यायः स्वीः निद्या। न्याः विश्वः हुनायाः स्वीः द्योः सर्व्यायायाः स्वी। स्री: वाश्रुखः वर्षे: निवः स्वुन् स्युवः हुनाः स्वेतः विना।

इस्तिसक्की. यार त्रीकार क्ष्यां का वित्ता का त्रीर त्रीका। व्याप्त प्रमुख्य का क्ष्य प्राप्त क्ष्य प्राप्त का क्ष्य प्राप्त क्ष्य क्ष्य

৺৻য়য়ৣ৾৾ৼ৽য়ৢয়৽য়৾৽৾য়য়ৼয়৾য়৽য়য়ৼ৽য়ৼ৾ৼ৽য়য়ৣৼ৽ৼঢ়ৼ৽য়৾৽ য়ঀ৾৾৽য়৾ৼ৻ৼ৾য়৽য়৽য়৽য়৽য়য়য়য়য়

विःतर्द्रमःसक्तः निम्मःस्यान्त्रः भ्रीतः निम्मः नि

च्ये। श्चीर्यं स्थान्य विश्व विश्व

द्रेर्'त्वराष्ट्रं'धीर्द्वरातुरारवायक्कित्यदे॥ योष्ट्राज्येर्प्तराचारायर्थाः वृदः क्रुं केर्द्रः न्युका श्चन मर्द्धन केन कें नुम कर्मण हा लग कना। 'વર્જુ'ર્તુવા'ન'ર્સેર્નુવાય'અદેય'ર્સ'ત્રુવાય'એવા| ॱक़ॻऻॴख़ढ़ॕॴॻॿॸॱय़य़ॱॿॖऺॸॱऄॻॱय़ॶॸॱऄॗॸॱढ़ॴ। यभेत्रः भुवा प्रविता लिटा से सामित स्तुता ग्रीका मलेटका। *'સુ*વા'गपथ''ર્રે ફ' કહે ફ' વાચે ર છું' છું છું છું જો વા' ૬૬' | | ग्रेष्व्यस्य प्रिन्यविव ग्रिन् क्रिक्षे अप्त प्रमुस्य मा रेशप्तवाराधीदपर्धेवाप्त्रुयप्ताराधोर्थेदप्तरा। तहर्ने अर्गित्र मञ्जूर् वेर मुद्रि मुर्लिर या दिहेगा भ्री.ज.र्रर.चच.य.चचल.चक्केवीब.श्रर.वीक्रुजा। र्देव के ब क्किया त्र विद्या हिला या है । स्व रहूरे'र्श्चेग्'लु'से'र्हेग्'र्घेर्'रेडर्श'र्र्रा। ॅंडरअः शुर्रः शे र्से र्ने र्नर र्ने प्रयायकरा। त्रव्र. दे. अहू अ. केंगे. श्रेष. त्रेष. तर त्रांत्र. तर्येश। गीय,क्रट.प्रट.प्रट.क्रीं.पर्तिजा.क्री.क्रूवोका.क्रेंया। क्षेत्रव्युरम् सु ५८ कु क्रिया वार्येव कु तस्तान्त्राते खुः धे न्ययाया इसायर देया। द्रवारी के दारी केंद्र राषा खु थी है। श्री'द्रगार'ग्रार्थर'क्की'य'यद'र्गे'(त्र्व'ठद्रा।

য়ৄয়ৢয়য়য়৻ৼয়য়ৼ৾য়৾য়ৢ৾ৼয়৾ঢ়য়ৢয়৻য়য়ৢয় इग्'रेंदि'गी'य'द्श्रेस'नेर'यर्द्र्याय'दर्या अर्चेज्ञानायते यह दह देव रेति र्शेषाय विद्या न्तुःतयर:न्गुर:नुःतर्गाःयते:न्ज्ञ:क्षुर:क्रे॥ તીયા.છે. સુ. ટ્રેમ.વેંગ.રેળ. થંદી. યુ. છે! क्र्यं क्यां यापेयं की स्राप्त स्रिट स्रेट तर्यया। रु'वर्डेब'यु'धे'र्थे'कु'र्स्चेवा'सूर्रासुर।। र्क्रेन:ज्ञु:पर्वत:ग्री:न्यवा:न्येव:र्ष्ववा:सूर:पर्ववा। हेशानर्क्केन्द्रन्तु,नन्द्रन्त्याः संज्ञान्त्रम्यात्रव्यम्या। অম্বরি শ্লুর ব্রুব ন্যাব বের্বিম বহুম মান্যা ৻য়য়৻য়ৼ৻য়ৢ৾ঀ৻ঀৼ৻ড়৾৻য়য়৾৻য়য়৻ঀয়৻ঀয়৻৸ र्रे अर्कर हिर वहिंद श्रुप नदे बना से र श्रुवा। ॔ॴॿय़ॱॴॴढ़ॏॸॱग़ऻॖढ़ॱय़ॺ<u>ॏ</u>ॸॱॸॴॱॸॖॴॱढ़ॖॱऒऄ॔ॸऻऻ ছেদ্'নম'বাধ্য'পুবা'ষ্টুৰ'ম'ষ্ট্ৰীৰ'নস্কুদ্'ভৰা। त्यव्यन्त्रारःगुर्शरःश्चीः यः र्वेन् ग्नानुरः दिद्या। च'सु'र्देस'चु'चरुर'ङ्वेदे'र्दे'चरुर'ख़्द्रा। चबर:र्जुग:श्चेंब;श्चें:अ:रगार:गशुअ:स्रु।। अर्रायासुअ प्रतृर पार्या्व कर रायाः सार्वे पर्वे प्र ५२:बन:पर्वु:श्रु:वर्हिर:क्वेंब्र्याय:संवाय:या। য়ৢ৾ৼ৽ঀৼয়ৼয়ৢৼয়য়য়য়ৼয়য়ড়ৼয়য়৻৸

ये:ह्यू दः कु: धेयः ख्रु दः गिर्हे रः नगुयः यः ददः॥ त्रवुःगम्पुर्याधीःगोषाः श्रुदः श्रेताः श्रुदः नःधी। र्गेष:५गार:बो:वा:बा:गीदी:कुष:च्रद:धदी। चर्चेनाः स्थायः स्वायाः स्थानः प्रतः नुनः स्वेदः स्वा गुरु पबर अर्केर भन्ने श्रुर की सुर में रा ৻ঀয়৻য়৻য়য়ৢ৻য়য়ৣ৻৸য়য়৻য়য়৻য়ৢ৻৻য়য়য়৻য়য়৻৻ રૈક'ક્રેક'શ'યોલું.ઐંસકોંશ-ફોંસ-ફોંસ-બેંદ-લાદુંશી योष्ट्रायर प्रचर व्र्य प्रविश्क्ष की शास्त्र भी रर:बुर:देर्ग्री:बूर:चर्य:क्रेव:बर्बरग्रयथा। नर्र् केते कर बेसायहत केंद्र दार पर्वेय। <u> ७८: लेब: लुवाब: ख़्द्र; सर्क्रेवा: वारब: रेट्रे: सर्देवा।</u> श्चियाः कुर देवः याये र स्थान्यः स्वा য়ৣৼ৾য়৾য়য়য়ৼয়৸ৼঀৢয়ৣৼৼঀ৾ঀ৾য়য়ঢ়ৼঀ सुःस्वाः क्षें वार्ववाः वयाः वदेः सः द्यः ५८।।। त्तुर त्तुर गाय भे*न्न* समित सेर द्वर ।। स्वाग्विवाः शुकाकाः स्वामः दिवानः दिवानः दर्बेर न्यायन दर अ निष्या धुनाय द्यार विवासी रेब केब बेर नुरे अर्दे न कु न्यवा नश्या विरा। वर्देन्'वर्हेवे'ग्राहेर:क्रीं'तुअ'स'धीन्'विवर्दनन्।। *ব*র্নু।বয়য়৻৸য়৻য়ৣৼ৻য়ৢ৸য়ৼ৻ৼৢ৻৸য়ৼ৻৸য়৻৸ <u>५२:बव:५वु:स्रू:व|बे:बुर:व|धु:धे:से्र:||</u> सु: हेवा सु: सेव: यद: रवा : श्रेड्ड : हेवा। र्गे अर्कें द्रश्वे केंग्निया द्रया यात्र प्रत्या केंद्र प्रदाश <u> न्यार न्यर कर्षेया सुन्यहेन त्युव स्यर्देश क्षी यहिर ॥</u> <u>५२ वेषा रेषा तह्या भ्रुप्धे व प्रवत्र ५५ ॥</u> तस्र तस्र खुः वृष्ट दुर ये सर र्सेग्राया। *ॱ*য়ৢॺॱय़ॾेचशॱॾॗॖॱѼॱ॒ॺॵ<u>ज़</u>ॸॵॸ॔ॱऄॢॸॖॱॸॸॱ॥ য়ৢ'য়য়য়ঀৢঢ়ৼড়৾ৼৢঢ়ঀয়ড়৾য়য়ৢঢ়ঢ়ঢ় *ब्*याचर्यार्रे पद्याहरक्ष्या क्ष्या ક્ષુત્ર:શ્રેદ:શ્રુવ:શ્રેવ:શક્ષુત્ર:શ્રુવ:શ્રુવા) यार्द्धरायेद्रायदे द्रियायर्च्छरायेदासुयार्चीया। 'ড়ৢ'।য়ৢ৾ৼ'৻ঀ৾য়৾য়ৼৼৼ৾য়ঽঌ৻৸৻য়৾ৼৢঀৢ৾য়৻৸৻য়ৠৼ৾৻।। প্রবাশ দেবাল দের্বাশ দামস্থল ব'ন্ট্রন্ম স্থার্মনা। ह्यद्रस्य बग्रासेद्रस्य मी यदे यस्त्री। ૽ૺૢૼ૱ૢ૱ઌ૱૽ૺૹ૽૱ૡૢઌ૽૽૱૽ૺઌ૾ૹઌ૾ૢૹૺ ব্যক্তিমান্ত্রীনাক্ট্রিনাক্টিরান্ত্রীনাক্তিমান্ত্রী दर्भे च्रवा श्रेंग यी भ्रेग तो र ह्या हु अर्के हा। . भ्राप्तित्यार्श्नेर केंद्रायतुत्राया ग्रुयायदे यापर।। र्भःधेवा नदे के दार्दे हिते वार ह्युर नदी।

संनित्रायात्रुवासार्देवाश्चीयो नियासी। र्क्किशः अधेत्राक्षेत्रः मुक्किशः र्यायः यरः ह्वाः हिः रूपा। <u> बिर्पर नर्</u>रे के देश सुरार्ग स्था *ट्र*गी'श्चर'नर्ड्रद'केद'र्वेदे'यायट'ग्रासुस'या। ন্ব্বাভবাব্রুস্থ্রীন্ব্বামন্তর্মশ্বেশ্যম্ম শ্রী। য়৾৽য়ৢঽ৾ৼ৾য়ৢ৾য়৽য়ৢয়৽ড়৾য়ৢয়৽য়য়য়য়ড়ৼঢ়৽য়য়ৼ৽৻৻ <u>ૄઽઌૡૹૢ૽ૢૺ</u>૱૱૱ઽ૽ૣૼઽઌૄઽ૽૱ૡ૽૽ૺૡૢઽૢ૱૱ૢૼૺૺ૱ૢૢૢૺૺૺૺૺૺૺ द्वार्थे खुः धे द्वा न्यं द्वा देव के देव निष्टा পূর্বক্ষথামী দ্বাত্মি দ্বিদক্ষেত্র ক্রুব ক্রিমা न्तरक्षुःसु नर्दुव रायो ह्ये स्त्रुव नयर ॥ '૬૫૧૨'વાશુઅ'ક્સુક'સું-'વેદ'ર્ફેવા'લઘું'વઢું ૬'ઐઆ ढ़्रेंचीॱग़ॣॱऄ॔ॱढ़॔॔ॸॱक़ॗॖॖॖॖॺॱॾॗॖज़ॱऄ॔ॱॸॺॸॱ॥ रेत्रकेत्रग्रेर ग्रथु द्र में राज्य सेट कें धेरा बुन:ग्री:गानेब:ब्रॉन्गार्वेद:क्ष्मुंब:गान्ने:प्रवर:पर्यट:॥ ग्वित्यायर अर्केन्स्य ये जुन् हे स्रेन् प्रमा শ্বু্ম''ব্দ''অদ'শ্বু্ম''বর্ষিম'ব্দ'বত্তক্ষ'ম'বক্ষদ'।। র্ষূর के पद्भ तिशुर ग्रावश में में लें ।।। त्त्र-धृषाः ह्र-तर्त्युताः द्वारायाः स्वार्यः स्वार्याः स्वरा श्रेवाः क्षेरः बेरुषः द्वारः वाचेरः वेरः द्यः यः यहवाया। ૡૢ૽ૺૼૡ૾ૢૼૼૼૼૼૼૼૼૹઌૻ૱૱૱૱૱૱૽ૺૺૺૺૺૺૺ *भु'च'न्गार'र्धेदे'गुर'श्चे'व्रर'*भेन्'व्या। म्यायाण्यास्यास्य प्राप्ति स्यायास्य स्यायास्य स्यायास्य মহ্ন'নহুদ'গাৰ্ম'হদ'র্ম্ভিদমুৰ'ই)'রুম।। यर्द्रक्षे:लूब्रम्बर्ध्यान्त्रीयात्राध्याः विषाक्षेत्राः हो। *इ.चक्चर.कूर.ज.कुर.चयु.*ल.कु.२॥ नदेःअर्केग्'द्रमतःर्वेतेनकुद्रकेष्'नक्षुेत्यःनतेःस्रे॥ योहेर:ब्री:सुर:सर:पञ्जेस:पदे:वायर:द्रस:ब्रुट्सा यार्थात्र्वार प्रति सर्वेषा श्री राष्ट्रिय स्वर्था स्वरं । કું.કુંડુ.વોર.શુંબ.શુંધ.ૠુંનબ.શુંધ.જર.તવના यार्श्वेन्द्रप्याश्चीलेन्द्रावस्यार्श्वेष्ट्रियार्स्रे॥ यर.री.रूबीक्षायहूषातास्रीकार्यवीता। इत्य दर्वेर यान श्रूश गुरु द व घ थे।। क्रॅश*न्*नः रेग्रश्यायमें निर्देश क्रेंग्य दक्तः॥ षर वन निर्देश के राजी मित्र रहें वे अहें नी केरःक्षेग्रयायः स्टानर्दितः द्वीः यदः दुषः दर्दः दु। ૡૄ૽ૼઽૹૹ૾૽ઽ૽૱ૹૣૼૹ૽ૺ૱૱ઌૹ૽૽ૼ૱ૹૡૼ૱ઌૺ '৸৴৻৻ঀৢঢ়৻ঀ৾৻য়৻য়৾৻য়য়৾য়৻য়৾য়৻য়য়৻৸য়৻৻

শ্বীদ্'ন্নিমি'দ্বনী'মার্কর'ট্র'দ্রমি'মেন্ট্রুদ্'বার্ব্যাক্রী। बुन'नक्ष्र'क्षेर'र्य'सुर'र्र'हेंग्र्य'य'क्षे॥ ने'यह्र्यं यत्वर्'र्रा ह्यूयं प्रते ह्ये हुरा प्रते॥ र्बेट्र प्रदिते सदत वर हीर प्रविते हे से र्रेट्स लूट्यार्ड्यायाचीयायसेयात्रीःश्रार्कायवीराता। ने'धी'मन्नन' श्रुव'मश्रुव'मन्ने'त्रवुद'म्बिक्ष'के॥ सूर हो र के ज्ञाते रमय र्रा तर्ह्या प्रमास सिंहि।। गुरु नहुवारा तित्वाया नदी नवा कवारा वादी त्या द्वा। योषयः र्यरायस्य सूर योर् व स्वाया र्योट्या स्वाया लूर्याचीय.यसू.चेल.यिथी.शयु.ल.जुर्यापश्चा पक्षे यो देहें हिते र्से वा वी हे ब यावर रहें वा या। हुर्यःकवार्यान्त्रस्यानम् । त्यम् । त्यस्यान्यामः मुर्या *ॱ*केॱॸ्ॴृतेॱधेॸ्ॱॻॖऀॱॸह्रुव।भावर्द्ध्य।ॱॸ्ॸॱख़ॢढ़॥ **ॻ**ह्रद्राग्यें श्चेर् विदेख्द र्रेंग्य हे श्लेर् या। র্নি, ব্যুম স্ট্রান্থ ব্রুম স্থান স্থান ব্রুম বর্ম ব্রুম ব্রুম ব্রুম ব্রুম ব্রুম ব্রুম বর্ম ব্রুম ব্রু भूर्याक्षेत्राचित्राच्चित्राच्चेत्राच्चेत्राच्चा या रुद्दर्भार्येग्। यर श्रुंद्रायते श्रुंद्रायस्य उत्रा। रे विगा वे नरा तर्या नते स्राय सेर या। શ્રૅન'નફેન'નુન'ને'અન્તર્સે ફિન્ટોએ છેયા

ইব'অব'দর'শ্রীকা'বাল্প'নই'র্ন্ট্র'র্মবা'ঝানবা। [य:८ग]र:क्ष्रेट:वाववा:क्<u>ष</u>्रु:अत्र:देवा:स्र्वाय:ठव।। अ.जेंब.क्रॅंट.चक्ब.झट.चका.बाक्ट्र.त.तूरी। इर श्रॅर ५ स्ट्रॅन सदी राय ही हिन के न सन्।। ૽ૣૢૼ[૽]૿ઌ૾ઽૢઌૹૹૢૹ૱ૢઽ૽ૢૢૢૢ૽ૺ૽૽ૼઌ૿૽_ૺૣ য়ৢ৾ৼ৻৸৻ঀৢয়ৢ৸৻৸৾৾৻ঽয়ৢ৻৸৻য়য়৾৻ৼয়য়৸৸ सुर होर सु अर नक्ष्या भन्ने से खुद ही। বাৰ্মান্ত্ৰবাশ ৰ্ষ্ণবা এম দেম মাৰ্ক্তিন শ্ৰীম বিদ্যা **८०० मान्यान्य स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्त्रियान्य स्तर्धे स्त्रियान्य स्तर्धे स्तर्ये स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्तर्धे स्तर्ये स्तरे स्तरे स्तर्ये स्तरे स्तरे स्तरे स्तरे स्तरे स्तरे स्तरे स्तरे स्** श्चीव वित्य ग्वान्यया वय प्रस्तुन त्यस्य प्रस्ति हो। बिनर्यायन्यायुरातुरात्रेशयाह्यायह्रवास्त्री। र्रे सर्वर कें गृदे सेया के हिन् ग्रीश सर्हेन। त्रदतः द्रगादः श्रेवा वीशः चश्च्दः चतः द्रशः श्रेवा या। गठिगाः हुः श्रुत्याः चतिः सके दासुसा हैं हिते श्रुत्या। श्रीप्रविषाचुरासुनास्त्रीराधेरापर्यरासुनावी। য়্র্র্রের ব্রাব্র বিষ্ট্রের ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্রির ক্র অর্ব্যান্তবান্দ্র্বিমান্দ্রমান্ত্র্যান্দ্র্যা য়৾৾৾য়য়ৢয়ড়৾য়৸ঢ়য়ড়য়য়ড়ড়৾ঢ়৸ঢ়ঢ়৸ প্রর্থ-শূর-দ্রবাধান্ত্র-ব্যব্য-দ্র্রের-হ্রম-দ্রব্যা इसरामिना निर्मान्ति स्त्रीय स् चर्राः विश्वः के स्वारं विद्रां स्वारं क्ष्याः विश्वः विश्वा स्वारं विश्वः के स्वारं विश्वः स्वारं स्वारं

নগ্র-ইন্র্রান্তর্ম নের্ক্রর স্থিন নাম নাম নির্বাধন নাম নাম নির্বাধন নাম নাম নির্বাধন নাম নাম নির্বাধন নাম নাম নির্বাধন নাম নির্বাধন নাম নাম নির্বাধন নাম নির্বা

क्ष्रं क्ष्यं क्ष्यं त्यात्र त्या क्ष्यं क्

ৼঀ৻ঀঀৢয়৵৻ঀঀৼ৾৻ঀ৾৻ড়ৢ৾৻ৡ৾ঀৢয়৻ঀঀৢয়৻ঀৼ৾৻ঀঽয়৻৻ बेल गर्बेन रेग्र ग्री मन्ग सेर रम हुन्म्हेन। दे'र्देव।'श्रु'यायर'श्रुवा'र्य'श्रुव्य'द्रीयाउदा। वर्केट सुवा कोड्स द्वे त्यति वि चट् सहिक्।। *য়ूॱळॅ*र्वायार्वेरामुदेरावित्राहेरान्याः स्थान्तेरास्या હવીયાસવાહવીયા શુભાવી ધ્રમાના કર્યા ત્રાસ્ત્રાના કર્યા છે. ત્રામાન त्यु नर्द्र नर्वेर पति स्रुर सर्वे न सर्वे न न्या तर्ते ता स्या। क्षे क्र्रेव गणु धे क्र्रेव सायस्य क्रिट क्रा। क्रेंअरु:५गार:५५:खेर:५वेंदि:५ईअ:५७५:७अरु:क्रुरा। रवः अहेरा विरेर विश्वाधायाय । प्राचित्र स्व याः रेवायः वर्त्र क्षेः वारेरयः गाः स्वायदः यः दर्छ। ধ্রবা'বাঅম'স্কু'শ্রী'র্মুবা'ৠ্বে'ব্রা'ম'বারমা। गर्षेद्र'यस'र्देद'र्षेद'र्द्देर'चुद्रे'त्रसुत्य'ल्वग्रस्य म्रूस्य। . क्रॅ.क्रूबोकाऱ्ये.क्रेय.क्रीय.क्री.पत्तेर.पर्सेका.बोल्गी में अकूर्य । यर्चे या कूर्य अधिय जा प्रधिय । यर्च यक्ष्य भी र्रेल र् मुर सुवा वा न वाय है वा विद्या <u>भृःश्चेत्रःयुः नर्दतः वेः नर्दः दिनः नर्दशा</u> द्वाःक्षर्यः वः त्वाः तर्व्यः ययः क्ष्रः स्वरः क्ष्राः য়ৢ৴৽য়৽য়ৢঀৗয়৽য়ৣ৽য়ৢ৽য়ৼয়ৣয়৽য়ৠয়৽য়ৄ৾৴৽॥ ૹટીય.ટી.[®].ક્રેયો.ચીંય.જા.કજા.ક્ષેયત્ર.જાજૂન્યાી

র্ষুন:ক্সান্ট্রাপ:ক্ট্রার্ক্ত,আন:বের্কিম:বহুম।। শ্লুন:ক্টিবা:র্মুবা:ক্ট্রম:বশ্বাবশ:বহুম:র্মুব।।

य्याप्तर्वतः केवार्याः श्रूषाः सर्वेषाः नृत्याः वत्राः स्रा ફૂઁ કુંઃ বেনম'ন'মঠেদ'বাশ্বম'নগান'নের্বিম'শ্বুম'নম'নভশা। 'यर्चर'योर्वयान्य'र्चक्रेन्य'स्ये'यार्चर'त्य'ह्या'चत्वुयान्य'न्न्या। য়৾৽৻ঽয়৻য়৽ঽয়য়ৢয়৾৽য়৾ঀ৽য়৾৽য়য়৾য়য়৾ঀ श्चिन्। दर्शिनः वार्डवाः हुः हेवायः यदेः अदेयः ह्याः स्वाया। सर्दर:सेर्'सःसुं सेते:सुत्रः हैंग्र^सादनुस्रा। बर्'श्रेर्'ह्या'य'क्कु्र्य'क्कि'त्रियंर'त्यर'त्रत्त्रा। ह्यन् प्रमाना विद्यालय विद्याल सूर्केषायायाः सूत्रान्यस्यायाः प्रतिः दुनः स्त्रीत्राया। ब्रुर श्वेष ब्रुर पत्त्वार हिर वहें वर्षेत खेवे श्वेव।। वयायायतः अहूर्यः क्रीं स्वीतायविषयः भीयातया। सु:ब्रिंन्'दिर्देर'न्द्र'चठर्य'स'ह्या'अर्केन्'द्या ব্রেষ্ বেদ্রাঝ বেদ্রাঝ বেদ্রি বাঝ বেদ্রে জ্বিদ ক্রেমা দের ই বাঝা। ગીવ.વંજા.હું.હુંદ.કોજાજા.તંતુ.૮૮.ૹ્ંજા.કોજા यार्चेनार्चेन्यात्वुरानीत्रार्द्वेरायम्। यान्त्र पर्व रेट्ट त्युक्ष यायु प्रेश रेब्र वर्ष क्वा।

<u>२ इते ५ के अपने स्टेंद स्टेंदे ५ त्य लुग्य से ।</u> ऱ्याय.क्रुंट.उध्रूर.ट्ट.चश्र्य.तय.चर्पायय.स्ट्रिट्या। **नर** दुःसुस्राध्व दुर्गः क्षेष्टे विनासाया। के'सकेंग'५घ८'५ग'रेंब'चवे'चगाव'वर्षेर'५॥ न्यासर्वेषायु श्रुव र्वेर तहें व श्रूषा तिवेर पर्या नगातः ह्वार्याञ्चा अः तुरुर्याः तुर्वेताः तुः नहेत्। बःसः र्रेन् ः स्वाङ्गीयास्यतः नुसः यन् । रा मङ्गते'सर्कत्'तकर'रेग्।तहेंत्'क्त्य'तर्ह्रेर'मश्ग। र्यरःशह्रं सियो.क्या.यद्वरग्रात्रं स्था.शक्यो.ब्रिसी ૡઽૡઽૠૡ૽૽ૼૼ૱૽ૣ૽ૺૹ૱ૹૹૹૹૹઌૺૡૡૺઌૣૺ 'यह्रवीयाचेलाक्रां प्रचीर क्रियान ह्रवीया क्रेन्यं प्रदी। नष्ट्रव पति क्षेर चे सुर हे ग्राय क्ष्र हुन हो। त्येयः विदः क्रुरायिः अदतः बदः राजविदे विता कुं. चुदे: सूद: प्रदे: द्रथय: दूर: ह्रग: दर्चे ग: अर्हें न।। नक्षेत्र पहुर्य शायका चीय हो यद्य प्रसूष जन्म क्रिया। র্মামানর রাম্মর নির্মানর বি বি বি ক্রিম'মর্কর'শ্রীর্'মরি'স্কি'র্মিম'মন'নশ্রীর্বম'নরি क्षुव्रपति: यावायायया स्त्रीर पति । तवी दयो र या पर । श्रीया। तर्दुअ:५गार:अहेरा:पदि:अ५८रा:पृत्रःधुग:नक्का। तकैः र्शेषः नर्तु नः क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्व प्राप्ति ।

क्ष्यः सेद्रः यदः क्रें द्रः यदे यग्रवा यञ्जेदः दशा वर्षित्रं वि नित्रं त्यारा गुवर्षे वाया से र ह्यू नर्या। र्चेश्राचलर्क्ष्रश्रायदेष्ठेश्रश्राध्यायुर्गाचक्रिश्। नह्रम्यार्थितः दुर्यानञ्जू द्वार्यानः श्रेवायी। विस्रम्या શ્રે'ગૄર્વેપત્રવેતા.લેદ.મુશ્રાયત્રે.ત્વતા.વર્શ્ચેટ્ટ.ટ્રી क्रें चर्केन् क्रुयायदे त्यया द्वयया गुदादमुच अहेन्।। स्रेग्नायःस्वातस्यः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः स्वान्त्रायः रन'न्सर'न्नर'गी'ग्राचे'च्चेत्र'केर'न्त्र्भूत्र'हे॥ त्याुवा तकेट र्वेट चुर्ते सुवाय युः ववाय या धीया। <u> ५न८:सू५:५न८:वी:लश:इस्रश:५र्केर:से५:सूनश्रा</u> প্রস্ত্রস্থার্দ্রিশ নর্বর শ্রী ন্রমনা ন্র্মির নক্রুশ। કુ્ય.ત્.ષાકૂ્ય.ગ્રી.જ્.ધ.જીંમ.લૈંદળ.ળા स्र-चेन्-न्वानिते स्र्वास्यस्य विन्नित्रित् द्रवार्चि क्वेंयाचित्रायमायादार्चे मा श्चैव र्श्व. यविष्य प्रवृष्य सुरामा प्रवृष्य प्रमुख्या प्रवृष्य । *५गा*×ॱढ़गॱय़ॗ॔गॺॱॻॖऀॱढ़ॺ॓॔॓॓॓श्वॱ॔ॸॱॸॱॸॱऻ। श्चीत् विदे स्वृग्वाध्य देत्र स्वृग्गुत्र वसूत्र हो। नरः अर्हेर् नायरं मी र न से य लिट सुरमा। सर्दर्व स्थाय स्थापित संस्तित प्रमाण इत्य त्रेंद्वेर प्रद्या ख्या तु क्षेत्र प्रद्या प्रद्या प्रद्या

विःर्विग् कुयः र्वितः सर्वेः श्रीनः याश्रेरः क्रेतः द्वोः नक्षेत्रः क्रेतः र्वेतः व्याप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वापतः

 सःस्वायःरेवायद्वयम् । यद्वयः । য়ৄৼয়ৢ৾ৼৼৢঀ৸য়য়ড়ৼয়ড়ৼয়য়ৢয়ঀৢ৾ঀ৻ঀড়ৢঀ देः अरुवः श्रुः ऋषायायहतः तेर् पादिनयायते हो दि ।।। मूँग'न्यर'वशु'नदेखु'तहेंब'रन'न्ग्रीग्यर'न्तुरा र्द्रव:क्रेव:वार्यार:क्री:श्ली:क्षायर:व:वार्या:क्रवा। र्विर प्युवा अहेर के बर्ज़ेर र्र र र र व्यु वक्किश वर्ज़ेर ।। नेवर रोट विज्ञासहर क्रेंग प्रज्ञति विस्। गर्भर केंद्र क्वायार्थ मध्य प्राप्त क्षेत्र का उद्या रपद्गार अर्घेर्याशेर क्येय क्या प्रकार तर्कूर र्श्नेया त्युक्ट दे त्युद्ध र्ट्स त्या दह्य ।।। 'वर्देर्'वर्द्युर'र्देब्'ळेब्'ग्रिर'श्चे'तुअ'ध'र्र्रा। चगातःत्विंदः द्येशः श्रेःश्रशः ह्य्वं संवितः हैं विश्वा समितः ५८ सः वाद्ये नयः स्त्रूटः द्विनः धरः चतुवारु।। *न्नन:न्नः*न्जार्भेतेःश्रसायाः क्रसायतेः कें।। भ्रुं अर्देगः श्चुंगः दगः श्चेदः गर्धुः अस्यः क्रेदः गर्धा। *য়ৢঽ*ॱয়ৄয়ৢয়৻য়৾৾৾ঌ৽ঢ়ঽ৾৻য়ৢয়ৢ৾৽য়ৢ৾৽য়ৢ৾৽ৼয়ৢয়৽ঢ়৾ঽৼ৾৾৽৸ गी.ज.रेक्केश.बुर.यर्से.ज.केंग.तर.केंर्री सियां योत्तरा हूँ स्टर रुप ह्या श्रायय या सिर्ग यार्ल्य नमानम्बरायम्बरायकेर नदे सुर विवाय मेवाया। पर्वत्यपुरम् स्वार्वेत् प्रयम्भेत्। <u> ५५०: हॅर हेरे हेरे जे विच क्ष</u>ु य गर्बेला। ॱढ़ॱऒढ़ॕज़ॱढ़ॎॗॸॱक़ॆढ़ॱज़ऻॾ॓ॱऄॴॱॶज़ऻॴॱॹॴॱख़ॴ रेव'केव'श्च'क'र्वेर'तुर्व'क्कुव'र्दुण'ठवा। म्लॅग्'स्रर'ह्युर'नदेः'लुग्रच्यात्रः'तकर'केनव्या ૡૹૹૹ૽ૹૢૹૹ૽૽૱ૡૢ૽ૺ૱ૡૢ૽ૹ૽ૹૹ૽ઽૢૡૢઽૢૹ૽૽ૹ૽ૢૢૢૹ য়ৼয়য়ৢয়য়ঢ়ৢৼয়য়য়ৢয়ৼঢ়ৼ৾য়য়৾ঀঢ়ৼৼ৸ नर्द्राङ्गेते सन ग्रीका नहन सते तत्रु द्र क्षुत्रा શુંશ કુંન વિવાય દૂર ક્રુંર વર્ષા સંદર ક્રુંય ના <u> सुःविरःगणुःवीं सानुस्र न नेवा न उद्या</u> 'বনম'নবি'ঐ'ঝ'নশ্রবাধার্মর'র্ব্ মুর্রাঞ্চী। ৽য়ঀ৾৽য়৾৾ঀ৾৽৻ড়৾ঀ৾৽ড়৾য়৽য়ড়ৢয়ৼ৽৸য়৸৸৽ঢ়ড়৸৻৻ इस्रासरागुदानबरासकेर्पायते हरायते विदायतुरा। ৻য়ৢৼৢয়ৄৼ৾৽য়৻ৡয়ৼ৾৻য়৾য়ৢয়৸য়৾য়ৣ৽ৼয়ৢঌয়ৼ৽য়ৠৼ৽॥ ববান্য বের্না শ্রীন শ্রীন শ্রীন শ্রীন শ্রীন শ্রনাম নানম না न्तुःतयरःन्तुरःययायार्वेन्ततेःन्त्राःसुःनयरः॥ '৸ঌ৻য়ৄ৾৾৾৾ঢ়ঌ৻৴ঢ়ৼ৾৾৽ঀৢয়৸ঢ়ঽ৾৾য়ৢৼঢ়ৢ৾৽ঢ়ঌৼৼ৸ न्यतः स्था वेवा यशः मेन् प्यते से खु नगरः॥ ૹદ્રશાયદાસું ^{કુ}શાયતું સુંગુના

र्रग्राम् कुर्न् नुर्वेर तसेय निर्देश सर्व मुद्देश निर्मा *'*धु'ग्पपर'अर्हेर्'र्नुभुेल'नते र्वेर'सु'नगर'।। मिर्यविद्यार्याययोराययुर्वेष्यायाः स्वायदा र्रे स्वानहुर्पुतिर्वेर नवे त्रशासुनगरा। न्तुः हे 'न्तुन 'य' रेग 'यदि स्य दिंद के।। ૽૽ૼ૽૽ૼૺૻ[ૢ]ઌ૽ૹૺૻૹ૽૱ૢ૽ૼૄ૽ૺૹ૽ઌૺૹૹઌઌઌ*૾*ૢૺ ฦพลฺาร์าฐฦฺานฺาฮ์ฆฺาณฺลฺารุฆฺลฺาฺาเผิ र्बे्ब्रक्तेब्रचगादःधैःसंकुःविव्यव्यव्यव्यानस्यः॥ ग्रार्थेद्र'र्रे'गु'र्केदि'र्कर्'र्'तुत्तुव्र'य'र्थे॥ *য়ঀ*ৢয়৾ৼ৽য়ড়ৼ৽য়য়ড়ড়ঢ়ড়য়য়য়য়য়ৼ৽ৢ৻৸ यर रु वायु र्ह्हेब् र्डर रेडर विवाय पर यो। र्क्केशर्के.यर्श्वेश्वर्या.विज्ञान्त्राच्या.यथ्या.यथरः॥ सर्वे योल्य चीयोबारा प्रयु: शक्रु कुष ही खुर्या मिला। योवस्य नद्याः सु क्याः सु द्वार्यस्य न्यस्य । प्र मिर्नस्य योगर नदी सम्बद्धाः हरा में में भी 'ব্বা'শ্বরা'শ্বই'ম'কবাম'মন্ত'ল্ল'মানম'মে।। द्रस्य नते : धेर् या बुवाय : कवाय : विर : दिवे : न : धे।। ন্ধ: हेब: यावेश:ग्री:यावश:अय:यानव: र् केंशा নাব্য শক্তবাশ নত্ত শ্বী হ'র্ট হ'র্ড নত্ত হয় ब्रॅग्रेस्ट्रं धेग्रन्सरम्बर्गन्तुर्या

रुर न सुर हेगा से ख़ेर हे या यहर नदी। অইবে'বাস্তুবা'ঐঅঝ'শ্ৰী'ই'ঐ'নদ্ৰৰ'মম'অইনি। र्वग्रा क्षेत्रराचक्कुर् यज्ञुत्रे ख्रे वा उद्या য়ৣৼৼঀৢৢৼয়ৣ৾৽ঀয়৽ঀয়ৣয়ৼঀয়৾য়ৢ৾ৼ৾৽য়৻৻ वनरा नेरा है ज्ञिते सूर न तत्र्या सेर है। लट.लट.क्रैंथ.टे.५ब्र्या.सपु.स.भक्र्रूर.बेंटशी 'નુંચ'ગાચુઅ'નુંચ'યચ''વનચ'મંત્રે'નુંચ'ગ્રી'ઢેંવે|| के'अर्केग्'विग्'त्युरःकु्यःभेंदेःघःकेंग्'र्रः॥ ररःश्रूरः द्वरः दुः ततुः अप्यते दुः अरे वः धेर।। रट चुट पर्जु चर्कुट्र प्रश्नायगाय चर्क्केश चलिता। য়ৼয়৽য়ৢয়৽ঀয়ৢয়৽ঀয়৾৽য়ৢৼ৽য়৽য়ৢৼঀ यन्द्रम् मुन्यस्य सुर्यः यदे के सादि स्ट्री र्बिट. (बेट. यक्षेष. दहूष क्षेत्रीया अपूर्वा क्वेंट. यदया ग्री। <u> ५५,७४८.२.२५५,शूर्य,१५५,शूर्य।</u> :a:ऱु<्य:चरु<:ऋेते:वाले<:धें:चरु<:खें:र्ञ्जा શ્ચેન્'ગાંચુઅ'સઅ'∃અ'ગાંઉવા'ગોંઅ'ર્રેબ'ન'ਘાં| য়ৢঀ৾৾৽ঢ়ৢ৾৾৾৴৻ঽৼ৾য়ৢ৾ৼ৻য়ৣ৾৾৽ড়ৼ৾য়ৼয়৽ৠৢয়৸ नस्त्र-न्याः अत्राधिराधीः स्वाः स्ट्रिस्य। ख़ॖॱॿॖॎ॓ॸॱॺक़ॢ॓ढ़ॱऄऀॸॱॾॣॗॖॖॖॸॱय़ऄॱढ़ॖॖॣॖॖ॔॔य़ॱय़ॸॖॴ क्कुन्'वहेंब्'नु'र्श्केन'र्धेब्'नन्ग्'नरुष'य'थी।।

क्रम्यस्वर्ग्यस्य स्थान्यस्य स्थान्य स्थान्य

चरः द्वेर्ययते क्रुरः श्रुरः श्रुवा। चेश्वायः तर्रेश्वायः श्रुवः त्वेरः श्रुवायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व चेश्वायः तर्रेशः श्रुरः तर्वे त्यायः स्वायः स्व चयः द्वेरः यद्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्व चयः द्वेरः यदेशः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्य

র্থার প্রত্যান ক্রির বিশ্বর্থ কর্মার প্রত্যান কর্মির প্রত্যান কর্মের প্রত্যা

हुँ। अभीग्रयान् केत्यन्य निर्धित्य विद्रान्त्य विद्राच्य विद्रान्त्य विद्रान्त्य विद्रान्त्य विद्रान्त्य विद्रान्त्य विद्रान्त्य विद्राच्य विद्रा

यो र्यासहेश्य स्वास्त्र स्वेत् स्वेत् स्वेत् स्वेत् । स्वास्त्र स्वित् स्वेत् स्वेत्

वर्देन : धेंब : इस : स्थान : स मिर्यविद्यः धुवायः ५८: चुः देवायः वद्यः कवायः क्रवाया। स्वापित सर्वे प्राप्त वा सक्ता प्रमान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स *७८:वेश:इ*:अर्क्चेन्युट्यी:वर्षिवा:ठव:८८:॥ यापुत्रात्मराकुत्राचदे सतुराद्मराचाद्मराख्या। र्वो.भक्रूये.ल.जरंट्यो.तृतुःस्यो।भक्ष्यं.चरुळा। <u> ब्रि</u>न्द्रस्थात्र्विर:५८:वड्याय:५८:वर्यात्रम्था। <u> इि</u>न्यर वायुः वुवा तवि द्वार वें अर्ग र दें अर्ग स र्वेङ्ग्व,रगार,रथर,ङ्गै,यञ्जर,ङ्ग्येव,ङ्गैद्य,ङ्ग्यी श्चेग्रायते पुर्वाया यो निकार्रे या निते श्चेत्रा। ৻য়য়৻য়ৼ৻ড়ৼৼ৾৸ড়য়য়ৢ৻য়য়ৢ৻য়য়ৢ৻য়৻ঢ়৻ঢ়৸৻য়৸ৼ৻ঢ়৻৸ শ্বরদ্য নার শ্রের আর্কর্ম নার শ্রুর ক্রিবাশ শ্রীকা श्रु'भी'न्याःभ्रु'क्रेव्'र्ये'वर्षिरःचठर्याःचर्यरः॥ र्शियः प्राकुर्यायः में र. पेयु. रहे. त्ये प्रयः विश्वयः विश्वयः ।।। न्यतः नहत्र न्या स्रुते न्युर स्रैंग्या यार्वेर नरुया नयर ॥ नुःर्वेरःवेरकार्श्वेर्नःश्वेषानवेष्ट्रासुरानवरा। यायायर विवयाम्भी तर्वे नित्र स्थितिया नयर ॥ नन्वा क्वा भे लेखा र्से न्या प्रसुषा नवा से न प्या क्रि.ब्रिट्. ब्रियोद्य. प्रयोज. प्रचीय. प्रधियोद्य. याच्या प्राप्त प्रयोद्या प्र पर्वेद्रपत्रेशर्द्धरश्यते ह्या विष्युष्टर् द्रेया।

ন্ব্ৰাভ্ৰাব্ৰ্ৰির স্ক্রিন ন্ক্রুব্ নহন্তকা শ্রুব শ্রীকা। बुर कुन नर रुख़ अर्केग बिर नक्षेत्र ता। ষ্ট্রির র্টাব্দর ব্রাধর্ম ব্রাধ্যবিদ্যা वर'रु'गुव'र्वर'इ'स्वेशस्र्वंव'रुव'र्रा। য়য়ৼৄয়য়ড়য়য়ৼয়ৼয়ঀয়৾য়৾য়য়য়৾য়য়য়৾য়য়য় ग्यर द्य प्रतेषाया ग्राम्य प्रतेषा स्वेष प्रतास्व **अ**न्-चुन-चुन-चश्चन-श्चेन-चेन्युन-हेन्य्याळेला। बी'बुच'क्षेय'बिद'दे'वहिंब'वरुष'यदे स्था न्चरःश्चीःअर्के निविदायसेयाविदासुरायान्दा। मुग्रम् प्रतेष्ठ रायेग्रम् प्रत्युच द्यु त्र प्रत्य द्या द्यु द र प्रतेष्ठ ।। ह्वा हु अर्केन् केन नर्केन् पति कु क्वें रायन्वा [माहे:न्यर:घर:कुर:ह:ष्यर:प्य:कुर]] 'न्च'न्रःक्रेन्'ब'कुल'मित्रे'न्यतःह्वार्यःक्षेन्।। यःर्रेयः द्युदः र्ह्ववाश्वाश्चरः वीः भ्रुवाः स्रमः र्ह्वेश्व। चरार्द्ररायेंदरार्ड्डीर्ड्डाग्लरार्ड्डीयायलेवायस्या। मंद्रियायाण्येयायान्येयाया धुर सर्ज्ञेग्र पर्दे चरे चर स्था हाया र्ज्जेश। <u> ५५८ क्षेट क्षेंचर्य भुग्रय पर्वे में क्षेट क्षेट्र</u> युः वेर न्धिया यी नर्र या युन द्वयाया या र्श्वया। यातीयाः मिताः मिताः अष्ट्यं अष्ट्यं सुर्धे स्वारिः यञ्चीरया।

र्वेज्ञारायम् इस कुयान्या विष्यान्ते स्वेज्ञान्त्र स्वेज्ञा निष्या सेन् म्हर्गा हुः क्रुन्य निष्या विष्या विष्या स्वेज्ञा

উষ্ণ ঘনন স্থিত। মান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব ব্যক্তবাদ্ধন ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব্যাধার ক্রান্ত ব

> শ্লুম'ন রহ' অ'ক্টির' বাশ্বীশ্ব আবহ' শ্রী'র অহ' বর্ণীশ'রের্ইর' বাখের' বী'শ্বীর্'র শ্রীবা

च्याः लेका कें स्थान्तर त्रहेव खुवाका क्षेत्र त्राविषा व्याः लेका कें स्थान्तर त्रहेव खुवाका क्षेत्र त्राविषा व्याः लेका कें स्थान त्राविका क्षेत्र त्राविका व्याः लेका केंद्र त्राविका व्याः लेका केंद्र त्राविका व्याः लेका केंद्र त्राविका व्याः लेका केंद्र त्राविका केंद

यहर्षः साथाः है हिन्द्रम्।

यहर्षः साथाः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स

गा'न्या'द्रन'यास्य'यास्य प्रते से खन हु॥ الله য়ঀয়৾৽ঀয়৽ঀ৾য়৽ঀ৾ৼ৾য়ৄৼ৾য়য়ৢঢ়৻য়য়ৢৼ৾য়য়ৢঀ৻৻ ૹ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽૾ૢૻઌ૽૽૱ૡ૽૽ૼ૱ઌ૽ૣૻ૱૱ઌ૽૽ૺ૱ઌ૽ૣૺઌૺૺૺૺૺ <u> श्रु र्क्षेग्र अन् श्रु तत् अपते श्रें अपी हर।।</u> '५गार'अ८र'५र'३न'क्षे'श्चुब्रक्न'ग्रेश'ञ्चबा। बे'क्क्रूरक्ष्म्चर्याक्षेर्याचक्क्षेत्र्यते'ग्युते'त्र्र्या। ড়ৢ৻ঀয়৽৾৾ৼঀ৾৾৽য়৾ৼ৴ঢ়ড়ৢ৾ৼৢ৸য়৾ৼৠৢয়৻ঌ৾য়ৢৠ र्गेर्यानम् अन्निनुत्र नकुर्न्त्र या थे:न्य:न्यय:केद:<u>सिवा:यश्च</u>र:देवाय:यू:प्यर:॥ यावर्षाप्याने र नविदेश्या सैयारा स्वानदादर्शे नर्यर ॥ ૹૢઌઃૹ૾ૢૢૺૼૺૣૹઌ૾ૺ*ઽ*ઃઝ૽ૼ.૮ૹ.ૹૹૺ.ઌૹ૽૽ૹૺ.ૹ.ઌૹ૮.ll र्चा.के.मुर.श.हवा.शज्र्ये.लश.के.चशर.॥ र्वेरःभ्रुःगिरेरःचर्वाःधुयःरैयःबेर्देरःचयरः॥ न्यपर नी द्धार्थे दर्देश सुन निर सी अर्देत। য়'য়ৢয়'য়য়৾ঽৼৢৼৼঢ়ঽয়ৼয়য়য়ড়ৼৢঢ়য়য়ৼ৾৾ঀ

हं अर्केग्'बुर'ठव्'चु'व्ग'अकु'र्भर'द्र'॥ वर्चेर तुर्र या सा द्वा सु स्वारं या। ক্রুব'নেনন'র্ন'মান'র, ক্রুব'বার্বন'মান'র না। रेव केव क्रुव सेट दर बन त्यु स्र दर ॥ म्नु क्षुव रेता सेति द्विर या दर त्वीर विया सु॥ यरे र्झेर वर्षा खेर ख़्र कुर खेर खेर पर हो था। ह्यायान्यान् केरान्यून प्रमान्यान ह्यायान्यान ह्यायान्यान ह्यायान्या हिला ह्याया र्यात्र्वः श्रुवः पतिः इत्यः तर्वे रः तर्वे रः वरुषः त्या र्ग्रेशन्तर्भम्दर्भासुरावर्ष्ट्रम्यास्त्रे ह्रा अर्क्ष्वत्यते <u>इत्राप्त</u>्रात्त्र्या श्चीत्रवार्षः याद्यात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्र *१*इ'८८'र्इट'र्श्चेट'युन'यदे'र्रेग'दहेंब'र्श्चे॥ श्री-विवायायार्श्वेर मन्त्र स्वार्ट्स हेते र्श्वेगा तकें बोर् कें र्र क्षारा बोर् पर केंदि र्यया। बर् अर् र्वायः चर्षाः ह्वाः हुः वर्ळे चः दरः॥ नहत्रवार्थे क्रेंन्पन्डुन् श्रेन्पते स्रु^नन्न वाधन ॥ यात्र्यादर्द्द्रम्त्रेति द्र्यामुन करादु पक्षेत्र। म्रदःचर्ले:धुवार्यःग्रेयः र चःदवोदयः चःददः॥ *न्*गारः ॲंॱवॅॱअवेॱत्ररान्डुन् विषेवाः नरः अहिन्।। क्षुव्यदेग्व न्व के मृति हा व क्षेत्रा

म्यान्त्रिक्ष्यः स्त्रीत् स्त

ত্ত্ব প্রত্যান্তর বিষ্ণান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান প্ বিষ্ণান্তর প্রত্যান পরত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত

त्रुः अनुब्यायर तहतः श्रेव श्रु र्रं याश्यायत् विष्यायाः विषयाः विश्वायाः विश्वायाः विश्वयाः विश्वयः विश

য়। इन्द्रिंग्याः ध्रेः क्ष्र्नः त्रेतः क्ष्रेनः त्रेतः त्रातिः त्री।

यात्रयः क्ष्रिंनः त्रिः त्रायायाः क्षुतः क्ष्रेनः व्यवे व्यवे

ૹૻૻ૽૽૱ઌ૽૽૱૱ૹ૽ૢૺૺ૱૱ઌ૿ઌ૽૽૱૱૱૱૱૱ इस्रायाधिनावर्षेणायाः भ्रुवार्वेनास्मा श्चि अर्ट्गा-रगार अहेरा नायु धी त्यव स्वव ठवा। ष्मेड्स् दे त्यदे क्रुद्ध सकें ना नाईना द नहे ना <u> २ इते श्रेंग लु ५२ श्रेंग १२० श्रेंन अहें शा</u> *'* स्वा'स'तर्ने, 'दर्चे र क्षर 'त्र' चर्चे शक्री। म्रेट.ब्रुविश.फे.बीलट.टेट्स.चीव.कर.फेर.एन्वी रेखातवाताद्राच्यायाच्याच्याच्याच्या धुग्'ग्यथ्य'अ५८'५२'५६'र्वे'५गार'र्के'५८'॥ ক্রীনঝ'ঝ্যবাঝীম'ঝর্দিবা'প্ব'দা'ਘ্যুর্র্রা'দাউনঝ।। गक्रदास्वा हो नायनुसा स्रेति हे सेति स्रुला। चर.क्रॅट.चरिष.क्री.क्ष.स्ता-र्यवायाःक्रॅट.जयाःक्रैरा। रेश'तवात'कु'८्र' क्रेंब'बेंदि'क्रेंट्'वाधेवा'ठवा। य्यु केव नकु द की जादेर रागा द तु त्या अहेरा। भुः भू नः भूता यह्या याष्यु धी अर्के अर्र याषी न या। <u> स्वाप्तः रेत्रकेत्वेत्रं रातुत्रे गर्लिरः यः पञ्चर्यस्य।</u> त्युं स्वतः तत्रुवः स्रेतः दत्रुवः वः स्वयः ।। युं र्वेर वर्षेर देर्ष मुरा कु निवेर नर्देश।

र्श्वन्तुस्यः क्रायः द्वाद्यः स्त्रः स्तरः स्त्रः स्त्रः

यो निक्षात्रहेना हेन सुन्यति स्वित्र प्राप्त हिन स्वर्णा निकार होने स्वर्णा स

युत्राः भुः वृद्धिः वद्वाः वृद्धशः वृद्धः स्युदः सः वसदः।। <u> ब्रिन्'यर'वाधुःल्वा'अविद"नगर'व'खुःन्न'।</u> র্বর'দর'জ'বাম'বার্বম'র্মের'প্রিম'স্কু'ম।। <u> न्यार सरर सुन्यीश सुरापि रेव केव स्था</u> ये सुर क्रेंन्य ग्रीय नसूत्य नते रुत् क्षेत्र कीय। यन्यायी सः श्रेश देयाश ग्री त्ये प्रति स्था। ^ॱॿॴॱऄॸॱॸऺॖॖऀॴॱॺॊॱऒॾॕॸॱॴॱॴड़ढ़ॱॸॾॢॆॴॱॴ। ग्ययाधीः भ्रुष्वाद्ये न दुर्द्ध्राप्य त्वुःर्देरःवेदशःश्चेृदःदर्दशःगुवःकरःववेवःध॥ गर्धेब श्रीमा गढ़ब श्रीन र्र श्रुर नगर।। मिर दर्ज्ञ राष्ट्रियोय रेगाय रामाय वया सक्री यहेला या। अर्_व,कुं,प्रं,स्वा,कुं,चःर्टरःक्ष्रः,चश्नरः॥ न्वींराप्तरेन्वें रच्दे वाहेर क्षे वन्वा में के।। क्चियां ग्री विदिन् श्चित्र हो या दुर सुर यगर ॥ सु लिय र् र ज्ञार्यार में अधित या र से र ।। न्तुःतयर रे न्वर स्त्रुव रेवि से बेर त्वाव।। ख़ुः श्रेः श्रेष्ट्रव्याः हे ज्ञुदे अकेट र्घेरः नहता। কু'বার্বন'র্ন'ঝ'ডব'গ্রী'ব্রেঝ'কব'গ্রীঝ|| ख़ॖॱॺॖॖॖॖॖॖॸॱऒ॔क़ॱॸॣॸॱऒ॔क़ॱॸॣॸॱॼॖॏॸॱॻॖऀॱॸऀॴॴ

য়৾৽ঀ৾ৼৼ৾৽৵৻৸ঽ৾৽য়ৣ৾৾৾৾য়ৢ৾৽য়ৢ৻য়ৼয়য়য়ৢয়৽৸য়ঀ द्याञ्चलः नेयार्वेद दि चलेव द्या शुरु रहेगा <u> बिर्</u>पस्याः देवाशार्त्यायः वयाः विदेवे स्त्रे॥ हें कुल तनर शर्ज़ेंब तिवर ५५ न न न न न न्यारःवाशुक्षःक्षर्रःवाशुक्षःयुःञ्चरःविदेशे। *૽*ૹ૽ૺૹૻ૱ૡ૱ઌ૽ૺ૱ૢઌૢ૽૱૱૱૱ चि:मिर.पर्सूर.यालया.स्व.य.४.मिश.८८.॥ बेर्चें नव्दाद्राद्राप्त हैं विष् <u> ळु.सब.फ़ेर.पि.हर.यी.रज.ज्यय.केंशी</u> *ૢ૽*ૡૢૺઌ૽ઽૹૢઽ૽ૡૄૻઽઌૡૣૻ૱ઌ૽૾ઽ૱૽ૺૢૼઌૢૹઌૢૢૢૢૢૢ पर्चे अप्तेष: भेर : श्रुदे: र : यः मेर : पर्चे अप्वी। द्राचनः क्रुवासे हार्से दार्थने प्राप्ति । द्रमुद्री देशा विश्वा बार्कराबेरायागुदानवरायर्केरायदेश्वेदा। श्री:बर्'ब्रास्यायतःसर्हेर्'र्'दर्युयःयवाद्यादा। र्चेश्यानबेशः स्वायान्यः न्यानितः स्वायान्यः न्या ন্ব্ৰাভ্ৰাব্ৰীৰ্'ৰ্ম্লীন'ন্বীম'নন্দ্ৰম'নভ্ৰা त्रव्या ओर् खुरु र्र मीन या मित्र र्र तर्वेग। योबर्यस्य द्वियोयान्युक्ते द्वारायक्ते स्विरायबेयायद्यी। नक्ष्रायद्देवःक्षुर्यानुतिःक्षुःक्षेनह्रवःयः ५८ः॥ निष्ट्र सुन र्रें या निष्ठ स्त्रीय प्रति स्त्रीत र्रें प्रति।

कु्यानसूत्र दे से न दर निर्देशका स्रोहित। <u> बिर्-तर्म्यून पते र्वर धुवा हेवाय केव पते।</u> नस्व श्री र है ज्ञिका सूर निते हिंव र जेला। नक्कुन्। दिस्तु-सुर्जा स्त्रिन स्त्रिन निमानिक অন্ত্রের্মেইট্রিন্র্মাঝ্রিম্ঝ্রের্ম্ন श्रेवःतरु:चार्यायायायाः श्रेटः विपःयर अहिता ধ্র'র্ক্সবাধান্যকাশ্মুন'র্ম্পুনধাশ্রী'ন্ন্'র্মুবা'নর্ব্বা। धुःगणरः तर्देर् स्तिः दर्शः मुनः करः चलितः सेंचरा। यर्रेलर्म् ज्ञुः श्रेरःगीः सूग्यर वेंद्रश्रा न्यतः यान्युनः रेवाशायात्र हिंदा या यायेता विवा। *ॱ*ञ्च'गिले'हेब'५५'क्षु'ख़दी'स५८'५४'य।। श्चे त्रव्याः व्याप्ताः भीताः त्रिक्षाः भीताः विश्वास्त्राः स्त्रिक्षाः भीताः विश्वास्त्राः स्त्रिक्षाः स्त्री हास्त्रार्देराधीयारीयादारायेरयादारा *न्*गारः ॲं'र्दे अर्थाः कुः बन्यः त्यो नः चरः अर्देन्।। अर्देर:ब:श्चेद:दर:बे:चवे:दगे:अर्ढंब:दर:॥ चगाःविद्यायेवाद्यः स्वीद्याद्यात्युद्यायायः हुः तर्नुद्या। <u> र्श्</u>यवि'नवो'मञ्जदे'न्ययःश्चित्रःगुद्धात्र्वात्र्व्यात्र्वेत्र।। नर्भसःन्युदेःरेःमःमङ्गदःमदेःसर्हेवाःर्द्धुद्यःदेवा।

र्डेश.तयर.क्रिंग.स.र.क्रें.चरेगश्चाताश्चरमेंश्वात्ववेष.र.र्वेश.स्वाक्षेत्र.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्वेश.स्

য়ৣ৾ৼঢ়৾৾ঀ৴য়৾য়ৼয়ড়য়য়ৢয়৻৻

ব্যী:ক্রুমে'বার্ম'ব্র্যর্বাহ্বর'ইর'বম্বর্মের্ইর'ব্র্যান্ত্র্যান্ত্র্রান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র নির্বাহ্বর্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত

याकवायाचरीकेत्रप्रश्चेयायाईर्डिं,र्जा गृहुअ:इअ:५न८:५ग:तनर:न:ळेव:र्येते:ञ्जू॥ थे:वेश्वारों द्वारीय:चदि:स्वार्य:चतुर्वार्य:सर्वा रन विंश गर्वे र श्चेव त्रा नर्व प्यान है। श्चितां वर्षाः विद्याः स्ट्रां *'*धुग्'ग्पश्'नर्डब्'अर्5्र-र्-र-र्थर-इ-र्खेर्-रुब्।। यार्थात्राचर्स्नेर चर्षः सर्दुर विवायः द्वाः तः तसेवा। याल्य.त्र.म.इट.एर्सेज.की.श्रूय्याक्षप्रप्रा र्नुगार्क्षरकान्य,यंत्रायक्ष्यायप्त,ह्यूयाःक्षे,यय्या ৻৴য়৴৻য়ৣ৾য়ৢ৾য়৸য়য়য়ৢঢ়৻ড়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য় इ अर्केग म् श्रुग क्रु र मे पुग्र र उद परेन। . सेर.कृयो.लंर.ज.क्रॅ्र.पिश्रद्य.यस्त्रेर.खुर.केला रिक्रीयाक्षे प्राप्त क्षेत्र क पर्वत्रप्तपुर्वा से 'तृ' सु' तहे वृ' त्रिक्य से स्वार्थ प्रा

र्वेवार्याये द्वार्याय स्वार्याया होता होता है व ब्रिन्त्यन्ब्रीयायदे नयर ह्यान्यामान्यम् सुन्। हःकरः विवा विवा सं स्यान्तुः सेरः हा। श्चर रगाः श्चें र ह्यें य वार्यर वते दय केवा हरा। र्द्रशतर्द्धराधेर्यश्राज्यसम्बद्धराविष्यक्ष्र्र् <u> ভি</u>দ্দেম মধ্যম দেও দেও প্রাক্রি প্রান্থী ক্রিদ্দেশ দেও দি <u> र्यतः चे वाधुता स्वरः वी चति । व्या देव क्रुवा।</u> <u>इ.चीर.सय.ग्रिश.चेथ.तपुरीक्रीश्रश्चीत्रश्चीतिश्व</u> म् अर्केन् मुर द्यर यो धी निर्नेन् या उत्।। मु:वि:खेर्याय:ग्री:बेर:वर:बी। इल.र्जेथ.धेंग.र्थ्य.योचर.ज.यविंश.त.र्टर.।। <u>ॡर्चर तु:५२:अ:५१:मुर:अ:५ेदे:र्क्चेग्रथा।</u> য়ৢॱয়৾৾ঀয়৽ঀ৾৾৽য়য়৾ৢঀ৾৻ড়৽য়৸ द्वरः अर्देवा चःदेवा चेरः क्रेवः अरु रः द्वरः खेवाया। ૡૢૻ૽ૹ૽ૺૡ૽ૺઌ૽ૼ૽૽ૼ૱ૻૹ૽૽ૺઽૹૢૹ૱ઌ૽૽ૼ૱ૹ૽ૺ૱ ৻য়য়৻য়৻য়য়ৼ৻য়য়৻য়য়ৢঀ৻য়৻য়৻৻৻ঢ়৻য়ৢ৾য়৻য়য়৻৻ गुन्दन्यातकर प्रतित्वसास्रापतः सर्हित् दुः तत्तुया। बो'ह्यू द रु, 'धीर्था श्रुद वार्ति र विग्युर्था परि हर्षा। हिर दिहें व सूर्या व ग्री व रही व स्वार्थ र स्वेर श्री व श

र्थाःगीयःक्रुषायाः तपुः रक्किंगः विज्ञः हेवाः हैः रूपा। क्षुन पति रेगा वहें व इत्य वर्डे र खें व पन्य प्र नुःर्स्चेनःकुन्परानरुषाःगुदाखुनःविनःक्केन्यः॥ ब्दःगिर्देबक्षेत्रःवर्द्धेवैःत्रेग्रथःगुद्धःविःचःद्दः॥ क्वें नर्शेन् 'न्यया वर्डें र प्ये क्षेत्र प्यें व 'मृब क्रुत्रा पिराया विशेषा रेचर सेंदे सुर् सुर सुर मिराया सी साम क्रेंबर्र्अया स्टर्स्या पर्वंबर्सेया यी यानेद्रा। यर:र्:र्यर:केव:यज्ञते:यगात:ब्रेंर्:के॥ न्सू इत्यत्वें राजन्यायी न्यायवें यापती। <u>ॱॾॣॱॿॖॕॎ</u>॔ॸॱॺॱॻऻऄॳॱढ़ॻॱॸॖॱढ़ॺ॔ॱॿऀॸॱॺॣ॔ॸॺऻ। <u>ছি</u>দ্'মম'মহ্ল'বৰদ্'মন্ত্ৰ'ক্ত'মক্ৰিলাস্থ্ৰন্যা <u> इज्ञान्त्र्रम् नियाः क्ष्याः स्व</u>राय ह्म धीर र्खेन नी दुरुष अ सुवार ने धी। बक्रियाक्षेट वी कु अरु साम दिन स्वेगा मुन'नमून'स्र-'द्र-'हेंग्रथ'यदे'नद्ग'केट्'के॥ नन्द्रम् मुन्यस्य सुर्यास्त्रम् तद्र्यापदे सूर्या। याक्रेव्राधुरात्रयोदावदेः क्रेंवयास्यास्त्रीत्। यानुस्यार्वेगायदेवाद्याःश्रीयायकेषाविका

याः निश्वितः स्वरं निश्वाः स्वरं निश्वाः स्वरं निश्वाः स्वरं स्वर

क्ष्रां ब्राया दिन्द्री क्षेर क्ष्रां मुक्षा व्याप्त क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां क्ष्रां क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां क्ष्रां क्ष्रां व्याप्त क्ष्रां क्ष्रां

इर से विते सर्के रते यु नगर भेर नवित कर तनेन

युन के वाया स्वाप्त स

वर्षिर-दुःर-१८५६ भ्रुष्ठ-१८५८ स्वाप्त । वर्षिर-दुःर-१८५६ भ्रुष्ठ-१८५८ स्वाप्त । वर्षिर-दुःर-१८५६ स्वाप्त । वर्षिर-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५ स्वाप्त । वर्ष-१८५८ स्वाप्त । वर्ष-१८५ स्वाप्त ।

त्त्रं त्राक्ति क्षेत्रं व्यवस्थान्त्रं त्रा बुर पह्या परे केंद्र से बर द्वरासायते सहिता। वर्देन्धेव्यक्रेन्ड्रीवर्देवार्वेदार्धेद्राप्त्राप्त्रा श्चेन्-न्न-वि-नते-अर्चेन्-नेन्याय-प्रेन्य-प्र-तन्य।। **য়ৢ**য়ৼৢ৾য়ৼৢ৽য়ড়ৢৢৢৢঢ়৻ঀৼ৽য়ৣ৻৽ঢ়ৢঢ়৽৸ঀ৽ঢ়ৼ॥ বার্ব-সের-ছন:শ্রীপান্মর্মনের-ছমামর্ক্রবানা। ৳ৼ৻ঀ৾৾ৼৢঀ৾৾৽ড়য়ৢয়৸৻ৼৼ৻য়ৢয়৻য়ৢৼয়৻ড়৾৻৸ য়৾য়ৼয়য়ৼয়৾য়য়৾য়ৼয়ৼয়য়য়ড় अकूर्या.यारीश.झ.यारीश.बूर.रहे.याध्रेर.यरया.यत्रर.।। चगावःवाहेरःक्षेत्रःसुदःखुत्यःरेत्रःवाद्येःचन्वाःचत्रदः॥ ष्ट्रिन्यर:तुर:क्रुॅंट:ग्लुंक्रंज्वे:ख्र्व:स्रा यात्र्याः भू तिर्दर पठवाया वस्राय उर् पवरा ॥ य्युः श्रेषाः वार्के लिटः य्युः सर्वेत्यः नर्सरः नः न्दः॥ प्रीं.लूरं.प्र्यं.पचीश.पचीश.पर्वियोश.धु.वीर.ऐ॥ ह्याः हुः सद्यानदेवै द्रययाया देवान द्रदा।

ত্রন:ক্রন:ঝ্রম্ম:শ্রী:দিন:বেইর:নদ্রন:মম:প্রা ষ্ট্র্র ঠ'বাশন নর নর নর ন্যার্থ ই ই ভর।। कु्य नदे न्नर र्चे यज्ञ अय इ स्था বশাব দ্বাশ বার্ত্তবা দ্ব বর্ত্ত হবা বরি অঅ বাঝ অশা। यायेवाना सेर्परान्सात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या श्री वद् वें र तुरी गहिर की क्षे छिलाला। त्यु वायर वर्देन मु वर्दे चते चु कर कुरा रे'चदे'दब्रुष'तु'चग|८'चदे'घर्ट्वेदे'ळॅद्य।| व्यायार मुन्या येन्यते स्वेत्रायया स्वान्या। नर्रकेर्द्रन्त्रायः चलित्रे वर्षे स्थानी स्थानि स्थानि हिन्। भूत्यः<u>स्व</u> स्क्रीटः योः गाः स्त्रुटः प्रवेदः प्रदेशः प्रदेशाः ট্রিদ্'লেঅ'ক্ল'ন'দ্শাম'র্ঘনি'দ্গী'অর্কর'ন্ডী। त्र्रुं अ बेर खूर पा ग्रायर प्रया हु गुर्ने रिया। શું. અદ્યુવ, યાંત્રાંતા ત્યાં આ ક્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યાં જો ત્યાં ક્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યાં ત્યા য়ৢঀ৴৸ড়ৼ৵ৠৢয়ৢৢৢয়ৢয়য়৾য়৸ৼৼ৸ र्रे अक्टरः क्रुव न्यायाया र्यो नितरे ना नव मीया ૡૢઌॱ૽ૢૄઽૡૢ:ૡ૽ૺ૾ૹ૽ૺૄઽ૽ઽ૽ઽ૽૽ૼઽઌ૽ૢ૽ઽ૱૱૽૽ૼઽૣૢૢૢૢૢૢ ছিন্দেম দেববা কথা মুখা খেরুখ খেরুম দেকম ক্রী।। क्रें नर्शेर् प्यर क्री ज्ञु सुर तसेया विर कुरा। <u> ५न८:ब८:बु८:हुते:५५०:धेंब:४न:हु:५४॥</u>

याल्यः स्वर्ध्वायात्र्यः व्यक्तः स्वर्ध्वाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्वः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः

র্বমার্স্রর্শনর্ভ্রান্যর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরাষ্ট্রর্ভরার্ভরাষ্ট্রর্ভরার্ভরাষ্ট্রর্ভরার বিশ্বর্ভরাষ্ট্রর্ভরার বিশ্বর্ভরার্ভর্বর্ভরার বিশ্বর্ভরার বিশ্বর্ভরার বিশ্বর্ভরার বিশ্বর্ভরার বিশ্বর বিশ্বর্ভর বিশ্বর্ভর বিশ্বর্ভর বিশ্বর্ভর বিশ্বর বিশ্বর্ভর বিশ্বর বি

ह्माधीर्द्राचे त्रिया श्रुवा यी प्रश्रम या श्रीय पर्दे द स्वीत कर प्रयेग

गान्नाःक्षेंरःक्षेत्रःक्ष्रुयःत्र्यःयःग्रुयःन्धेन्यःयया। ॴढ़ॻऻॻऻॱ**ऄज़ॱऄॣॸॱॷॱॠॕॻऻॴ**ॱॸॣॴॻय़ॖॱढ़ख़ॣ॔ॴऻ क्ष्र्वःच्यानः नदे केवाना स्थान्या स्थान रच'तव्युक्षरा'र्ग्भीय'दिर्वर'दिर'दिर'दिर'द्र्य'सर'चग्रा। ૹ૽૽ઃઌ૽ૺઌૢઌૻઌૡૢૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૹ૽ૺ૾૽ઽૢઽ૱ૹૻઌ૽૱૱ઌૺઌ૽ૼઌ૽ૺ૱૱૱ૢૺૺૺૺૺૺ ळें'५८'ग्यायर'५'तर्देश'नदे'ट्रमीदे'ग्रेडी। गिरुल:र्गार:वर्चे:चडर:लक्ष:क्रें:हे:क्रें:खे॥ বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্বব ছিদ্দেম্পাদ্ধান্তর প্রমার্ট্রির র্ক্তরাশ্রী বিদ্যা ভ্ৰন বাঝন শ্বীন ইনি নমূব ম'ন্ম নম ক্ৰিন্থা। श्चिरःसर्दर्दानगरःध्वीत्रशः वेदिराद्याः भ्रात्री। 'तर्विर:५८'चडरू'म'स'स्रुर्य'दर्भर वार्षवायाम्बुवाया। রূত্র বৃহত্ত কুলা স্ট ক্রুপ শ্রী। रेव'केव'न्ड्य'ग्री'सु'यावर'र्से च्रट केर।। यालर.रयार.जीय.ज.उत्त्वी.यपु.र्स्याय.क्री.जी यात्ररायन्याः भ्रायाकृतः यार्वेनः श्चीतायस्य विक्री। ब्रिं-श्रीः सूत्राः सूत्रः द्वार्केषायाः चारयाः यो नः ग्रा

रेश'तवात'रव'अहेंश'ज्ञु'व्य'न्गार'र्येते'अ८्टशा বর্হ্বরান্ত্রিব:বর্ত্ত্বর্ণারমমাবাম্যুরা-র্মার্থ্যবাদ্যান্তর বা र्षे क्रुन् न्यय वित्र ज्ञा के गर्थे वर छेन्। रेश'वगव'स्युट्ट'न्सर'च'न्द्र'स्यायव'त्य'वर्ड्डी। र्शेर.प्रकृतिमारे.सूरा.पिषातायीवीयातीर क्रियायसूर्या सःर्रायन्त्राः स्रेते वायुष्यायस्य स्तुत्रान्यः स्तुर्।। रेशव्यादःश्रुः स्याधान्यः श्रुः वायवः स्राप्तः ।। ૽ૺૼ૱૾ઌ૽ૼઽ૽ૼ૱૽૽ૢૼ૱ૡૢૼઌ<u>ૻ</u>૽૽૽ૢ૽ૺૡઌૢૻ૱ઌ૽ૺૺઌ श्चीन् बिते सुब र्क्कवाया यायन नु त्वावाया होन् छेन ॥ म्रदानविःधुग्रयाश्चीः रानःश्चेत्यानरः होद्या हिन्दर्स्य स्वर्भित्यः स्वर्भान्याम्य विश्वराया। अन्रः श्री: विक्रं स्वाति । यह स्वाति यह स्वाति । यह E:कर:क्रुेंअय:सुर:क्रुंब:वॉर्हेंच:स्मृदे:र्क्टवाया। श्री बद्दावयायायतः सर्हेद्रात्तीः श्रीवाद्दायत्या। यायुः हेवा-भुवायायुवाहा हुन्। न्यायुवाहा वायुः हिना वायुः विवायायुवाहा वायुः वायुः वायुः वायुः वायुः वायुः वायु श्चु यापरा ने र्रें में यार्केन पाय र रेग्या। गर्भेर:५५,वायर्केर:५५:यम्५:५१:वेयःहैं॥ ૡૢ:ઐઽ૽ૺૡ૽ૼૻૹૢૻૹ૾ૺઽૢૡ૽૽ૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹ૾ૢ૾ઌૻૹ૽૽૾ૼૢૢૢૺૺૺ श्चरं,शुर.ज्ञे.पुर्वा.क्षेत्रं श्चेलाञ्चर श्वरः श्वरा

ব5্-ইনৈক্রন'বার্বন'র্নাধ্র-ভূমি'ব্রব্ব'ন্যা ' નુસર'ર્ધેલે'એ'ભ'સ્ક્રુદ્રસ'નલે'નુન્'ર્સ્ટ્રેક્સું કોંગ્રેસા ড়ৢॱয়ৢৼৢৼয়৾৾র্রঝ'ৼৼ৾৽ঢ়ৼ৾য়ৢ৸ৼয়ৼ৾ৠয়৽য়য়ৼ৽৻৻ অ:ইবা:বের্ঝ:ঘম:র্বর:ঘর:বার্বর:দ্ঘদ:বীশা। *`* श्वीयात्रयातात्रेयायते.यात्र्यस्य स्थायाः स्थायाः स्थाया *ख़ॖॱॿ*ॣॱॸॱॸग़ॸॱय़॔ॺॱॸॖॺॱग़ॖढ़ॱह॥ ત્વભાએન ૠુઁન વર્ષસ્થિત ભશ્ચાયા ગાયેલ વિગા ষ্ট্রব'র্ক্ট'ব্দথা ক্রব'বার্বব্রমরী ক্র'স্যা। मञ्चःद्रवार्धरःब्रिबायतेःध्रवाःक्वतेःवार॥ श्चु र्वेर त्रुर्या पदि द्व क्षेत्र क्षेत्र द्वेर्य हो। **बी'तर्द्दार्हे'हेदी'र्द्र्यायाग्राक्ष्यपराबहेर्गा** শ্বুব'মঠিব'রেএই ম'নব্ব'ডবা'নেবিম'নডম'শ্রী। बर्गिर्वित्वे वित्रे के र्मया दिस्यान कुषा য়ৄৼয়ৢঀৼঢ়ৼড়ঀৢয়৽য়৾য়৽য়য়ৢয়ৼয়ড়৾ৼ৽য়য়ৢঀ इस'नदिरे'सेद'लयासार्चन्यासार्ध्य स्त्रुन्स् क्यायस्त्रप्रायुराद्रा दिवायायदे यद्याके दक्षे। নপ্রদেশ স্থ্রীন নম স্থ্রীম নম ক্রিম শ্রী স্থ্রী র্বিমর্ঝ্যমৃধ্যমশ্রী মর্ছদ্ শেষ্যমন্ত্র রেধিমানরী। ફ્રૅન:ન્રૅવિય:નુસ:ગાુર્વ:અ:વાબેબ:એબ:ર્સે:ન્રેીઆ यः रवर्षः श्रेवाः श्रेतः र्द्धेतः दश्चतः स्थेतः हेते। युवा।

यर्त्रःश्चित्रः द्याः यंत्रः यद्वः य्याः विशः वृत्या। स्याश्चित्रः यद्वः यायतः यायतः याः विशः वृत्या। स्याश्चित्रः यद्वः यायतः यदः स्थः द्वं द्वः या। सर्वे रः वः यावे त्यसः ग्रेशः याश्चसः द्वः या। सर्वे रः वः यावे त्यसः ग्रेशः याश्चसः द्वः या। सर्वे रः वः यावे त्यसः ग्रेशः याश्चसः द्वः या। सर्वे रः वः यावे त्यसः ग्रेशः याश्चसः द्वः या। सर्वे रः वे यावे त्यसः स्वः यदे त्याः विशः विवा। सर्वे रः वे यावे त्यसः स्वः यदे त्याः विशः विवा। सर्वे रः स्वः यावे त्यसः स्वः यदे त्याः विशः विवा।

खुर में हिर के बृर्खेग्र राष्ट्री याथे राष्ट्री खाने राय है । वर्दे द रायुद र वें रायुद र

चै। अनुत्रः अविरः तहरा रेट्न चेरः विशायिषा यदे न्त्या।
अन्तः त्रीतः चेरा विश्वायः विश्वयः विश्व

यालेर हिंयाय रचा खेते याई चे हिर द्या स्या। शे⁻श्चुग'रुर'गें।केंस्रश्यसेंश'पबर'यह्ंस'बया। द्र-द्रग्र-रखायायार्थेखालेटावधीराययायहेत्। रेश'तवात'तर्वेर'वासुस्र'त्वा'रत्य'स्नेत्'त्य'र्घवा। अर्टर.रेशर.र्थवीय.तत्र.रेची.जूबी.एवीश.तर.चुरी। *ૡૢ*ॱਗ਼ૢ૱૱૱ૺૺૺ૱૿ઌૢ૱ૹ૱ઌ૽૽ૼ૱૱૱ देर वर्देर इत्य वर्जें र चर्वा वी वाद्य वर्देर वालेवाया। বার্হ-সেপ্র-বান্ব-মে-নেক্সি-মন্-নের্বাম-ম্-বার্কমে। વાગુર-શ્રુુઅન્ય વાબા સ્ટ્રુેઅન્ય દ રુદ સુદ શ્રુન સર્જે દા न्नर रेति खुल नु बुर यते तरेन खेन सू। बग से द के शायस्य इस द्या पर्द के हैं हैं हैं। नर्केन्ञुम्बद्धाः इसार्केषाः अर्केन् पदिः श्रीवा। न्वायः चलिते : धोः वेशः हेवाशः धरा ह्याशः न्यः नङ्गानः ॥ ष्टिर्-सर-वाद्य-विवा-तावव-र्गार-च-त्य-र्श्वाका। स्रु:र्क्ववाया:स्रुव:वीट:स्रो:र्ह्वा:वाउंट:स्रवी:स्र्या। '५८४-र्सेते'से'प्य'नश्चेग्राश्चरिः पुर्'यते'श्चेत्रा। ন্ত্র;স্কু:বৃহঝ:ঝর্র:ক্রন:গ্রীঝ:ব্রর;ব্রুঝ:ধ্য। हिरादद्देव स्वाय कुषा श्रुर श्रेया पश्चुर पाणी। इस्रासर हरायी तर्हेर पर्याहित इस्राय पर्या *৻*৶ৢয়ৢৼ৾৽য়ৡ৾৾৾৾৾য়ৼ৾য়৾ৼয়৾৽য়ৢৼৼঢ়য়য়৽য়ৢ৾য়৽য়ৢয়৻৻

सर्वेत्य ब्वेद र्गेष य सूर्या य श्री के या दर ॥ र्वा बुर् वर्षर अदे ख़ु कर दें क्रुव क्रुश ग्यतः द्वा से त्रें र देश सु न्यू नर न्यी। *ૡ૾ૺૹ*ઃગાું૱ૹ૾૽ઃઽઐવાઅઃલૅઽ઼વાઅભઃફ્રેંદઃયલેઃઽદઃ॥ *न्*याः अक्रयः याञ्चनः त्रदेवः अर्ज्ञवः याः येन्द्रः विः नति।। यात्रतः त्रुपः त्रुपः प्रापः चर्तः स्रुप्तयः अन्ररूषा श्रायचलाम्यान्तुत्वर्षायाश्चराद्येन् इस्रयानयनः॥ ब्दःगर्देवःविःचतैःद्याःस्रःतविदःद्रः पठरु॥ <u> न्यार वासुक्ष करर चील स्रुक्ष पते पुरायक पत्र पा</u> য়ৢ৾৾৻ঀয়ৢ৾৾৴য়ৢ৾৾য়৻৸৻৻ৼ৾য়ৢ৾৻৸ৼ৻৻ঢ়য়৾ৼ৾৻ঀঽয়৾ঀ ८४.४४.श्रैष.कॅ.क्यूग्रा.सप्ट.६४.ग्रिश.४४८.।। न्नरःसर्द्रान्नरःगीःन्जाःस्रुःस्वार्धरःमरःन्वरुगा क्रै'चकुन्तव्यु'अर'चश्चेग्रायपते'तृन्ययाचयर'॥ ॱक़॔ॸॱॻऻढ़ॕ॔ॸॱॸ॒ॻऻॱय़॔ढ़ॎऀॱॸऺॼॱक़ॗॱॸऺय़ऀॸॱॸॸॱॻड़ॴ। इन्।क्रुअयानायेदान्हिराययानयदावेदायर्केद्रा। क्रॅब'ळें'चर्ड्य'ख़्ब'द्रेग्य'प्य'गुब'तर्तुल'द्रर'॥ यर रुष्वारा तकर कुल र्से वर्षेर स्वा। য়'য়'৸য়ৢ৾৾৻ঽয়৾য়য়য়য়৸য়য়৸য়য়৸য়৸ ই'য়ৢয়'য়য়য়'য়য়ৢ৾য়'য়'য়৾য়য়'য়ৢয়'য়ৠ दर्ग विर सूर क्रेंच गर्रेर र्शेवाय सेय के छीय।

श्चेन् विदे धु नायन केंग्र वेंन ना हेन ही यहैंना। ૱ૡૢ૱ૡૢૼ૱ઌ૽૽૱૱ૢ૱<u>ઌ૱૱</u>૱૱૱૱૱ ष्टिरं.तर.त्तर.बच.भरं.वैंटःह्वांश.त.कुंद्रां यक्ष्रद्रायाश्चीद्रायदेश्च्रास्तुःस्तर्वाकायाद्रदरा। नसूत्रवदेंत्वत्यरानहत्नसूत्रवायदें नायी। <u> र्वा'तर् त्वुर'र्थ'श्रेर'गे'ख्र्ग'सर'र्वेर्रा</u>। অর্বিমর্ফর্মশ্রবাশ্যধর দর্বী ব্যক্ষর বিশ্ব ૡુક ૠ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼ૱ઌ૽૽ૺઌૺઌૣ૱ઌ૽ૣ૱૱૱૱૱૱ 'বর্ল্র`'র্মম'শ্যুর'নর্র বার্ন্রিদ'রেন'র ক্রা त्वे द्रप्रे स्वे व्यवस्त्र स्वाचायाः विषा **इ**'ग्रासुक्ष'सूर'र्'स्युर'स्यते'च्चेत्र'क्स्रचर्यासद्या। नक्षुं यो न न ने न परि क्षेत्र मान पर पर्वे वा मान पर परि । यरे खेवाब स्टूर य र्गार रेंदि यग्न विषा ग्रीका। श्चे त्व्याः ह्वा हुः शुद्रः चत्वे च्याः वैशः विवा

क्ष्यप्रतर्ध्याया देते क्षेचा चु बिया यो दिस हैं या षा के वा यहा क्षाया न वा स्वाप्त क्षाया है । क्षाया वा स्व

নাৰ্থ নাই বি আছু মনি প্ৰীম না

<u> रच.एचेश्रश्रःक्रील.भीष.उर्देश.नायु.क्ष</u>ी.यांचीश.अक्ट्यी ૡૹ૾૽ૹૺઽૢૢ૽ૼૢ૽ૼૡૢૠ૿ૢૢઌૹ૾ૢ૽ૹ૾ૹ૾૽ૹૡ૽૽ૼૡ૾ૺૹ૿ૢૢઌૹૢૢૢૢ श.जेंश.विश्वश्व.योजीश.यज्ञी.यपु.योश्चेयो.यो.क्रीया। र्मयात्वरमञ्जूषार्धेषार्वोत्तरम् ग्रन्थः स्वायाः श्रीत्रायते सुव्या हुनः विनः।। इस्रासर दें सर्वर प्राया श्रीका सहेका परि हिंद्या। गर्उर घर अड्र र चरि क्रुर र्क्य लेखा। न्वो सर्वत्र हो नया वाह्य तर्देर सूया ग्राम नर्ष्याया धिन र्दिन श्रुव र्वेन्स स्तुव र्वेदि न्वाद र्वता या। र्धुग्राराग्री:रे.स्राराच्याः प्राप्तान्याः स्थान ત્યુગ્ગ અલુક અન્ત કરા કું અ મતે સું કે તે કે ફોં सबयःचलेदेःके:न्युदेःर्क्वायःग्रीयःयनुन्धाःचलेत्। र्यात्वयः शुं शुर्म् यदे सुं सुं स्वर्षे स्वर्ष द्रम्यानर्थयःहरानुमात्रव्युवायते स्रोक्ति स्रा स्त्र र्ह्मण्याः स्रे स्रोते त्ये र नते से बन् नस्त्रा विदेश्यात्राक्षेत्र्यं में दिराज्ञात्रमात्रमा

रादिंदार्थेर पास्थ्रिय दगार ह्वा हो उद्या বাৰ্ষ'ন্ব্বা'ন্ব্ৰ'ন্যাম'ৰ্য্ৰ'ৰ্নন্তি'ম'নএন'ৰ্ম্বামা। न्तुः क्रेंग पर्व पेति या धुयः ही तन्तु राग नहेन्। देशःग्रायरः व्रेगः पदे स्टें क्रियः गर्देरः स्टायदे॥ ઌૺૺૺૺૺઽૢઌૺ.ૠ૾ઌ.ઌૺૹૺૹ઼૾૾ૢૼઌૺૹ.ઌઌૢૢૢૢઌ૽૽ૢ૽ૢૻૢઌઌઌૺૹૹ૽૱ૢૺૹ૽ૺૺૺૺૺ क्रियःदबःसःश्चेराःवर्देशराःचवःशक्रिवःद्येःद्या N'ग्विते'न्धुन्'ग्रीश'र्ने सर्कर'र्र्, गुन्'ग्रीन য়ৢয়য়য়য়য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়য়ৢয়য় દ્રેય.જી.જાદજા.જીજા.ક્ષેત્રા.સ.સ.સ.સ.સ્ટ્રાસ્ वैःर्रेर्ज्ञ्बराष्ट्रीयःश्चीर्यास्त्र्वर्यापदेशा सेर ग्रेस सर्व प्रते रे में हिर रे तस्त्राया ૽૽ૼઌૹ૿૽ૢ૾ૹઌ૽ૢૼઽૢઌ૽ઽ૽ૺૹ૽ૼૼૼૼૼૼઌઌ૽ૢૺૼૹૹ૾ૺ૱ઌૻૠૢૺ रर:बुर:र्रे:धै:र्गर:तुर:बुव:धवे:ह्वाया। सर्देन सुसासीया यी नर्द्र द्विर नत्या या नदी। नर्सिन् वस्रकान्त्रमुः धीका नर्सुव पति स्नुतानर देश *धुः*भूरःक्रूर्पत्रसुर्विरःभूरः द्वाप्यदेः विरः॥ यायर प्रास्त्र यासुस्र त्रीति द्रीय प्रविस् स्त्री। ल्रियां क्रियां अप्ताहें वा अप्ताहें विश्व अप्ताहें विश्व अप्ताहें विश्व अप्ताहें विश्व अप्ताहें विश्व अप्ताहें 'বৰবাৰা'ক্টৰ্'ৰ্মঅৰ্ম'ন্ঘৰ'ক্কুৰ্'মী'ৰকন্'ঘনী'বাৰ্মা श्चरः ह्यें रुषः ररः यः दगारः येते वित्राध्यरुषः या।

বাৰনে শ্ৰিদ্ৰেই শ্ৰেক শ্ৰীক জেনক শ্ৰুদ্ৰ দেৱা। इ.च्.स्ट.पर्वेव।स्रुपःयपुः भ्रभः चर्षवाःस्टा। इस्राम्पोरसासुरामीसासीमिहानिरायहिन्। *५*अ'यब'८५'य५'यङ्गे'नदे'ग्|५४'रु'। श्राप्यत्रायान्यत्यान्यत्रायान्यत्रात्राच्यान्त्राच्यान्त्रा योष्ट्रायोषिष्यः स्याज्ञीयः द्वे श्रितः सार्था स्राप्ति स्वा ब्रॅग्व्यग्रुव क्रियन्द्र प्रयाचगुर वर दिया। <u>ॡॱॺॸॱॡॱॵॱॸॖॹॖॴऄॖॱक़ॗॱॸॖॸॸॱॸॸॱ।।</u> कुः अभ्यः द्येः नविषाः क्येः क्षेत्रः द्येनः नविषा। প্রবিশ্ব:জুবার:নধু:এপ্র্বা:ছীর:ह্রবার:জুর:নধু।। इट.जियाबार्जूटबायट्टर.ब्रीट.शहर.केशबाश.बीरा। ल्रा म्रियाया श्वाप्त स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार ने'यहेंब'न्यप्न'र्नः क्रुच'यते'न्व्याकेन्रक्षा त्रवेंर तें ग्रुअ क्वी अहर त्य रा से ग्रेंप प्रति। र्ना. ५२ व. के. क्रूबाया ह्या. है. क्या खेरा ह्या युत्रायदिराद्यीपादुःदरायाः सुर्धाः त्युर्धा ब्रद्राचेद्रादेशकायाञ्चवाकात्रज्ञेद्राचित्रव्यञ्च वहुकाहे॥ गुब्रग्युद्र'द्रस'र्केष'र्श्वेद्र'यशह्रग्'वर्के'वरि॥ র্নির বান্ট্র মান্ত্রর ব্রাবা দেশম গ্রীকা ক্রিকা গ্রীক স্ট্রবা चग्राः विषाद्याया चर्ने त्येवाषा ग्रावः क्री वाली।

মর্ক্রবা'বাধ্যুম'ঝুর'নর বিশ্বর্রামান্ত্রর'নর বিশ্বর্রানর বিশ্বর্রানর বিশ্বর্রানর বিশ্বর্রানর বিশ্বর্বানর বিশ্বর্বান বিশ্বর্বান বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বান বিশ্বর্বান বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বান বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বান বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর বিশ্বর্বাধ্বর

উপাদ্দান ক্রির্মান্ত্র ক্রিন্ত্র ক্রিন্ত্র ক্রিন্ত্র ক্রিন্ত্র ক্রিন্তর ক

গ্রব্যানস্ট্রন্ নিমের্ক্স স্ক্রী মার্লিমান্ত্রান।

*चुर्-द्रादह्याशचिर्-रत्याचदिः*र्वेर-द्वयाशक्रा। <u> ५नुसःसुःसेरःधेरःदग्रसःग्रीःक्</u>रेलासाया। ૽ૢ૽ૺૠૻઌૢ૽ૺ૱ૢૺૡૢૻ૽ૼૹ૽૽ૺૡ૽ૺૹૻ૽ઌ<u>ૢ૽ઌ૽ૻ૱૱</u>ૢ૽ૺૠૻઌ૽૽ૺૺૺૺૺૺ याता. ब्रुट्टि. पत्र. खेट । प्रथम १३ अया द्वाय वा यः श्चनः श्चीः नगुदिः नर्शनः वयगः विनः नुः हो। धुःसूरःधेर्प्वतेष्ठातर्देर्त्वहेंगहराधीःरी। बरासूराग्युः वेर्गिर्धानि विदायस्य है।। ग्रम्य प्राप्त क्षेत्र त्यो क्षा क्षु स्वरि स्वर्दे ।। र्षे.तीय.कै.जग्र.पस्यीम.नपु.धुट.प्रथम.यर्घयोग्री। यायमान्यः इतारः भूतः श्रेतः श्रेतः स्वी ग्येंब्रव्द्वर्यस्क्षेर्यस्थित्र्यस्थित्र न्येलान्द्रप्याप्तर्विषायित्रास्त्रिम् अति दे वे स्त्री। বাধ্ব:জুব:বাধ্ব:বাধুব:দুধ:র্ষুব:দেশ র্কুব:দা য়ৄৼৼ৾য়ৣয়ৼ৾য়৻ঀ৽ঢ়৻ঢ়য়৻৸য়৻ঀৢয়ঀ बर के द्यु पति या कें पर्ये द कुया पर हो दा। 'ञ्च'याय'द्यद'रेथ'ययथ'यासुय'थेद'यगुवा'ईद'।। यात्रसः सञ्ज्ञात्रास्य द्वा दिते त्यसः त्या विद्या नेरके ज्ञुन पर्दु स्ट्रिके के दिन द्वार खेला। *ॱ*ख़ॢॖॖॖॖॖॖॺॱॻॖॖॺऻॱॸऀढ़ॆॱॺॸॱॸॿॸॱॸऒ॔ॸॖॱऒॾॕॴय़ॸऻ।

*बि'चते'हेर'तद्देव'क्ष'गधें'*रर'गेशप्रसेया। थीर र्देर नगायेनका क्रुं नदे रे र्ज्जाका ररा। चग्रःक्षेराङ्गदःक्षुद्रःदिन्द्रःच्ये । इत्त्रं वार्यः द्या तर्चन्नः क्षेत्रः वयान्यः श्रीः क्षेत्रः वः स्वी। विराधियात्रेश्चरायात्रः स्वायः याज्ञेत्रा ૡૣ૽ૼ૱ૹૼઌૡ૽ૼૹૹઽઌૣ૽ૼૺઌૢૹઌૡ૽ૺૹૡ૽ૺૼ૱૱ૢૺૺૺૻ र्मार्गरम्भरम्भः देवे वित्राध्यानक्ष्यः प्रवेश्यगुत्य। 'বছদ'য়ৢৢয়'ጟ'ঢ়ঌ৸য়ৢৢ৾য়'ঢ়ঢ়৾৻য়ळॅয়'য়ৄয়ৢঢ়ঢ়ঢ়ৢয়॥ *૽૽ૢઽ*૽૪ૻૹ૽ૻ૽૽ૢ૾ઽૢૻ૾૽ઽ૽૽ૄ૿ૹ૽૽૽૽ૢ૽ૹ૽૽૾૽ઽઽૻૹ૾ૢૢઽૹૢૢૺ ૡૹ૾૽ૹ૽ૺઽૹૢૣૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૡ૽ઌ૿ઽ૽ઌઽૢઽૢૹ૽૾ઌ૾ૺઌૹૢઽ૽ૢઽઽૡૣૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢ अ'नर्डेश'न्नग'२४'ख्नु'त्रे'सूर'नह्नुव'नगा।। **१ भिग** र में ज्ञान माज विकास 'বধবাঝ'ঝর্র'বারঝ'ঝর্রুবা'ঝর্র্ছর'র্ন্র্রাঝ'রবা'৸র্র'র্ল্বের'। न्यायरात्रिक्षः स्टः क्षेत्रं नुदः नीः स्तूदः मह्नुदाया। *इ*ॱग्रमुखः दुः ५८: सु८: सदे: हीदः देर्दः दिवा। क्चिट-श्रेब-अ-हेट-अहेल-पत्र-चार्यायाय-द्याय-तर्वेश। **भ**र्नेट.क्रूज.क्री.क्रॅंट.घर.पत्त्र्योग्य.ज.सुट्या। শ্র'নদ্দর'বারম'ম'কবাম'ম'র'বুম'ন্রর'বার্নিম।। गुर्भार त्रिहें वासर चरि चर्ग चेति स्नुति तर् तर्मा અર્દેન સુઅલ્વનુર-દુઃદું દ્ર-યતે દેં અઢર છીશા

भूवाः<u>भ्</u>वाःभेषाःवाः ५षाः पदेः चर्तः भ्रेष्टेषा। त्युंवार्क्षर्द्देवात्व्रवायरायदे येथाः स्मूर्वासर्वेगा ब्रॅ.चब्याञ्चेन:५वा:चक्रुेन:र्ह्चव्यःयव्यःस्य:रहः॥ त्वुर रायस्य द्रस्य स्वेर हेर त्ये द्रव सुवाय ग्रीय हो।। तर्वोत्यः नदेः न्नुस्यः दर्ने : स्नुत्यः सुर्वे : व्युत्या। र्डेन्'यब'अवीब'नबर'गिनेर'की'ख़'र्खे'या। यात्रकायदे यात्रेर र यात्र र यात्र दे हिये हा। र्ति र्ने देवा स्वाया विद्यापा स्वादि । শ্লুঝ'ন'নাৰ্ব ইম্ম'অৰ্ক্তর্ম'ম্ম'উহ্ম'ম্যু'নৰ্মীদ্যা টি2.নर.र्के.उर्वैर.ह्यीश.ष्ट्रेथ.वर्षैंट.तपु.सूजा। क्कीर विवा क्कीर विति चक्रुव या रवा दर चित्र। यदेवाञ्चेवाञ्चेवायम्यानगाराधितः दराष्ट्री सर्दुत्। ষ্ট্র-মনমাস্ক্রী-র্বিরি'মাগ্রমোমের ক্রির'ন্ড'নর্গান।। धीः द्रया ग्राय र प्रति खुः सर्के ग्रागी त्या प्रया। श्रेःभैवायः कें प्येः वादुः नश्रुवायः न् नः सुवा। यार्देरयायद्वते सेर ठवः म्रार्था सेर्पा यात्रयादिरार्ह्येत्रायदेश्याः विषाद्योग्यया सर्वा। ૡ૾ૺૺ૱ૹૢૣઌૺઌ.क़ૢૼ.ઌૡૢ૽ઌૢૢઌ૽૱ઌૹ૱ૡઌ.ૹ૾૾ૺૺૺૺૺૺૺૺઌૺૺૺૺ ৼ৾য়৾৾য়ড়৾৵৻৸য়৾৾য়ৣ৾৾ঢ়য়ৣ৾৾৻৾য়ৼ৻ৼ৻ৼয়য়ড়ৄ৾য়৸৻৻ বर्-ञ्चेर-रमयः ग्रेन्ड्र-रनयः र्स्चेत्रवरागुद्राह्यत।।

यग्रा विषान्त्रा स्रवाश श्रेर विषेत्रा श्रुर रेगा

डेश्रायतर त्वर दें राज्ञवाक्त्या कें या दें राजी व्यवस्थी में राज्ञ के राज्ञ राज्ञ के राज्ञ राज

গ্যব্ঝ ইন্ন নম্ব নমুমা

है। दें अर्कर हिरेते न्या नेश हो खेर हर है। विट स्वाक खेर खेर खेर हो के हिर खेर के लिया के लि

बेशयतर में र मी महरू न में र र में या अर में श्री र र में

ষ্ট্রঃ দ্বদক্তির মহ্ল দ্বল র্মির দ্বলার স্ক্রিদক্তী। <u> ची'नर्ठद'केद'र्भे'ट्रें हे'न्ज्</u>राद्र्हेंस्यास्त्या श्चार्या प्रस्ताति । स्त्री स्त्राचित्र स्त्री स द्याःर्रदे:श्रुवःगासुसःस्टःस्याःद्याःतःग्रीवेगारा। ૽૽૽ૢ૱ૹૺૹૹ૽૱૱ૡ૱૱૱૱૱૱૱ यदिवा.सपु.ध.भूरका.देर.झूब.धवा.क्रम.पसुना। ग्रेष्व क्री:ब्रग्रू प्राप्त स्वर में अर्चा कें त्र केंद्र ।।। अनुवावराधी'न्सराह्मणाणी'रत्याख्वाकुणा ग्रान्'व'चु'न्यर'खुग्रां'ग्री'यकु'ठव'खेन'।। हेशक्ष्विद्यरक्ष्यां क्ष्यां क्षया क्ष ক্রিঅ'অ'র্য্রর্'র্বার্ম'র্ব্র্রার্র্রার্র্রার্বার্বা न्तरक्रीःह्र्राचर्वर्श्वरायर्क्यायक्त्रात्धेःद्वरेश्व न्तरार्ध्विषात्रार्देरार्द्धेषात्राः पठंदाहे सुप्ताः श्रुद्धा। , सु: चन्। नर्डवः केन्। खुर: रदे: नाववः नर्डवः नरः।। ह्या धी प्रस्तर में हु धी प्रो प्रस्ने द सेवारा।

ઌૹૹ૽ૺૡ૽ૼ૱ૣૣૢ૽ૼૼઌઌ૽૽ઽ੶ઌૢ૱ઌૡ૽ૺૹ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૣૹૢૢૢૢ :aा:सुरु:दर्विर:५८:चठरु:ध:वाद्युर:दर्दर:वाद्येवारु॥ বার্বন মনি বার্থন স্ক্রীমক ছে কন বনুন স্করি ধুন।। ञ्चर-विरासे र्हेगाय इस स्तरि रुद्दाय द्वा ૡૢ:ઐઽ૽ૺ૽ૡ૾૽ૼૼૺૺૼૼૼૼઌૢ૽૽ૢૼ૱ૢઌ૱ઌ૽૽ૢ૽૽ૡ૽૽ૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૽ૼૼૡૼૢૻૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૼ यार्करायेरायदे पर्देशाय में यार्थिया में स्थान *૽*ૢ૱ૐૼૼૼૼૼૺઌૄ૽૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૻ૽ઌ૱ઌ૱૱૱૱૱૱ શ્રાં ૩૮.૪૧૪૮ કે કે ૧૧૧૧૧૧૫૬૮ મુક્તિ તે જે ૧૧૫ न्त्रक्ष्यक्षात्र्यम् नर्त्रः क्षेष्ट्रस्य च्रवः पदि॥ नू भैर गोर्हेर के ब द्वा र्ये दे खुब दर ह्या। रमृति लुद्दासर द्वर रेति से हेंगा गीरा। ૽૽ૄ૽ૺૢ૽ઽૣૻૢૢૼ૱ઌૡ૽૽ૼ૱ઌ૱ઌ૽૽૽ૢ૽ઌૡ૽૽ૺઌ૽૽૽૽ૺ૱ૢઌઌ૽૽૽૽ૢ૽ૺૢૢૺૺૺૢૣૢૺ 'বইবাঝ'কুন'বঠৰ'ব্ৰবা'ৱনম'ম'ন্মম'মনী'স্কুম|| <u> </u> इअ'न्ट्रेन्'न्ठंब्'अन्य-न्ना-क्षेट्रेंड्ब्य'अहेंर्ग्। अर्दर:न्अर:न:न्द्र:न्<u>च</u>:ख्रेद्र:नायन:र्बे:क्द्रा। <u>ॡॱॿॖॎॕॸ॔ॱज़ॺॕ॔ॸॱॸक़ऀॱॸॣॴऄॕॴॱॸॖॆॺॱॸॖॱॡड़॔ॴॴ</u> र्पतः क्षेर विवा वीयः सुरा पति सी सर्वे न বার্থম-রের-বৃহত্য-অত্ম-বার্থ্যজ্ম-বি:শ্রুবা-বী:শ্পুহ-॥

रैव'ळेब'र्क्क्रेंब'त्युदे'चडुद'बळेंबा'त्नु'हेब'ळेर॥ सं'यर्वाय'तुर'तुर'तिर्वर'निते'नेव'नितेर्वा बर्केनाकेव्योम्नदःश्चीदःतुदेखेंद<u>ःश्चा</u>द्दः॥ <u> ५चीर सिवा क्षिया सपु सी स्रिश हिर एत्रेर स्रा</u> য়য়৾ঀ৸য়ৣ৾ঀ৽৸য়৻য়ৣ৴৽ঢ়৻ৼৢ৾ঢ়য়৻ৼ৻৸য়ৢ৾য়৻৻ इल लर्जेर स्वाय तकर पर्वा वी र्जेवाय ल र्जेबा ब्रेंब-दुब-दवर-क्रेब-देव-वर्त-दुर-ब्रिंद-दु। ব্রিনা'নেপ্র্র-'মর্ক্র'ব্রিঝ'মন্ট'-ব্রম'মর্ক্রঝ'-পূন'।। বম:ব্যজেক্ত্র:মূ:র্মির:ক্মীব:ক্রির:ব্যা क्केंन'न्धेंब'यज्ञ'गु'रश'न्य'ळेंव|'नञ्चव|य।। वः अर्द्धे ५ 'तुष्यः से 'त्रवर 'स्वा' से 'केर।। याहेर.क्रेब्र.के.ब्र.च्याच्याच्य.स्य.याक्रेर.च्यर.याहरा। षर वृत्य पर्टे केर क्षेत्र वा राष्ट्र वा की सम् यज्ञति'सीर'गीरा'सुर'सर'नक्षेत्र'यते'खु। ' નુવર'અદ્દર'નુવર'નુર'ક્વ'યેંત્રે'અદ્યુ:જુભ'ક્રમા यायोलास्यायविदेश्यमागुन्सुरादसूना क्ट्रॅंट केंब क्ट्रुं या यो लेख रेंल चति वार ॥ शुःषुवायायदेःक्षेत्राक्षियाः स्वर्यायाः वर्षेत्रयाः पदेः तस्या। इत्र्रात्यायदेखूराकर्त्रात्राख्या

র্ভমানবদ্ধের র্ব্রান্তর র্ব্রান্তর র্ব্রান্তর রাজ্য এই প্রান্তর রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য রাজ্য প্রান্তর নাম ক্রান্তর বিশ্বর বিশ্

বাষ্ড্র, বাধ্যু শ্লীপ্রপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষ্ণীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপর, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপ্র, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষাপ্র, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষাপ্র, বর্ষীপর, বর্ষাপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষীপর, বর্ষ্পীপর, বর্ষীপর, বর্ষ্পীপর, বর্ষীপর, বর্ষ্পীপর, বর্ষীপর, বর্ষ

क्षेत्रायतर कृषात्रादेव पार्वर कृषा गुः रुक्वे पह्र क्रियात्र के प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र के प्राप्त के प्राप्त भूत्रा प्रवाद देवा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र गुः रुक्ते प्रवाद क्षेत्र के प्रवाद क्षेत्र के प्रवाद क्षेत्र के प्र

ब्रेश्ययतर स्थाय देवा तहिव या वेंद्र स्था गुः रुक्ते वहव की देंद्र हिंगाय केव यह स्था प्रवर देवा की

गर्भरःक्षुेस्रयः नर्भयः यः धेनः नत्ने वः नत्नः क्षेत्रः सर्केनः क्षेत्रा

र्दः प्राप्ता प्राप्ता हैं। यासेर स्रोध्यस वर्षा प्राप्त सेन्य प्राप्त स्रोध स्रोध प्राप्त स्रोध स्रोध प्राप्त स्रोध स्रो

श्रीयाद्यात्रात्ये त्राचित्र्यात्रात्ये व्याप्त्र व्याप

वर्चे वर्षा श्वा राहेते रेला या ले विते हुन **ल.रशक्रीर.र्ज्ञ.यधु.ल.जे.क्र्यूयेश.जा**। ग्रेयर क्रुरेयय गर्दर यदि यद्भेर प्राप्त र प्रमुख प्रमुख য়ৢয়৾ঀৢয়য়৾ঀৢয়৾ঀৢয়ৢঀয়য়য়৾য়য়য়য়য়ৼঀৢ মুর্ক্তবাঝাবার্বাঝারক্তর থেকার্বর ঐকাশ্রী। বার্ম'বাধ্যুম'ব্দর'র্ন মাদর'রের্ন্রীর'র্ক্তবা্ম'নভম'মা। योश्ररम्भेष्टेश्वरायोद्धरः श्रद्धः श्रद्धरः त्रायः प्रशा इस्राम्बदिःस्रेदायसारम्युमायदेःम्रेर्गम्युमार्स्कृत्य। ह्रियान्य क्रेब्र श्लेट खेवा चस्रुव सदि चगाद खुट के।। ॔ॴऒ॔॔ज़ॱॴॿय़ॱक़ॕ॔ॸॱॸॣॴॶॺॱऄऻ योश्रेरःश्चेत्रयायार्वरः यद्ये यार्केर्यः यद्ये त्रव्यायया। यायर केंद्र प्रसूद या द्रा लेट क्रियायर सर्हेंद्रा। - दुर्भ गुरु तद्वय अंद त्वें वा चत्रे चगाय सुद अर्के वा। **য়ৢয়ৢয়য়ৢ৾য়য়য়ৢ৸ঀয়য়৾ৼৼয়ঌ৾ৼঢ়ৄয়৸** योश्रेरःश्चेश्रेश्वरायार्वरः यदिः यक्तेरः यः दर्दः दर्दाताः प्रशा नह्रव निर्धित के निषद निर्धित व्यक्ष निष्ठ निर्देश निष्ठ निष्ठ गर्वेन क्वेन केंद्र नगर में निर्मर नक्षाया। गुर्भरः स्रुवेययः गुर्दरः यदिः यर्दे र यः दर्दे र तत्त्वः पर्या। <u> द्याःगर्देबःद्यःश्वेदेःदळेः यः ध्रेः अरः र्ह्नेग्या।</u>

यद्यु:केंद्र'श्रेंवा'वी'चन्वा'र्ये'ये'न्द्र'र। यर्द्धरमुक्त क्रिक्ट के से हें हे नियं कर है वे ज्या योश्रम्भुभन्याचित्रस्यत्रस्यक्रित्रस्य स्ति स्तित्वर् देवायात्र्वासुं र्वेते थेन् येययात्रहेन पर सहिता यिष्यःस्याःश्चिताःक्षेत्रःश्चित्रःस्यःस्याःस्याःस्या। वी'वर्डद'केद'र्ये'र्स्'हे'द्वा'वर्हेसरा'त्या योगुर सुरेशकायोब्द स्थापुर अपूर्य महित्य प्राप्त स्था न्चाःश्रेवाःश्चरःनुःविर्दर्भतेःश्चेत्रःवयःवर्द्दि।। **बूर**:ब्रीर:५वर:बूर:वो:बर:५वा:ख़दी:कुव।। <u> ५५० पहुराषु बुलेर अक्तूर हरे छूर।</u> योश्रम्भुभन्याविदःसद्धःसर्भ्रम् । র্রুবাপ্র,দেপ্র, ইপ্র, ফ্রীপ্র, ইন, রাবাপ্র, ন, স্ট্রিকা। युवासु स्र केव र्सेवार श्रूका ५८ सेवा। भ्रातित्र्रात्र्याम् निष्ठान्त्रा योगुर क्षेत्रेशकायोब्द अपुर अपूर्य अपूर्य स्था *अव्याधन: अन् कर्ने न्युते न्देशः स्वाधनः क्रिया। <u>इ.लु.इ.कैज.र्र्स्</u>ट्र.यसुब<u>्र</u>ह्या.८८.॥ *૱*:૮ૹ:વાવજ:વ૮વા:ત્ર્રૂઝ:વી:વાલી:તા-જીના:જામ ग्रोर ह्रोअय ग्रंद अदि अर्के द्या वदि वतुष प्रया [य:अर्वे[द:वोर्दर:वे[वाय:अ:याध्येय:अय:कें:वीया]

स्वः क्ष्यं व्यान्तः व्यान्यः क्ष्यं व्यान्त्रः व्यान्तः व्

अधरत्यतः श्रीर कुर र्द्रेष त्या या श्रीता अति कुष त्ये विकास के राम स्थान स्यान स्थान स्य

মর্ক্র্র নম্বুঝ নেধ্রর থে মার্ক্র্র্যা বেবাম নের্বামা

ষ্ট্ৰঃ শ্লু'নত্ব'ক্তব'ৰ্য্যশ্ৰেষ্য'ৰ্য্যক্ষিম'নত্ৰ'ন্ত্ৰ্যুদ্ধা। শ্লু'শ্লু'বাঙ্গৰ'নত্ব'নত্ৰ্য'ৰ্য্যৰ্য'ন্ত্ৰিম'নতৰ্য'ন্যা। অৰ্ক্তিব'নষ্ট্ৰিব'অনন'বাৰ্থিম'ন্ত্ৰ্য'ন্ত্ৰ'নত্ন্য'ক্ষমা।

ययःचलेते तस्वेत् यया या स्वापा सुर प्रसूपया।

क्ष्यायते नयर वार्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वयाया स्वयाया स्वया स्वयाया स्वया स्व

বাদিম'নব্বা'বার্ঝথ'নমুঝ'ব্র্রিঝ'ন্ত্র্বান্তম'নেনিন্ম।

द्वः ग्रुवः श्वनः देवः द्वः द्वः न्यः व्याः व्य

३. प्रकृतालकार्यीय क्षांच्याकाकीय क्षीय प्रकृत प्रकृत विश्व क्षांचा विश्व क्षांचा विश्व क्षांचा विश्व क्षांचा विश्व क्षांचा क्षांच्य क्षांचा विश्व क्षा क्षांचा विश्व क्ष

डेबार्ह्स्याबाळेदायायज्ञतिःश्चीराउदार्देवार्वे॥

र्वेतु:न्सर:क्न्'चङ्गुत्य:सेवा:वर्देव:र्कर:वार्वेन्।

ইবাঝ'ঘরি'অৎ'ই'বার্বি,'ষ্ট্রীর'র্ষ্টর্,'র্মম।। র্ইম'ন'স্ক্র'নব্রর'রের্বিম'ন্-নেরঝ'র্মঝ'শ্রীঝ।। শ্লীন'ষ্টবা'বাওর'র্বিরি'নশ্লর'ম'শ্রবাঝ'শ্রু-'লীন'।। श्रीः श्रेटः के श्रिष्टे प्रदे प्रदे प्रदेश स्त्रीं स्ति स्त्रीं स्त्री

र्भु सेट र्क्स मृत्र द्वारा

য়ড়য়৵ড়৾ঢ়৾ড়৾য়ৢয়৽য়ৢৼ৽য়৽ঽয়৾ৼড়য়৸য়য়য়ড়য়য়ড়য়য়ড়য়

यद्वीक्षायदि न्या नंदि स्वाका स्वाका

डेबार्क्सम्बृदिःव्यार्क्सम्बन्धम्यायीः पर्वेदार्भेदानुः सर्वस्ययास्याः द्वाराष्ट्रीया।

বাយ্:পূর্-স্ক্র-জ্র-জ্বান্তর-র্ম-শ্রুবা-স্কৃর-বার্মনে-ন্যুর্ম-শ্রর-অম-র্মুবা-নেবামা

द्वैं द्वैः न्यात्रह्वं प्रज्ञत्ये स्विष्ट्रियाः स्विष्ट्रियः स्विष्यः स्विष्ट्रियः स्विष्ट्रियः स्विष्ट्रियः स्विष्ट्रियः स्विष्ट्रि

ह्र्यायाक्ष्य ने व्याप्त में या या क्षेत्र स्वाच्य के विष्य क्षेत्र स्वाच्य स्वाच्य स्वाच्य स्वाच्य स्वाच्य स्व

ॲं निर्भेग्य रासु कुर हैग અદ્યિત્યાં કુંચાના કુંચ শ্বীদ্র দের শ্বীদ্র কার্যান্তর কার্ত্বির কার্য ૡૢ૽ૼૼૼૼૺૺૺઌ૽૽ૺ૾ૡૢૼ૱ૹ૽ૼૼઌૼૺ૽ૡ૬૱ઽૣઌઌૺ૽ૣૢૢૢૢૢૼ૽ઌ૽૽૽ૺ૾ૺઌ૽ૺૺૺૺૺૺ नन्याधीन् नृत्रायदे आयतः या स्रेतः यर अहिन्।। थेन्'वर्षेग्'न्य'नु'र'थे'क्रुन्'सर'सू॥ क्षेत्रत्य प्रमुन्ते विदेश्या न्यान्य । न्ज्र राज्य ह्या निर्देश स्थित स्थापी निर्देश । বিবিধিয়েশীর মধীকের কিন্তু মার্কু মার্কির প্রতী दगार ग्रायाय ग्राम्य की देश देश अधार देश निर्देश । ৢ৴য়৻ঢ়য়৸৻ড়ঢ়৻য়ৣ৾৽য়ৣয়ৢ৸ঢ়য়ৼ৻য়ৢ৾য়ৢ৸৻ঢ়৻ঢ়ৼ৻ঢ়ঢ়ঢ়ৢ৻ ग्रन्थःरेते वेंट्र्यालेशायह्या ह्योरापर स्ट्रेरायहेश। য়৾৾ॱक़ॕॣ॔য়ॱॸॣॺॊॱॸॱख़ॱৼঢ়য়ॱॺॖॕय़ॱॸॿॸॱॺॊॺ॥ <u>ढ़्</u>यः केंबा प्राप्त विश्व प्राप्त के विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष यान्त्रत्येयायात्रतुत्र्यादेत्र्यादेशाहरःगीयात्रश्च्या। 'तुर्अ'गुब्,'दवो'चदे'क्र्य,'ब्रम्,'ख्,'खळ्ब,'वाबर्या।

ক্ত:প্ৰত্য:প্ৰবান্তপ্ৰত:বৃ:ত্বন্ত্ৰ:ত:ধ্ৰুবাতা। বুঅন্ত্ৰ:বি:বাদ্য:ত:ধ্ৰুন্ত্ৰ:ব্ৰহ্ম:ব্ৰহ:ব্ৰহ্ম।। ধ্ৰুবাত্ম:ক্ত্ৰ:ব্ৰু:অন্ত্ৰ:ব্ৰহ্ম:ব্ৰহ:ক্ৰুহ:ব্ৰাহা।। ক্ট্ৰান্ত্ৰ:ক্ষ্ম:ব্ৰহ্ম:বৰ্ত্তন্ত্ৰ:ক্ৰুন্ত্ৰা।

देःषदःवर्श्वयःख्र्वःग्वद्यःग्रीः रःवःदग्वरःध्यःषं द्यःस्यः स्युःवङ्ग्वरः वदेः वेदः केदः र्येते बिरावस्य तर्दर। सेते येत सूर द्वर से द द वर्षे वायर होत पते અદેશૡૄ૽ૼઽૹ[੶]ઽઽ[੶]ૹૢૢ૾ૹ[੶]ઌૢઌ૾ૺ૽ઌઽૢ૽૽ૢ૽ઽૄ૽ઌ૿૽ૹઌ૾૽૽ઌ૱ૹૻઌૹૢૣૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ઌ૽૽૾૱૱૽ૢૢ૽ૢ૾ૢ૽ઽ ૹૼૹ*૾*ૐૹૻૻઽઌૢૻ૾ઌ૽૾ૹૻઌ૽૽ઽ૽ઌ૽૱ૢ૾ૺૹૢૹૻ૽૽ૢૺ૱ૡૢૹ૽૽૾૽ઽઌૹૻૹૼૢ૱૱ૹૢૼઽૹૹ૾ૢૺઽૻૺૺૺ देर'ग्रव्यायदे'दर्शे'च'र्से'सॅ'इस्यय'ग्राट'रट'चविव'ग्रीय'कुट्'द्रट'च ૹ૽ૺૺૹૄૢ૽ૺૼૢૼઌ૱ૹૣઌઌ૽ૺઽઌ૽ૼઽઌૹૄ૽ૢૼઽૢૹ૽ૺઌ૽૽ૢૼ૱૱ૹૄઌઌ૽ૼૹૹઌૹૢ૱ૡ૱ૹ૽૽ૺૹૼઌૹૣ ৾য়৺য়য়য়য়ড়য়ড়য়য়ৢৠয়ৢয়ড়৾য়য়ৼয়ৼয়ৢয়য়য়৾ৼড়৾৾য়ৢৼড়৾য়ৼ৾য়ঀঢ়য়ড়য়য়ৢঢ়য়<u>ৢ</u>য়ৼৢঢ়ৼ यःशुर्याग्रामः त्वादः पर्वेदः ययः द्यादः यः विवाः स्त्रे। देः यद्यः वे व्यवः हुः व्यवः हुः व्यवः हुः व्यवः हुः দেম৵:য়ৢৼ:ঽৢয়ৢ৽য়৾৽৻ঽয়ৢ৾৾য়ৣ৽য়৻৽য়৾৽য়ৢৼ৽য়ৢ৽য়৻য়৽য়ৼ৽য়ঢ়ঢ়য়৸য়৽য়৽য়ৢঢ়৽য়য় ছী'শুদ'ম'রী র্ন'স্টি'ম'দ্বদ'য়ৣয়'দ্বাদি'য়দ'র্কর'রীআর্রিঅ'র্ন্ই'ই'বাখ্ড্দ'র্দ্ इत्यः श्चीः वार्षेवः श्चिंवायः शुः कवायः त्या सुः वः भ्वेवः वहेष्टः श्चीः वार्यः देः वाह्वः कवायः ૪૽ૺૹ૽ૼઽઌૢઽૹ૾ૣૼ૱૽ૄ૽ઽૢ૽૽૽ૢઽૹૻૻ૱ઌઽૹ૽૽ૼ૱૽ૢૢઌૢૻ૽ઌ૽૽૽૽ૢ૾ૢૢૢૢૢૢ૱ૡૢ૱ૹઽઽૢઌઽઌૣ૱ શુઃઅદેઅઃરેઅઃશ્રેઅઃઅઃત્દ:અ&્દઅઃબેદ·I અભિતઃભે·ગર્ભેઃવતેઃશ્રેૄે ૱દ્વારાશેઃ स्ट.स्.र्या.योश.योट्या.र्याप्र.क्वी.सर्यीज.त.यम्भिय.तयाक्रया.सर्ट्या.योक्या.योका. *चार्श्रभःसः* अर्धे चा्रुअः के 'ञ्चदे 'क्कुद्र' कः स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स नव्यायायर प्राप्त भीतायर स्था के बार्ची न्या में से स्था यायाय स्थान स्था मित्री स्था से से स्था से से स्था से स्था से से स्था से से स्था से स

য়য়য়ৢয়ৼৢৢঢ়ৢৢৢয়য়৾৽য়৽য়য়ৢৢঀ৽য়য়৾৽য়য়৽য়য়৽য়ৼয়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়ঢ়ঢ় য়৾ঽ৾ঀ৾৾৻য়ঀ৾৾৴য়৻য়৾য়৻ড়৻য়ৼ৻ৼ৸ৼ*৾*য়৾ৼ৻য়ড়৾ঀ৻য়৻৸ৼ৻৻ৼয়৾ঀয়৻৸৻ৼ৾ৠৢ৾৾৻ श्रेर द्वेर र्तृषु त्व्युवायसायर यात्रा सर्वे पर्वे वर्षे वर ৻ঽয়য়৻ড়৾৾৾ঀ৴ৼ৽য়য়ড়ৣ৽ৼ৾৽য়ৼয়ৼ৽ৼ৾য়৽য়ড়ৢৼ৽য়৽য়ৣ৾য়৽য়৽য়৾য়য়৽য়৽য়য়ৢঀ *বার্জ-*বাবাধ্য জীরান্তর্র বেপ্রীবাদান্দ মৌরেপ্রীনারী কার্ন্তর বাদ্যান্দ্র বা मद्रः पायाः गाद्रः सुवाः स्वतः इस्रायाः यशुरः । त्वाः स्वतः प्रविः प्रविः प्रविः प्रविः प्रविः स्वतः सुवः स्व 'বৰ্ব'ক্ৰবাৰ্ম'ঝুঁ ক্ৰীৰ্ম'কাৰ্পূৰ্বা'স্কই'ট্ৰীৰ্ম'ইমে'নম'নস্তুৰ্'ম্বেৰ্ম'নব্ৰম'নবৰ্ম'ন षाहूर.रे.सेर.र्ज़्रेर्याषाह्यातपुरग्र्राराचार्येत्राचित्राचीयाचित्रवाचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्र বহা লহ,প্ৰষ্ঠ,প্ৰুয়াকা,শ্ৰী,প্ৰুষ,র্জুহকা,প্ৰষ্ঠত,প্ৰীহ,ষহ,ধ্ৰ্য,র্লাকা, र्धुवार्षास्रवरः पर्वापारा है सूरासे विराधी रेंद्रा प्रवित क्षेत्रस्य विरावार्यराप। सुः য়ৄৼয়ৣয়য়ৢৢয়ৢ৽ঀৼয়য়৽য়য়ৼয়৽৻ৼ৽ঀড়ৢৼ৽য়৽য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢ৽য়য়৽য়ৢয়য়য়য়য় শ্যুর স্ট 'ব্লাম'নবা' ধনম' শ্যুক্তু 'নম' শ্লু 'র্ন' ব্লার'নর 'র্ম্বর্ড শ্লু শ্লু হ'বে 'বীম' শ্রুন' দরি' श्चेत्रक्तान् श्चेत्रयाम्बेरम् विद्याले स्वेत्रम् विद्यान्य विद्यान विद्यान्य विद्यान् ब्रॅ.वोर्थानुःरेर्टा श्रेरेत्यम् इवा यम्.रे.वेर्याकासीया रेक्कुलारीबरः केव नडरा तरा मुन परि सहेरा हैं ररा दे। ग्रवस द्वितरा दिर दें से नरा য়ৢ৾ঀৗ৵৻ঀৢ৾৾৻৺য়ৣৼ৻য়৾য়৻য়ৼ৻য়ৼ৻৻ঀৼ৻ৼৢৼ৻য়৵৻য়৾ঢ়য়৻য়৻য়৻৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য় यर.श्रेट.टे.पर्वेट.यो र्हे.ह्य्योबा.टेव्.हेयं.टेट.कंथ.तपु.टु.कुथ.क्रेट्र.क्य.यथा.ह्यं.चट.

देशप्यशके द्वादि रत्यापदे में द्वीश गुरा विद्यास्त्रे द्वाप चुद रे पर्व देशे स्था ৻বাবা,ৠৣ৾৾৻ঀয়ৣ৾৻৸য়ৼ৾৻ঀয়৾য়৸৻৸৵৻য়৻ৼৼ৴৾৾৻ৼ৾ঢ়ৣ৾৻ঽয়ৢ৾৻৸য়ৢ৾৻ৼয়ৢ৾৻৻য়ৢ৾৻৸য়ৢ৾৾ৼ৻য় २८.। ह्यां १८८ अक्षां भाषा स्थान स्थान स्थान की राज्य है । र्रच्चैनर्यासुर्यास्त्रं स्वरं वते रु.वर रु.वेंर वु.वहेवाश यते सु.बु.द र वरुष यश वेंद्र रा सु.वर्भेर व रे व्यानन्यापते दें यदे यदि स्याप्ते र द्याप्ते र न्याप्ते स्याप्ते स्यापते स्याप चर्त्व चर्क्केर् रे,रेजायचच रेर रेवा चर्षेर श्रेजा सम्मिन् सम्मिन चर्षवर्षेत्रःहै। यननःक्र्वराण्याः स्त्रीयायः सुरायवर्षात्राच्याः विष्यान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्त শ্বদ্দেশ্যম শ্রী শ্রুর দ্বা শ্রু শ্রু বর্ষ বার্ষ মদেশ দ্বর দরি শ্রী মাদ্যাম র্ম দেইর লিদ ননন। বাঅঝ'বার্অর'ই)ইইইই'নেন্ট্র-'ন্ন'বাঅন'শ্বন'ন্ন'বাঝ'র্কম'ন্ত্রী' र्हेरमासु। दुरमायाविषानवे सर्हे से के कुर सर में माने दे प्रयापः प्रयापः विष्या स्वापः विष्या विषय विगाविः तुरः चविवः नगारः चः नरः। यरः यः यः वे स्वर्वयः सुरः नस्यः चः वे ग्रायः <u> ५डीमशर् ५५ मि. र्रेग र्रे खुश्राक्षे त्य ५ मि. स्वा स्वे गाुन ग्राम धीन ५ वि स्वा</u> देवाबान्ध्रुः र्ह्याबाग्रीबान्नेदावहः देवावा अर्ह्यः विवाधान्नेदावेदवान्। विवाधान्नेदावेदवान्। विवाधान्ये बे'र्नेप'सू'र्केंप्रथ'र्द्दा देवार्थ'से'याठेप'यदे'र्ह्हेद'वेद'। द्रग्रद'द्रस'ह्रा श्रवाक्तीत्रवात्रात्वितः श्रवात्रात्तीः स्त्रूतः पद्भवतः । स्वितः त्यः त्यः विद्यात्रात्राचा विद्यात्रात्त्रीयः શુઃ અદે અઃરે અઃ અર્જે ઃભઃ ગામભઃ નશઃ કે વઃ અર્જ વઃ શું કરૂ વઃ અર્જ અચઃ વશે દઃ ધઃ ૧૬ પ क्षें क्षं अर्र राष्ट्र राष्ट्रे राष्ट्र खेला च्वा लाके ज्ञिते राष्ट्र चेर राष्ट्र चीया वा च्या वा खीला

<u>ৼৄ৴৻ঀ৾৾ৼৣ৾৾৻য়৾৾৴৻য়৾ৣড়ৢ৾ঀ৾৸৻৸ড়ৣ৸৸ৼ৾৸৻ঀ৾৾ঀ৾৸৻ঀ৾৵৻ঀ৾৵৻ঀ৾৵৻ঀ৾৵৻ঀ৾ৠ৸৻ঀ৾ৼৢ৻ঀ৴৻৸ড়</u>৾৻ वार्श्वरः से 'हें वा 'वीर्थ्यः वा इस्थ्यः खु। इस्यः इस्य য়ঀৼৼ৾য়৸৸ৼয়৾ঀৢয়ৼঢ়ৼয়ৢৼ৾ঀৢয়ৼয়৾য়ৼৼৼৼৼঀ৾ৢয়ঀৣয়য়ৣৼৼৼ৾ৼৼৢৼৢ৾য়ৄ৾ঀৼ৸ नःइस्रमःज्ञःनःनर्भयःनदेःक्त्र्रःग्रीयःनभ्रुयःनर्भगर्यार्थःनःस्त्र-तुःश्चुरःयः५८ः। ୶ୡୖ*ୖ*୲ୡ୕ୄ୵୷୵ଽୢ୕୶୰ୡୖ୳ୢୖଽ୕୶ୡ୕୴ୢୖୠ୕୳ୠୄଽ୕୵ୣ୵ଽୄଌୣ୶୰ୡୖ୵ୖ୶ୖୄୠ୕ୣ୷ୣୢୡୖ୷ୡ୕୷ୠ୷ୢୖ୷୶୷ য়য়৾৻ড়ৢ৾য়৾৻ড়৾য়৻ড়৾য়৻ঽ৾৻য়৾ড়ৣ৻য়ৼ৻ৼয়ৼ৻য়য়৻য়ড়য়৻য়৾য়৻ড়য়৻ড়য়৻ড়য়৻য়য়ৼ৻য়য়৻ अर्चेव'र्धर'गुरु'तर्5ुर'लु'च'५८'अर्द्धरूरु'नेट'। वण्य'र्थी'चेद्ध'सूर्न'सूर्व'दर्चेव' ब्रिय:र्-क्षु:पर्य:द्वेद:पदे:द्वव्यय:र्य:द्वेद:प:द्व:पद्वा क्षुव:क्षेद:पद:व्दा क्षुव:क्षेद:पद:व्यंद:दु: ख्नूर-पु-<u>न</u>्यानायते अनुब-घर-प्यरकार्यर-क्ष्युका-विर-प्यवाना-क्क्यायते सामान्या यकुते रु. धुर क्किं भी द सुं से वार्यर अर्दे वा हि सहे रूप पति भी या देश । अर्थिय प र्दःष्ट्ररःदगारःबेरःक्केंगिर्वाः अधेरः यथः क्टेंग्वदेः बुरः व्याः नवाः व्यदः दुः कुः য়৾ঀ৻য়ড়৻য়ৢ৾৴৻ৼৢয়৾৻৸ড়ৣয়৾য়৾য়য়৻য়ড়য়য়৻য়য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়ৣয়য়৻ *ক্ট্র*ব'র্কর'বম'শ্রীর্বার রেম'র ক্রিন্তর্বার্ক্রর করা ক্রিন্তর করা ক্রিন্তর করা করা করা করা করা করা করা করা করা ক

श्रेराम। <u>रचराची रुषायायां संस्थायात्र</u>मायारामा देवा श्रूप्तरास्यानायाः बे'र्नेग्'वर्ग्याम्कु'य'र्र्। गुर्थर'यर्र्यादिव'य। सुरार्क्षे'ठव'र्र् র্মুঝ-ই'বেঘুঝ-ব'ঝ-র্মবাঝ-ধঝ-ঝ'বালি'বম-ঐ-্-'5'ছ্রিব-উদ'। দ্ম-দ্রীঝ-স্কু' য়ঀ৽ঀ৽ঀঀঀ৽৸৵৽ঀয়৽ঀয়ৼ৽ঀয়৽য়ৢৼয়ৼ৽য়য়৽য়ৣ৽য়ৢয়৽ৼৼ৽য়য়ৢঀ৽৸ঀ৽৽য়য়ঀ৽য়ৢয়৽য়ৢ৽ चगावा अर्ट्या वक्षेत्र ची क्षेत्र ची चुंतर सुर्वा स्थान सुत्र सुत्र सुत्र सुत्र स्था सुत्र सुत्र सुत्र सुत्र सु इस्रयान्त्रेरासर्गानी संस्थानम् नियान्त्र स्वर्षान्त्र स्वर्षान्त्र स्वर्षान्त्र स्वर्षान्त्र स्वर्षान्त्र स्वर अवैर गी द्रयायायर पीर देंद ज्ञु नते द्यार अन्दर्य रग तु ग्राया ग <u>रुषावानवे से के ज्ञान से ग्रथा सरामनषाम्य रे सुरादरुषाद्र्यार श्</u>रीतार्देगा हुः <u>नश्च</u>रः न: ५८:। कुः नें त्विवारा ५गारः ग्रेः स्त्रु नराः सुः तश्चरा बेटः ५ ग्रुः ५वादः क्रॅब.घष४.१२८.वै८.वयालज.चयु.ईया.पैज.क्षा.२.वी४.वार.1 हे.धूर.[±]षा. यर प्रया प्रते : के अंके र की अंके हो । प्रते प्रते अंके अंके स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप য়৵৻ঀ৾৾৾ঀ৾৾ঀ৾৻ঀৣ৸৻ঀৣৼঀ৾৻য়ৢ৾৻য়য়ৢঀ৻য়৾৵৻য়ৢ৾ঀ৻ঢ়৻য়ড়ৣ৻৴৴৻য়ৢ৴৻ঀ৾৻ঀ৾৽য়৵৻ पविष्यात्रात्रात्रत्रेत्त्रव्यात्रवार्त्रत्यात्रत्या देशसूर्वः क्रिंस्ट्रात्येत्रः स्वात्यात्र्यात्रात्रः लर.रेचिर.क्वी.रेनज.लूर्य.चेर.च.चश्य.रेथ.यधुष्टु.पक्वीर.च.योधर.जयार्था. दिरश्रात्रयात्रायायाया याद्ययात्रीयम्बर्धात्रयात्रीत्रायीः इस्रात्यव्यात्रीया શ્રીઽ'યર'ૹ૾ૢૢૺૼ૽ૼૼૺ૽૽ૼઌૹૢૢ૾ૣઌ'ઌ'ઽઽઽઽૢૹ'ઌૡ૿ૺૺ૾ઌૢઌૢૻઌ૱ૢૄૢ૾ઽૢૹ૽ૢ૿૽ઌ૱ઌૹઌૡ૽ૼ૱ઌૡ૽ૺૹ૾ૢૺૹૻ য়ৄ৾ঀ৾৾৻ঀ৻ৢঢ়ৣ৻য়৻য়৻য়৾৻য়৾৵য়য়৻য়য়৻ড়ঀ৻য়য়৻য়য়৻য়য়ৣয়৻য়৾ঀৣয়৻য়৾ঀৣয়৻য়৾ঀ৻ড়ৢঢ়৻ क्री:बो:बॉर-वीबानक्कुर-5,3र-व। वादबा-देर-ध्रीदाय-इबा-क्रीबा-बोबा-बोबा-बोह्य-શ્રૅરશ્ર એન્ પહે ન્વાંત વનેશ્વ મા કૃષ્કેશ પ્રમા કુન્ પહે પાયા હ્યું રશ્વ ને છેન્ ફ્રાન્સ *য়ৢ*৴ॱ**२ॅॱॴ॒ॶ॔ॴॼॖऀॱख़ॖ॔ॴॸॖॱॶॸॱऴ॔ॺॱॴॶॴॼ॓ॴफ़ढ़ऀॱॶढ़ॱॷढ़ॱॼॖऀॴऄॗ॔**ॸॱ *र्*चैन्यः सुर्देर् प्रस्रे। र्च्यासुरः र्वया क्रेवः द्योः स्वरः वर्तुरः स्वेरः द्यान योषमा स्रमातीयः रूटः मुर्जिटमः ट्रायट्यमः एक्ट्राः ट्रायवीयः यायासस्यः स्व क्री.बैर.चर्षेष.पर्यंत्रा.संग्र.र.र्जंष.त्र। र्जंप.य.र.ल्....र.ल्..क्रप.त्र.त्रय.र.जंपर. योरकास्येत्रज्ञीः स्रेट. टी. त्या. दी. प्रकाष्ट्रियाया सूर्याका हू. याष्ट्रया स्थापन क्रॅं भ्रेग'त्र्युत्प'सूर' अद्देश'य। वर'र्स्चेग्रश'न्य' केत्र'ह'र्धे'त्युर'य'न्यार'र्धे' ५८१ तुमः र्स्चित्रात्रात्रात्रां संभिन्नदिः स्पुराया स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स गक्रमः भें बिया विया में हिर गयुर दुर स्या ने किन ग्वान राज्य में लिया गुर नाम में लिया गुर र्यः के. रुषा सायवू. यक्नेरारी कुषा सरायवू. व्यायकी ररायकी र यक्नेरावी नावर्यान्त्वार्वेरानुःनायुत्याक्त्यानेःहारेःङ्गुनाःचेःसर्वेरासर्वेनाःस्वरं वेरानुःस्वरान्याः हैदे र्डिनशर्र रादर्ग श्चुला क्चे ख्वार्गार गान्न से रे रे ख्वार्गार ख़ुले से ૹ૽૱૱૾ૢૺૹ૾ૺૺૺૺૺૹ૽૽૾ૺ૱ૡ૱૱ૺ૱૽૱૱ૹ૽ૢૺ૱ૢ૱ૢ૱૱ૹ૽ૺ૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹ૽૽૱ श्रीदार्सि स्वित्रायद्वत्यायदुर से गाद्यादु गासुर यद दर । स्वित्राया प्रविति से स्वेदा चल्नी प्राप्त में का के वा वा के वा वा के वा वा के वा वा वा वा वा वा षाष्ट्रीं श्रुव्यात्रा भी क्रिया से त्या र्या वाष्ट्रा स्थिया चन्वा वाष्ट्रव से वाव्या विकाय स्वतः चति स्था से ৢয়য়৽ঀয়ৢঀ৽য়ঀঀয়৽ঀৼ৽ড়ৢয়৽য়ৼ৾ড়ৢয়ৢয়৽য়ৢয়৽ঢ়য়ৢ৾ৼ৽ঢ়৾ৼ৽ঢ়৾৾ৼ৽য়৾ৼঢ়য়৽য়৾৽৾য়য় ब्रॅंबायार्ययात्र्यंत्रात्रः देशवार्यः देश्यायाः व्रिंबायः व्रिंबायः व्रिंबायः व्रिंबायः व्रिंबायः व्रिंबायः व તર્તે સુંવા શુંષા સદેશ શેં

नेत्र्याय्यायाः विष्याद्याः विषयाः विषयः वि

श्चेत्रस्याःश्चेयानुदेश्चेः धेयान्तर्गयायाः श्वे॥ येग्रयाक्षेयाङ्कापार्थार्थे दित्र वित्र द्वित्र वित्र द्वित्र वित्र द्वित्र वित्र द्वित्र वित्र द्वित्र वित्र 'বক্সুম'নতথা'নই'ন'ক্সু'নতথা'ঐমে'বাবিবা'নবী। नने के दार्शेर दुरा देव की सहेरा हैं र रा धीवा। **ने ज्ञुते क्षेत्र अंश ग्रायय प्रते अते व्रित**्रा अ:नह्णाःभ्रःतद्वे:तर्ह्यःनःभ्वःयतरःश्<u>रे</u>।। સુઃબદ્યઃફૄેન્સઃહદ્દેઃભુगःयरःનુશ્રदःयःश्रेदा। शःतिहेत्। ग्राम्थः श्रीः श्रेदः प्रशः स्प्रेदः ग्राविय।। বশ্রহ'অমার্ক্রম'ব্যুবস্কুবামাধ্যমাবন্ধ্রুব'মীর্'মরী। र्घर स्रोट र्घः रेग सूर पति ह्ये द र्खा स्रोति । नङ्गुवायायोषार्यदेशम्बराष्ट्ररायराद्वा। स्तान्तुरायान्याः ह्यायते स्तान्या क्षुव्ययिः यः द्वायदिव्ययः हैं वाषा केव्यवी।

ग्रॅन नुर्द्भुक्ष यदि अर्ने विस्रका स्त्रीन नगर श्रीका सः सः सुन्य स्त्रीन स्वर्धा श्रीत प्रदेश सहसार्थेट्सार्री:न्रीयान्। सन्दर्भः क्रियार्था गान्दायान तुर्गायान्त्रीया *ক্সব*ংস'ল্লহ'ক্টৰ'ইম'ম''ৡম''মহমি'মান্ম'। মব্ৰ'ছহ'ইন্ত'বাশ্বহ'মহ' पियुः मिः अष्ट्रः पित्रियः पर्रयः वर्षः स्था स्थितायः प्रवितः स्थितः प्रवितः प याहतः कें राश्चीर यो प्रयोद स्थे केंद्र में प्रेन्डिं क्यारा है। दे प्यर ख्रार केंद्र प्रश्चीर ७स्रयाण्चीयाक्षयानदिः श्रुवितिः वन्योः सूर्यायस्या स्रोतः योदिः यान्त्रः श्रीयासर्वे न्यदे स्रातेः कर। श्रुवःवसूत्रः वेद्रशःदव्यवः द्वावः द्वावः श्रुः वातः श्रुः वात् व्याः स्तिः र्ट्टीयमारुषा क्रि.ब्रिंसामार्यायकी.स्मार्या स्नी.विभमार्सी.यरीयारीकारम्यः बर यो हिंग्राय निवेद ज्ञर दें या सु किया दें के दें से निवेद हो या साद त्र की निवे ५८। हे धे अगुर झु न हु ग सुम ने ५ क्रें ५ न सूद अन हु ग है भ 'ॴ॔ज़ॱॸॖ॔ॴऄॕॖॖऀ॔ॱॱॻढ़ॆॱॾॖॕॱऱ॔ॻड़ॺॱॻॖऀॱक़ॕॖॻॺॱॸॖऀॴॱवॻॖॱढ़<u>ॎऀ</u>ॸॱ। <u>ॸॿ</u>ॸॺॱॸॸॱ বাৰাব্য শ্ৰীব্য ব্য নাম কৰি শ্ৰীব্য শ্ৰীৰ

क्रुंभ'क्की'त्रविर त्यें स्वामा द्वीम'य। यामेर 'न्द्राम क्या स्वाम क्या स्वाम क्या स्वाम क्या स्वाम क्या स्वाम श्रुररूप्यप्रदर्ग याहायद्वियाचाद्रा र्वेराचु खेरवराद्रा वीराया इस्रायरावर्ष्यायायार्स्यायाय्यायाहरूपायराज्ञ्यायवे गार्द्यायया। सर्वा ह्या क्रि वर्षः लुग्नरावा ग्रथायः वेदः क्रेयः क्रेयः दुः वर्षः चर्तः स्यरः स्रेतः वेदः वेदः दूरः क्राः यासुर द्युवास हेत्र द्यी वासेर सद्दस द्यीर सीट्र सीट्र हिर । व्यीय दिवेर द्र *देवै:ॲच्डिद्:तसव्यवस्यः द्रःद्रः*स्थःस्थःयःश्रंष्यश्यःयः त्रःव्याःषीःद्रेशः चलेवःश्रेषाःषीः दनर'र्घर'वि'यय'सेर'वरूर'न'दर'। श्रुेश'दर'श्रुर'नते'नत्ग'र्श्वेश'ग्री'तुर' यःगण्युःतज्ञुगःरेश्वःसुःतिष्ठित्यःचतिःद्वैःचसुरःबिस्यःयःत्रद्वसःबिरः। दगोःततुत्रः यते वियापदें वाक्की गासुर वि पति पत्तु गाङ्का सूत्र राष्ट्रे र पाङ्कव पदे पत्र राक्की प्राम्य पति । ह्रअ'नङ्गुत्य'नदे'नर'अर्द्धअर्थ'शु'र्देव'श्वेय'त्र्द्द् न्त्रीत'ग्ने क्षु'त्त'नठर्थ'य'र्वेश'दिंद्र' नुःश्रॅबःधशःक्षुःर्वेदैःधीनःश्रूनःन्वनःबोनःनुःत्युःरःचदैःन्नःवःद्वेदःविनःननःधदेःश्रुः र्थर मुर्थे न्यर होत्। दे त्यर लिन प्यर सहस्य द मुर्चर प्यर द्वुरा स्रदे हत्। <u>र्जील'र्नु'वासेर'र्न्</u>दुल'लस्य ज्ञुस'यदी'वर'वडर'र्नु क्रूंब'य'द्युव'यदी'र्नर'र्येदी'ङ्गु' नार्धेद'र्नु'सर्केन्। सुर'स्रकुस'धर'नविहरू'य। नार्थर'नाया सु'हेना के'च'सर'र्धेश्र'सर्केर्'म। पिर'चबर'वी'सर्दुर'र्देश'ग्री'गा'च'क'श'वाशेर'त्युवी' विंदः सेदः संयापना दः लेखः द्यापः श्रीः देवः युः दिंदः या। व्यविः सर्वेदः योः सेवाः बुदः বশ্রব্ উদ্শাব্দ বেশ্রিঝ রশ অর্ক্তব্ম শ্বুবশ শ্ব্যব্য শ্রের বর্মির ক্রমণ ব্দ শ্বের

ৼ[ৢ]৽য়৾ঀ৵৽ঀৢ৾ঀ৻৽য়৾ঀ৽য়ৼ৵৻ৼৢ৻য়৽য়ৣ৽ঢ়৾৾য়৾৽ঢ়ৠ৾৾ঀ৻৻৻ঀয়৽য়ৣঀ৸৻য়৻৴ৼ৻ড়৾৾ঀ৻৸৻ঢ়ৢ৻ अर्केन्'स्य'अर'र्धेय'अहेंय'पर'व्यय'य। गर्दर'विर'स्या'अर'ग्येर'वर्य ভব। নের্টিমান্ট স্থানা ক্রমান্ত্র বিষ্ণানির ক্রমান্ত্র প্রকাশী কান স্ক্রীমান। योब्र्-रियर योत्तराश्चर क्रियाय हें है उक्षर क्रेब्र से हैं योद्या क्रेब्र से विश्वर योद्धेश ৻৴ৼ৾৻য়ড়৵৻৸৻ৼ৾ৠৢ৾৻য়ড়ৢ৾৾৾য়৻ৼৼ৾৸৾৾৾য়ৢ৾৵৻য়৾য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়৸য়৻য়য়৻ न्वानत्व्वाराम। वार्डन्। वार्डन्। वार्ष्व्यस्य वार्ष्युः सर्वे स्रोत्या वार्ष्यः वार्षः वार्ष्यः वार्षः वार्ष्यः वार्षः वार्यः वार्षः वार्षः र्ह्र-: ५: तत्वारा प्राप्त स्त्रा त्या के स्वारा के स्व तचुः र चुः कुः कुः तत्र्यः ५८ : नगायः गहिरः चुः क्रें अयः श्रेः विवाः गीः ५ थेः क्रें वायः चतुवायः य। युम्रामर्केषाः बुदः र्कद्रभः द्वदः द्वदः वह्रभः यः द्वः। धीः द्रभः कुदः स्रेः वितः दुषः वीः ॡॱळॅग्र^ॴॖॏॱॺॣॸॱॻक़ॖढ़ॱॻऻऒॸॱॿॖढ़ॱॴॴॾॏॴॴ रेवॱक़॓ढ़ॱॺॣॱॡॱक़ॗॗॸॱॻॖॴॱॸ॓ॱॸ॓ॱ बॅर पर्गोद् पत्रे प्रमात द्र प्रवेदिका पार ब्रोका पत्रे मुस्ट र प्रामी पे कि विश्व का या च्या रे सूर अर्चे या र्यीय की अर्चे र रा के द की र्वे या रा तिर दें र प्रीते द या ५८.२.य.व्हिर्त्राच्छिर्त्या क्रेट्र्यी.ज्याच्याच्छिर्व्ह्याच्छ्रेत्राच्छ्र्याक्ष्या लग्नम्भग्नम् स्थान्त्राच्चा व्याप्ते व्याप्तम् व्यापत्तम् वर्षस्यम् वर्यस्यम् वर्षस्यम् वर्षस्यम्यम् वर्षस्यम् वर्षस्यम् वर्षस्यम् वर्षस्यम् वरस्यम् য়ৢ৾৾ৼ৾৽ঀৗ৾৽ঀয়৽য়ঢ়য়ৼয়য়৽য়য়ৼয়ৢৼ৽য়ৼ৾ঀ৽য়ৼ৾ঀ৽য়য়৽ঢ়ৢৼ৽য়ৢয়৽য়য়৾৽ঀ৾ঢ়য়৽ঢ়ঢ়৾য়ৼ २८। तर्चुवाःश्चैबः५८। तर्देनःतर्चुदःगाध्यकःसुःतर्चियःचःश्वायःचगाःवियः यदैःदैःश्रेश्यास्त्रस्यः न्दान्। स्वान्तेःद्दा ग्रिष्यायःद्दा क्रुत्यःसर्ह्रस्यः য়৾ঀৢয়৻য়য়৻য়ৼৢঀ৾৻য়য়৻য়য়ৢঀ৻য়ৢঀ
য়ঀৢঀ৻য়ঀ৻য়য়৻য়ৼ৻ঀৢ৾৻ড়ৼ৻য়ৢ৾৻য়৾ঀৼৢ৾ঀ৻ঀৢ৾৻ বাল্লপ্ৰমন্ত্ৰীপ্ৰক্ষেত্ৰ নিৰ্দ্ৰপ্ৰকাৰ প্ৰিমানন ক্ৰিম্মান্ত ক্ৰিমান্ত ক্ৰিমান্ত কৰিছে প্ৰাৰ্থ কৰিছে প্ৰ रैगार्यागासुस्रासोस्रास्यार्थाः सुर्गानक्ष्वाचिवास्य नत्तुगार्याः हो। देः त्यस्य ग्राप्टाः स्ट्रीवः ৼ৵৻ঀৗয়ঀ৸৻ঀয়৻ঀড়ঀ৻ড়ঀ৻ড়ঀ৻ড়৾ৼ৻য়ৄ৸ড়৾ৼ৻ড়৸৻ঀ৻৻৸৻ঀ৻৸ৼ৻৻ঀ৸৻য়৻৸ঌ৻ चुन'य'गोबे' द्वेत्र'द्विन्'नु'तस्यास'य'यत्व्यासा याव्यस्य-याधस्यः র্ইঝ'শ্রী'ষ্ট্রব'র্কুব'র'ষ্ট্রব'রের'বিবা'নী'রশ্রীঝ'নের্বিম'শ্রী'রুঝ'র্বর'শ্রীঝ'নার' यदः अहूरः कुषः अभाक्षेत्रः पद्मियाता भियः हूरा हु। योश्याक्रिरः प्रतः क्रीरः अत्रः वीयः নশ্রমান্ত্রীশ্বীনার্যান্তরান্ত্রীপ্রেছ্রনার্শ্বশাধান্তরা প্রত্তরা প্রত্তরা প্রত্তরা প্রত্তরা প্রত্তরা প্রত্তরা ळॅ.चेर्.के.ब्रेंश.तंराज्यवीयात्रराष्ट्रक्र्या लट.ब्र्या.धे.वर्षराक्री.ध्या.रटा ह्यां दरा क्रिया सर्वादरा के सार्वादर दरा दे द्वासाय सेवास मर्यासहर्यापराम्कृत्रहरा। हुंग्यामलिदासद्यापनायाम्याराहीःद्वापनु कॅर-५,५८र-वर-दुर-वीबावर्श्चेर्प्यते स्थान-५८-ज्ञु-वाधेप्यते वाञ्चवाषाण्चेषा नर्भुत्यःनतेः स्टः<u>स्र</u>ाञ्चद्रास्त्रद्रास्त्रद्रम् । स्ट्रिस्यः स ঀ৾৾৽ড়৾ৼ৾৽ৼ৾ৼড়৾য়৽ঀৼ৽য়য়ঀয়৽ড়ৼ৾৽য়ঀড়য়৽য়৽য়৽য়৽য়ৼয়ৼয়ৼ৾ঀ

ल्याकाच्चिकाक्षें, श्वीयायद्वाक्षेंका प्रयाक्ष स्थानित स्थानि ন্যাৎ ন্ত্র্যা বার্মের শ্রী শ্রুব নান্ট্র কার্মির নান্ত্র ব্যক্তির স্থান্তর নান্তর প্রক্রির কার্মির শ্রুব নান্তর প্র বার্মের শ্রী শ্রুব নান্ট্র কার্মির নান্তর কার্মির শ্রুব নান্তর প্রক্রির শ্রুব নান্তর প্রক্রির নান্তর প্রক্রির শ্রুব নান্তর প্রক্রির নান্তর নান্তর নান্তর নান্তর নান্তর প্রক্রির নান্তর নান্তর

यर्थ्यात्मया।यर.क्रुप.ब्रा.यिश्वा.क्रु.र्य.च्री.र्य.क्रु.स्य.श्र.ब्र.र्ययायम्बर्या.च्रीया. योर्वेव:क्किर:गाःनःक्षेर:र्रःकेष:चक्कित:यावि:ब्विंव:ठवा क्षे:ब्रें:चर:प्य:वर:व्र्ः।पर: र्-चूनपा वेंगार्शेन्रेयपाइययासुन्नाया धीन्या यापरादर्वी चडराःग्रीःस्रावरः नरः। हेरःस्रेसराः स्रेरःस्रुपः स्रावरः। कें स्रुपःस्रावरः। रिंधे अर्हेरि विर र्स्स्यास सु सु सु र्स्च विषय त्यारा स्वीत परि सु वहुत वर्षे रिंडी वस श्री तर्दे न श्रम् स्त्रीत्र के स्त्री श्री श्री स्त्री स्त्री निया न मात्र ক্র্ব'ড়ৢ'বেৼ'ৢৢৢৢৢৢয়য়ৼয়৾৾'ৢৢয়ৢয়৸য়য়ৢয়৻ড়ৢ৸ৼৼৢৢৢঢ়ৢয়ৼয়য়য়ড়ৄ৸ ব্বাব'শ্বৰ'শ্ব'বিহ'ব্'ই'অব'শ্বৰ'বাধ্যুম'বডৰা'শ্ৰী'শ্লু'বঙ্কুৰ'ব্হ'। ৰ্থ'ৰ্ন্থিরি' ग्री अर्था श्रुष्य के रेंद्र विद्याय द्राप्त सुद्र र्सेया या वर्षे विद्या वर्षे वर्ये वर्षे वरत बोदः स्वायः प्रदेः द्वादः र्क्तयः र्क्षया व्याप्तः । र्क्षेत्रव्यः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः *५८*। ग्रवितःसवःमञ्जेग्रयःस५८। ग्रयोदासःसर्ग्ग्रयःसुःसूः५८ःसीःधिः *ঽ৾ঀ*৾য়ড়ড়৾য়ৢ৾ড়ৢ৾য়ৢ৾য়৸ড়ড়৸ড়৾ঢ়ড়৾ঢ়ড়ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড়৸ড় শ্বীদ্র'মের্ক্ত্র্র্রমান্ত্র'দ্রানিধা প্রদাস্থানাত্র্যুদ্রমা ন্যার'নক্সিদ্রদ্র र्हे वार्या कुराय। वा पुरावार्ये राष्ट्रीयाय। विदायित्र विराधायाया विवासी भुः र्वतः दर्शेषः तर्देदः गुरुः त्युदः। र्हेषः शेषः देः हेते ग्रयदः त्ययः संग्रयः हेरः पहचीका-शे-दे-, नायु-क्ष्या-क्षे-क्ष्यका-क्षे-क्षे-क्ष्यका-क्षे-क्षे-क्ष्यका-क्षे-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्ष्यका-क्षयका-क्षयका-क्ष्यक

ची-हेंबायाची-क्षेट्रावट-ट्रावायट-विट-ह्र्याय्ययय-व्याहित्वट-श्रेयय-द्याः विट-ह्र्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-विद-ह्याय-

यावनः स्वरंगायमा याने अयो अहं न स्वेति स्वरंगायमा न न स्वरंगायमा स्वरंगायमा

ढ़ॕॖॱॺॖऀ॔ॻऻॴॻॖऀॱॸॕॴॶॱॾॱॸॕॴॼॖऀॱॿॕॴज़ॸॱॸऀॸॱऄ॔ॱॸॸॱऻॎॿॣॸॱॴॴॱ मिर। गुलुर गुरेर वन र्सर मिर नरुष है। दे इसका ग्री द्रीया दु तरस्य ৴*ॱ*क़॓ढ़ॱक़ऀॱक़ॗॴॸॖॻॸॱॸॖज़ॱॺॏॱॿ॓ॺऻॱॻॏॴऒॾॕॴॴॱ॓क़ॕज़ऻॴॹॱ ॺॎॸॱॺॏॱक़ॗॖॖॖॖॻॱऄॖ॔ॺऻॺॱॺॖॱॸॺॏॱढ़ॸॖढ़ॱॼऀॱग़ऻढ़ॱॸॺढ़ॱॸॱॡऀढ़ॱऄॸॱॸॸॱऄॱॸॖॕॺॱॺॏॱऴ॔ख़ॱ য়ৢ৵৻য়৾ৼ৵৻৸ ড়৵৻য়৾৻ৼৢ৸৸৻য়৾৻৻য়ৢ৸ৼ৾৻৵য়ৣ৻ৼৢঀ৻ড়ৢ৾ঢ়৵৻য়ৢ৻৻ৼঀঀ৸৻৸৻ ह्रग्। हु: इ्रशः वेशः रचः क्रीः सः र्रेशः पुः स्वेदः यः तर्हेवः यः पर्हेवः यः पर्हेवः यः पर्वाशः यदेः युवाः क्रीः *য়ৢ*য়ৼৢয়ৢয়৾য়য়৾য়ৢয়৸ৠৣৼয়য়য়ৼয়য়৸৵ৼ৾য়ৼয়ৢয়ৼঀৢ৸৸। য়৾ঀৼয়ৣ৾৽ড়ৄয়ৼ৾৽ অন্থার্মানকন্মান্দা স্কর্মান্দা স্ক্রিমাননী বার্থার্ক্রথার্কর ব্রান্দার্শ্বী विवाः सं सं र खेराय। वालवः यदः श्वनः दवदः क्षेदः क्षुः ददः वाः र क्षेदः क्षुतिः क्षुः [मरा] बि:बिंदे:ख्रामरा] चरुरावरुष:ख्रामरा] गो:बराख्रामरा] বাধ্যমান্ত্রিমান্ত্রান্ত্রিমান্ত্রীনের্বিমান্তর্বান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র वी'चर्गोर्'पदे'ह्यर्'पर'ग्रीस'तसवास'प'ठम्। दे'र्वा'वी'सवत'र्भेर'र्'र्वोत्र'प' ন্ধ্ৰ ব্ৰদ্যবিদ্য ব্ৰু ক্ৰেদ্য শ্ৰীম প্ৰাপ্তবাৰত আম মান বিৰুদ্ধে ক্ৰম ক্ৰম দুন্যা लिट्याप्यस्थात्र स्वाचाया। अवतः स्वाद्याचा स्वाद्याप्यस्य स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्य स्वाका स्वाद्या स्वाद्य स्वाद्या स्वाद्य स्वाद्

 षितः क्षेरः वी वार्ड्ववा अवा विरः दरः केंबा रदी वाबोरः हेंवा त्यः वेंवा यवा वाबोरः देंदः ৸য়৾য়৴৸য়ৣ৾৾৸ঢ়ৢ৾ঢ়ৢ৾৻য়ৼৼয়৻৸য়৾ড়ৢঀ৻৸য়ঀ৻৸৻৸ড়ৢঀ৻ঀ৾য়ৢয়৻৸ঢ়ৢ৾ড়য়৻য়ড়ৢৼয়৻ हे नर्द्ध्य नह्य भद्ध तिर्द्ध्य र्योद्धे अधिय स्वाप्त निष्य भीति अपि स्वाप्त स त्तर्भी विषय स्वरं त्र त्र त्र त्र प्रति स्वरं स्वरं त्र स्वरं स्वरं त्र स्वरं च'वर'वय'क्किय'ध्य'व्यव्याष्ट्र'देवा'धदे देद्र' चेर'द्रव्यय'र्द्,चर्या'घदे खुर हेवाय' म्परः क्षुनः ग्रीः न्पायः कॅपः केषः यें रने छेन। यार्ने । प्रायमः प्रदेशयाये । क्रुवः कः सुः <u> अहं अ महिद्रा या विश्वास्य विषा यय प्राप्त मार्य अप्तार् । स्वीय क्षेत्र प्राप्त</u> श्चिर देवे क्षे द्वित्र श्चे क्षा का का का की विष्ट स्तुता स्वा का की स्तुर स्तु विकास स्तुर स्तु विकास स्तुर चदिः त्रः र्ध्वेषात्रः क्रीः क्रूनः नुः गत्रुनः रचः न्धेः र्क्वेषात्रः क्रीः स्वाद्यात्रः व्याद्यात्रः । केवार्के के सार्व हुट वें रामुदे माहेर सहें दान तुम्सामा दिया सामान के विकास मानिक यश्चार्यते कुर्र् प्रवारमञ्जून । यम्। यर या क्ष्मिय । हे स्वर् म्यू प्रते प्रवास विमा ৻ঀড়৾৾ঀ৴ড়৾য়৽৴ৼ৽ঀৼয়৾য়৽য়৾৻৽য়৾৽য়৽ড়ৼ৽ড়ৢয়য়৽য়ড়৸৻৵৻৽ড়ৢৼ৽য়ড়ৢয়৽৸৸ पर-री-अथेथा.शरी-विक्तिः मिला.तृष्टुः भी वर्षेत्रः सूचित्रः सूचित्रः व्याप्ति वर्ष्यः *৽*৽য়৵ॱৢয়ৢৢৢৢৢ৴৻ৼ৾৽য়ৢ৾৻য়ৼয়ড়ৢঢ়ৢয়ৢয়ৼয়৾য়৽ঢ়ৼ৻য়য়ড়ঢ়৻য়য়ৼঢ় त्राचर्षेययात्र। यश्चितालयाः विराम्नी वेराम्याः श्चीयाः श्चीयाः स्वा ৼৼড়ৣ৻৸য়ৣ৻য়ৼৄ৾৻৸য়য়য়৸৻ৼৼ৻৸য়ঀয়৻৻৻৻৸৻ৼৼড়ৣ৾৻ঀঢ়ৣ৻ড়ৄৼ৶৻য়ৣ৻৸ঌ৻য়ৢঢ় र्कर.ब्रेथ.क्षर्था.क्षी.क्षरात्तर.बर.ता.इ.श्रुष्ट.कैर.वश्चेथ.टे.ब्रुब्य.त। रेवेश.ह्ब्य. शः ह्र्याया कृषः श्रीराष्ट्रिया यी प्रकृतायते स्त्रास्यया क्री तर्मा श्री ही वास्वायता स् বর্বাঝ'ঝ্'বার্থঝ'র্নি'। <u>২</u>ট্ট্রম'র্ন্র-'মুনর'ম্বর্মার্রম'র্বর'র্র্রম'র ম'ন্

৻৻৻৴য়ৣ৾৽ৠৢঢ়৵৽ঀ৾৾ঢ়ৢ৽ঢ়৻৸ঢ়য়৽ঢ়ৢ৾৾৽ঢ়ৢ৾য়৽য়ৼৢ৵৽ঢ়ৼৄঀ৽ঀৼ৽ঢ়ৢয়৽য়৽ঢ়ঢ়ৢঢ়৽৸ सर्वःश्चीःगर्दरःग्रायःश्चीःवरःदरः। देवेःश्चीःर्रायःश्चीःश्चितःग्रायः इसरायरस्य शॅर सर विशक्षे श्रेंद्र प्रदेव प्रते द्वो प्रद्वाप द्वाप वावश यहव दर यश्चय प्राम्व বিদ্যুম ক্রিন্ত ক্রুম ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত বিশ্ব করে বার্কিন ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ৼয়৽য়ড়ৗৼ৽ঀৼৢয়৽য়ড়য়৽ড়ৄয়৽য়৾৽ঽ৾৽য়৾ৼ৽য়য়৾ঀ৽য়য়৾৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়ৢ৽ स्वाः सरः सं चलुवाराः सरः मुरः दुः स्रेतः दे सं से स्वः सः सुरः हुरा है য়য়ৣয়ৢয়য়য়৾য়ৣৢয়ৢঢ়ৢঢ়ৼয়৾য়ৼ৾য়য়য়ৢঢ়ৼৠৣয়য়৾ঢ়য়য়ৢঢ়য়ঢ়ৣয়ৼ৾য়য়য়য়য়য়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ় त्वर च र वा प्वत्वाय विर । व्रेवा पविर के या श्री र अपा वत हेर वा स्था र्शेवार्याः भुःतववाः ५८ हे वः स्रथः ५ वो रः अर्हे ५ : क्रेरः वेवाः गुर्नातुःज्ञःत्रे:५८:। कुलःसर्वर,५८:। त्यवर,५सुर.५८:। ख्रःख्रे:५८:वॅरः नुते द्वानायार्थेवायाययायहेयायरानमुत्राया भ्रीते ग्रुटाय्वरात्रीहायदेवे सुटा দে'বর্'ভর্'রবা'র্ঘরি'র্'অর্চ্জর'বার্অ'ব। ব্ল'हेর'র্ম্থবা'বী'র্মের্ম'র্ম'র্মেনীবাশ'গ্রুবা' ক্রীপ:ক্রু'নের্যুঝ:অন:বৃগান:ব'র্ক্স:বু'বার্কা:র্মা।

য়*৻*৴ৼ৻৸৾৾য়য়ড়ঀয়ৣয়৻য়ৣ৾য়৻য়৻৴ৼ৻য়৾৾ঢ়য়য়৻য়য়৻য়য়ৢঢ়ৢঢ়৸য়য়৾৻ঀৼ৻য়য়৻য়ৄ৻ र्क्षेत्रायाः क्षेत्रात् वर्षेत्रात् रायदेशान्तरा विता वृत्तायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः यःतवादः यदः ववा सेवराः परः कुः वदे चुः वे र्द्धतः अचीवः यः सूरः सूरः बिरः सूराः पतेः क्र्याप्रते सुरावह्यानु व प्वायत नुष्य सुवा वी कुणायक्व सुनाया प्वेया विद्याप्त सुवा व सुर पते हें र छेर ग्रेस की स्तु केंग दिवा केर ग्रायय पत्र वित्र प्रह्मेर पा स्वाप स ८८.क्चि.कु.यथु.कूर्याची.र्यं चीर्यायाहूर्।चीराचीयातास्यायात्र्यं यात्रह्या यरःश्चेत्रायते:क्नुन्द्रन्द्रायश्चेत्रव्यायकन्द्रपति:ब्रे:ब्रवायःश्चे:क्वायाययःवावतःह्रयःसुः त्रदेव'म'न्र'। त्रवात'विवा'वीर्ष'सृ'र्क्तेष'न्र'देधे'र्क्तेष'च्चे'र्ख्य'याञ्चेष'ग चर्गोर्-प्रयागित्रायास्त्रास्त्री सुर-प्र-देशयास्त्री विग्यास्य स्वास्त्री सु र्रेल'र्-ुचुर'यदे'लेंग'र्स्रुदे'र्सेल'च'रद्र'यदे'त्र्य|रे'ग्रोर्ट्रर'वेर र्सर'ग्रेर्ट्'यर'द्येर' त। ज.जय.त्र.प्र.तर.चर्षेष.क्रिय.श्रेज.च.८८.ह्री.प्रचय.क्री.व८.वव..क्रेथ्य. यर्रे प्रयाहेश सुरद्दित या से र्वेट् यदि रिम् से स्वर्थ स्वर्ण स्वर्ण यहित्र स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण **ॻ**ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖয়৶৽৸ढ़ऀॱॻॾॢढ़ॱॻढ़ॕ॔ॺॱॸॺॱऒॱॶॱॹॖऀॱॹऀॸॱढ़ड़ॖॺॖॱॻॸ॓ॱॸढ़ऀॱॾॕॺॱॸॸॱॸॕढ़ॱॿॖऀॱ বর্রাঝানাঝুর্কীবাঝান্দা। বৃষ্টুঝান্দা। ঝানডন্। র্ফুঝাঝার্ঝার্মরী रनः हुः नृष्ठेः नः नृषाः श्रुः गृतिः ग्रारः स्ट्रनशः ग्रीसः सर्वेदः यरः ब्रेन् यः नृहः। यनः विः डेग'गैर्थ'दे'स्रे'नुर्थ'ग्रे'तिवॅर'ले'दे'त्त्व'ग्वत'स्नर'ग्रे'र्र्य'र्थ'र्र्य्य'र्र्

শ্রী'নের্বিম'র্নি'নের্ব্ব'ন'র্ন্ধু'ন'ব্বা'ব্ব্রবাঝ'ব্ম'ক্র'ঝ'শ্রীঝ'বাচ্ব'ন্ম'নের্ববঝ' મતુ.સં.મથોના.કુના.ગ્રી.મુ.શૂ.નથા.ધયુ.દુના.જી.જૈયોના.ગ્રી.ક્વેમ.જા.યોનાતા.ઘમ.ગ્રીને. मः १८१ वाब्रायायाः बेवा वीयाः ५वा वास्रुयः क्यू रः इर्या परिः क्यू रः यद्वियः वर्गायः বম'রেইবঝ'ধ'বড়র'ঝ়ুবা'ঝ্রীঝ'ঝম'ত্তুঝ'ধ'ক্তুর'ত্তীঝ'ঝ়ুর্'ধ'রবা'র্ব'। *૽૽૾ૺૹૄૢ૽ૼ*ૻૻ૱ૢ૽ૺ૾ૢૻઌ૱૱ૢ૽ૺૹૢૻઌૡૢ૽ૼઌ૱ૢ૽૱ૹ૽૽૱ૡૡૢ૽ૺૹૢ૽ૼ૱૱૱૱ૢ૽ૼઌઌ૱૾૽ૢ বন্ধ্রুম'ন'ব্দ'বর্ত্রবি'রিল'অ'র্মবাঝ'মম'বর্স্ট্র'ম'ঝুম'ঝর'ম। প্রমঝ'ডব্'শ্রীঝ' ૽૽ૹ૱ૹૼ૱૱૱ૹૼ૱ૹૻ૱ૹઌ૿૱ઌ૱૱૱ઌ૱ઌ૱ૹ૱૱ૹૹ૾ૼૡૢૻ૽૱૱ૡૹૺઌ૱૱૽ૢૺૺૺૺૺૺ कुरा मेया.धे.क्र्याकी.स्रा.रविरयाकीय.कर.ततर.स्र्य्यातया वाय.र्रूरा বাধকানধু:ই:২২:ইউড়েপুরাকাক্সই:ওর্তুই:২:প্রস্তুই:২৬:১৯১৯ বর্রে ক্রুর্থে প্রবশ্বর্ম হর্ম দের ব্লু পূর্ব ব্লুকার ক্লুর্ব দের ব্লুর্ র্ধ্রবাপ:শ্রী:মাবপ:শর:শ্রুবাপ:শ্রীপ:শ্রী:মংশ:শ্রী:মৌ:র্দ্রবা:বর্ধ্য:বর্ধুর:ব্যারের্ধ্রম:ব: *५५:क्वें* ग्राया देव ग्रिके र उव <u>श्री क्वें</u> कें दे न्या सर न विगाय हर । यदे र र दि न विशे न्द्यराष्ट्रीनुषायीयद्वतिः सुष्रायसः है सुराम्मरादुवा वी सैवाषा विदाने। दे त्यया নবান'নিবা'ন্ত্'মন'মন'বিবা'শ্লানা'ন্দান'ন্দ'নেঠঅম'মনি'র্ছম'মনি'শ্লুন'স্কর্মমান্ত' র্ধ্বিদাঝ'নস্কুম'মৌদাঝ'মম'নেপুদ্'মন্নি'শ্রীঝ'ম'ম'ম্বাশ্রীঝ'ম'জ'স্কুম'মে'ম' षर:दे:दर:सर्द्धरशःश्री

 ব্যব্ধানমার্ক্রমান্দ্রেরমান্ত্রান্ত্রি, প্রের্মান্ত্রান্ত্রমান্ত্রান্ত্রান্ত্রমান্ত্রা च्याहै। द्वैदःके सार्येग पदे पश्चेता पदे त्यो लेखा सुर्दे द्वरायर द्यापया गहरायायनेनर्यायते यस की गिली हेर्या में राया में या महिला हिर्म रामी प्रमानी स्थान *বার্ম্যরাষ্ট্রম্মই*র্মনেন্ন*মহমাক্রম*নের্হ্রমন্থেরনের্মান্ত্রমানার্ द्वै'स'सेर्'प'र्स्स'पदि'र्केश'यर्तुय'य'र्र्रा सर्दे'से्र'र्र्रा स'र्से'यङ्ग'से য়ৄ৾৾৾৴ৼ৾৾৾য়৽য়৾৽য়য়৽য়৽য়ড়ৢয়৽য়ৣ৽৴য়ৗ৾ৼয়৽ৼ৾য়৽ৼয়য়ৢৼ৽ য়৾ৼয়৽৸য়৾৾ঀ৽৸য়৽য়ৣয়৽ঀৣয়৽৸ৼয়য়৾য়৽য়ঢ়ঢ়য়৽য়৽য়য়য়৸য়য়৽য়য়য়ৼঀ৽ मद्रःवाबुदःक्रेवःर्यःवञ्ज्याशुक्षःश्चिः इक्षःमरः द्रश्चेः चः र्यवाशः दृदः। क्रुदःश्चेः क्रुश्यः सः <u> ५५०। गुर्भर पार्श्वर में ला सँग्राया वया से व्हार्य के पार्य कु</u> सर्व्य हे ५ छी वेगाया <u>८८.५चल.ये.क्येयाल.क्री.ब्रुयातातकर.क्षेत्रक्री.लाइट.ता.याङ्क.क्रूराता.टट.लाकेश.</u> श्चि कर्न वर्ने वर्ने श्रम् वर्ष वर्षेत्र वर्षेत् क्रिया वर्षे र्शेयःर्श्वेर। श्लरःश्वेराताःर्राग्यायायःर्यायदेःग्वर्याकेः सःहःश्लेर्यायात्रायः विरा चल्राज्ञीलाङ्कीतर्देवालाचरुदायाद्वा लेलाज्ञित्रावाल्याङ्कीत्रा यर्ह्स् वृ: श्री:तयद्रपाकी: तर्द्रप्रायम् अह्द्रप्रायाः वृ: याः याः व्याप्ताः वर्षे प्रायाः वर्षे वर्ष क्केंयायदे सुन्नु पक्कें वायदे स्टायबिवा उवा केनाने यावया यने सामाना से पाया निर्धा বৰবা,ন,প্ৰস,বস্কলপ,নধু,ষ্ট্ৰ,বাৰ্পপান্থী,ঘী,ব,ষলপ,এ২.¹ মুনপ,ঞুপ,শীকা,মী, ब्रैंद्रायर ग्राबेर त्र चुर ची विषय पाय विषय मुर्चेर यर छी र प्रति विग्रा के वा चिर क्रिया छी। श्रेयशः भ्रेति । देते श्रेयायार्वे दायाद्या भ्रेति याद्या स्वर्णायते प्रस्तान ॻॖॱय़ॱऱ्ॴॱढ़ॖॱॺॖॖऀॺॱय़ॱॕ॔॔ॻऻॴग़ॣॻऻॴग़॒ऄॴॻॷॱऺॻॳॖॣॖॖॖॖ॔॔ॱॴॿॳॱऄॕऻॴ

यान्नात्म स्ट्रीत्म स्ट्रीत्म स्ट्री स्ट्री

सद्न्यन्द्रस्यानस्य मर्ड्द्रयाया क्रिन्यं स्वान्य स्व

चित्रश्र्मा

सन्देश्वर्यायः स्वाचन् ने द्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत

देः यथा वदः दुः द्विदः यदेः यदः यद्वयः सुः देशः चिदः वदः विदः दृदः। देतुः

বার্থনেরের শ্রুষাশ্রী দ্বীন ব্রংক্রির শ্রীকার্ন্রির দেরের মান্দ্র। ব্রম য়ৢঌ৽য়ৣ৽ৢৢঢ়৻য়ৢৼ৽ৢঢ়ঌয়৽য়ৣঌ৽ৼৣ৾য়ৢয়ৼয়৾৻য়৾৻য়ৢয়৽ঢ়ৠৣ৾য়৽ঢ়৻ঢ়৻য়৾ঢ়য়৽৸য়ৣয়৽৻ঀঢ়ঢ়৽ ॔ॴक़ॖॴॴॡॱज़ॖढ़ऀॱय़ॾॗढ़ऀॱॿॸॱॸ॔ॸॱ।<u>ॸ॓ॱ</u>ॴॴॼॖ॓ढ़ॱॸॖॖॱढ़ॴॴॼऀॱढ़ॺॖ॓ॸॱऒॴॴॱ चक्कुन्द्रन्यम् विषाक्षे देन अकेन् वृष्ण्यासुन्द्रन्यते मानस्या स्रान् क्री स्वार्क्षात्र्यस्य स्वार्क्ष *ৡ*৾৻৽৾ঀ৸৽ঀৡ৾৾৾ঀৼৼড়৾৾য়ৼ৸৽য়ৼ৽ঢ়৻ৼঢ়৾৻ৼ৾ৼৼ৽ঢ়ৄৼ৾৸৽ৼৼ৾৸৾ঢ়ৼ৸ড়৻য়ৣৼড়ৢ৾য়ৼৢ৾৽ *ঽ*৾ঀ৾৾৾৽ড়ৼ৾৽ঀ৾ৼ৽ঀ৾৽ঀৼ৾৾৽৻য়৾ৼৢৼৢ৽ঀড়ৢ৽ঀয়ৢঀ৽ৢঀয়৽য়ঢ়ঀ৽ৼৄৼ৽য়৾ঀৗয়৽ৼৼ৾৽ गल्दायराद्यायात्र्राच्या द्याउदाञ्चर। ञ्चूनायर्क्षेणीरादेवायरावासुया श्चितः द्यीत्वाद्यार। क्याद्रात्वावयः विषाद्यात्वाद्याः सुर्वावाद्याः सुर्वावाद्याः सुर्वावाद्याः सुर्वावाद्या यर उत्र र र पुराया सु क्षे चरि र चेत्र यरि क्षुच वात्र य वित्र हु स्यर वितः। दे र वा ॱढ़ॖॱॾॣॖॖॖॖॖॸॱय़ढ़ऀॱक़ॗॖॖॖॖॡॱॶख़॔ढ़ॱॸढ़ॖ॔ॺऻॴढ़ॴॱक़ॖॕॱॸ॔ॸॱॾॣॗज़ॱय़ॱॾॢऀ॔॔॔॔॔॔॔॔ॶॴॱय़ॱॸ॓ॱॸॴॴड़ॱज़ॱॸ॔ॸॱ<mark>ऻ</mark> न्वो नदी नदी नविषायित्र में में भारत में निष्ण स्थित हैं न ৡ৾৾য়'য়৾ঀঀয়৾য়৸৻ৼৢৼ৾৽য়য়ৢ৻য়য়৾৸৸৻ঀয়৾য়য়৸৸৻য়ৣয়৻য়৾৸য়ৼ৻য়ৼ৻৸৸য়য়ৢয়৻য়ৼ৻ য়য়৽ঀ৾ৼ৽ঀৗ৽ৢৢয়৽য়ৢয়ৼ৽য়ৼয়ৣৼ৽ঀৗ৽ড়ৢ৻য়৽য়ৄৢ৽য়ৼ৽য়৾য়৽৻য়ৢয়৽য়৽৻য়ঀ৾য়৽ঀৼ৽৻ য়ঀয়৻৻৻ৼ৴ৣ৾৾য়ৢ৾ঀ৻৸৻ঀ৻৸ড়ৢঀ৻৻৻ৼঀ৾য়ৣ৾য়ৢয়৻ঀৢ৻ৼয়৻য়৾ঀ৸৻ঀৢ৻ৼঢ়য়৻ৠ৾৻৸ড়ৄঀ৸৻ঀ৽ चर्डशःसु:चत्ववा:पदे:वासुर:रन:ग्रुट:क्रेशःसर:व। ग्रुच:र्नर:क्र्रुप्देर:र्रेश:र्ह्चेद् क्ची'ग्रेश्रहरू अ'र्रा क्चिया:श्रेश्राग्राब्दासदास्रवर प्रश्रा श्रेरासुगायङ्का यगाःविषा द्यायः स्थायः स्थ

নর্। ৫૬:য়े'শ্বমার্মান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্ বিবা'মার্ক্রবা'র্ন্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভান বিশ্বমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভানার্ত্রমান্তর্ভা

> द्व'पदे'पुत्र'क्षुर'दद्य'पदे'ग|त्रुव|र्यापद्वद्व'रेर्या| द्रस्यायते धेर्दे द्रस्य द्रम्भेर क्रीया द्रीया है'नदिव'ग्राययान'नग्राययानेर'सर्वेद'या। ऒ॔॔ढ़ॱॺॖॴॱॷॣॸॱॻॱऄॱॺॏॗऄॱॺऻॿॖॺऻॺॱॶॱॻॾॗॗॗॗ**ॸ**॥ इयायर क्रेंग गे क्वेंयाय क्वेंया क्वेंया क्वेंया गुबर्हेनाऱ्हुःधै'गिहेर'सदि'सम्बर्गमानुग्रायादः॥ यार्यश्रञ्जे में न्यायायि स्त्रीत्या विते सक्ती। त्भुग्रवार्य्यः स्ट्रीयः चः देवः दरः स्ट्रवः यरः तर्वा। येग्रयाय्यत्र के अञ्चर मान्यायदे अद्देश यान्युयाद्यो पदि देंद्र भी त्युद्ध पाद्या है।। त्रदे'ष्पर'गुरु'रुष'क्कुॅंचर्य'षेद'द्युर'चदी। क्षेर मी र्याद क्षेत् क्षेत्र यः रेत केत पतिता। सुत्र चुर वावम र्नेम सुन पते न्या परते वा सुवाया। য়ৢ৻ৼ৸য়ৢয়৾ঀ৾য়ৢৼয়৻য়৾৻ঢ়ৼয়৻য়ড়য়৻য়ঀ भ्रैल नवर निर्वाचित्र अर्रे स्निन्य केंग्र सुंल भ्री। নক্র'শ্রবা'বাউবা'ডম'নেট্রব্'নেব্'শ্রীব্'ব'য়বা। क़ॖॖॸॺॱक़॓ॺॱढ़ॼॕॱॸॕॺॱॾॗॗॗऀॸॱॸढ़ॱॴॿॖॱॺॖॱॴॸॱ॥

য়ৢয়तःतर्द्वः व्यां सार्श्वायाः स्त्रायः स्त्राय

विषान्य सुन्तरासु स्वी त्राप्त स्वी त्र स्वी त्राप्त स्वी त्र स्वी त्राप्त स्वी त्र स्वी त्राप्त स्वी त्र स्वी त्र स्वी त्र स्वी त्र स्वी त्र स्वी त्र स्वी त्र

 શ્રેક્રુલ: ૧૬૧ અર્જી ૧.૧૬૧ સુંદ મર્ફાલે સેમા वर्के ये दर्भगविद्यं कुयार्थे देश सुर वर्षे दर्भाया। सर्केर तिव्दर्भ कुषा पति विप्रभाषीत श्री पेर प्रमुद्रा। नशैयासून,यादहिन,दगार र्येशास्त्ररमञ्जूर नदी। ॡॕ॒**॔**रुॱढ़ॸॣऀढ़॓ॱॺॖॱढ़ॼॗॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗय़ॱॸॺॣढ़ॱॸढ़ऀॱॸड़ॴॱॺ॓॔ॱऒक़ॕॴ चिर्यायायाः हेर्यास्त्रम् चीरान्तरः हेर्यायाः केराधा यनःस्थानकुन्। यनःस्थानकुन्। यनःस्थानकुन्। अर्केन् क्षेत्रन्तो न नर्भन् त्रअय नक्ष्ये क्षेत्र्या ख़ॖॱॸज़ॸॱख़ॖॱॵॱऒ॔ॺॱॸॺॱख़ॸॱॿॖॸॱॸॗ॓॥ *દેશઃગ્રાદ*ઃસઃધીરાસસ્તરાશીરાઃદરારોદા<u>ર્</u>શ્વા न्यायते द्वयावर स्रेंद्राय रेश से सेंग् क्षेत्रत्वुर:दे:ब:क्र्रेर:ग्रीकुर:सर:क्षेत्र॥ तच्व सेव में अर्दर में व की तक्ष्म तिवा ने या। श्री क्षुत्र क्षु व्यव्य क्ष्य चारी र द्विवाय प्रदेश <u> ६० वर्षिते वाह्या द्यो देश के तदी र तिर्वेश।</u>

प्रमान द्राप्त स्वास्त्र म्या स्वास्त्र म्या स्वास्त्र स्वास्त्र

चुन'यदे'न्नर'धुग्'यज्ञ'रेग्'दिंब'लेश'सर्बद्धस्त्रुब'श्ची'न'न्ब'न्ग्रर'रें'श्चेन्'यदे'हे' গ্রীঝ'শ্রান'নর নর্শ্রবি'বালন'নেঝ'র্ম্ব্রুব'নবি'বান্বার্ঝ'র্মর'র প্রবার্ধ্ববার্দ্রর रु:बार्रेव:मर:इर:द्ध्य:पद्गेव:बेव:ग्रुट:। क्षुर:पर:द्यु:बोर:बोर्ट्सेर:पद्रिय:पदे: तर्वे न सम्बन्द न्या न सुन्य नित्र द्वार नित्र क्रिय न सुन्य नित्र स्वर मानि र यदःवस्त्रामानवे युवादुःद्वया सूत्रामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान र्क्केन'दर्भन'गु'गु'र्र'या यह केन'द्वे'खेद'र्यनेष'गिनेना वेद'दु'द्रथय'श्ची'र्षेद' गे.रर.। तर.म्.र्ग्य.अष्ट्र्या.यवैर.यायना ष्ट्र्य.मैज.सरय.यर्या.सि. रत्य। ग्रामः पर्वाराम्यामा हे स्वत्रमा में प्राप्तः स्वतः में ह्वा सर्दर्भः ठेरः षदः वश्चुरः दश् अरः षदः वनः ग्रथः क्षेदः र्यतेः वेगः पः तेदः यायाः ह्र्यायः कुषं क्रीः यस्त्राया विष्वेष्ठ राष्ट्रास्त्रास्त्रीयः प्रति स्त्रीयः प्रति स्त्रीयः स्त्रीयः स नहुरायको अंकिरामेर्राचर्यासीरायया जरास्त्रित्स्राजातास्त्रास्या र्येते स्त्रीर । । इता तर्हेर तर्हे त्र या सर्ने विस्तरा क्षुत्र त्र रा तहुर । । विसादर । रैगा'वहेंब'न5्5'वर्ष'र्हे'हेश। क्रूट'र्ध्या श्रुव्य'य'र्रे'र्वेदे'र्स्चेग्रय'द्र्य त्वृतः। ।यङ्कतःश्रेटःस्वःचटःत्यःश्चेःचसःचक्कुत्। ।वेसःसःतःस्वासःसःर्वेरः नः बेर्-पदे नगादः सुर-वीषः नसूर्याषः नहेर्-ग्रीः बेर्-हेर्-वादहेर-नर-सहर्-धःसूरः বিষ্ণপ্রান্ত কুর্ কুর্বাপ্র প্রান্ত বিষ্ণিত বিষ্ণা বিষ্ণান্ত বিষ্ণ য়ৼ৵৻ড়ৄ৾ৼ৵৻৸ড়ৢ৾৾৾ঀৼঢ়৾৻য়ৼয়৻য়৾য়ৢয়৻ৼয়ৼ৻ড়৾৻য়৻ড়য়য়য়৻য়৻

यालरः द्वेर यो याद्र अधिर दर सुया द्वेय राष्ट्री स्था रहें र खेवाला বাদুবাশ:ৰুশা त्यः श्रुवार्यः श्रुद्रशा अर्दे श्रुद्रास्य द्वाः श्रुः सर्वेदेते वार्यस्य वार्यस्य श्रुप्ता स्वरं स्वरं বন্ধরাঅন্বারেরীরমাধ্যব্রা টুর্বার্যারাদ্রমান্ত্র্য অমাবাঞ্জামী প্রনা aa.ये.जीर.। वीर.योषेत्रात्राष्ट्र्य रेताजी.क्.मू.यंत्रात्रात्रात्रीयेतात्रात्रास्त्रीयः प्रशास्त्रवापित स्वरात्वाचित्रवा रेवापाळ द्रवेच राक्षी हेवारापास देव दु ঀ৾৾ৡ৾য়৾৽ঢ়৾৽য়ৢৢৢৢয়ৢ৽ঢ়৾৾য়ৼ৾ঀ৾ৼয়৽৸ঽ৾৽য়ৢয়৽য়ঢ়ঢ়৾য়য়ঢ়৽ঢ়য়ৣৼৄৢৢৢঢ় ৄয়য়য়ড়ঀয়ড়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়ড়ৢয়য়ৢঢ়৾ৼ৾য়ৼড়ৢয়ৼয়য়য়ৼয়ড়ৢঀয়ড়য় नमः न्याप्ता वर्षियायनेनमः स्वास्त्रीयाय स्वास्त्रीय । वर्षियाय स्वास्त्रीय । वर्षियाय स्वास्त्रीय । वर्षियाय स्वास्त्रीय । र्भेर। रगे'नभ्रुत्य'भ्रुग'तरेनश'ग्री'भ्रेर। रर'नेर'ग्री'ह्रस्य'घर'दर्धश'र्रेद'र्' थॅर्प्यते सुरक्षें अर्क्केर्प्यते पारेर्प्य कर्ष्य अर्था हों र अगुर ही क्षेत्र । वर परेर्प्य ही বাদ: এবা: অর্ক্রবা: ব্যব: ব্যব: ব্যব: ব্যব: ক্র্রব: অর্ক্রব: ক্র্রব: ব্রক্রব: ক্র্রব: ব্রক্রব: ক্র্রব: ব্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রক: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রন: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রন: ক্রন: ব্রক্রব: ক্রন: ক্রক: ক্রন: ক্রক: ক্রন: ক भूर.ऐ.भूर.कू.र्थेय.यी.रुभारा.४भग.ही.रचन्न.की.योट.चयो.४भग.चम्री.चन्न.ईन्य.यी. र्यर.फॅ.स.कुर्य.त्र्र.पर्यंज.श्रेयका.चय.लर्था.ब्रेयोका.क्री.प्रॅ्र.र्रे.र्ज्ञ.पुरा.बिर.त्रर. ভব'নের্হিক'টা বার্থই'অমা বিষশ'ম'র্ছবাশ'ক্রই'ম'রমম'র্দ্রবাশ'শ্রী' तकरः द्वंतान्तर्हेन् पानर्हेन् सामर्थेन् सामाधीन प्रमान्त्रीं नामहेतान्तरे मुनापते न्वनः धुना हे । য়ৡঀ৾৻৸ৠৢৼ৵৻৸৻ঽ৾৻৸য়৻৾ৼয়৻ঀ৾ৼ৻য়ৼ৾ৼড়ৢৼ৻৻ঀ৾য়৻য়য়৻য়ৼ৻ঀ৾৻ঢ়ৢ৾৻ঢ়৻ঢ়য়ৼয়য়৸৻ ब्रेटा। ध्रेशःचीयःर्ययःध्रेरःजायस्त्रेषःजयःक्त्रीःक्ष्यःप्र्याःचर्त्रेषःयःगात्रायःच स्वयः र्देशकार्युतर सुवार् पुरुष्य निर्मेष्या वार्मेर हिंगी हो हिंगा वर्षे र नर सहर्। दे *৻*ৼ৾৴ॱॼॕ॔॓॔॔॓य़ॶॱ৴॑ॻৼॱख़ॕ॔ॺऻॱॶॳॱग़ॖॕॱॼऻॴॴय़ॶॱॼॕऀज़ॱड़ॱख़ॖऀ॔ॺऻॴॼॖऀॱॿॱॼ॔॔ॱग़ऻऀॳॱऄऀॱक़ॕॗॸॱ

ৢয়য়৻৸য়৻ঽঀ৻ৠ৸৻৸য়ৼ৻ঀ৾৻য়ৼৢ৻৸য়ৣ৻৸য়৻৸৻য়৾ৢ৻৸য়৻৸৻৸য়৾ৄ৻৸ <u> ने.जय.क्तर.श्र</u>्य.शयु.याङ्क्.च्र्य.क्वीय.त.ध्रे.श.फे.ये.पत्र्य.क्ष्य.क्षेय.पी.ट्यट.ब्रीट.यी.क्वीय. मद्गः इस देश देश प्राप्त होते होते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इस्रायस्याहे वस्रास्याय रेट्रायाया वस्राव्य स्टर्या श्री स्रीय के वर्षा स्टर्या स्री स्रीय के वर्षा स्टर्या स् यरे.योजेयोबाकी.स्थारे.साशुष्टु.च्रुंबारी.यक्षेष्रसारयायविश्वकातायक्षेष्रसप्टुःक्यिता भैर.र्फर.यम.यम.स्यायाच्यास्य । व्याप्तराम् व्याप्तराम् । व्याप्तराम् । व्याप्तराम् । व्याप्तराम् । व्याप्तराम् नसूत्रकेत्रव्र्यः व्या क्षरः यन् युनः अर्क्षेत्रः केतः क्षुः सुरः नरः देत् सुरा गर्वेद'तु, तु, सः भू त्यु न' सर 'दर्गे र र गा हद' ग्री 'देसरा' न वेर 'से क्रिं र से । वेर र र र ক্রথে'ব্যব:'শ্রু'ঘ'ळेब'धें 'অळेष'ची थ। জें 'क्रुब'खुद'बेब'पङ्कदें ' सक्या । इत्यात्वें र निर धुना हिन् केन होना । सर्वे क्षेत्र के स्थापन स्थापन । स्थापन स्थापन । स्थापन स्थापन । र्या किल.रेट.र्?.रेश.र.च.रेयोरा विट.र्?ट.वोरेथ.र्यायेश.कीर. तर्भ। विश्वर्भगश्चिमःश्चिमःश्चिमःस्रेनःम् ग्वेगश्वर्मःस्रेहेदेःमगातःस्र गीयान्त्रुत्यात्रयार्हे ते द्वीपीया प्राप्त देव दि हिंदा यदि इसाधर दिन सर्वेद या प्राप्त प्राप्त प्राप्त देव द <u>ૡૢૢૻૡૢૡૢૹૢૡ૽ૹૣઌૺઌઌ૱ૹ૾ઌઌ૱૱ઌઌ૱ૢૢૼઌૺૹૡૹૢૡ૽ૡૢૡ૱૱</u> <u> क्षेत्र.र्योर.चारकार्ययाञ्च.यष्ठायात्र्यात्रीरात्र्यःचायाः क्ष्यरात्र्यः स्त्रीराष्ट्रेयायाः स्त्रीयायाः </u> शुः विचर्यः नर्स्सुन्। सुः गारुवः बेत्यः विंद्यः दें हो गायुनः दुनः गीः गायिवः वित्या ক্রির ই'ই'রেক্রর গীঝার্রবর্মাশ্রীঝাবড্যাঝাঝীর শ্রীর শ্রীঝাবর্রবর্মানঝার্বরে র্নি स्रायतः तर्त्वे स्थ्रेत्रः तर्तु प्रते वात्रसा सर्हे वा सर्हे (प्रस्रसा सा प्रीः प्रे पात्र सा स्रायः सा स्र-प्राथन्त्रः स्राधिन्त्रः स्राधिन्तः स्राधिनः स्राधिन्तः स्राधिनः स्राधिन्तः स्राधिनः स्रा

अनु: स्वाया क्रिंश्वा विद्या क्रिंश्व विद्या क्ष्य क्ष्य विद्या क्ष्य क

 हैं वाया की आहें ने कि स्वार्थ की अध्या निया स्वार्थ की स्वर्थ की स्वार्थ की स्वार्थ की स्वार्थ की स्वार्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वार्थ की स्वार्थ की स्वार्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्थ की स्वर्य की स्वर्य की स्वर्थ की

क्री क्रा की क्री की का त्या का क्री का त्या का क्री का त्या का क्री का त्या का क्री का का क्री का क्

ઽ્રોક્ કેંભ'લે**ઠ**'જી'ત્લદાત્મારી સ્ટ્રેંચાયર ચાયચા ગાદક જેંગા ગાંદેગા કું ગાંદે દ્રાયદે પ चुन'नह्ने अ'धेन्'नविद'श्ची:क्विय'स्रर'सेनस'यस्। दस्र'स्रिर'न् ५८। ञ्चून:५८:अर्के५:यदी:गिर्हेर:अर्वे५:५:लु:दर्श:य५५५:हीर:ग्रूर:य। है:स हेर्रायायद्याम। नुस्रायायरासूरानुगवनाम। नुस्रासुः बर्मिरानुसूरा य। वियमः हेमः हें त्या सद्याय। स्थान्या स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान य। न्द्रशाह्मवाःस्यःद्गारःदुःद्वुवायःद्रयःद्वेयःहेःवाद्रदःचःध्वेयःस्यःक्वेःबदः য়ৢ৴ॱয়ৢ৴৾ঽ৴৾ঽ৴য়য়৾য়য়ৣয়য়৸ৼ৸য়৾য়য়য়য়ৢয়ৼয়য়য়য়ৣয়ৼ৾ঀৼয়য়য়য়য় ૹૄૢૼૢૼૡૢઌ੶ૢૼ*੶*ૢ૾ઌૢૢૢૢૢૢ૱ૹ૽૽ૼઽૐૼૹઌૢ<u>૽૾ૹૄ</u>ૢ૱ઌ૽૽૾ૢ૱ૢ૽૾૽૾૾૾૾ૢ૽૽૽ૼઌૢઌ૱૽૽ૢ૽ૺ૾ बूदःकरःद्ययः रे:यङ्कः र्देद् ब्रीदः दुःरेगः दिंदः यदुषः यदे रेवेंग्राण्यायदः ॼॖऀॸॼॖऀॱऴॖ॔ॴॱग़ऻॖढ़ॱॾॣॖऀॸॱऄॸॱऒॸॱॺऻॾ॓ॸऻॴॱॸढ़ॱॸॖ॔ॱढ़ॏज़ॱॸफ़ॣढ़ॱफ़ॗॗ॓ॴॱ नुःसरःर्भःग्राचेरसःसुःनर्सूर्। ग्राव्यःसेससःसिध्यःसिःसर्देयःवेसःर्गूरःनर्देयः र् न्युर्रुर्याय र्रा भी म्युर्भुत्र क्री मेर्ने हैं मेर्ने मेर्ने मेर्ने स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स न्क्रीस विया सहया नार्च साक्षीरा नाव्य सूरा न्नरानु सूराया सें नाया न्यूना परि सहर यः र्ह्मेश्वाद्मियाः धरः स्री सुर्वाको है। दे । द्वापि स्री स्वाप्ता ही दुः स्री स्री स्वाप्ता है। दुः 'पर'चर्दे'सर्द्र'प'र्द्र'। दे'लग'ग्विव'र्दु'चप्तर'क्षुय'स्था'ग्रीस'ग्रीस'चीस'चर्ड्रेव' श्चेत। श्चेतःक्चेःवग'नगम्रायःक्चें श्चूनःक्चुवःस्रक्षस्यःयःवरुःगसुस्रःर्वे रायदेः म्नियःर्रुःयायर:र्रे.यध्या स्वै.स्र्रः यी.स्र्यः स्वैरः स्वैतः यत्यायः स्वीरः स्वितः यायाः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्या.फि.२.झुजा यार.या.धियाय.यझीर.की.यधयायसेजा. १ शायव.यावव.रयाय.

ऱ्रेय.स्.कुळा.योबीट.कुय.यर्थे.योशीया.की.अक्षय.उच्चीज.र्जैयोज.यक्ष्यळा.योबट.य.त्रर. '5ુ'વક્સું ર'ય' એવા અ'5 વોં ર'યા ર'યા રાય રાવા છે અ' શું વા અ ર'ફ્રે દ' રે અ' એ ર' શું ' કે અ' ક્રે ર'ય ર ' स्वाविःस्वावहुःस्यात्रेःकुरःवाव्ययः विद्यास्त्रं प्रम्या ক্রী:বন্ধুর:ম:২ম:মহ-মের্হ্র:মর্মার্য়:মর্মার্ন্র্রম:মন্বিরার্মার্পুর:মার্ম্য यदैःष्परः क्षेत्रः संबुद्धाः समायान्यः स्वार्थाः विष्युदः वी यपुरः वी यपुरः वी यपुरः वी यपुरः वी यपुरः वी यपुर য়ৢ৵৽৴ঀঀ৸৵৽ঀৢৼ৽৸ঀ৽৸য়৽ঽয়৽য়ৢ৽ঀ৽য়ৢ৾য়৽য়য়৻য়ঀঀ৽ৠৼ৽য়৾ঀয়৽ঢ়ৢৼ৽য়ৼ৽য়ৼ৽ र्वारेरेशग्रहानसूर्वायायानुवायानुवायान्यसानुवासी हेरद्रेत्रेर क्षि:भू:रेट त्यानु:दर्गेद केयानकु:स्वाहिः तसेत्य लेट । गठुना सरामद्रयान्यः पर्यम्भारात्रु विषाचिरम्भार्मे र स्वाप्तमायम्याचरा चीरा विषयः यार से र अर्केन्'गुक्'चन्नर'अर्केन्'श्चेक्'न्र'। अर्वोक्'विर'न्नर'न्व'र्रेक'य। स्नु'स्रर' र्वेग'मञ्जेग्राश:र्थ्यायाःहेव'महेव'म'न्र'मठर्यायायायर'नु'मलेन्या वेर *र्*रक्री:रुष:सर्केर्:चगाय:वाहेर:स्रुवे:स्रुट:यद्येय:क्री:सर्केर्:ववा:चक्कुर्:स्रुवस:ध: ५८। कें श्रुव वर्द्द वर्षि इस कुल कें गणर विश्वेद दिश्चिव या तरा ही विष्ठ *५५:चरुषाया स्५:केव:५च्राचवीवाषाग्राव:क्वें*लाञ्च५:लक्षायार:वक्रय:५६: नरुषाय। अवतः द्रायाः तद्याः निते वित्रे वित्रः तह्या श्री दः यो स्वरः ह्या थे । चगातः स्ट्रिन्सु बुति तिर्वर स्ट्रिंग्य न्या सु ह्युन् हिते सु स्ट्रिंग्य न्या प्रस्ति ग्रास तक्रमानाबर तह्नाबादर। वे से रासर से के तिवर सुम्रा हु दर। दे से द चबेर्रायाक्कुःके बेर्। भ्रीप्रैयायाञ्चर्पराभ्रीयायीयाधियायदे पर्देशासीर केरा <u>ॱढ़ॺॱॼॖऀॱॴॖॴॱॼॖऻॖॱॴॸॱऄ॔ॸॹॏॹऺढ़ॴॴॻॖऀॱॴॸॖ॔ॴॴॸॴॸॱॴॸॴऄॴॿॖॸॱय़ॸॱ</u> शुरु:र्ने॥

देविकाः भ्राप्तवाद्वापा द्वें द्विवाकाः द्वारा द्वीः द्वें दे दे दिवतः वे दिन स्वापतः तर्चे र्राया विष्युष्य तर् प्रति विषय अर्के वा हु। हे वे रासि खुर यथा <u> इरि.तर.योर्थ. अष्ट्र्य. रेतज. क्रि.यश्रयात्रात्रात्री विर.रंथ. वेर.रे.यश्रेयोश.</u> मदुः ब्रिंट । ब्रिचरा स्वेरा खीर खुर खुर्ग रायदे और धीरा दिर । ग्रथर दुःर्देश । श्लुःगुरु त्रवेश प्रते खुः अर्के गः देग्र रायते हो । । यद्य के र शुरः सदैः द्वरः में खे विषेषा । सी विद्वरः में हिदे शक्षेषा गानु व में पीया। दैर ग्राद्य स्थाप्त हें या स्थाप्त स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स नक्षुं यो न दें दिते खु न द्यु न या न दें विष्य न वी न या जी वा न न न द्यु न या विवा वी या বর্ষবাধ্যমান্ত্রমান্ত্রবাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্ত্রমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্তর্বাধ্যমান্ত अ'र्र'चठरू'हे'श्चुर्र्याय'चर्गा'ठग्'गी'र्रग्र्य'ग्री'चर्गाय'र्द्र्य'स्स्र বিহ্ববাষান্ত্রবার্ন্তর নার্ন্ট্রান্ট্রান্ত্র বার্ন্তর বিষ্ট্র নার্ন্তর করা করিছে । বিষ্ট্রান্তর বিষ্ট্রান্তর ব য়ড়ঀ৾য়ৢ৾য়৻৴ঀয়৾য়ৢ৴৸ঀ৻য়ৢ৻ঀ৻ঀৗড়৻য়৻৴৻ৡ৴৻য়৻ৼৢঢ়৾ঀ৸৻ঀৗৼৄ৴৻ড়৾য়৻য়ঢ়ৢঀ৾৸৻৸ঀৢ৻ गर्भर विर सेनम। भू विराधि रुषा द्रमा विश्व विषय । विराधि विराधि विराधि विराधि । ৻ঽয়৾য়ৢ৵৻য়ঢ়ৢঀ৻ড়ৢ৾ৼ৾৻য়ঢ়ৢ৾ঀ৾৻ৼয়৾৻ৼৼ৻ৼয়৸৴ঢ়ৣ৾ৼ৸য়ঀ৾৻য়ৢ৾৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়ঢ়ৣ৾৽ৠৣ৾৽ র্মপার্ডা স্থান্, প্রমানের নির্মান ক্রান্ত্র প্রান্তর ক্রান্তর ক্রান ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান ঽ৾ঀ৾৾৻৸৻ঽ৾৾৻ঀ৾৾ঀ৵৻৸ঀ৾৻৸ঀ৾৻৴ৼ৾৻ঽঽ৸৻৸৻৸৻৸৻ড়৾ৄ৾৾৵৻৸ৼ৾৾৻ न्वेंद्रशन्तुंद्रशासुंकुपायासे। देशयादेंबाचीहेंहि।वकदाकेबायें हासचीवायेंबा

<u> </u> ह्वासर्वे वार्षे पुरुष्णातु । त्रव्यायाया स्रोदायमा स्थित्र । त्राप्ते वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्ष अभेशःसःयाश्वअःक्रीशःमञ्जेदःदशःर्केदःदर्कोःगुदःमवनःत्नुःअदेःववाःसुरः। र्ज्ञेदः केवः अर्हें ५ : पनुवा क्षेत्रः चेवाः या पत्ने त्या श्रेवाया पतिः यवः स्वाः चयः चित्रः ग्रीः क्षेत्रः र्शेवायावायवायवार्क्काः अर्हेदिः या सम्वतः रु. पर्ने स्ववाः ररः स्वत्। रगुरः स्थः <u>বদ্মীর-নেম-বিপ্র-মের্কর-দেরীকা-বর্ম-রের-মের্কর-রের-মের্কর-দেরীকা-</u> मद्गः द्रेन्। तर्वः मः म्रूरः स्वाः सरः में त्रस्यां स्वाः मद्गः त्रुसः मुतः स्वाः स्वाः मत्वः त्रुम्। सह्र-ट्रे.योष्ट्र-ट्रेश् क्रेंच्.योत्र-सिव-सिव-सिवा-सुटा योष्ट्र-ति स्त्र-सिव-सिवा-सिवा-सिवा-सिवा-सिवा-सिवा-सि यार्थियः उद्दूष्णात्रात्रा र्यायः चारः यपुः स्त्राः स्त्राः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स ড়ৢয়ৢয়৾য়য়৾ঢ়য়ৢয়৸ঀঀ৴৸য়য়৸৸ড়ৢয়য়ঽয়য়৾৸ঢ়য়ৣয়য়য়ৢয়য়য়৸য়ঢ়ৢঢ়৸য়৾ৼ৾ অর্কমানন্দ্রিকান্যুকান্দ্রমান্দ্রান্তকাত্রকার্কানী ইছি স্ক্রীনান্দ্রিকান্ত্রীমান্দ্রিকার্ *ৡ৾৲ৢ৸ৡৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢ৸ৼৼৼ৸*ঀ৾৾ঀ৸ড়ৢ৾৸ড়৾৸ড়৾৸ড়৾ৼঢ়৾ৼ ૡ૽ૢૢઽૻ૽૱૽ૡ૽૽ૺૡ૽ૹ૽૾ૺઌ૽૽ૼૡૼ૽૱ૡૡૡ૽૱ૢ૽ૺઽ૽ૹૹઌ૽૱૱ૹ૽ૡ૽ઽ૽૱ૹૢૺૺઌૹ૽ૹ૾ૢૺૡૡૡ न्तुर र्वे नहु द्रशायहरू सर्वे द हें श की ह्वें से रे त्रश की नन्त्र में र न्त्रीर न त्व। है'न्यग्रर्भे में के मुन नम्ब न्यति मुन नम्ब न्यते है स्व में में र्मिता. बीय. यसे ब. धुप. खेरे. की. अपूर्य की. सूर र प्रया. मैंगा व्यापय. बीर र बीय. यसे थे. श्चेत्रचाराया यावत् चुरःपर्जः क्षेंर्नरः। स्खुरःयदे यावतः र्याच्याता सुःरःमञ्ज्ञार्देरःमु। ५वोःमदेःम्बेशःगवेत्रःसुत्रः विस्रशः क्षेत्रः विस्रा न्नर र्देर न्यु। त्रेष्ठी गुर गिहेर के देशीय न्याय नुस्रे देश

*ঀয়*ॱঀ*য়*য়ৼৡ৾ৼॱঽ৾য়৾৻য়ৢ৻য়৾৻ড়৾৾ৼঢ়৾৾ৼঢ়৾ঀৼ৾ঀৣয়৾ড়ঢ়৾৻ড়ঢ়৾ঢ়ৼঢ়ঢ় नहेब-८८-नठकाय-तुब्राय-ग्राट-हेंद्रि-ह्युत्य-दु-ह्युग्याक्ष्यका-सु-नलेका धी-५वा र्शे र्रोदे नक्षेत्र क्षुन अवर क्रण्या सु अर्द र प्रया क्षुन ह्रण्या अर्दे त र ु चुर য়ৢ৾৾৽য়ৼ৾৴৻য়৻য়ৄ৾য়৻য়৾ড়য়৻য়৾ঀৼ৻৸য়৾য়৾৻য়য়৻য়৻য়ৢয়য়৻য়৻য়৻ড়ৢ৻৸য়ৢৼ৻৸৴ঢ়ৢ৾য়৻ चबेर्याग्री:सर्दर्भात्रुवयाकेषाक्री:र्तु:प्रस्थय। वुव:र्वरःह्यायाकेष:पदे: क्र्यानक्कित्रवह्म्यत्रान्त्र्यं प्रत्येष्ट्रवेष्ट्रवेष्ट्रव्यानक्ष्यान्त्रः विष्ट्रव्यान्यः स्रोत्यानः स्रोत् यवै गिरेर नकुर में वायम प्राप्त स्वर्थ स्वर्थ स्वर्ष म्या कुर कुष ग्रायम प्राप्त त्युवाबायदः र्या सुवाबार्यवा विकायक दुर्भिया सार्द्दः स्वेदः। वादः सूदः वदः दूदः द्वेदः। ৽ড়ৼ৾৽ঀৼ৾৽ঀয়৽ঀড়ঀ৾ৼৢ৾ঀ৾ৼৢ৾য়৽য়ৼ৾য়ঀ৾য়৽য়৽য়৽য়ৼয়৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়ঢ়য়৽ঢ়৾ঀৣয়ৢঀ ક્ર્મું અ'ર્દે કર્યા છે. ખેત્રે અ'અર્દે કર્યું કર્યા હતા કર્યા કર્યા હતા કરા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કરા હતા કર્યા હતા કરા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કરા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કર્યા હતા કરા કરા હતા ક सर्कृतः की तह वाका तात्वाचा याव वाक्षा सूर प्राप्त प्रमुप्त ते हिर तह वास्य য়ৄ৾ॱঀয়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢঀয়৽য়৽য়ৼৢ৽ঀঽ৾য়৽য়ৣ৽ৠৢয়৽য়য়য়ৣয়৽য়৽য়য়য়৽য়য়ৼ৽ঢ়ৼয়ৢয়৽ ર્શેન્સ પૈરૂપતિ અર્દન્ માર્ને અર્જર ન ન અરા શ્રેજ્ય શ્રે શિવા ન પીના પ્રાપ્ત છે. તે <u> र्यक्ष स्रीस्त्रमा ह्र स्त्रा इस गिर्म स्रीस गर्द्ध स्तर स्त</u>र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त ५८.। के.पर.। २ग्रेंब.की श्रिंच.यायेगा श्रवतःपर्या.रर.त्तर. तर्भार, योर्च्यक्ति, योर्च्या, जया, पिर, जार्च्या, तर्म, तर्म्य, प्रविधाय, व्याप्त, तर्म, योर्च्य, याद्वेय, याद्व

<u> ५५.५रोल। व्यापस्य २४.७५.मीलायस्य परे.यदुःवीयासूर्यः सहरी</u> वैःर्नेःर्घेन्। मुः लेकः यदेः अर्द्धनः भ्रीःर्वेन् यदः नार्वेत्य। हेदः येनः विकायदेः व्यान्तिः सुः য়৾য়ঀয়৾৻য়ৢয়৻ড়ৄয়৻য়ৢ৾৾ঀ৻য়ৢ৾৻ড়য়ৼ৻য়ঢ়ৢ৾য়৾৻য়৻য়৾য়য়ড়৻য়ড়৾৻৸য়ৼ৾ঀ৻য়৻য়ৼ৾য় चर्वेष। दर्देदे:रुष:सु:र्क्रेय:चार्सुस:चेर्।चस्रय:ग्री:र्क्न्य:सुरायत्य:स्टि: য়ৣ৾ৼৼৢ৾৾৻ড়ৢ৾ঀ৵৻৸ঽ৾৽ৠৼ৾৻ড়৾৾য়ৢ৻৸ৼ৻ঽ৾য়৻৸৻য়৻ড়৾ঀ৻য়ৢ৾৸৻ড়ৢ৻৸৻ৼৼৼ৾৻য়ৢ৵৻য়ৣ৾৻য়ৼ৾ৼ য়্ট্রিদ্দের্বীমাধান্ত্রিদ্দের ভরাবান্তর দেবান্তর মোলাইবামারমান্ত্রমাবাদ্র মান্তর र् कैनर्या भी विषये निष्ट्रीय विष्टा र निष्ठा विषय विष्ठा मिन्न विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र र्मे.क्र. भर भी. प्रक्रीर रेटा। वामूजा पर्देश प्रेय प्रक्री प्रक्री स्वाप्त क्री स्वाप्त क्री स्वाप्त क्री स्व ज्याना त्रत्या नसूनमा पारा वालव सूर्व त्या सार महाना मा स्वापार स्व यश्रुः श्रुवाः सहर्। स्रूरः अव्योर्णः द्रदः स्रोः धोः यहेवायः ययः व्युवः द्वदः स्रूरः स्राः स्रीः रवराख्ते: देर वी वाद्वाराक्ष्यका की राष्ट्रावर दर हेव वासुका लेवा रखा दुः बुराया ययार्थे के र्शेर कुर्पा सहरार्थे प्राप्त स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प नमूत्रमः रेतः र्रे के तहे वा हेत् की विस्रका सुः सुत्र त्रका सुत्र रु, वात्रका सः रूरः। रे यह्रव.की.भ्रीम.न्येप.क्र्याम.देशम.वेगम.त्यम.त्यमेप.चम्चेर.चध्य.क्र्या यज्ञी.जा য়ঀ৾৾য়ঀৢয়ঀয়৾য়য়ৣঀয়য়য়য়৾য়ৣয়য়য়য়য়ৣয়ৢয়য়য়য়য়ৣয়য়য়য়য়য়ৣয়য় विचयः रेसः स्वायः सः द्वायाः तर्द्वः वादरः स्रो। वर्यः वायेरः त्ययः व्यायः पदिः क्रॅ्रंब'य'ब्रुच'यते'न्नर'र्येते'क्र्यु'चक्रुब'यर'चक्रेवाय'वासुख'य'न्न'। क्रेन्'वेवा'वी' इ.च.वार्शेश.की.सी.चर्थे। इंध.कुर्व.की.कू.कू.वार्याताला चीच.सप्ट.बर्या सर्ट्या. द्ययःदेवे:बेदःवर्गेद्धी:र्मेश्वानश्चरःदेः अर्ड्यःश्ची:द्ययःववरःव। ग्रेशेरःद्दः न्द्रभाष्यम् चुनायदे सके दाहेब के वार्षान्या न्यूनान्य स्वास्यास्य स्वास्य अर्केर्।यग्।यन्तुःग्रुअःउन्।श्चीःग्रिरःश्च्याःकेन्।र्केन्।य्नुनःप्रवगःर्दः। सूरःर्श्वेतः ૹ૽૾ૢૺૺ૾ઌ૽ૼૼ૾ૺ૱૽૾૱૱૽ૺૡ૱ૹ૽૾ૢૺ૾ૡ૱ૹૢ૱૱૱૽ૹ૽૽ૺૡ૽૿૾ૢૡૺ૽ૹ૽ૢ૽ૣૼૼૼૼૼૼ૱ઌ૱ૹૡ૽*૾*ૢ૾ૢૢ૽૱ वह्रवाषाः सहर्। सूराधेन्द्रवाद्यः सुवायवे सर्वे सर्वे प्रवायवा वी वर्षे वाषा त्रह्म्याराक्षीःहेत्रःसःस्रार्थःस्र्रः चरःचेरःमी।तानस्रवसायर्वरः केत्राम्बरः। प्यारःम् यःचक्किःदरः। श्रुपःच्यःयःचक्किरःद्वःक्कियःयलगःदरः। अर्गेवःषरःद्यरःद्रगः र्रेल-च-वार्श्रल-गा-च्यु-र्कर-'र्-र-चरुश-धा वि:विंदि:खु:विर-'र्-र-वो:श्वर-खु:विर-हेब'चहेब'य'८८'चडर्थाय। ५वेँ८र्थ'८८ुर्थ'८८'वें'वेंदि' श्चूच'केब'तकय'र्खेय' <u> ५८. चक्र. त. व्याप्त प्राचित्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप</u> गलुर द्वर नसुरस प्रमानेस द्वर वी द्वें वा समास मिया वर वुर सेसम क्वया য়৵৻য়ৢ৽য়ৣ৾ৢৢৢ৾৾ৢৢৢ৾৾৾ৼ৸৵৻ঽয়ৣ৾৾৻য়ৼয়ৼ৸৻৸৻য়৻য়ড়য়৸৻য়ৢয়ৢয়৻য়ঢ়য়৽ तह्नायाक्षेत्रं वर्ष्या वायरावात्र्याक्षेत्राम्यार्यम्यात्र्यात्र्यात्र्या वर्चेरची:नवराधुगाः से गार्युअः ग्लॉरःनितः वीरः हे के देरं राचुवायदे क्वायायरः বাপুবাপাৰ্থা আবশানপ্ত্ৰান্ত্ৰদাৰ্শ্ৰণ প্ৰত্নান্ত্ৰদাৰ্শ্বলান্ত্ৰদাৰ্শ্বলান্ত্ৰদাৰ্শ্বলা यन्तरः श्रुपः त्याराज्या श्रुराश्चे स्रीतः त्यार्थः यहात्रते यहातः दरः यहात्राः प्राप्तः प्राप्तः ঀঀ৾৾৻ড়৾৻ড়৾৻ড়৾ড়৾৻ঀ৾ঀৢ৾৻ঀ৳ড়৽ঀঢ়৾৻ঀৼয়৻য়ৣৼ৻ঀ৾ৼ৻য়য়ঢ়৻য়৻য়৻ড়৻য়৻য়৻য়ড়ঀ৻ৠৢঀ৻ড়ৢ৾৻ च्याकायकाष्ट्रियःसरः चुरः हो। दे स्वः वः यदः वर्द्धेरः चवेः अद्यवः अरः मृदः सः दरः। নর্মাদনি অধন অমানর্মান র্মিবাশাবার্ত্বনা দু নদ্রাদা মীর্ দনি নর্মান্ত্রশান্ত্রী

र्केशयान्तर्यानुः अद्यतः द्वाः क्र्रीं चान्त्रम् यानिः द्वीं दशानिकाः क्रीरः चेरानन्दरः होः ॱॸ॔ॴॖॸॱऄ॔ॱऄॸॱॻढ़ॏॱॳॸॱऒ॔ॸॱॸॖॱऄॗॣ॔॔॔॔॔ॴऄॱॻॷक़ॱॳॱऄॗॗॱॸ॔ॸॱॾॖ॓ॱॿॴॵॱॷॱऄॗऄॱॸॣॕॿॱक़॓ॿॱ ल.र्ज्रेट्श.तपु.चक्रंब.र्ज्य्व.वेश्वताता.श्वे.र्ज्य्यात्र.क्र्यांच्या.व्यंत्रात्र.व्यंत्रात्र.क्र्यांच्या.व्यंत्रात्र. বর্ষপর্ন্সবিবের্মুক্র্যন্ত্রী স্থিনকাঞ্চর,সাহ্র,স্থির,ক্রী,সাধ্রব,শ্রীর,রি,মান্তর, ঀ৾৾য়৽৻ঽ৻ৢৢৢৢৢঢ়৻য়৽ঢ়ৼ৽ঀৢৼ৽য়ৣ৽য়ৼ৽য়ৢ৽ঽয়ৢয়ৼ৽য়ৣ৽য়ৢৼ৽য়ৣ৽য়ৢৼ৽য়ৢয়৽য়ঢ়ৢ৾ঀ ঌॱঀऻঽঀ৾৽ঽয়৻য়৾ঀ৾৾৽ড়ৢয়৾৽ঢ়য়ৢয়৾৽য়৾ৼয়৾য়৾৽ঢ়ঀঀ৾৽য়ৣয়৽য়ঀ৾৽য়ৄঀৗয়৻য়ৢ৾য়৽ঀৼয় शुर-श्वेल'नर-होर्'पदि'नक्षे'ग्रव्याग्रर-र्'दिर्दि'पदि'र्गे'दर्व'पद्मस्यय'ल'सूर्व' बोद्रायदीःचगुरः स्ट्रीयः चक्कोद्रायश्चीदः चदिः कः मुद्रोद्राद्राः। मुखः चगादः रेदार्थे के द्रार याबिरम्रःक्रियोम्।बिरःतरःक्षःरयोःकृषःबियोःसरःत्र्रःबिषःक्रीमःबीस्रःबिनःपर्र्षःरः নষ্ক্রবাম্য নন্ত্র স্ক্র্র্য ক্রিয়ে ক্র বাইবা অম ঐ নন্ত্র প্রবা অম ঐ বাই বিম য়ৼ৾য়৻ৼৼ৻ঀয়য়য়য়ঀয়৻৸ৠৼ৻ড়ৼ৻য়ৢ৾য়৻য়ৢ৾ৼ৻৸য়ৢড়৻য়৸য়৻য়য়৸৻ कुलाप्रस्याचरे चरी चस्रुद्राया श्रुदि ल्वन्या रैसा श्रुवायरी के दाद्राचहरा। विष्वार्केश्रः स्रे के देशे देशे देशे देशे देशे प्रतिवादित स्याः स्री प्रस्ति स्थाः विष्या स्थान *५५:व५:पः* अर्गेवः अ५:क्रअरायः स्५:क्र्रेचः हुः चक्क्ष्यः वर्षः यहिंदः चः क्रेवः धेंदेः अर्केदः ब्रुव ग्री क्रें तथर क्रु केव में न्रों नर सहन। क ग्री ग्री नश्न क्रुव ग्री म्री कर र विवा र्टा अर्थे अर्थे रायवा वी वार्षाया स्वामा रहा अर्थे राष्ट्र रायवार्या वार्षाया स्वामा स्वामा स्वामा स्वाम यदः हेर् ४४ व्यापदिनरासुप्रस्था वैदा अरायदः सुर्रा रवरा दुवा रेटा वीः *৻*ঽৡৄঀ৶৻ঀয়৻য়ৣ৾৾৻ৼৢঀ৾৻য়ৼ৻য়ৢৼ৻ড়য়ৼড়য়৻ৼৢ৻ৼঀ৻ৼঀ৾৻৸৻য়৻ র্বম'নমূর'গ্রীম'গ্রীম'নর্গী'নপ্র'অর্ধবৃ। স্থুম'অহমে'নম'ব্যার'নরী'हेর' क्रॅंश श्चेन ख्री नगाय प्रचर्या खुः यक्रैंश यदि खेर क्रुं यक्रेंग 'न्यव में सें म्नव गर्नेव ' শ্বর নমুকারকার্র নেই বে শ্বী অম ধর দরি ন্যেবাকা বার্টকা শ্রী নমুব ন্ত্র ব্যর্জী क्षेर-र्थे उत्र-द्रमा इ.पदे पर्देर-द्रिय पर्वेत पर्वेत पर के त्रमुगा पर्दे । यर दर्से चदे वाद्यकाय दर्ववाका है। गुरु ग्राहर द्रीयाद विरागिक वा है वीका यते हेत त्र हुर वीषा धुःसर र्टेंस त्र विषेत्र हिता प्रति ख्वारा केंद्र सहता য়ঀৣ৾৾৻য়য়য়য়য়ৣয়৻য়৻ঀৣয়৾য়য়৻৴ঀ৾য়৾য়৻য়ৣ৻৸য়ৣঀয়য়ঀ৻য়য়৻৻য়য়৻৻য়য়৻৻য়য়৻ য়ৢয়৶৻ঽঀ৾৾৻ঢ়ৄৼয়৻৸৻য়ঀ৾৻য়ঢ়ৣৼ৻ঀয়ৢৼ৻য়ঢ়ৢ৻য়য়ৢ৻য়য়৻য়ঢ়ৢ৻য়ৢয়য়৻ चर्त्वदायापाः सेर्प्स् क्याः सुग्रायायाया सुग्रायाः सुग्रायायायायाः चर्त्रायाः र्यद्वःतस्य तस्य स्थून सून हुन विर्वे विरा ५५ द्या तस्य स्थित स्थि युः नः र्स्रे अः र्धे र त्युः न्वनः ग्रुः न्न र वर्षः यद्वे के न्वाः नु अदे वा वी वा न्या र्थे र ૡૹૄૢઽૢૢૡૡ૽ૺ૾૽૱ઌૹૹૼ૱૽૽ૢ૽ૺૢ૽ૺૹ૽ૺ૱ૻ૱૱ઌ૽૽૱ૡૢ૽ઌૺ૱ઌ૽૽ૡ૽૽૱૱૱૽૽ૢ૽ૡ૽ૼઽૹ૽૾ૢૼઽૹ૽૽ૼૺૺૺૺૼૼૺૺૺ য়ৼ৾৴য়৾৽য়ৣ৽য়ঢ়ৣ৾য়৽য়৾৾ঀয়য়ৣ৾৽য়য়ৢ৽য়য়ৢ৽য়য়ৢ৽য়য়ৢৼ৽য়য়৽য়ৢৼ৽য়ড়৽য়য়৽য় मुल पॅर नत्तुवायायाया र्वार लें हेर खेर पर स्नु रहें या ग्रीया वार्य पर हा. यदु.शह्रे.त.ह्र्याय.प्रे.ह्री.रूजाययोजामीय.ह्ये.ह्या.सर.यप्रेय.यथावीयोजासींद्र. नर्गोर्-य-र्न्चेर्-अ-सु-तर्भू-अ-हे-बि-नर-विस्थ-यदि-सुव-पन्धून्य-यवाय-स्र्रा *दे*ॱพर-रश्चेत्रश्चात्रः च्रायायदे चुर्चात्राहेदे तह्या प्रश्चात्रः तहींदे देव केवः

यदः शहर् मा शहर अभा अह्र स्त्रीत हो स्त्रा स्त्रीत हो स्त्री स्त्रीत हो स्त्री स्त्री

यळं बृ: श्री: यावरू: त्य: प्यान्यां दः यः प्येब: वें।।

২২:২২:বিপ্রথ:২১২:शूक्रांक्री र्यात्रपुरम्यावराकःविषायाञ्चयावात्रकराया। *ढुर:बर्:पर्क्ने:पा:तवाय:व:बोर्:पतर:श्रे*र्॥ ट्रे.श्चर्.चीय.तपु.र्ययर.हीया.ह्याय.कुष.तपु।। सक्र र्स्यानन् रावे सहर् प्राप्त म्यू राविषा अर्वेद वें या गर्वें र द्वया कुर दुरे कें या द्या है।। गर्भर प्रमान्यात्रं क्षुया गान्या र क्षेत्रा। लूर्यार्ह्र्यात्राचितायसेयासेयासात्रात्यात्र्याया न्यार्केशक्षेत्र होन् ग्रायर प्रते सूर पाउत्। यार दायर्के यावेश रेश सुः स्राक्ष कर्म भने॥ नसूत्रवहेत् र्सेन्था के लिन्या पर्नित्र पर र्सेन्। . यर:र्वाः क्रेंब्यवे: वसूब:यः सुदः हेंवाकः केंगा चन्द्र-द्रम् चार्या श्रेयाचित्र त्र्र्यायते स्रो। इस्राम्बितः सेरासुन्नामा त्रीहेन्य पतिः स्वीमा सुनामा र्वेर तद्देव : धर्याचि : यावे : यावे : यावे : यावे : वे यावे अद्यतः धरा तहेवा हेवः गुवः तुः वदः अर्द्धवः र्शेवारु॥ म्र्रप्रे पञ्जापादम् कु परुषा प्रिस्या ले हो। ત્યેનાત્રાત્યસાન્સાયમાં કુંનાત્રાયતે ફ્રેંગ્સેનાનના મ 'यम् गुन्न द्रमा पर प्रमान स्थान <u>ख़ॖज़ॱॸॺॺॱॸ॓ॱॾॣॖॊ॔ढ़ॱॸज़ॱॸढ़ऀॱग़ॖॱख़ॖॸॱॸॗॗॗॗॗ</u>

स्वीत्रायम्बर्ग् स्वीत्रास्तर्भे म्याः स्वायम्बर्णाः स्वीत्रायम्बर्णाः स्वीत्रायम्बर्णाः स्वीत्रायम्बर्णाः स्वीत्रायम्बर्णाः स्वायम्बर्णाः स्वायम्यस्वायम्बर्णाः स्वायम्बर्णाः स्वायम्बर्णाः स्वायम्बर्णाः स्वायम्यस्वयम् स्वायम्बर्णाः स्वायम्

बेश्यः प्रति प्राप्ति प्राप्त

क्षान्त्री स्वास्त्र स्वस

বাদ্যানুদ্র মান্ত্রাদ্র প্রত্তি নার্ব্য এই বিষ্ণান্তর ক্রিমান্তর ক্রেমান্তর ক্রিমান্তর ক্রিমান্তর

श्चेत्रश्चित्रयाहर्ष्याव्याः स्वार्थ्यायाः स्वार्थ्यायः स्वार्थयः स्वार्थ्यायः स्वार्थयः स्वर्थयः स्वार्थयः स्वर्थयः स्वर्ये स्वर्थयः स्वर्थयः स्वर्थयः स्वर्ये स्वर्ये स्वर्थयः स्वर्थयः स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्थयः स्वर्ये स्व

क्रुयःनसूद्रभेदान्चेद्राचगायावानदेखें॥ <u>ॱढ़ॖॴॱॸॺॴॹॗॱॸ॓ॸॴॴॺॸॱय़ॴॴॖज़ज़ॸॸॸॸऻऄऻ</u> **अ**न्जुन्सून्यते तेन् बेरायन तन्र क्षेत्र। पहर्वायान्ययान्युचार्ययर क्रियायार्हेवायाः क्रेयायाते।। यर्-र्यायानस्य पति नस्य गावयानु यो रापती। यन्द्रम् व्यापदे कुषास्य प्राप्ति वारा क्षायदे से मुंचा सुवाय निया मुख्य मुख्य निया मुख्य क्रियानसूर्वःर्सेट्राचेरावायरान्यानेरास्ट्राचेर्याने नर्षेष्रच्याः श्रुपालाः श्रीयायतः स्वरास्ता स्वरा यायावतःह्र्यायासुयायाद्यस्थ्रीत् स्रीतः स्रीतः स्रा বশ্বং ইন্ শ্বুন অঝ দ্বা দ্ব ঐথ ঠে গ্রীঝা नमून'न्र'केंब'यदे'चन्वा'केन्केंब'यनुव्यावाबुर'।। *बि'नशै*ल' स5्डूर' न5ु5 क्वेंदे सर्हें ५ 'धेर है। गुव्रव्यायकेटाचक्क्याच्यावियाचिराचिराचिरा र्केशयनुवारीक्केव्यवरायते <u>य</u>ुःग्विन्शकेन्॥ षारवराञ्चे वेरावर्षेर्यंत्रेत्रत्रित्र् य.रचय.र्ज्ञेच.र्ज्जेट.र्थिय.तपु.र्ज्ञ्चरचा.शक्रुया র্কুঝ'অন্থর'র্লুবাঝ'শ্রী'শ্বুদ'ল্লুদ'রেন্ট্র'মার'বাচুআ वरीत्रञ्चेयाचीः द्यावान्यम् कुत्रः दुः विद्या।

देः यदः चङ्गायः यः च वदः र्यदेः अदशः क्रुशः श्रेदः सः दर्श्वेदः यदेः वादशः वादशः अर्केवाः क्रुः

यार हें हैं यात्र मुं छुन हुं याया कें अ कें या के या कें या कें या के या के

योर्थार्ज़े्ट्य.यक्षेष्रतालर.र्रा.ची.सैयका.थी.वी.श्रर.क्र्याची.क्षेष्रम् नश्चरःगर्शेः ५८ः। ग्रेले ब्रिंब क्रेब र्येदे कु नश्चे द द्वराय दे कुया नश्चर श्चे द र होः च्या'यी'से'र्रे'चक्करूप'हे। क्क्षेु'न्युदे'सद'चन्देदे'यवि'स'रूर-चसूद'ई'स'सेन्'स' য়ৢ৾ঀ৻ঀয়৻৶ঀয়য়ৣ৻৸ৼ৻ঀ৾৻ঀৣৼঀ৾য়৾ৼ৻য়ৢ৾৸৻৸ৼ৻য়ৢ৾ৼ৻৸ড়৻য়৽৻ৼৼ৻ৠ৻৾ঀয়ৢ৸৻৸ঀঀ৾ঀ <u> बिर्प्यर ठक र्र्प्र खेर</u> क्षेत्र क्षेत्र केषिया अकेषा यया गुक्र या जावक रेव ख़ुर ઌૺ૱૽૽ૄૹૢઌૹઌૹૢ૽ૺૢઽૢઽૣ૽૾૽૽૽૽૽૽ૼૹૹ૾૱ૢઌ૽ૡ૽૱૽૽ૹ૾ૢઽૢૹ૾ૢઽૢૹૢઌ૽૽૽૽૽૽૽ૢ૱ૹઌ૽૱ त्युवार्थाः बुदः वी : बु: चत्ववा : वादारः त्युर्धः सः च्याः चित्रे : बुवार्थः क्षूर्वर्था विश्वः म्नॅ धिर्यार्थेर नदी सुग्राया नयसा सुन् सोन ह्र्युं मृत्या देया पर प्राप्त न प्राप्त वे केंश्राम् केवार्या तदी वर्षा श्चीया सम्मान्या तदीया सक्तार्थी वर्षा सम्मान्या वर्षीया समान्या समान्या वर्षीया समान्या वर्षीया समान्या समान्या वर्षीया समान्या स **ঐঁ৵**ॱ৸৵ॱনৰ্শীব্'ম'ব্ব'নডক'ম'গ্ৰমক'ডব্'মহ'মীকাশ্ৰী'নাৰহ'ৰ্মীনী'ম'ক্ক্ৰু'ব্হ' · स्वरपान्ना वालवर्नेवर्श्चीः यया वाया वया यम स्वर्धेन्य स्वर्धेन् स्वर्धेन स्वर्धेन स्वर्धेन स्वर्धेन स्वर्धेन ব্যবাপান্তী:প্র্যার্ভ্রবান্ধিন ব্যান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত্র প্রাক্তান্ত্র প্রাক্তান্ত্র প্রাক্তান্ত্র প্রাক্তান্ত্র

श्रेश्राचर्त्वस्याम्। गुत्राचरायत्रित्राचित्रम्याधित्राचति चेत्रेत्रम्याः स्वेश्राचति चेत्रम्याः स्वेश्राचति चेत्रम्यः स्वेश्राचति चित्रम्यः स्वेश्राचति चेत्रम्यः स्वेश्राचति चित्रम्यः स्वेश्राचति चेत्रम्यः स्वेश्राचति चित्रम्यः स्वेश्राचति चित्रम्याः स्वेश्राचति चित्रम्यः स्वेश्यः स्वेश्राचति चित्रम्यः स्

म् व्यान्त्रम् व्यान्यस्य व्यान्त्रम् व्यान्त्रम् व्यान्त्रम् व्यान्त्रम् व्यान्त्रम् व्यान्त्रम् व्यान्त्रम्

भ्रम्याण्याः। क्र्यां व्याच्यां व्य

स्याः श्रुट्वाः त्रिः त्रिः त्रिः त्राः वर्षाः त्रुं द्राः त्राः त्रिः त्रिः त्राः त्र्याः त्रिः त्राः त्राः त स्याः त्राः त्रः त्राः त्राः त्रः त्राः त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः त्र

योष्ट्रा च्रित्राक्ष्म् स्वार्थ्याक्ष्म् स्वार्थ्याक्ष्म स्वार्थ्याक्ष स्वार्थ्याक्ष्म स्वार्थ्याक्ष स्वार्थ्य स्वार्थ्याक्ष स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार

যঙ্গিন্দ্র ন্ত্র ন্ত্র ন্ত্র ন্ত্র নার্ন্ত ন্ত্র নার্ন্ত নার্ন নার্ন্ত নার্ন নার্ন্ত নার্ন্ত নার্ন নার্ন্ত নার্ন্ত নার্ন্ত নার্ন্ত নার্ন্ত নার্ন্ত ন

रे कॅश्च्यू र लुग्याया के दाया जावत के खें ज्ञां ज्ञां का प्याप्त के स्वाप्त के स्वाप्त

ह्या.क्रेम.क्रि.जम्म.क्ष्या.देश्यात्म्या ह्या.क्र्यात्म्या ह्या.क्रेम.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या.कष्या

श्राम्यामये मालु प्राम्याम्य स्वाप्त स्वाप्त

ড়৾ঀ৾৾৽ড়৽ড়৾ঽ৾৽ড়৾ড়৽য়য়ৢ৾৾৵৽য়ৣ৽ড়ড়ৼ৾য়ৢ৾ড়৽য়৾৽ড়৾ঀ৽ড়৾৾৽৽য়ৢঢ়৽য়য়ঢ়৽ৼৼ৾৽ त्युवार्याः भ्राम् व्युवात्यात्रद्देशाः भ्रदान्य द्वंदाः स्री स्त्रे वा स्वतः देवा स्वा स्वा स्वी स्वी स्वा स <u> বর্তা । ব্রান্থর ব্রান্থর ব্রাকা বর্তাকা বর্তাকা প্রান্ত্র যা</u> लेदुर:ग्रुब:प:बृ:पठु:प। कुल:बुब:लग:लेद। प्रवेश:बुद्रुद्रा वें: क्रुंगःचरुरु:५८:। दह्रेर:च्री:वर्षेरु:पश् वार्त्र:सर:च्रेर्य:वार्च्यायां श्रेय: ह्वाया नर्म्यान्त्रेते स्वायायाय विद्या श्रुप्य स्वाय स् सर्-रूपायः र्रेंद्रायसः द्यीयः या गा भी भी भी स्वापाय के साम के स र्मणायार्चुमाञ्चा क्षेत्रारमायोतुः नरामा निमः स्वान्यानिकः स्वीनः यभिषा भ्रा.समायायहाय ज्रा.मैयायक्य.रटा यहूय.ची.याश्या यम। ह्यामायह्य क्षुन्र र्या खेतु ह्या सम्बा नसूमा स्वीत देशा यमके न भुगायुपा वे सुषा मेर्ड हा द्वुसंस्वानिकारन ८८. द्रेग्रथः क्रॅंग्रथः ग्राबदः प्रबेष ध्येदः प्रबेदः स्राहेदः क्रेंग्रुः मुचः पर्देशः क्वा अर्देव'य'गुव'चरुरु'चठरु'द्र'। दहेव'च्व'चले'यरु। स्व'रुट्ट्र'य। र्ह्ये देवाया न्दराह्याया स्वाया स्वत्याचा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा न्तुः अप्यप्तह्रम् या न्तुः अक्कुम् कुन् झुः आ क्निः अप्रेम् अप्यामित्र याबर श्रीर अक्षत प्रजीय पठका ५८ । वहें बच्चा खेर प्रका अहें बहुं वाबा क्व। र्नु:य:क्वुर:पह्ना:गहेय। क्वुर:स्न:या व्यव:ह्ना यर्देव'य'यक्रीयय'क्रेव'यर्थ'द्रद्र'। दिहेव'य्व'द्र्य'यथ। कॅट्'य'द्र्य'

त्र<u>च</u>ीत। क्रूंब'ग्रासुब'र्पयाक्षी तह्य'त्रचीत। विरःधिब'प्युस'र्पन गुरुषा गुनःसवतःसर्हि। धेनःनिवनःसर्हिःनरुरुनः। दहिनःगुः नर्वापर्या र्राट्वें अच्छी होता के बार्षिया यह ता रहा । सूरा ना सूरा सुन्। বাশহ নহ্বা হ্বাইশ ক্রুরা অর হ্বা অর্ইন্ ইবা ইবা ইর অইন্ নহ্ম হ্বা বার্ষান্ত্রামামার্ছির। প্রবামের্ক্রবামের্ছির। র্ক্রমান্ত্রীন্মামার্ছির বভ্যান্তর प्रह्में स्वाप्त मा स्वाप्त स्व कुर्-नरु-नर्भ क्षेर-विग्-य-नलेदि-विर-कुर-कुर-मुक्-य-क्षेत्र-नर-र्--नरुर्याः र्वेन कुन्हे। वे रे दे दे वे वा ते रे दे वे वा ते व ૹ૽૾ૢ૽ૠૣૼૼ૱ઌૣૹૢ૱૽૱ૹ૽ૹૼઌૣૹ૱૱ઌ૽૽ૹૹ૾ૼઌૣૹ૽૱૱૱ૢૢૡ૱૽ૢઌ૱૱૽૽ૹૣ स्रिरःग्रवरःकुः ५८ः। श्रुरः त्व्यायः यविग्रयः यते स्रव्यं ह्रग्रयः यविषः ५विष। <u>देःचलैदःचर्चेःदेगायःसूर्वेगयःद्येगयःचययः तुरःविद्गाददःचःददः। देवेः</u> ब्रिट्यासु:न्ज्रीय:विव्रास्यायाजी:विवा:न्दा। ह्याळेवा वान्द्य:न्व्राह्य वर्देब'हा गर'वळब'धुग'कु। रेवा'र्बे'वर्दुर'र्ग्रोवा'स्र'गर्गुबा ग्राचुरर्यःदेवः'यव्यायञ्च्यायिः ध्वायो स्वायः स्वायः स्वायः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स ११) र्रेशन तमर्या अर्केना न्याय गीय तहूर चीय स्था मार्थ मही यह स्थाय ঽ৾ঀ৾৾৻ঀ৾ঀয়৵৻৴ৼ৾৻ঀঽ৵৻৸ঽ৾৻ঀয়ৼ৾ড়য়৾ৠ৾৾৾য়৾য়৻য়ৢ৾ৼ৻ৼয়ৣ৾ৼ৻য়ৣৼ৻৵৻৻ঀৢঀৗয়৻য়ৣ৽য়ৼ৻ त्युर्यासी सुराबिरा। र्केसासिराचेरसारेरालुग्यासु कराव। देयायहेवास्त्रीती য়ৢঀ৾৶৻৴ঀ৾৵৻৵৻৴৸৻৴ড়৾ঀ৵৻ৼঀ৾ড়৻ড়৾৻৴ৼ৻৷ য়৾ঀ৻ড়ৢঀ৻ঽড়৾৻৴ড়ড়৻৴ঀৄঌ৻

क्र्याशःक्रुवाशःदेशः उत्रावन्त्राः द्वींश। चर्डः सृद्धेदः घेदशः द्वाद्यः द्वींश। चर्डः सृद्धेदः घेदशः द्वादशः द्वींश। क्रुवः द्वींशः द्वींशः द्वीं। त्वितः क्रिंवः व्यादिः स्वादिः स्वादिः स्व क्रिंवः चेदः । त्यायः व द्वीवः देवः याद्वादः द्वींश। क्रुवः द्वीं। त्वितः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व

प्ट्याःश्चेयाःयावयःययागःशाययःयःक्ष्यःविश्वश्चाःय्यंशः श्चेयाःययागःकः कृतः त्र्याःश्चेयाःयावयः व्यायव्यः व्यायव त्रुयाःश्चेयाःयाववयः व्यायः शाययःश्चेयः व्यायवः श्चेयः व्यायवः श्चेयः व्यायव्यः व्यायव्यः व्यायव्यः व्यायवः श्चेयः व्यायवः श्चेयः व्यायवः श्चेयः व्यायवः विष्यवः व्यायवः विष्यवः व्यायवः विष्यवः व्यायवः विष्यवः विष्यवः विष्यवः विष्यवः विष्यवः विष्यवः विष्यवः विषयः विष्यवः विषयः विषय

য়য়ৢৼ৽ৼয়৽য়য়ৄয়৽য়৽ৼৼয়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৼৢয়৽য়ৣঀৼ৽য়য়য়য়য়ৼ৽য়য়ৣয়ৼ৽ঢ় য়য়ৢৼ৽ৼয়৽য়য়ৄয়৽য়৽ৼৼৼড়য়৽য়ৢয়৽য়ৼৢয়৽য়ৢয়য়য়য়য়য়ৼ৽য়য়ৣঢ়৽য়য়য়য়য়য়ৼ৽ঢ় क्रिंस् स्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्र

यक्ट्रा प्रस्तिन्द्र्र्यं याक्ष्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

चुःश्चः र्क्क्याः व्याद्धः द्वाद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्याद्धः व्य त्रम् व्याद्धः त्रम् व्याद्धः व्यादः व्या

१९ च्रियान्दः इस्यायागुर्तः हु। त्यानुद्दः द्वः । अपन्ता विद्दः द्वः स्वते : क्वा विद्दः द्वः स्वते : क्वा विद्दः द्वः स्वते : क्वा विद्दः स्वते : क्वा विद्दः स्वते : क्वा विद्दः स्वते : क्वा विद्वः स्वतः स्वतः

१९ च्रुन्द्र-र्राचित्र-श्रॅन्विर-श्रायन्त्र-श्रिः विद्र-प्रायन्त्र-श्रीः श्रेष्य-प्रावित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्वाच्य-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्याचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्राचित्र-र्याचित्र-र्वाच्य-र्पाचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याचित्र-र्याच्य-र्याचित्र-र्याच्य-प्रचित्र-र्याच्य-प्रचित्र-र्याच्य-प्रचित्र-र्याच्य-प्रचित्र-र्याच्य-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प्रचित्र-प

योशस्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्याः वित्राच्याः वित्राचः वित्राचः वित्राच्याः वित्राचः वित्रा

धुःरेयायाः क्रुवायाः र्श्वेद्राचीः कर्तावीयाः स्वयः प्रस्थाः विद्यायाः विद्यायः विद्या

यहीं पहें तहे के सु दुर्ग्या।

यहीं पहें पहें के सु दुर्ग्या विकास गार्त्र हो स्वास स्वास

 भ्रुं नम। रे.र्चगमान्यः सामद्रास्य स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्था

क्षेत्रं व्याप्ति व्यापति व्यापत

याब्हरकेवः स्वायव्यक्षस्य वि याब्हरकेवः वि याव्यक्षया वि याव्यक्यक्षया वि याव्यक्षया वि याव्यक्षया

৲৻৽ঢ়ঽয়৾৾৽৸ৼ৾য়৸ঢ়য়য়৾৾৾য়ৣয়ৼৢ৽ঢ়৻ৼৼ৾য়৾৻ঢ়য়৾৸ড়য়৾৽ अर्ळद् 'ह्रग्रथ'नब्रेश'विर'नश्रुद'नर्डेश'र्से अ'यदे'क्रु'र्केग्रथ'र्कर'न। য়ঢ়য়৾ॱয়ৣ৾৾৽য়ৢ৾ঀ৾৾৽ঢ়ঀ৾৾৻৴ৼ৾য়৾ঀড়ৼৼড়ৼ৾য়৻৶৵ঀয়৾য়৻৸৻য়ৢ৾ঢ়য়৻য়ঢ়ৢ৻য়৾৾ঢ়য়৻ মর্ম্রন। রূবাঝ:মন:বত্তমঝ:দারী বাঝম:ন:রূবাঝ:শ্রী:শ্রু-রেম্বী:র্ব্ব-শূরি ग्रिते स्रेर ग्रित् स्रेत स्राच र्द स्रुप्त स्रुप्त ग्रित र स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्र গ্রবাপ:রূবা:বপ:ক্রীপ:বপ্-(ল্লিব:রেন্রীপ:ব্যা আবের:क्रेव:द्या पञ्जःশ্রবা: रैगा'यदे'ग्रव्यात्य'या अञ्चित्र'या क्रुया क्षेट 'सू' क्षेत्र' क्षेत्र' क्षेत्रया पत्रेय या विवादितः शु.पहूर्यात्र। मिज.पर्संप.पहूर्य.सैंट.सैज.पपु.वीयोश.सैंचक.कु.च। क्रूज.ची. केव में रूर नी अपवर कंप की पत्राया हो र र्पर पा अपवर केव ही पर दी। য়৾ঀৼৄঀ৵ৼ৾ঀ৾৽ঀ৾৾৾ঀয়৵৻ৼৼ৾৽ঢ়ঽ৵৻য়ৼ৽ৼৼ৾ৼ৾ঢ়ৢ৾ঀ৻ড়ৢৼ৾৻ড়ৼ৾৸৾৾৾৾৾৾ঢ়য়৻য়৾ঢ়৻ড়ৢ৾৻য়৻ न्ग्ति : व्यंत्र : हत्र : न्यंत्र : র্ফুম: ব্রির আনর মনকার্ধ্য ন্রির প্রথ ক্রম: ক্রী ক্রকা ব্রিম নের্বিবাকা নে দ্বন নি क़॓॓ढ़ॱढ़ऻॱॱॱॴॸॺॱक़॓ढ़ॱॿॖॎऀॱॸऻऀॾॕॺॱॿॖऀॱऒॴॾ॔ॻॱॻऻऀॱऒ॔ॱॸॖॣॴॸऻढ़ऀॱॻऻढ़ॆॴक़॔ॸॱढ़ऻऀॸॱ। ढ़ॕॸॱॴ॓ॴज़ॱक़ॕॖॴॴफ़ढ़ॺॱॸॣॖढ़ॱॿॻॱक़ऀॴक़ॖॶक़ॱक़ॖऀॱॻ2ऀ॔॔॔ड़क़ॴॗॱऄ॔ॻॱॿॖॎॱख़॔ॴ नक्षुर्यान। रेस्रायाद्रार्येदे नक्षुत्रादिक्षुं कुर्ये केत्राद्वा मी सुदि र्यो यह्रवःरे.प्र्याना वियायर्थातात्री जेनाविषुःष्ट्रमानात्रविष्टात्रास्त्रीं.स् क्क् अप्ति । व्युन पति या अर्घे र यानियाय पति त्यय हिवाय ग्री प्रेंत हत् पत्रे या प ब्रिन्। स्निन्न्यास्त्र्यान्त्रस्य प्राप्तः स्वर्णः त्रिन्त्रः स्वर्णः त्रिन्त्रः स्वर्णः त्रिन्त्रः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वरं स्

क्राज्ञिशतव्रवेद्वाक्षेरः रेग्नश्चाक्षेत्रक्षेत्र व्याक्षित्र व्याक्षेत्र व्याक्य व्याक्षेत्र व्याक्य व्याक्षेत्र व्याक्य व्याक्षेत्र व्याक्षेत्र व्याक्षेत्र व्याक्षेत्र व्याक्षेत्र व्य

२० र स् श्ची स्वार्थ स्वार्थ

श्चैरानर्भे प्रहेंग ५८ थीर केया शुर्निया र्गे खुया ५८ । र्गे क्सेंट गर्वेद न्धेंब-न्द-अविव-धें-त्य-चर्ट्रोब-न्बेंब-न्बेंब-के-न्वे-। वाब्य-न्यु-वर्डु-दे-त्य-वाब्य-ह्येंच-दे-*য়ৢঌ*৽ঢ়৾৽ৼয়ঀয়৽য়য়ড়৽য়৽য়ৢয়৽য়ঢ়৾য়য়৽ৼ৾য়৽৻ড়ৢয়৽য়য়৽য়য়৻৽য়৾ঀৢয়৽য়য়ৣয়৽ द्वींबाय:दर्। देवाग्रहायेवावायरादर्वेबवाद्वींवा अो क्रुव-५-पॉव-५व-४व-५५-५वा-५वि-क्रुव-५-४-४-४-४। क्रेयश. भ्रीत्म। ले'र्भागाञ्चरायम। वरायवार्ज्ञवागुर्भार्केम मर्श्वारदिम ব্যুষ্য यदःग्रवयः नः नरुषः दुर्गे राःविदः। धेनः परः ह्युः नविः ग्राह्यः ह्युः हें द्या **독**제' तहसाक्ष्रवालीन तहीयका यार्चे वाद्यान त्या वाद्यान व्यवता वाद्यान व्यवता वाद्यान व्यवता वाद्यान व्यवता वाद्यान चें संज्ञेत्य सेर्जी रेवाय संवाय वाह्र तर्वेवा वाहर र्वेया ब्राह्मिब्रायाया के.यहंवात्रवात्रवा के.यहंवात्रह्वात्रवं বন্ধ্রীবাঝাশ্রীঝার্ক্রঝান্ধ্রীবাঝান্ধরীবন্ধর রেমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্কর স্থানির স্থানি र्केवा वाली यो दाया भ्रुवा वी प्रभू र प्रदेवस द्वायाव स्था है स कर र र र र्वेवा हु য়ৢ৾৴৻ঀঀ৾৾ঀ৻৸ৼ৻৸৾৾য়ৢ৾ঀ৻৸য়য়ৢঀ৻ৼৼ৾৻ঀ৻৸য়৻ঀয়৻ৼঀ৾৻য়ৣ৾৾ঀ৻৸ঀ৾য়৻ঀ৾য়৻ ব্যথনেন্ত্ৰী বৃত্তি বুৰ্ত্তি বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব বাৰ্মমান্ত্ৰই স্ত্ৰিহা জুবান্ত্ৰমান্ত্ৰীর দার্মবাৰাদ্র্বী কোনেক মানস্থানীর স্ত্রী শ্বমান্ত্র দেবকু দ্বামান্য দ্বি কার্শ্বিমান্ত হার্মান্তর মিবা হিবামান্তর শ্বীমান্তর মিবা त्रुवा-र्रवामा-र्वामा-व्यान्त्रः स्वान्यः स्वायः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः त्रुबःक्चै:न्डोबःव्यःस्याःर्नेयाःसः अत्रे:होन्याहे:यवःक्चै:कन्यार्केन्:वयोव्यःन्येव्यःसः ८८। सुर-५्यायानाः भ्रीयाः याच्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वरः स्वरः स्वरः स्वयः योः

न्बेर्न्यस्यस्यानुःतह्यान्वेरिश्

३३रे चुर-लुग्रायदर-प्रतुषाक्ष्यः प्रदेशः स्वाद्यः स्वत्यः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्व

क्रीलाक्कीश्रामक्रीय श्रीट्र देशामविट्र विट्रामक्रीया श्रीक्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य

दृद्रश्यार्वदःवी:वी:देंद्रः वी:तयाया:सः नसूत्रः तहेत्रः स्त्रीदः वर्धेदः वी:वेंवा: स्रतेः त्रश्रः स्त्रः व्यायायाः स्त्रः व्यायाः स्त्रः स्

३५ चित्रान्ध्वार्थाः केत्रान्ध्वार्थाः केत्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्ध्वार्थाः वित्रान्धाः वित्रान्

याज्ञ स्वान्त्र स्वान्त्य

३^२ चे क्रिंग-तृशः स्ट्रं स्वान्यः स्वेत्र स्वान्यः स्वेत्र त्र स्वेत्र त्र स्वेत्र त्र स्वेत्र त्र स्वेत्र त्र स्वेत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य

য়৾ঀ৵য়ৢ৾৽ঀ৸৵৻ঀৢ৵য়ৣ৾৽ৼৢয়ৢ৸ৼৢ৵৻য়৽৴য়য়৽৸৽ঽৼ৾ঀ৽৴য়ৄ৾ঀ৸

२० व्यानुकाळ र प्रति हुँ प्रश्नात्त्व प्रति प्र

स्ति श्री स्त्राक्ष्य स्त्राक्ष स्त्र स्त्राक्ष स्त्राक्ष स्त्राक्ष स्त्र स्त्र

२० च्रीर खेर पत्याय प्रति सु मा गाउर खेर प्रति के स्था मा के स्था प्रति स्था मा के स्था

श्री पार्वर ख़ूब ख़ूब सूर्य पार्य पर्रा रूप स्वर ख़ुर पार्य से प्राप्त स्वर ख़ूब स्वर विट सेट दट से रेंग देश हैं से कारा से वीका की किया में देश हैं से वीका से र ক্র্ব্'ঘ'বার্উব্'ব্রবীশা वें देते गुर सेट दर। नसूत्र पश्चि देत्। दर दर द्विस सेट दें। चॅर.कु.भुेब.८४.वैंट.कुं.८गूट्य.खेंय.वेंय.त.सेंट.जू.रेंय.त.क्ट.चर.टे.कूय.चें. ८८.ष्या.याङ्ग्या.क्री.क्री.प्रचल.क्षा.प्रे.दी. तयाल.य.क्ष्याया.क्री.ट्येश.श्री.क्री.सक्य.खे. च-८८। ह्या-८८:अर-अ-अ्वाय-ग्रीय-यनवाय-८ग्रीय-विरा ५ग्रीट्यः ૡૢૼૹ੶૱ૺૢઌ૱૾ૹ૽૽ઙૢૺૢૡૡ૱૽૽ૢ૿૽ૺૢૼૹ੶ૡૢ૱ૡૹ૽૽ૣૼ૱૱ૹ૾ૢ૱ઌ૽ૹૢ૱ૹ૽ૺૢૼૢૼૢ ४) ग्रुटःशीःविःवदेःश्चें र्र्यःकेःद्रः। त्रःश्चेःग्रेरःकृतेः त्रस्रः। र्ज़ेंद्र. *न्*गारःबॅरगायनःविद्या बुनःग्रेगायुःवनुगायःसन्यरुगःग्रे।बनःद्धवन्नःभेरः भ्रा.शंका.क्य. में ख़्य.च्या.स्टर.श्र.क्र्या.क्टर.। अट.ज़ेट.श्री.क्ष्य.यट.क्ष्य.यका.ह्याका. चल्चेत्र.चर्स्रेर.जश.वट.क्ष्य.चर्चेय.चर्चा.शोवय.र्झेज.प्रमश्चात्राट.क्ष्रचयाजय. র্ক্রবা বিস্থেন্যস্থ্রশ্রেশ্বন্ধ্রশাক্তব্যস্তর্ভীন্তিশ্য तर्वेदःवर। से'सद्दायसेदाय। दहिरः हेंद्र र्श्वेषाया से केंप दे देवाया त्यात्पः व : चुर्यं के त्रं के : के द्वार : के : के वार्ष्य व : चीर्यं व : ची क्रेंश चृ गलु र स्रो र खिरा प्याया देते से द्वार साद र । अर्चे द र गें। वर्षा र्नुयार्थेरमा लायेरा वेंबाभुगमा म्वान्तिमार्थेगमा अर्वोद्गः अर्थे दः त्रेया वर्षाः या चेत्र या चेत्र या चेत्र या चेत्र या वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व বঙ্কুষানগ্ৰা ব্যুৰ্স্থেন দ্ৰামী ক্ৰিলান দেবেল। বাৰ্ব্ব বাৰ্বি বহুষা স্থিন দ

বরি ব্যা ক্ট্রির যী শার ক্ট্রির থেষা ঝী বের বের ব্যা ক্রমণ বরি রের বার বি বর্মীর বি ব

८८) बुरःगिर्हेग्रशःश्चुनःश्चेतेःश्चेरःपानश्चामाह्यःपानुनःश्चेश र्यूगायः ર્વેસ'નચસ'ગ્રી'સદ્દેર'મ'ર્ફેફ'ર્નુ'ર્સેર'નચસ'ફે' ગ્રુન'க्ઠેફ'લદેગ|સ'સેન્'લર્ધ્વેફ'યસ'ર્લેન્' बेर.२८.। अर्र्.अष्टिव.य.र्रे.श्चेश.ये.लेश.र्रे.हे। रतता.श्चेंता.यहवाया.शर. য়ৢ৵৻য়ৢ৻৴৸ৼ৻য়ৢ৾৻৸ৼয়৻য়ৣঀ৸৻৸৵৻য়য়য়ড়৸৻য়ৢ৻ঀ৸৻য়ৢ৻ঀৗয়৵৻ৼঀঀ৾৻ र्वेट दिव। श्रेवाश स्त्रुव दे ओ हेव। वस्रेवाश पदि स्त्रेट पेदि सगुता क्री सेंट । वट स्रम्य स्रा ग्रॅंट केंग श्रेतु गर्शे हिसम्परी ति तहें वा व्यव निर्माणी हैं शुर-र्सेग्रय-५८१ देव-कुर-ति द्वी-र्स्सेग्रय-र्सय-ग्रय-राधि-द्य-राधुर-नक्षुर्यः हे क्षेर्वासुयः वादर्द्रानसूद्वादय। ग्लेर्ट्र केद्रक्षेरः वी भ्रीवा त्ये दिर् বাৰ্মনাৰ্ট্ৰবাৰ্মনান্তৰ, দুট্ৰেনান্তৰ্মনান্তৰ নিৰ্দ্ৰিশ্ৰমান্ত্ৰৰ ক্ৰিমান্তৰ্মনান্ত্ৰৰ ক্ৰিমা क्षे'ग्रिम् क्षुन्यायाम्बियाद्यान्यामामित्यादे साहेयानुःधियान्नेदायास्त्राम् क्रें क्रिंग्च्रिंग्व्रक्षं क्रिंग्व्रक्षं क्रिंग्व्रक्षं क्रिंग्च्रिंग्व्रक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्व्रक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्वं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्व्यक्षं क्रिंग्वे क्रिंग्वं क्रिंग्वे क्रिंग्वं क्रिं <u> २६४७: ब्रियः यक्षेत्रः वेतः वेदः अर्दः कृषायः यत्त्र स्त्रुपः दरः क्रियः वीदः।</u> ययः स्वायः য়ৼয়ৼ৾৽ৡ৾য়ৣয়৽য়য়ৣয়৽য়য়৾ৼড়ৢৼ৽য়ৼ৽য়য়৾৽ৼয়ৣয়৽য়ৼ৽ড়ৄ৾ৼ৽ৼৢ৽য়য়৽য়ৣ৽ৼৼ৽য়৾৽ড়ৢয়৽ जयावयाची,पधुरप्र्यराज्यश्वरायप्रदेशम्यायधुरानु से से राह्य *च्चुॱ*बेर्रापदिॱधैर्यापद्यु'यार्ययापदि चेयाक्षेट ठ्वा केराच्चदि न्रीट प्रवेदी। न्दार्म्यान्ययार्वेरानुदेश्चीरा। व्रेल्ट्रिय्यायान्ययादयेयाच्चीरा। बुनः देश दें दें के राया है राया विदाय में प्राप्त में का देश ही राया करा थी दा গ্নীন'ব্ন'। ধন'বিন'বী'অৰ্জ্ব'অৰ্থ'মূব্যম'র্জ্জম'র্মাইন্'ব্রহম'র্মা। ८८) न्यः व्यान्यया र्वेर नुते श्चीर नु। स्वाप्ता छा अर्दे। अर्वे व्यव्या ह कुन हे प्यापा गर्भर हे रूपा गर्दर घर । रःहेर। कःवरः। अर्रे केव। हेर सेव। कुःववाः ग्रुटः परः संवीयः क्ये.च्ये.क्यें ४.खें यात्राध्यात्राध्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या वन्यःर्नेन। श्चेःयर्ने। वनःकेव। श्वेःश्चेनः। वर्धःश्चुनःवरःर्ह्नेन। म्,र्म,पर्या,यन्निभा ये.मैंट्री र.ष्ट्रा पर्येया,पर्यस्य,श्र्यास.ग्री. म् विरुषा बुन रेश र्ने बर्जेश प्रविस स्त्री र र्नु। हे र्वे रा विष्णु स् र्षःभूत्। यहरःरेरः। यनयःभ्रीतः। योःघरः। यद्येःसूत्ःभूतःय। धे भेरा रा संग्राया मुर्गित्रा मुरायता मुरायता सुराय स्था से स र्रेट.५र्ड्रेच याद्य.क्षांचर। क्रैज.र्रेट.। ड्रि.क्री टेर.कर्ट्री योटका. नगर। १गर्। नकुन्चेय। शेर्डेरा यन्ययाय। कुर्वगर्थेर बुनःमा निरःखाँ हैं हुर सेवास ग्रे म्यू विरस नहसा धीरा ८ ग्रे क्रिंगः मृत्रः मृत्रः दिवानः दिवानः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वा नसूत्र (१६४ %) ज्ञु : भ्रूर जाराुमा वि : के त्र ५८ । वि : मा वि : प्राराणकी ते : यायर कुर देश. यथी। वर प्रकेष तार हुर तयु या कुर प्रकेश हैं। यक्षेय ता त्रदेग्रथःयदेःगाः केवः पञ्चः दुग् । द्विंग्रथः प्रविदेः अप्रथः यः स्वे प्रवि । दिह्यः युदेः

त्यावर् क्रवे त्यां क्षेत्र त्या त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या त्य क्षेत्र त्या त्य क्षेत्र त्या त्या क्षेत्र त्या त्य क्षेत्र त्या त

द्या गिर्रेश। स्वा क्ट अहूर एट्ट्रिक तार्र ज्या प्रका क्रिया स्वा त्या क्र त्या क्ष त्य त्या क्ष त्य त्य त्य क्ष त्य त्य त्य क्ष त्य त्य क्ष त्य त्य त्य त्य त्य त्य

च्यान्यस्त्रव्यात्रात्रम्भ्यात्र्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भयात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भ्यात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्यात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भवत्यात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्यत्यात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्भयात्रम्यत्यस्यत्यम्भयात्रम्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्यस्यस्यत्यस्यस्यत्यस्यस्य

्रि चर्न्यत्रेथ्न्यत्रेन्न्याच्यक्षक्षेत्रः व्याप्तः क्ष्याच्यत्रः क्ष्याच्यत् च्याच्यत् व्याच्यत् व्याच्यत् क्ष्याच्यत् व्याच्यत् व्याच्यत्यत्यत् व्याच्यत् व्याच्यत्यत् व्याच्यत्यत् व्याच्यत्यत्यत् व

पठ, योषु, श्रध्यः द्या, त्यः कुं अः क्षेट्रः द्रः क्ष्रश्चात्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्ष्रां व्याच्यः व्याचः व्याच्यः व्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः व्याच्यः

রুম'অহ'রুঝ'না

२.२८.अ.इ.च.५.१. ध्रुर.च्याच्याक्य. भूगा।

ज्यानाच्याः अत्यान्त्रः भूत्रः च्याच्याः भूत्राम्याः

क्ष्याः च्याः च्य

पर्रुग्राराये से केंद्र में प्रति सम्बद्ध से प्राप्त ।। *ૹૄઽ*:ᡜઽૢ૽ૹૻઌઽૢૺઌઌૢૻ૽ૄૺૹૻૹૢૢ૽ૼૡૼઌૢૹઌૢઌૢૺૺ૾ रत्याचातव्यक्षासुरायस्यायते ह्रम्यारासुप्यव्या। निवःश्चेषः।सुरःसुरःकृषःचदेःचहुषः सुग्रवः नरः॥ र्क्षेत्र|अ:१८४१:व्याप्तर्वेत्र|प्रक्ष्य||व्याप्तेत्र||व्याप्तेत्र||व्याप्तेत्र||व्याप्तेत्र||व्याप्तेत्र||व्य -दुशःवदैरःचस्रुवःषःधवःपःकुरःसर्वेरःवस्या यन्तरः श्रुपः तर्तुषः यदिः श्रेः तः स्थ्राः यरः तर्तुव।। त्युर देवारा ख्रे ख्रें र ख्रुर व अधर र्शे द बिर ॥ र्दुल'न्गुति'र्धेब'हब'क्कुन'ल'अ'वर्द्धेर'व॥ ब:क्रेंग:ब्रेंब:क्रेंद:यालब:अर्गे:प्रबंध:ब्रेंद:या। ह्वायार्ड्यादिहें न्यदे रदायाचियार्देयायर येथया। नक्ष्र्य पति यद नजुद् त्युद दर हेंग्य पति केंग्या श्रेयायम्। याववानु । यस्व वावे या र्ह्मे सामुना । <u>ફ</u>્રેયોઝ.ઝ૮ઝ.઼઼ઐઝ.ગુઝ.લુ.તપુ.જૂઝ.ૹુટ.ગ્રેટ.\\ য়৾ॱয়ৣৢৢৢৢৢৢয়ঀয়য়ৠৣ৾ঢ়ৣ৾য়৾ৼৢয়য়য়৾ঀ য়য়৻৴ঀ৾৻ঢ়ৢয়য়৻য়ৣয়৻য়ৣ৾৾৾ঀ৻ঢ়ৠয়য়৻য়ৢঢ়য়৻য়৾য়ৢঀ৻৻ <u> અ.જુવે.જુજાજારા સુધ્યત્વે.શ્રીય.જુવે.જુવા સ્</u> 'ব্যামন্ত:ইম'ৰেথাম'নাৰ্বা মেন্ত্ৰ'ৰ্ম্ব্ৰ মেকা। <u> इिस'म'सर्देग'द्सर'रद'ग्वत्र'सुद'पदे'ग्वि॥</u> देख्वीरः सकैरः चुतिः ब्रिंदः वशः वेरः चुः दरः॥

मुन्दर्दर्वे निर्वे नि

इश्रायद्राय्यास्त्रम् न्युन्त्राची स्थित्यास्य विश्वायदे त्युवा स्थित्यास्य विश्वायदे त्युक्ष स्थित्या स्थित्य स्थित्

स्तुः अंट : क्रॅं अः ब्रुंद्रे : वर्ष्ट्रेद्रा : क्र्यां अः क्र्यां : क्र्यं : क्र्यां : क्र्यं : क्र्यां : क्र्यं : क्र्यां : क्र्यं : क्र्यां : क्र्यं : क्र्यां : क्र्यं : क्

नरुतःधैगार्नेब नरुब सा

तद्वेष्ट्रस्त्र्याः स्थान्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य

संभुषायाम् न्यान्त्रास्याक्ष्याम् । स्वान्त्रास्य विश्वान्त्राम् । स्वान्त्राम् । स्वान्त्राम् । स्वान्त्राम् विश्वान्त्राम् । स्वान्त्राम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम्यस्वन्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम्यस्वन्त्रम् । स्वान्त्रम्यस्वन्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम् । स्वान्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्वन्त्रम्यस्

चेन्याञ्चाचेन्द्रा । ज्ञ्चियायर चेन्याविष्ठ्री । ज्ञियाय्यन्याक्ष्र्रायः स्वाधित्रायः स्वाधित्रयः स्वाधित्रयः स्वाधित्रयः

स्वालिक्त्यान्त्रः स्वालिक्त्यान्त्रः विष्ट्राच्याः स्वालिक्ष्यः स्वालिक्षः स्वालिक्यः स्वालिक्षः स्वाल

व्याप्तक्ष्यः व्याप्तक्षः व्यापत्तक्षः व्यापत्ति व

त्रे स्वान्त्रात्रात्र्याक्ष्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र स्वान्त्रात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्याः स्वान्त्र्यात्रात्र्याः स्वान्त्र्याः स्वान्त्रः स्वान्त्यः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्

भे न्वेंद्राया देश क्षाया देश क्षाया देश क्षाया व्यवस्था व्यवस्था प्रत्या प्रत्य प्रत्य

प्रत्यक्षर्भविद्याम्।

स्राध्यक्षर्भविद्याम्।

पर्लेष्ट्री, याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याच्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्येश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्याचेश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश्वर्येश

प्रे क्षुत्रः व्याप्तात् व्यापत् व्याप्तात् व्यापत् व्याप्तात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात् व्यापत्यात्यात् व्यापत्यात

सक्र्याः श्रीयः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क

स्वान्त्राच्याः विद्यान्य विद्यान्य

हेंग्राया केत्र यह 'घट 'खुट हेंग्राया यह दि 'द्रग्राद कंवा की ही या धिया

(प्रहःरक्र)

मङ्गाबर सुर हिंग्र म्यू ते द्यात क्या की दिन स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वा यात्रशःसुःनद्भैःनदेःसर्केवाःसवःगाुत्रःदेदेःस्ट्रेरःयार्हेवार्यःधीत्। रुःद्रसःधरःद्रवेतः য়য়ৢॱয়ৼ৾৻য়৾ৼয়ৼ৾য়ৢ৾য়৻য়ৢ৾ৼ৾৽য়৾য়ৢঢ়৻য়য়৾৽ঢ়য়য়৾ৼ৻য়য়৾৽য়ঢ়য়৻য়ৼঢ়ৼয়ৣৄয়৻ ग्रवसःधिदःपर्या रुषःवर्देरःग्रायरःक्रेवःक्षेरःधेवेःक्क्ष्यःयःगर्वेवःपवेःर्यः त्वा क्षेर वय क्षेर पेति खु कें याय तह्या यावव द्यी नयो तत्व या मुर या য়য়ৢঀৢয়৽য়য়৽ৢঀ৾য়য়য়৽৸য়৽য়য়য়ৢঀ৽য়ৢয়য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ঀ৽য়য়ৣঀ৽য়ৣয়৽য়ঢ়৽য়৽য়ৢঀ৽৽য়য়ৢঀ৽৽য়ৢঀঢ়৽য়য়ৢঀঢ়৽য়য়ৣয়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড় অঅ:গ্রী:স্ক:বেইর'বাপঅ'বাশঅ'বেবা স্ট্রা বারশ'বেবীম'বাদর'বলুবাশ'বারম' মানব'ৰমা র্ম্'শ্রীর'র্ম'নতর্'র্'নজ্বাম'মানব'রমম'তর্'শ্রীম'রমম'মৌর' इत्राम्बद्धिः इत्यादर्द्धिमः कषाः सेन् पुः चुः नुर्वोद्यान्त्रीमः । ﴿ कूत्रादर्द्धाः गृत्राम्बनः वित्याः त्युरः गीःवितः गाः दरः तर्रोतः चतिः र्केषः तर्र्यो तर्रात्यः त्यत्ये प्रमाणः स्त्रुरः दरः। क्षेरः য়ঀ৾৾৻ৼ৽য়য়ৢয়৾য়ৢ৾৽য়৾৾ঀ৽য়য়ৢ৾৾য়৽য়ৄ৾য়৽য়ৼ৽য়৾য় लुकावका नेति:बिन:बुन:क्केन:रुका:बेंब:यावाबन:नवींका ने:वर्वाय:४:कुन: <u> ५८.७.स्.य.स्यानःक्र.ख्र.२.मै</u>टमःयन्। अत्रन्नःज्ञटः२.५६८.क्ष्ता सर्यः यात्राबुदः यवेदः तथा ५ सेयायः यथयः स्वरः यदेवेः स्वराः स्वरः यरोदः नुषाः क्षेत्रः क्षेत्राषाः चर्त्रः प्रमुद्धाः निष्णाः चात्रषाः विद्याः चात्रवाः वात्रवाः वात्रवाः वात्रवाः वात्रवाः ୖୢୠ୕*ୣ*ୠ୕୵ୄୠ୕୕୳୕୳ୖୠ୕୵ୠ୕ୢୄ୶ଽ୳୕ଌ୕୕୶୕୶୕ଌ୕ୄ୵ୢୖୠ୶୕୵ୡ୳ୖଈ୕୶୵ୡୄୢ୕ୠ୕୷୕୕ୣ୶ୄଢ଼ୄ୕୵୷ୡୢୡୄ୕ मद्यः नक्ष्मनः मास्रीयाः तन्त्रसः नत्त्रे नक्ष्मः मह्यः नक्ष्यः यास्यसः स्वरं निः नक्षेः नद्यः । বন্ধর'মন্ত্র'বব'ব্র'ব্রঝ। ব্র'বর্ত্তর'র্ম'ইবাঝ'রয়য়য়'ডব্'য়ৢঝ'বডব্'মন্ত্র' पद्मिश्रास्तुःचलुग्रास्त्रुरात्रकतःच। पद्भःवरःग्रालुरःग्रीःचक्कुरःस्रेःव्युःर्करः। থক'বান্ট্র-'বেনঝ'লু'ন'ব্র-'বডঝ'র'রয়ঝ'ডব্'ব্রঝ'শ্রী'বার্ব্ববা'থবা'বির-'বী'র্বির-' युवा हु : चल्वाया रा सेवाया से से से देश र र : वायया या चल्वाया यया र र दिविते : न्वी क्षेत्र न्दर सर्दन त्वाव स्वा त्येव न्दु न स्वर न्वी या वर्द्ध व स्वर स्वर स्वर न्तु र 'न्वॅन्र्य'लुर्यासेन्'यर'र्से'रेवायात्रयात्यां स्ट्रेन्'से'र्स्या स्ट्रेन्' ने'प्वेद्र'या्रेन्' <u> গ্রী'নৰুবাঝ'বারঝ'ঝ্,'নর্ব্ব'ঝ'শ্রিমঝ'র্ল্রাবাঝ'ঐ','৸ম'রের্ল্র'নষ্ট্র</u>র'ঐ'র্ক্রবা ই্বাঝ'দ্র্রার'দপদ্রস্ত্রুদ'অঝ'বাঝুঅ'ক্সীদিদেঝ'র্ঝ'র্লিঅ'লিদ। মদ'র্ম্নীস্থীম' য়ৄ৾য়ঀঀয়য়ৣ৾৽ঀ৾য়ড়ৢ৾ৼয়য়ৢ৾ঀয়ৼৢ৾ঀয়ৼৣ৾৸য়য়ড়য়য়ঀয়য়৸য়ঀয়য়য়ঀয়য় श्चेरःयानेरःक्ष्र्रः।वरःदरःअर्ध्वन्।वरः। वयः।वरः। व्यूनः।वरः। सक्तराताः कूर्यः स्वितः र्यः क्रियः विद्यान्त्रः । त्राच्यानाः त्राच्यानाः स्वराः विद्याः ्रया'र्'र्क्रेर्'श्रेर्'श्रुर्'यात्रात्म अत्याविषा श्रेरियात्रात्म स्त्रेर्यात्रात्म स्त्रेर्यात्रात्म स्त्रेर्य

ब्रे·सूरबर्केन्।ययःसुरहुरः। १नुदेश्नाबुरःययः।यरःयःर्वेद्वःदर्गेद्रःहःदर्गेयःयः ५८। र्केश विद्विद के द्वित स्मानक सुर्म्म वर्ष स्वाक दिवा वर्ष के स्वाक दिया वर्ष के स्वाक दिया है। हेब'५गार'र्येते'सब'र्ची'घर'५८'बेतु'गार्थर'५'श्चर'गाविश'तकत'च'त्रश्रा য়৾৴ॱঀয়৾৽য়ৄ৾৾৴ৢয়ৢ৾য়৾৽য়৾ঀ য়ৣ৾ঀ৾৽য়৻য়য়৽য়ৢয়য়৽য়ৢ৽৴য়ৢয়৾৽ क्रिः। देरःचलुग्रथःचठदःक्रुःयःद्य क्रेंशःद्यिदःग्रथदःचलेशःसुद्र। श्रुः श्रुव-श्र्यायाःग्री:तयायाःग्रीव:द्याःश्राःवाद्यःश्रीव। अद्यययाययाः न्यः तर्द्वःग्रीःशः र्रःल। क्रुवःश्चेःभ्रुःतर्द्वेदेःचरेःर्वाःगलुरःगेःर्वेग्रग्रयःवर्यायःवर्यवादातुरःवर्यः चक्षःश्चिरःद्यःन्व्या ध्वायायद्वायः द्वायाः द्वायः स्वरः <u> शु</u>रःक्क्वेर:५८:५इल। रे:क्कार्रेब:बिस्न-५८। से:५न्नर:र्नेज्ञनःर्वेत्। क्रीर वर्षा श्राद्य र क्रीर ख़ब्द गर्छे र प्रखेषा त्या या मा मा क्री र वर्ष श्रास्य अपना वर्ष र त्तर्यात्वर्द्भ्यात्वर्वेत्रःक्कीर्ट्स्यःम्। योध्यःत्वर्यात्वराद्ययात्रः स्त्रीर्यात्वर्यः विद्राययात्रः चुर-५, वायुवा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र चुर-अयव, ५८। सुर-अवक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्चियःतवात्यः उत्रा प्रवादिक्षे वालव क्चित्रः सम्बन्धः स्त्रीतः वहरा वा विवादिहरः য়ৢঢ়৽৻ঽ৾৾৾৽ঀঢ়ৢঀ৾৽য়ঢ়য়৽ঢ়য়য়৽ঀঢ়য়৾ড়৾৽য়৾ৼ৾য়৽ঢ়ড়য়৸৾৾৽৽৻য়৻৸ৼৢ৾৽য়য়৸য়য়ৄৼ৾৽ ৼয়৻ৼঀ৻৻ৼৼয়৻য়ৣ৻য়য়য়৻৸য়৻য়ৣয়৻ঀঀয়৻ৼঀৣৼ৻য়ঢ়ৼ৻ৼঀৣ৻য়৸৾৾য়ঀয়৻৸ৼৼৢৼ৻ શુંદ્ર-સંયોત્રા, છેત્ર.જના. શ્રીનના. ક્રીરા કો. બીયોત્રા.લેંદ. યો. શ્રિનના. જ્યાં સ્ટાર્યા. <u> २वील'य'चरुल'याब्रुय'र्से'याल्य केल'ग्री'न्यूर केल'र्सेवा'स्रेते'नुल'र्सेन्'वल'र्स्ख्या'</u> चेत्र'त्र'नश्चर'कुते। श'क्चेत्र'श्चेत्र'ण्या'त्राह्मर्था। चेत्र'त्रेर'क्क्षेत्र'स्वार्ह्र्र'त्च्चेत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र'र्ख्येत्र

নুমাস্ত্রুনাস্টরার্মীর বিশানি বিশাস্থ্য নার্মার্মার বিশাস্থ্য বিশাস্থ্য নার্মার্মার বিশাস্থ্য বিশাস্থ বিশাস্থ্য বিশাস্থ বিশাস্থ্য বিশাস্থ বিশাস্থ

য়য়৻য়ঽয়৻য়ৢ৻য়ৼয়৻য়ৣ৽য়য়৻ঽৼৢ৻য়ঀ য়ৢ৻৸ৼঢ়ৼ৾য় ধ্বীর'অঅ'ম। শ্ব'বেল্লুম'বাঅম'স্টের'শ্বীর'মবি'শ্বীর'মৌস্টর'র্য'মের্ট্রবা' त्रयान्। स्नेनर्यासुरमनर्यापदेश्यान्य। नुर्यासुर्द्धेत्रसदेश्वरत्वेर्यासासूरः कॅॱतस्याः ज्ञानदे त्यं द्राधी तुम्राञ्च न के दार्य द्राप्त दिया नदी गिरमार्श्व स्थित स्थाप रवराग्री त्युवाराष्ट्रर राज्य वह दशे हों द रहेश दु व ताया है सूर है। हें राज्य सःरेग्।स्त्रःशेलःङ्क्षेत्रःसेःधेत्। ।यःरनशः इसशः ५८ ःतस् ५ तः ङ्केशः हीः अर्केन ।र्केन्थःश्चे:५तुश्वःदःश्वरश्यः५गदःश्चेरःधेद। ।देशः५८ः। ब्रुवः भें विषाद्या के राष्ट्रीया है। । दिया या यो गया विष्या ग्रीया अगु। बिरुप्तास्त्रा स्वारामित्रामित्रामित्रामित्राम्यास्त्राह्मा स्वेत्ताह्मा स्वारा नसूत्रमदे: इस नव्यान्यप्ता र्हेस नुः हैं वार्यः सून ग्री ग्री दे विष्यं प्रमान यदःस्वितः द्यीयः हुदः यः महेत्रः पते खुः यो सुदः र्येते स्ट्रोदः दुः द्वदः केत्रः ग्राये रखीः यः ग्रिक्षःकग्राक्षःविदः। रेःद्यदःरेःकुषःख्रुवःर्यःरेवःकेवःयविदेःसदःसर्देगःकवः

श्चीर पर्वा ह गोर्रेर सें र सामदे सुग्राम रेसे प्रमान पर्वा पर्वा प्रमान से स यदुःर्सेटःश्र्यायाय। श्रीयाक्षेत्रःर्द्रयायायद्वीःश्रीयाद्वीःश्रीयाद्वीयाययाययाद्वा न्वातःस्वःशेवार्यःतर्नेनःस्रःदेया वानुवार्यापस्यःवाद्यःदेयः वर्षुः वर्षु। বারিথারাস্থার ক্রী:প্রস্তর্ভারার্ডা,বহরার্ডা,ক্রীর্ভারার্ডা,বির্ভারার্ডা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা,বর্জা यते हेश स्। वर पञ्च प्री सेस्य उद प्यय वर्ष सर गुद प्रविते ग्रें र द्या বার্থনের্ট্রব্যান্ট্রবানের্ট্রকানকাস্থ্রীর্নস্কিরকামর্থনার্থনার্ননার্ন্রানার্ননার্ন गु.जय.कैंट.टेट.षर्वेथ.तर.क्योश टे.जय.शुष्टु.पर्च्य.चर.चश्रेज.त.ह्योश. र्जरा र्रोश्चा याद्येयात्रया ह्र्र्टाक्रयाची स्मानयात्रीप्रयासरायम्या <u> ५८:क्</u>राय:विते:रवर्ग:५८:घ:क्रु५:य८:५;वु८:व:यर्गःवार्गःव्य:वेर्वःवितःयदेरःयटः। नावसः या द्वीः न व स्क्रीः स्क्री स्वाची स्व रवर्ष। तवर्षःरवर्षः अरः सं वर्क्युर्धः वृषः देरः यरः वीः वरः क्रीः वुरः वः दर्देः नवित्र श्चे र्स्रेन दन नसुन ग्री तर्मे न स्ट्वी न न स्ट्रा स्ट्री न न स्ट्रा स्ट्री न न स्ट्रा स्ट्री न स्ट्रा स्ट्री न स्ट्रा स्ट्री न स्ट्रा য়ৄ৾৾য়ৼ৽ঢ়য়ৢ৻৽ঢ়য়ৼ৽ড়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৄ৾ৼ৽ঀ৾৽ৼঢ়ৢয়৽য়য়৽৸য়ৣ৽ৼয়ৢৼয়য়ৼঢ়৾ঀয়ৼ৸ য়য়৻৻ৼঢ়ঀ৾৻য়৻য়ৼয়৻য়৻য়য়৻য়ৢয়৻য়৻য়ড়য়৻য়৻৻৻ঀয়ৣঢ়৻য়ৢয়৻য়৾য়য়য়৻য়য়৻ म्.मै.यार प्रस्यामानपु.लीजार् मुर्था भह्रेरात्र भीत्रेमामी सू.र्यमा त्रविंदःर्देयायाग्रस्याययानविःरुपञ्जेदानेष्ठायाः भ्रास्याद्वायस्यात्र्वात्रात्र्वेषाः नसूत्र। देशनसूत्रपते द्याळेश हेगा द्यत् कुत्र हें शामी से 'से दूर इसशानसूत মন্ত্র'বাদ্রদ্রমন্তর্বারক্রুদ্রমানশান্ত'বস্থু'ইম'ম'বাম্যুম'ক্রীম'দ্রম। প্রবা केव'सर'ष्ट्रीव'म्ची'र्स्रे'र्स्रूर'र्द्वसर्यानुसर्यातहरूप'राष्ट्रिर्य'स्नि'स्नु'सन्तुर'

য়৾৾ঀ[৽]৻য়ৢ৾য়৽ঢ়ঀ৾ঀ৽য়ৣ৽৾য়য়৸৽য়ড়৸৽য়ৼয়৽য়ৢ৾য়৽য়ৼয়৽য়ৼয়৽য়ঢ়ঢ়৽য়ঢ়৽য়ৢয়৽ঽৢয়৽ য়ড়ৄঀ৾৻য়ড়ৢ৵৻৺য়ৼ৻ৼ৾ঀ৾ৼৼয়ৼৣয়ৼৼয়ৢয়৽ৼয়ৢয়৽য়ড়৻য়ৣয়৽ৼৼ৻ড়ৼ৻ড়ৢয়৽য়ৼ৽ য়ৼ৾ঀ*৾*৾ঀয়ৼৼৄয়ৢয়ৼ৾ৼৄঢ়৽য়য়ৼ৸৻ৼয়ৼঢ়৽ৼয়ড়ৼড়য়ৼয়য়৽য়য়ৼৼঢ়ঢ়৽ বব্দার্থ থেষাব্রহ্মান্ত্র্রেষান্ট্র। ই'ব্দাব্দ্ধুব্রমান্ত্রান্ত্র আঁলারীচ্**দ্ধু** স্থী বর্ত্ত য়য়ৢঀ৾য়ৢয়৽ঀ৾৽য়ৄ৾ঀ৾৽য়ৼড়ৢ৾ঀ৽ঀৢ৽য়য়য়৸<u>ৄ</u>য়৾য়য়য়৽য়য় पदिः द्वारा र्द्याः पुरावर्ष। ह्राया केता अदिः कुर्द्वा स्वर्या हेर्हे से अर्थः द्वारा অঝ'ব্বার'মব'ই'ইঝ'বৃহঁঝ'ঝ্'বাঝর্'ঘ'র্ঝবাঝ'বর্কুব্'ব্'বাঝর'ঠর'মূবাঝ'শ্রী' नक्ष्रायाक्षे अप्तरानाक्षरान्यात्रम् । सुःत्युः स्रोति । स्रोत्याः स्रोति । स्रोत्याः स्रोति । स्रोति <u> २.४४.५८% व्याचात्राच्या व्याच्याच्या व्याच्याच्या व्याच्याच्या</u> ૹ૽૾ૺઽૡ૾ૺઌૹ૾ૢ૾ઌૺ૽૽૾ૹૢૻૺૼૼૼઽઌ૱ૡૺૹ૿ૹઌૢ૽ઌ૱ઌઌૹઌ૱ૹઌ૱ૢ૽ૹૢઌઌઌૢ૽ૣ૽૾ૺઌૺઌઌૢ૽૽૽ૺૹૢઌ૽૽ૹૢઌ૽૽ૹૢઌ <u>ଞ୍ଜି:ૹୂଁ୮:୬ୂପ୍,'ଦ୪୍ୟକ୍ତି୬',୧୪.୯୯,ଅ୭୯.୩୪.୩୪୮୯୭୯,୯୪୯,୯୬୯,୯</u>୭୯ বার্ম্যরা রেগ্রু রাষ্ট্র মান্ত্রী মান্ত্রী বা নেবা বিদ্যান বিদ্যান মানর ক্রিন र्केशःगशुर्यःगद्वरद्वस्यय। क्रुःकेशःवेदःदुःचक्कुर। यदेःस्यायः ३८ःदुः तवियानवे कुयानसूत्र रा हें या देश गहेर दुःस्या रे व्या सून गत्य প্য:ট্রির:গ্রীঝ:বরুবঝা বশাব:ববম:শ্লীর:বী:ব্য:বর্গা এঝ:ভর:ই:রবরম: ৡ৾৾৴৽ড়ৣ৽৵৻৵৻ৼয়৽৸ৼ৾ড়ৢ৾য়৽য়৵ৼৄ৽৻য়য়ৣৼ৽য়ৣ৽৸ড়ৢয়৽৸৽ৼ৾য়৾৽ঢ়৾য়৽য়৽৸৽৸৽ यर.र्.याद्वायायवर्षा घार्यात्वरायायवर्षाहे। गुदास्रिहेदः ৼ৾ৼ৴য়ৣ৾ৼ৴য়য়৽য়ঢ়ৢ৵৽৵য়৸৵৽য়ড়ঀ৾৽ঀৢ৾৽য়ৣ৽ড়ৼ৴য়য়৸৵৽৸৻য়ঢ়য়৽ঀৼ৾৽য়ৢয়৽ঢ়ৡ৾য়৽ गर्भर रेते सेर न सूर हें व या वर्ष र सूते नर नक्टू र या धेव। र र्के वा नु र्क्षेयायाः सुनायरी केरायीः रवरा रु.चुयाय। सुनासुमार्क्षयायायायाया वित्रवहरा। नश्चेत्रः भूनः प्यत्रः प्यत्रः पविषः विष्टः श्चेतः। त्रव्यतः तुः देवाः दिद्देवः त्रव्युनः पवेः दुः व नसूत्र। र्र्केत्रायसाम्प्रानियाः विवासना स्तित्रायः स्तित्रायः सुत्र-सुत्र-र्क्षेयान्य-प्राप्त-प्राप्ति-सु-प्रोप्त्य-प्रेप-प्रम्य-सुत्र-प्रम्य-स्वर-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम *८८.त्रब.*८यो.योधु.जत्रा.पचेश.ये.धु.क्रीश.८यट.दयो.यु.जश.४य.४चीत्रश.यक्श. শ্ব- বী'শন্ত'ক্তম'বার্দ্রবাশ'শ'ম্'ব্ম'ব্যন্থ'শ্রী'ব্রব্রবার্ঝ'র্জ'ক্সব্র'ব্যথ্য'বাদ্রব क्र्याञ्चीर मी मार्डुमा त्यमा । तर्म स्थित स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ्रा स्थ् ५५.र्षेष्र.त.र्ज्ञ.र.श्रुर.अयु.रूर.चर्चेर.ययाय.त्रा के.यर्चेर.योध्र.त्रा য়ৢ৾৾*ঌ*ৢয়ৢৢৢয়য়য়৻৴ঀ৾৻ৠৼ৻ঀ৾ৢ৸য়ড়ৣৼ৻য়৻য়ড়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻ ग्रवर नदि ग्राहेर सम्ह्री रेगा दहिव प्रहत स्वेंद स्वेर में राज्य सम्ह्राह हे राज्या ৻য়ৼ৻ড়৾ঀ৾৵৻য়ৣ৾৾৻ৠৣ৾৻ৠ৻ঀ৵৻য়৾৾ঀ৾৻ৼৼ৵৻৸৻৻ৣয়ৼ৻ৠ৻৻৻ৠ৾৻৸ৠৣ৻৻৴৵৻য়৻ याश्वराङ्गीद्रियः पुःस्रुतः स्रो स्रोटः दः देयाः वहेदः पक्कितः प्रदेशः वावरः स्रोताः वावरः । न्मीयावित्रं म्यु मलिवे म्यूया साध्या नर नु श्रुव गिर्हर रसूवे सर्वे सा श्रुया नक्रुंबःक्षुनःस्वाःनबेशःस्वारायाः ग्रीनक्कुनःयायाः कन्यायनिकृतः वाबवःयानः म्चैयःह्रमःग्रम्यःयदेःस्याचित्। वर्षःम्रमःम्बेःस्यःचीःस्यःचित्। रचाःवर्भेगःमसूरः য়ৢ৽ড়৻ঀঽ৾ঀ৾৾৾য়ৢঀ৻৸ৠৄ৾য়৻য়য়৻য়ৣ৽ড়৻ঀঽ৻য়য়৸য়য়ৢ৾য়৻৸৸৻য়য়৻৸য়৻৸য়৻য়য়৻ র্ক্ষবাঝামান্দ্র। বুঝাধুরাধুঝার্ক্ষবাঝামার্ক্ষাবেধুঝার্করার্মিরাল্লানাদ্রা नक्षेत्र'य'ते'नक्षेत्। क्षुन'य'क्षुन'केत्र'ते'नक्षेत्र'क्षुन'यत्र'यग्'नलिदे'क्षेंत्र्य। त्रच्यात् ; इस्रायर क्षेत्रे याये रेता विदेश द्रा के त्या द्रवर विदेश विद्या स्वा.की.कुष.मूतु.रूवा.यहूष। स्वि.कीश.चीय.तपु.रूवा.यहूष.यु.वीय.प्याविय. नन्नार्हे हे तकर के दे पेंदे ने तियर अहे द नु तक्षुर न धे द पर्या अर्केन चर.री.जु.जू.र्ट. इस.चेलुट्य.सीट्य.पे.सी.चेशीय.टीजु.प.ट्यूर.चेशीय.टीज्य. यम। पश्चेरार्ह्रगमाग्वरार्ट्रायाच्यापदीयत्त्रमास्युर्विते सुवापतिवार्श्वेराया 'यश'र्देब' खेद'र्चे' न्या'त्रह्मख'र्दर'। गुःर्कें न्रः नयाद्। क्वेद्रः केंद्रावेंब' त्रहेंदर ইপ্রমান্ত্রিধ্যার্থা বর্ণার্থীয় স্মৃর্মান্ত্রীয় প্রমান্ত্রীয় यार्ट्यार्चेट्यायर्चे स्त्रा ह्र्याच्च्याः क्ष्यायाः यार्ट्ये विषयाः विषयाः <u>२२२:क</u>्रियःचःह्र्यात्रःक्षेत्रःयःस्वःश्वतःश्वेःश्वतःचत्रेत्रःश्वतः *क़ॗ*ढ़ॱॸॖॱढ़ॼॗॸॱॸॱढ़ऀॴॱऄॱढ़ॺॱॸॴढ़ॱॸऀढ़ॱऄॱक़ॖड़ॱॸॸॱढ़ऻॗॱॱॱॸ॓ॡॎॸॱॸ॔ॺॱय़ॱऒ॔॔ॸॱ न्यार क्री अद्युष्य । व्यव प्रते त्युर हे वाषा क्री प्रस्त्र प्राचन न प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्यव । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्रति । व्यव प्य त्रदेवःशुरःश्वेषःप्रशाद्यः विदाक्किषायाद्यः। देःत्रदेवःश्वेःश्वेषात्रुतेःव्यव्यायदः महत्र केर से से दिन परि तर्ज र से तरिया मान्य। यह माहे व ही मान्य र ग्वां के तिर्मानि विराधी स्वामानी स्वाम चक्कद्र'य'दे'र्डस'दु'लु'र्यवाषा डेस'यतर'र्ह्हेवास'र्केद'दवींद'र्केद'र्क्की'दवी'चर्झेस' **য়ৢ**য়ॱয়ৢয়ৢয়৻য়য়ৢয়য়ৣঢ়ঢ়৾ঀৼৠৄ৾ৼ৾৻ঀৢ৾৾য়য়য়ৢঢ়৻য়৻য়ৢঢ়৻য়ঀৢ৾৽ঢ়য়ৄ৾য়৻

ঢ়৾৽ৡৼ৽য়য়ৢয়৽য়ৢ৽য়ৗ৾ৼ৽য়৽৻ঽঀ৽য়ৡ৽ৠয়৽য়য়ৼ৽ৼয়য়৽ড়ৼ৽য়৾য়৽য়য়৽য়য়ৼ৽৻ঀয়৽য় ৼঀৗ৾ৼ৽৻য়য়৽ঀয়৽য়য়৾৽য়ৢয়৽য়য়৾৽॥

য়ঀ৻ঽয়ৼ৴ড়ৢয়৻৸ঽ৽য়ৢঢ়য়ৢয়৸৸ঀৼ য়ঀ৻ঽয়ৢৼ৻ঽড়ৢয়৻৸ঽ৽য়ৢঢ়য়ৢয়ঀয়৻য়৸ঀৼ

खो:न्द्वीरक्षःशे:त्रक्तुरःक्ष्रेंद्रःक्षेत्रःव्यक्षःश्रक्तांश्वरःक्ष्रेंद्रःक्षेत्रा। द्वा:प्यवा:नदे:केव:वेक्षःरनःक्ष्रदःकःक्ष्येंद्रःक्षेत्रःवाक्षदःनदेःपुत्रःकेव:वाक्षेत्रा। द्वा:पह्वा:न्द्वीरःकोदःक्षेत्रःहेरःव्यरःन्यक्षःश्रक्षेत्रःवीव्यव्यक्षःकेव:वाक्षेत्रा। द्वा:नद्वा:व्यव्यक्षःक्ष्यःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्षःव्यक्ष

> गुद्गःचन्नद्गंद्र्न्यदे स्यदे स्यविद्यं से से सुराणा मुद्यःचन्नद्गंद्र्यं स्यदे स्थान्य स्थान

देः यः तद्रेरः श्चुवर्यः सर्वेषः मुखः गाुदः तद्र्यः यदेः रदः गाञ्जवाय। सर्वेरः

'বিদ্র্বেশ শহ্ল 'শু 'মর্বি' ক্রুঝ' ঠবা । বা অব : ক্রির' বা মূর্ব'ম' বেই র'মরি 'র্ম্ব্রির' মা रेशान्याः भ्रुतानसूत्र र्स्नेट प्रदेश सद्यापद्य स्रीयायः दुर्या पसूत्र प्रदेश पर्वे प्रदेश र्सर गारेब के वर्ष प्राथम प्रविव श्रीर प्राय बुर प्रवेश अर्के गार्ची श्रुष्य प्रवेश श्रुप्त स्था ८८। तथानश्चनायात्रीयाञ्चीक्षयात्रीयान्। त्युराङ्गे र्सूरावायुयाञ्ची র্ছঝ'নঝমা ইম'গান্টঝ'মু'স্ক্রিম'রব'র্রেরি'গাণ্ট্ণ'ন্দ'মুর'৸ন্ট'স্ক্রুব'মর্ক্রগ্র' हे[.] भेट.टी पहुंच. हेंप. श्रे. त्र्रा. ब्रुंग. स्था । त्यारा ज्यायाय प्रति । यो श्रा ক্রীম'ব্রক্রীমা ।মাদম'ম'র্ক্কবাম'মরি'ঝুমাম'ব। ।মিবাম'মপ্রব'নের'মরি' न्वातः श्रृंदः सेन्। । इसः वासुन्यः यः स्वा वित्रायः न्यायः स्वीयाः सदिः सुन्याः क्रीं वार्येर क्षेत्रः त्री क्षुं न र वार्योका के न र सर्वे त्र सदि स्वे वार्य न स्व ঀঢ়য়৻৴য়৻য়৻ড়৾৾৻ড়ৄয়৻৴৸ৼ৻য়ৣৼ৻ঀ৾ঢ়য়৻ড়ৢয়৻ঢ়ৢঀ৻৴ঀ৾ঀঀ৾৾৸য়য়৻য়৾ৼঀ৾৻ हेब'यारवर्षार्श्वयाव वरावी विक्रिया श्रीया विविध्य विकास विकास विकास हो हिंदा · श्रेनः श्चें रः न्याः यदेः न्याः योः प्रहें नः श्चें राधिरा खुरा प्रकुरा हे । खुरा श्चे राधिरा श्चें रा चर्हेर् मु:केंग् नी 'यथ 'ना दे कु:के 'चर्द 'सूनक' ग्रीका हेंर् 'मेंर ना ह्या मिला में कि स्वार्थ स्वार चर्रायर न प्रतः क्षे प्रसूत्र वा पर्हेर देव प्रवर्ग प्रते के हिंगा यर्र रायक्र चःविषाःतज्ञुदःचःदे। यहेषाःहेषःश्चेदःमदेःदधेःवःज्ञवाषःमःव्हरःववाषःर्वेद। प्रह्मासर्गित्र स्रीयस्य प्रमा रेखायग्रायः स्रुकार्दे त्रसीयम् ।रेखायग्रयः यर। विषागसुरयायासूर। स्निन्यासुन्नवयायदीगित्यादी दुषासुः

শ্লুব্'দেন্ট'কম'ন্দ'মার্কুদেম'নম'র্কেম'পিদ'নের্কমম'নে'শ্লুনম'র্স্থিন'শ্রী'র্ন্ব'ন্দ'ন্দ্রৰ' यर (बु'नर्गेशयायश। नायसायनेर मुनायते रेगाय हेन् कु सर्वेते नर्गेन्स বহুর্। বার্মাবার্ম্যমার্মারেরের্রিরি:ম্বরামান্ত্রবা মর্ন্ট্র্র্র্নার্মার नुः अदेः चनः ग्वद्। इवि क्वास्त्र न्यान् द्वारा स्वार्थाः स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्व য়ঀৢ৻৶ঢ়ৢ৴য়ৢঀ৻ৼ৻য়ৣৼৼ৾ৼৄ৻ঀ৾ৼঀ৸য়য়৸য়ৢঀ৻৸য়ৢঀ৻৸ঀ৾৻ৼয়৻ঀঢ়৴৻ঀয়৻য়ঢ়ঀ৻ गिहेर'सदी'सद्'रपा'गीर्थ'त्रुर'म्कुद्'य। नगाद'गिहेर'कु'र्वे'ग्रिया'दर्रेश'सु' য়ঀ৵৻৸৻৻ৼৣ৾ৼৣ৾৻ঀ৴৻৸ড়ৄ৾৾ঀ৻৸ঀ৸৻ৠৢ৾৻য়ৣয়৻য়ৢয়ঀ৸৻য়ৄৢয়ঢ়ঌ৻৸৻য়ৢয়য়৸৻৻ঀঀয়৾ भूर.री त्तर.कुरार्थाता.क्रीय.तपु.हीर। विर्या.सर.यक्षेर.तपु.त्य्.क्षीया यन्ता । १३ समाये वा स्टार् प्रहर्ता स्ट्रीया । स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय यन्त्र । वर्षेत्रस्त्रुचः स्वरः रु: धुवः यते धुरः । क्विवः क्वीः वर्ष्वयः र्श्वेदः वर्ष्वयः हु नन्। विभागसुरसायाष्ट्ररार्वेगासरामाराससावुरावते वर्ते प्रतिर्थे कुरा वै। है:भ्रद्र:दु। क्रुय:च:बेस्य:द्वय:दुर्वर:ध। ।दुर्गेद्रय:धी यः इ.चर.चर्क्न्रा । वार.ज.ब्रुवाः वी.चर.रित्रा । विश्वःयः क्षरः चर्क्क्र्रः चर्क्क् बॅ्रिय के बर्भे वा सुस्र व्याप्य । ५८ व्ये कुष्य च ५ व्ये किया विष्य विष्य विष्य विष्य रैवाबान्दान्यीयाविष्यम्बर्धान्य । इत्यीप्तकराविष्ट्रिबाधाविद्रास्य । श्चीत्र वार्मीय प्रवाद के असूर्य हे री योषा वार्य र धुरे राज्य श्ची योषय राज्य है ৵ঀয়য়ৣ৾ৼ৽ৼয়ৢ৻ঽ৽ৼয়৽ৼৢৼ৽ৼয়৽য়৽য়৽য়ড়য়য়৽য়ৣ৽ঀয়৽য়৾৽ঀয়৾য়য়৽য়ৢ৽ र्केंग्रथ:रूअथ:या केंश:नर्राकेंग्राग्रेथ:अर्केंद्र:र्,अर्:य:ग्रेर्ट्;द्रशःदेंद्र:ग्राथय:

यते[,]८बॅ/८४,त.५,७५,म्बेरक्वीय,यभ्यत्यस्य,यद्वारक्ष्याम्बेय। र्थायव्यक्षियायः য়৽ৢয়৽৽ৢ৴ৼ৾য়ৢ৾য়ৼ৾য়৽য়৾ৼয়ৣৼ৽য়ৢ৾৽য়ৢৼ৽ৼৼৼয়য়৽য়য়৾ৼৢৢয়৽য়ৢ৽য়ৢ৻য়ৢয়ৢৼয়৽য়৽য়৾৽<u>য়</u>ৢয়৽য়৽ र्वोद्यायदे नकुर्या र्केंद्राय देंद्राक्षेत्र क्षेत्र र्शेयस्यत्रिः इयाधरासूरायरा सर्दिर्दी सुर्गु पर्वित् स्रुवा की प्रवस्य स्वर्गा सु র্ক্রম'বাহ'নের্ম'বর্মমান্ত্রীম'ঝ'ড্রির'মন্ট'র্ব্রেরমান্ত্রম'র্মম'র্ম্বরম'র্ম্বরম'র্ম্বরম'র্ম্বরম'র অ'বাশ্বদ্ৰম'মথা ই'ব্বা'ষম্প'ডব্'র্ক্তম'ব্'বেনুম'ব্ব'নড্ক'ই'ইবা'বইর'গ্রী' रायारेवापराद्युरायाद्दा रेवें सायायते क्वेर्सराव्यदावते पद्वासे *न्रें भः सुः च्रें दावभः न्रवः पदिः देवावः रुदा दाः द्वावः प्रदेश हो वा पदिः* क्र्यायप्रायस्य वस्त्रस्य स्रीत्रायर सहर हिरा। श्रीत्र में स्रीत्र स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य श्चेत्रायान्यायाने दुरु लुद्दाययान्चयायान्य प्रति प्रत्याप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । বর্ষ ক্রীপ ক্রেপ বদ্ব ধা প্রথ ভব্ন ক্রিপ শ্রী বর্ষ ক্রিপ র্ম ক্রিপের ক্রিপ বি ববঝ। ধ্রুবা,র,ই,ইঅ,৴বহ,বর্মী,ম,রঅ,<u>ট্র,বর্</u>ধী,2র্মী,২র্ম,ম,বাਏ**৴**,রম कुल में हूं का कुन में तर है हि ना नविदाहें निका दे का गुरगुर महीन है। विद्यार्थ में की ने सित पर पक्कि विशासिर स्थानि स्वीति स् यात्रे रेगा वहें तरे गायवे प्रकृत्या क्षेत्र प्रवेत सरसाक्त्र ग्रास्टा प्र प्रकृत्केव् चे त्या क्षे है। क्षे क्विव यह या क्विया या क्षेया या विषय है यह सम् ब्रेट.चर्केंट.त.सेंट.त.केंज.त्.त्योबा.टट.। ह्.श्र्.जीया सैंश.जीया चरुषाचासुस्राद्भा दे:दवा:प्यशःग्रीषायःसू दस्य। ह्युदःस्। दर्वाषा

सक्र्यायाने,र्यायार व्याक्षियं विरायी त्यक्किराता हो। स्थित्या यह पुराया ह्या स्थाप ब्रुंब'लबार्ह्राह्रास्त्रापते क्रुंदावचीलातेगा क्रुंदा ब्रुब'सबादगालगालेब द्रादा परसाया इस्रश्र देवा तहें दे । इं दे हैं। या नगाय नगरा मह के दाने स्वासी है। नया से यहैं.कु.जा राधयः पर्मे. लु.कुरा सकूर मैजा सु.ये.मैजा चपु.श्रीर ही योभेयो.कुर्याः ह्रे.य.गी.को चीय.कुर्य.पर्ययः प्रत्यां अर्थाः यात्राः कुर्याः वा च्चाप्यते च्चाप्यक्षेत्र केष्ठा स्थूप्य स्थाप्य स्थाप स्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था শ্রীঝ'বারঅ'ঝ'বার্অ'বর্গুঝ'বচ্দ'বরি'রৢঝ'చ'দ্ব'দ'র্শুব'দ'র্শ্বুব'দ্বাঝ'অ'অ'য়ৢঢ়'ৢ तर्यायते गिरेर त्युर नगात कुं सर्या क्रें धुंग्या तें र वेर सेर उद सूता यते । भ्री विचार्न्य श्रीर विचार्क्य क्रीय रिचेय क्रीय विचेय क्रिय विचेय क्रीय बिर-रु-तमेबन्यन्तुरम् । बिर्यःक्क्यन्तरम्यक्कःगुन्दवेन्युर-र्नेबन्धर-र्नेदयः गिहेर व्यायावत यहूँ दाग्री क्रा की क्री क्री क्रा वा या या वा या विकास क्री राज्य विकास क्री क्री राज्य विकास वसास्रायते द्वाराये राष्ट्रीय गावि साम्रिक्त प्रदेश का स्रोत्त प्रायते स्रोत्त प्रायते स्रोत्त प्रायते स्रोत्त ঀ৾৽ঀয়ৣ৴৽য়য়য়৽ড়৴ৼ৾ঀ৽ঀৼ৾য়৽ঀ৾৾য়ঀ৾৽য়ৼ৾ঀয়৽য়ৼ৾ঀড়৽য়ৼ৾৽ড়৸ড়ঢ়ঢ়য়য়য় यन्त्राः हुः श्रुरः वर्षा क्षेत्रः त्रकाः सुरः प्रतेः सुन् । स लुब'नइ,५'ईभ'हे। तत्व्वायायायस्वया वानायाधुरासे। कु,५'सूना वयश्चराद्येषा श्चैयःवयश्चर्यात्रर्थः यद्येषा सर्वः स्याः क्र्याः वियोगः *र्नः* तत्रेय। र्क्रम् विग्रमः श्रुमाये दन्दन्त त्रेयः मः स्रेः तत्रेयः मः मले स्वरं स्वीराः योरेय.जात्रयात्रप्राच्यां श्रीयात्राच्यां श्रीयात्रात्रीयात्रात्रायाः भ्रीतीयात्रीयात्रात्रायाः भ्रीतीयात्रात्र रु:सर्केंब्रःग्राचेर्यःवेरः। ब्र्नःसुग्राःसर्केंब्रःश्चीःश्मव्यःदबःव्रयःग्रवेःदुर्यःवर्देर।

रुषान्दर्भी मुन्या ले लेटा र्रेन्य इन्मी न्यया ग्यान विया नार्से ग्रा दवींबायाबद्राष्ट्रद्रायर उदायायाञ्चेयाबाद्रयायदे यावेयाबादेवा याद्र्या याद्र्या याद्र्या ঽয়৺য়ৼ৾য়ৢ৻য়ৢয়৾৻য়৾ঢ়৾৻য়য়৺ৼ৾৻৸৻ঽ৾৾৻য়ৢ৾৾ঢ়৶৻য়৾৻য়৻ড়৾৻য়৻ড়৾৻য়৻য়৾ঢ়৻ৼ৾৻ <u> </u>
৾ৼৢ৻ঀয়৻য়ঀৢয়৸৻৴য়৻য়৸য়ৼ৻য়৻৸ৣয়য়ৢয়৾ঀ৻ঀৢ৾৽য়ড়ৢ৾ঀ৻ঀৢৼ৻য়ৄৢয়য়৻য়৾য়য়ৢয়৻য়ঢ়ঢ়য়৻ म्रो चठतः ग्रेले चन्यम् याँन्। ग्रान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्न यान्य यान्य यान्य <u> इत्यःश्रृतक। सुरातक्रयाकेदार्याक्षेत्राक्षयाक्षेत्राक्षेत्राद्वीताद्वर्यात्राह्वराक्ष्यायाः</u> वर्दे केरा स्रेर व रेवा वहें व स्कूर पति स्वाय स विवा । य य र स्थिय विवर <u>च्</u>रविदे न्यायाः साम्या । । न्यास्याः स्वारम्याः नर्नः स्वेते सर्वे स्वार भ्रमा भ्रिक् छेर रनर रर नक्कुर यदे वस्य स्टर्ग विष्य छेर नक्केर ह्र्यायाः चयः शुदुः योषटः यात्रध्या। द्येषः स्त्रुपः स्त्रियाः यद्येषः स्त्रीयः स्त्रियाः यद्येषः स्त्रीयः स् ढ़ॖॖॖॖॖॺॺॱय़**ॸॱढ़ॎ**ॺॱढ़ॖॺॱॸॣॖढ़ॱॸॖॱॸऀॺॱय़ॸॱॸक़ॗॣॸॱॸ॓ॱॸॸऻॱड़ॴॱॵॱक़ॕॺॱॸॣॗॺॱॸॖॱॸॿॖॎॴॺॱ यदे नर दे। ग्रारायया नकुर पार्थे कुषा की के नायग्राया हे द्राय कि सारे ৽ৄয়৾৾৽য়৾৵৽ৠ৵৽য়য়৾য়ৼ৾ঀ৾৽ৡ৾ঀ৽য়৾৽ঀ৾ৼ৾৵৽য়৻ঀ৾য়৾ৼ৽য়ৢয়৽য়৾৽ৠ৾ৼ৽য়৸৻ঀৢয়৽য়৻ श्चीरास्ररायालेशायते श्चार्त्वात्वे। स्ररावे वस्रावायशाच्दा श्वराक्षेत्रा स्रावी য়য়য়৾৽ঽৼ৾৽য়ৢয়৾৽য়৾৽ঢ়ৢয়ঀ৾৾৽য়য়য়৽য়ৼ৾৽য়৾ৼঢ়৾৽য়য়য়ঀ৽ <u> इट्रत्व्र्यः क्र</u>ीक्ष्ण ।स्र्यः द्वेष्ठस्य इट्र क्रुंपा न्यः द्वेष्ट्रं प्रायः दवावायः येर। स्रुर-दे वस्य र उर्- द्युर- कुन- सेसमा । य दे वस्य र उर्- रे रे म्निय। विशामसुरमा ररारेमायो नेयायी सुरायान्य प्याय केयायी ૽૾ૢઽ_ૻઽૣૼ૱ૹૄ૽ૺ૾ૡૢ૱ઌ૽ઌૢ૱ઌૣઌૺ૾ઌૹઌઌ૽ૹૹઌૹૹૹૹ૱ઌૢઌ૽૱ૡૢૺૺૺ૾ઌૺૺૺ૱ૡૺ૱ઌ

नङ्क्ष्यायादीष्यदान्द्रेत्रङ्क्ष्याय्यवायवायविरावत्याही देःयदाङ्ग्रेत्यायाद्वर क्रुचः ञ्चूचः यः नृहः। ञ्चूनः त्याः नयोग्रायः चञ्चयः चः याद्वेयः यः याद्वेयः यः बोद्रा दे:केद:ग्रह:पक्केंद्र:ह्र्याय:बुद:दु:त्रवेत्य:व:बिवा:द्र्याया वक्केंद्र:ह्र्याय: <u> २८.वार्ट्यक्तित्वं अ.धेय.पर्वायः तर्वीयः तर्वात्यः १५। व्रि.च्.४२२ क्वी.४२२२। १२.</u> हः स्टः क्रुंद्रावस्रमः वार्ष्यस्य विषयः सः स्ट्रस्य वार्षः सम्बाद्धः स्ट्रस्य कुर्श्चर हे क्रवर्ग यम मुर्हेर हें गया बुर रु. प्रवेषा न विषा चुर सु गिर्देशः बुदः दुः तह्रवाः पदिः वश्चेदः देशः ब्रीः इस्राः यः ददः त्युदः पदेः त्यः श्चेदः वाश्वसः ৼৼয়৻য়য়৸য়য়৾ৼৼয়য়৸ঢ়ৼ৻য়ৼয়৻য়য়৸য়৸য়ৢয়৻য়ৢয়৻য়য়ৣ৾ৼ৻য়৻ঀ৾য়৾৸ড়ৢয়৻ড়ৢয় हेब'र्देग'सेब'स्थुय'यदे'लेट'प्रसम्र्यासु'द्वेब'र्चुम'नक्ष्मप्रा नहेब'य'र्हे'हेदे'र्के'ग' বার্ব্যস্ত্র-বেংমার্র্বর্র্বর-মের্মার্ক্রর-বের্মার্যার্ব্যম্বর্ত্তর বার্ব্যস্তর্ত্তর বিশ্বর্ত্তর বিশ্বর্ত্তর ব *ইবাঝা বাট্টপ:শা:ইবাঝ:২৯:শ্বীর:গ্রী5:শ্রী:বার5:5;৫র্ল্র:বঝ:শ্বীর:ঘ:শ্বী:ববা: ৼূ*৾ঀ৵৻য়ৢ৾ঀ৾৾৽ঀ৾৾৾ঀড়য়৾য়ৢঀঀৼ৾৻৴ৼয়৻য়ড়৻৸ৼ৻৸ৼ৸৸ড়৻৸ড়ৼ৻য় श्चीर र्धे स्वार्थ की वर्षे प्राप्त की प्रमुख्य स्वार्थ की स्वार्थ लगःश्चीःयोत्रेरः हे योत्रेरः यद्वेदे स्वतः रया यात्र ५ र दु ५ र र र र र र विवायः वि द्विदे सु योशीर वियोज रेर प्ररामी स्थ्री योशीय रिव्हेर सुरी योशय रिवह या स्था राष्ट्रिर प्रराम ગુન્ન મુંદ્ર શ્રેંગ કૅન પ્રયાયે જેયાં છે ફ્રયા વર્કે દ્રયા જેદ સૂર્ તૈયા સેના યાયા न्नर न्रञ्चूर न धेरा है। नन्ग हैन स्न नदे न्यीय प्रवंर। श्रवा सर्वा स्वा য়ৢ৾৽ৼয়ৣ৵৽ঀ৾য়ৼ৻৺য়ৣ৾য়৸৽য়ৡৢ৽য়ৣ৾৽য়৾য়ৢৼ৻ঢ়ৢ৸৽ঀ৾য়ৼ৽ঢ়ৢ৽ৼয়ৣ৵৽ঀ৾য়ৼ৽য়ৠয়৽ড়য়৽

ૹ૾૽૱ઽૹૹ૾૽ૼૼ૱ઌ૽૽ૺૡૡ૽ૼ૱ઌૼૺ૾ઌ૱ઌ૽ૺ૾ઌૺ૱ૹ૽૽ૺ૾ૺૺ૾ઌ૽૽ૺઌૡૢ૽૱ઌૢઌ૱ૹ૽૽ૹ૽૽ૺૹ૽૽ૺૹૺૺૺૺૺૹ શ્રેસશ્-२५८:શુસ-૫૪) ના સુ.યોશ્વાતા. વધુ. શ્રું યો. શું ર. મૂં. તા. કેંંયો શો. શું ર. તા. ग्रीभामर्भेरामरामञ्जरामया केंगानेदादराष्ट्रीरामामञ्जेदामा साद्राद्रास्थ्रीरा यः हे पक्केषा नियः तुरः श्रुरः पः श्रुपः पा र्षेषः प्रशः श्रीः वर्षे वर्षः प्रश्ने वर्षः वर्षः प्रश्ने वर्षः व ५८। हेब ५८ पहेब ४२ पठकाय देवा प्राया गार्दे ५ अदी ५ ब्रीट का सु अक्र अपर प्रविषा,तपुर, हुं या हुं ये । ज्ञान । जुल्या । जुल्या । ज्ञान । प्रविष्ण । ज्ञान नतिः सुः न्वीं न्यः न्नः सी त्रव्याः नरः कुस्याः निष्यः ग्वनः वः बुनः केवः वनितेः सवः प्येवः ॻ॔ॸॱॸ॔ॴॱऄॣॸॱढ़ॣॗॗॗॏक़ऀॱॴॺॸॱॴॸॖॺॱॺॺऻॎॾॗऀॸॱॺॣॸॱॺऻॿॖॴॺॱक़ॣ॔ढ़ऀॱॾॣॺॱढ़ॿॗऀॸॱ शर्बर.क्र.क्रेया भिं.य.यर्थे.वया.श्रीया.यर्था.क्रीया.पर्वीरा विवार्टा. ह्रिवालकार्र्क्रियास्रोदास्त्रीयास्रवेत्रास्त्रास्त्रस्त्राह्याः ।सार्यस्त्रह्रियास्रवास्त्रस्यास्यास्यास्यास् नर्ह्मेरा । इंशान्तः। र्हे हे हिंबा स्वतः सम्बद्धाया । विदे किरानस्वेदासवेः বাং : রবা : রুমঝা । রুমঝান্তর্ন র্লুমোর ক্রিমান্তর্ম : রুমোর রুমান্তর্ম : রুমান্তর্ম : রুমান্তর্ম : রুমান্তর্ম क्षेत्र्यी । । यो गो कुर रहें या निज्ञ या या या प्राप्त । । । निज्ञ कर निर्देश यो यो खें गोया न्तरा । व्यक्ष्यायम्बर्गयान्ने क्ष्यायान्। । व्यक्ष्यायान्यम्यायान्यम् हेर्ने ૡૢઽॱૢ૽ૼ૱ૹૢઌઌઌઌઌઌ૽૽૱૱ૢૢ૽ૢૼૺ૾ઌઌૹૢૢ૽ૺૺૢઌ૱ૹૢ૽ૺૢૺઌઌૹઌઌ૽૽૱ઌઌ૽૽ૡ૽ૺ૱ૹૢ૽ૺઽ য়ৢয়৾য়ৢ৾৽য়৽ঢ়৾ৼয়৽ঀ৾ৼয়য়ৢ৾৽৻ড়য়৽য়ৣ৽৻৻ড়৽৻৸৽৽য়ৢয়য়য়য়৸ঢ়৽ড়য়ড়ৣ৽ৼয়ৄয়য়

त्रम्भारम् क्षुत्र क्षुं नक्षुन क्षुं न सर्दे र नक्षुर्य हो खु त्र। क्षु र नन्या क्या यी क्षेत्र या *ক্র*অ'অর্কর'নর্ন্তর্ম'ম'র্ন্তবা'ড়র'ষ্ট্রব'র্ম'রম'নের্নুম'ন'ম'ম'ম'র বিষ্ণা શુંદ ૅર્યાનસુન ગ્રાયુયા છે જ્યાયા વર્ષેયા બાલુ ગાયો તો તે છે જે દારો દ્વાપાર બેંયા માયા बर्। व्याःकेषःबिरःक्ष्यःश्रेस्रशःर्भदेःचक्ष्यःबःक्ष्वेःदरःबेःवयःयाश्रदःस्र्याशःहेः <u>ॾ</u>ॆॱॿ॓ॴॱय़ढ़ॆॱॸ॔ॸॕॴॱॿॖॖज़ॱॻॖऀॱॹॱॸॱॸॣॴॱक़ॕॴॱक़ॖ॔ॴॱॸढ़ॏक़ॱॸॖॱॺॖॣॸॱॸऒ॔ॴॴॸॸॱ। <u>२ण्</u>चीत्रात्विरःक्षुतायते कें ग्रीते क्षेटार्या मक्षुट्र हें ग्राया ५८ मक्क्ष्याया धेवायया ૡૺ૽ૡ૽ૼ[੶]ઽૣઽૹૹઌ૽૽ૡ૽ઽૻૹૢઽૹૹૹ૽ૣૼ૾ૹૢૹ૱ઌ૽૿ૢ૽ૡૡ૽ૼ૱ઌૢૹૢૹ<u>ૢઌ૾</u>ૹઌ૽૽૾ૺ तिष्ठेर से र्न स्याच्या वर अहं न स्वीत क्षित्र हो स्वाप्त के। हे स्वाप्त के से स्वीत स्वीत से स्वाप्त की योट्ट केंद्र में भे ख़्द्र मदे सेंद्र राज्य शुंद्र मदे त्यस त्यु वाषा त्यस द्र में मान्ट म्यस नः इस्रयः ग्रीयः ग्राः देवः सेनः न्याः वरुषः श्रीः यहिनः सः न्नः। ग्राः कें ज् चवाद्रःश्र्यायाःचवाःस्रोद्रःश्चेद्राः विवायाःवश्चेद्रःस्र्वाःस्रुचःश्र्यायाःवर्विद्रःवर्द्धदः বী র্ঝাশ্রব্যান্ত্রা শুব্রাবা শ্রুবার্কার্মার্শ্রিব मरः स्रेश्नः रज्ञेय के. खे. ह्र्यः हुल। येट्टश्नः प्रवेदः स्रो (रश्नेयायः चर्याः स्नुचर्याः चर्याः विष्यः द्वाः विष्यः विष्यः । स्वितः विष्यः विषयः स्वितः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः जियायाय विवाया केट्या के.या यया क्रिया देश क्रिया है या क्रिया के या के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्रिया के या क्रिया के या क्राय के या क्राय के या क्रा के या क्राय के या क्रिया के या क्राय के या क्राय के या क्राय के सर्वतः श्रीः श्रुः च राष्ट्रः वर्षः द्रयः पार्यो दः स्रदेः श्रुवा प्रतेषः सूत्र। दित्रः प्रत्वाषः ਜ਼<u>ৣ</u>ॱॸੑਜ਼ੑ੶ਜ਼ੑੑੑੑੑਸ਼੶ਜ਼ੵੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑਖ਼ੑ੶ਖ਼ੵੑਖ਼ੑਖ਼ਜ਼ਫ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼ श्चेर-क्रिल-प्रतेष-प्रा<u>क्षेत्र-पात्र-र</u>्घण्या अदःश्चेत्र-र्याः स्ट-श्चेत्र-र्याः स्ट-श्चेत्र-र्याः स्ट क्रिंच-तर्यः नेत्-त्र्यं लेश-चिवाश-तर्यः योध्यः क्र्यान् नः नेतः स्वाध्यः तर्यः त्यापः नेतः स्वाध्यः स्वाधः स

য়ৢয়৽য়ৢৼৢ৾য়৾ঀ৽য়ৢয়৽য়ৢয়ৼয়ৢৼ৽য়ৢৼ৽য়ৢ৾ৼয়য়য়য়৽য়ৄ৾য় য়য়য়৽য়ৢ৾য়৽ঀয়৽য়ঀয়য়য়য়য়য়য়য়ৢ৾য়ৢয়৽য়য়৽

ख्यू.सं.सं. चया.पुरा.रच्यू.ज्यूचायाची.सं.रच.क्ष्यं.सं.सं.यासंसाल्य्यासं. तयोरमायर चित्रःद्वय

> ষ্ট্রবন্স'নপ্তরি'ষ্ট্রবন্স'মনের'নেইব'মস্ক্রবা'র্ট্রবান্স'ননেম'স্ট্রনা। ঀ৾৽য়৽ড়য়৵৽য়৵৽ৼ৾য়৽য়ৠৼ৽ৼয়৽৸য়৾৽৾ড়য়৻৻ देवा<u>ः</u>ब्रॉच सर्केवाःस्व नसूत्रःदिवःद्वोःददुतःहो। रेव केव इया गशुया श्रु विते क्वव ५ प्रश्लेव।। यःकवार्यायद्रद्याः स्वतः द्वाः स्वतः स्वीदः द्वा য়৴৻ঀঀৢ৾৾ৼ৾য়ৢ৾৾৽য়৽৸ঀ৾য়৾ৼঢ়য়ৼয়৾ৠ द्यो'येग्रायाची पति कर केत्र तदी रुद्धीय। ॱय़ज़ॱॸॖग़ऻय़ॱॹऻॸॴॱॸऀऄऀॱॴॸॣॸॴॱक़ॾॕक़ॱॹऻढ़ॕक़ॱक़ॗऻ। नर्रे केत्रक्षेट हेते रट ग्राचुग्र र स्वार्थ स्वा यारकार्श्वेरकारब्वे चार्येरकार्शी अर्वोद्याविवास्या বন্দবাব্য সভূবা রিবা থ নেট্র ব্য ইবা টি শ্লী হবা। क्रियानसूत्रासुराद्राद्रास्त्रायान्त्रीत्राहेर् हो। ૡૄૻઽૹૡ૾૽ઽૡ૽ૼઽૡ૽ૼૹૼૹૢૹૹ૾૽ૹૹ૾ૣઌૹ૬૾૬ૡ૽૽ૺૺૺૺૺૺૺ

म्चितः तकुर्ने १ वेरः हते : स्रोता र सेर् । तकुर्ने स्रोता र सेर । यग्रा विषाद्यो यदे सूद या ह्या हु हुन्। ছিন্দের শুন ইবাশ মার্ক্টর করি নের্বির শৌর্মাধীশ।। श्चाप्त स्पर्वे व्यापित्र विष्या स्पर्वे श्चि अर्के वा के।। याधीन्नावादेरावदेराक्त्याक्रुराठेगा क्रुयानसूत्र नसुरानराव्यानवेषासञ्चार्तिके॥ याना वर दूर नार्युया सुरा विषा खुया नार्युया र्योगीया বম্বর শ্রুদ বশার শ্রুদ ইবাঝ দরি দ্রমবা র্ক্টবাঝ শ্রীঝা। ઽ૱ૡ૱ૹ૾ૢૢૼઽઌઽ૱ઐઽૹ૾ૢઽૄૺ૱ૹ૽ૣૼ૱ દેવા<u>ચાનાચું</u>યા:ચેંચચા-દ્રપતે:ક્ર્યું:તક્ષુતા:ક્રો:ધો:हे\\ तह्याचीर श्रेर क्रेब र्पत पहुल सेर या र्रा न्याः भुः सुरः हते । भुः स्वीकाः तिवसः यस्काः श्रीका। षशः हुर द्वातयर वर्षे द्वयय प्यरायः हुद्दी नम्रे'नते'क्केर'हेरा'इररा'मते'र्पत'केव'रोयरा॥ શ્ક્રુેવ ભાયાર્જેના દુઃર્વેયન પ્રતે શ્રુંદ સ્ટ્રેનન હતા। द्वे:बोद्र:गुर्व:ख़र्व:ख़र्वायाय:पदी:द्वो:बार्ळद:ख्रीरू॥ য়য়ৼয়৸য়ৼ৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸ ભગઃભુગإઞઃન્નુ:ર્ક્સેગ!'ગર્કદ્ય:ધેલે:બે:ર્સેન:ચીચા अवतःचर्त्वरःसदतःसद्दःसःरुटःद्वाःस्रेतेःग्वेद।।

बेशःविश्वायः नर्हेर् यदिः क्षेत्रा गीश्वायर् द्वानस्या है। सुः त्रवार् गारः सुद्वा यहेर्ग्ये से र्वे र्रम्प स्थाप स्थाप से से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से से से से स्थाप क्रि-विरायका क्रान्तिकात्रात्री क्रियानमा क्रीक्रियानमा ন্দ্রমান্ত, বাঙ্গিমান্তনা নবাবা নহুমমানমা প্রবানমমান ইর্মির বাউবা দ্ব सर्वर पा र्णेय सुर र्षेट्या गया ए जो किराय स्थाप स नायर तर् प्रति रूपति देते हो पर हो। देव केव नायु धी नार्वेर घर नायो राष्ट्री য়৾৾৾ড়ড়৻য়ঀয়য়৻য়৻৴ৼ৻ঀৗৢঀ৻ঀয়৻য়ড়ৢৼয়৻য়৻ঽ৾৻য়ড়৸য়ৢৼ৻য়ড়ৢয়য়৻য়৻ৼঢ়ঀ৾ৼয়য়৾৻য়ড়ৢ৾৻ यवर्षा चैयः यष्ट्रेशः रेषाः सः यद्देषः सदः यप्तेषात्रः स्तृत्। विं स्युत्यः सङ्घतः र्वेदुःर्भूर्यः कुरुःर्भुः योः स्रीययायद्रीय। व्याःयार्ग्रारायार्भुः विस्वयाः विद्याः चींचःरेचरःह्र्यात्राःकृषःतपुःसियाःब्र्र्जाःकेंपःक्रीःभिजःत्र्र्ट्रःशुरंगीषःसिषःक्रीः सत्राःवरः <u>ব্রা শ্রীব্রাক্তম র্কুর ব্রাব্রে বর্ণ শ্রী রুঝ গ্রহ শ্রী ক্র পৃষ্ণ দ্র শ্রুবা বার্থ হারি </u> सर्वः मद्रः सहरः मार्थः प्रह्में सामद्रः ह्में साम्यान् होत्या होत् स्वान् होते स्वानित्राचा स्वानित्राचा स्वानित्राचा स्वानित्राच्या स्वानित ૻ[ૢ]૱૱૱૽ૢ૽ૺૹૄૢ૾૱ઌ૱ૢ૽૽૱૱૱૽૽ૢ૽૽ૹ૽૱૱૱૱૱૱

ক্ষুম'র্ক্ট্রর'মা समितः (व. के. ^अपु. र्योजाः त्रिक्यः न्यायी (प्रचयः (व्रटः । । यर'ब'ब्रुंद'कर'बेल'तुत्रे'क्रुंब'यबद'त्र्हें। **ॺॱढ़ॱॹऀॱॻढ़ॖॸॱऄ॔ॱॸॖॕॴॱॸॖॴॱॸॖॱक़ॗॺ॥** र्षे.यधुषु:रेतलाक्चिशार्जूरशादर्अस्थाक्चिरःश्वणी त्युदः द्दः ह्रॅग्रयः यद्दे चद्गा क्षेदः बुदः यदे चस्रुद्या। नम्दर्दर्सुन प्रथा सेया नदे त्र्र्या प्रदेश्या। रेल चेंदे राज्ञ वि विरुष यदे में अर्दर ही। ঝুদ'ব'দ্যাম'র্যঝ'গ্রার'রঝ'ঝুদ'ঞ্জুম'ন্টগ্রা नहत्रवार्थिते दुरुषा अति विवासो केति वीर न्या ଞ୍ଚିଦାଷ'ପଞ୍ଚିନ୍ନି देर ଅଧ୍ୟୁ ଓଟ୍ଡ 'घ'ग्यायर 'गी'पଞ୍ଚମ। न्यतः यहेन् न्तुः र्ह्या यर्वन यः न्या खूते यापर।। श्रातव्याम्बाम्यान्त्रास्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् ন্দ্ৰী অৰ্ছিন 'ৰ্ছিকা'ন্দ 'ব্ৰুক্ত মন্ত্ৰী' অদি 'ভৰ' শ্ৰুৰা। য়ৄঀৢৢৢয়য়ৄয়য়ঀৣয়য়ৣয়ৢয়ৢয়ৢয়য়ৼৣয়য়য়৾য়ড়৸ঢ়ৢ वर्दे यदे धुः सर श्चिद्धः प्रवे द्वो येवास ग्चिस्य निन्द्रभामने नराद्रयाधर प्रवेदि श्रुर हिन्।

ल्र्यः स्रिकासः द्वो त्येवाकात्रसेवा नते सुर सुर स्वा

इ.ज्ञेन्'ग्राब्द्व्यक्ते क्रीं क्रेंब्राच्यायाव्यायाव्याया

ૹ૾ૼઌૺૹ૽૾ૺૹૄ૾ઌૺૡ૽ૼઽ૽ૺૹૺઽૺૣૣૢ૽ૺૹૺઌ૾ૼૹ૽૽ૢ૽ૺૹૹ૽૱ૠૢ૽ૢૼઌૺઌ૽૱ઌૺૹ૽૱ૢ૾ૢૼઌૺૹૢ૽ૺઌ૽૽ૺ૱ઌૺૹ बॅ'क्षुद्र'यय,'नु'नक्षूर'न'य। दन्दि'हेन्'ग्री'दर'र्नेद'दी। नन्ग'रुग'गी'क्षेद्र'य' *વા*ત્રયાસ્ત્રવચાત્રાગ્રુદાત્કું તાએઅઅપ્ટનવારા ક્રુભાર્યે દેશ્ય અપ્ટ્રીએ દાગાત્રા સ્થૃતે સું नःहैः सूरः चलेशः पदिः र्दुत्यः धैद्या देः धरः द्यवः रहेदः हुदः रहेवः श्रेस्रशः द्यवः इस्रयाद्वीरम्बिरम्यास्य स्वेरायदिःक्षेटाह्ये स्वाराद्वम्याद्वार्याम्याद्वाह्यास्य स्वरायक्षेट्व য়ৄ৾ঀ৾৾৻৴ড়ৣ৾৻৴৵৻য়ৢ৾ঀ৾৻৸৻৶ৄ৾ৼ৻৸৾৾৾৾ড়৵৻ঢ়য়৾য়৸ यादर्यात्युयार्थान्दे प्रविदाकेत्। क्षेत्र्यायात्रस्य स्वर्याच्यायात्रः यो स्वर्या ૹૢ૽ૼઽ[੶]ય[੶]૽૾ૢ૽ઽ૽ૹ૽ૺ૽૽ૢૼૼ૱૱૾ૼ૱ૹૢ૱[੶]૬ૢૻ૱ૹ૽ૼઽ[੶]૱૱૽૽ૢૼ૱ૢ૱[੶]ૹ૽૾૱૱૱૱ लूरथा-थी-ब्रैरथा-पे-क्रे.या-तथा-दुशा-चुर्य-वंश्व यरथा-क्रिया-क्री-अरा-सर यदिवा:२८। श्रीत:यद्यशःवाद्यवाशःश्रीते:खॅत:५४:५५:पाःवार्द्धवा:५४:व्यशःथः নের্বিমার্নি স্বিল্যামার্কর ব্রাহ্ব বিশ্বর্রা শ্রী নার্বা জিন্তর মার্কর ব্রাহ্ব বিশ্বর্বা করি স कुर्ःहःस्र[,]ररः। क्र्यःक्षःहःश्लेरःमःसिवःस्रेतःस्यःस्रेतःस्यःस्यःस्यःस्याः · ॻॖੑਜ਼੶ॸॖॖॱढ़ॼॖऀॱॸढ़ऀॱॸॣ॔ढ़ॱॵॸॱॸॿॖऀढ़ॱॼॖऀॱढ़ऀ॔ॸॱय़ॖॱॸऀढ़ॱॺऀॱक़॓ॱक़ॗॸॱढ़ॸॸॱऒॸॱॸॖॱढ़ॼॗड़ॱॸॱ लाहित्वूरानश्चनायते द्वलाहे। श्वेषायाने लावरावेराकी श्वेष्ठायान्ता। व्वला ग्री:ब्रेवित:प। क्षे:प्रहेगका:पास्तुपका:ग्री:ब्रेवित:पास्ते:गासुका:प्यका। ५८:घॅ:प्यवट: योर्नेर य दर्श योर्नेर य केंद्र ये दर्श वीद पुर योर्नेर य दर या शुक्र पुर पुरे र्धेर्-प्राथम। गुःर्र-र्ढाची ज्ञब्र-र्र-रुर्म्स। सर्वे र्र्र-प्यवायनानी योर्नेर पाके द र्ये दे रे हुँ द राया अर्के या हु र हु र हु र हु द हु द हु र हु या डेबाञ्चार्चेरार्ड्यात्यया । क्वितार्य्यापदे तिवृद्दादे त्यूराव्यात्रयाया । वि यर लुग्राय प्रयाप्तरे प्रयास्त्रीत । । वस्रय उत् ग्राहर प्रयाप्तर लिगा र्से या है न्वीं या । वियान्ता युषानहन् स्रेर वितानन्वा वी स्वानस्या क्रिया । गावन द्या इसय ग्री द्याय या स्वाय प्राय । व्याप व्याप द्या । रैगाक्षेर्रात्रुषर्वेराव्यादी। ।रेग्वर्राद्युरासुरासुरात्रुष् पर्हेश। विशागगुर्याराष्ट्रमामुयानुःक्षेराक्षेत्राकेषाकेषाः व्यास्या ब्रीकायान्ता क्रीकातुःकेवार्याद्वीः योनागावात्मवात्वनीः विनायीया वान्तात्वनाया न्नर रेंदि दृर्या या येगा येगाया ग्री श्रुक्य पानहर नया बर बेर यो श्रुक्य प्रयाय वहा <u>ने:न्जाःग्रुबःग्रुनःवनेःध्</u>रेःजान्दःचनेदेःष्यस्यःयाचर्गेन्ःसस्यःसेःवहेज्यस्यःस्कुनस्यग्रीः ষ্ট্রীর'ম'ষ্ট্র'ষ্ট্রীর'মন্ট'শম'ষ্ট্রীর'র্ছুবাঝ'ম'ন্দ্র'। র্ত্রাবাঝ'ষ্ট্রীর'র্বার্কন'রিন'নের্বিম' বাধ্যুম'র্ম'মম'মী'র্ম্বর্গমের প্রিম'মব'শ্রীম'রীর'মরি'ব্দর'ঠার নুহ'ন্ট্রব'মীমম' <u>५५८:२ेश:६ग:५:गल्दःर्वेदःथ:वर्हेदःयदेःह्रथःवरःहेर्गश्रःय:वर्हेर्पःय:दर्नेहरः</u>

প্রাঝারক্রীন্রের্যাবালুন্রেন্র্র্নার্ন্র্র্যারক্ষা

हिर्भुं, प्रमन्न न्वरा।
हिर्भुं, प्रमन्न न्वरा।
हिर्भुं, प्रमन्न न्वरा।
हिर्भुं, प्रमन्न न्वरा, क्वर्मन न्वरा, क्वर्मन्वरा, क्वर्मन न्वर्यः,

ष वडर:वडर:वडर) छिर्भुग्रसमावडर:रस्र

יון אפריאפרין

बेर। ब्रिन्श्रीशः क्रुवाशः श्वन्यः अन्तरः स्त्रेन्द्रः स्त्रेवाशः स्त्रः स्त्रेन्द्रः स्त्रः स्त्रेन्द्रः स्त्र विवाः श्वन्यः स्त्रः स्त्र विवाः स्त्रः स्त्रः

ग रःअःगिले लेखः रवः श्रीः वदः वद्यः लदः लेखः लेवाः अः रेदः हे। दुषः क्रुवः वर्ह्स् वः वर्ष्युषः लदः स्वेदः वदेः दवरः विषः स्वेवः व्यवः द्यवः द्यवः द्यवः द्यवः व्यवः स्ववः स्व

प याया ब्रिंगराया है विगाय दे हुं विंदा य

या (तर्ह्म्प्रान्द्रान्ध्र्म्प्रते क्ष्म्याः इत् क्ष्म्याः व्यवस्थाः विस्थाः विस्

म्या विषय्त्र विषयः विष

या (गुरुप्तर्त्यक्ष्म प्रमण्डिष्ठ) योग्रुष्ट्र क्ष्या प्रमण्डेष्ठ प्रमण्डिष्ठ क्ष्या क्ष्या प्रमण्डेष्ठ क्ष्या क्

দ ট্রিন্'শ্রীঝ'নঝঝ'র'বান'খীরা

শ ইব'র্য'ক্ত'লাঝ্য'ন্ট্র'ক্রব'ক'মেই'ই'র'মের'ট্রীঝ'র্'ন্স'ন্রর' মুঝ'নক্রব'র'মাইঝ'মন্টি'ক্রব'অং'অব'মে। ইব'রহ'অং'প্রান্ত'র্নঝ'র্ন্'ঝি' অবা

स अन्तेत्र स्त्रीत्व प्रति वार्षेत्र न्द्र प्रति प्रति स्वर्ण स्

चनः वाश्वेर: ५५, यः क्री: त्रच्यः क्री वा त्रिंर: वार्थिवः स्री: त्रवर्शः क्री: व्याः स्री: व्याः स्र

দ (দ্রিঅ'বর্গীব্'ব্র'নহমা) ব্'বা'অ'খীরা ক্রু'বার্মীম'ব্ম'রব'বারী' <u> ব</u>ূহ:৮:ঽ৾৸:য়৾ঀ৸য়৾ৼ৸:৸:য়ৢ৾৾৽ঀ৾৸ৼ৴ৼয়৾ঀয়:য়৾ঀ৸৽ঢ়৾৽ৼৼয়৾৾৻য়ৼয়ৼ৸ড়য়৽ बिरा नेशाम्बरायहेंबायरा होता से बुबाही नातुरा हुवाया नातरा विरा न'लेग'त्य'क्कुब'नु'से'न्र्ग्रेंब'सर्स्रन'नु'त्र्ज्ञें'स्रीन्। नेष'ब'क्कुब'घस्रथ'रुन्'ग्री'बन्' वर्षामळेंगानुः शुरायाने र्योवानवायीवात्या येवानवावीयायते सुवानन स्थवावा *ক্ব*ৰ্বেন্স-মন্ত্ৰ,লেন্ড্ৰেন্স-সেল্ল্ৰেন্স-মন্ত্ৰ,পত্ৰু এনি-মন্ত্ৰ, লিবা-প্ৰান্ত तर्। ।<u>इ.जॅब.ज्र.क्र्य.क</u>्रट.इट.लट.। ।व्ट.च.क्रैब.क्रु.क्र्यायायधेयः वर्। बिशर्रः पॅर्वः हर्यसे दः वः कः त्युवाशः श्रीशा । सावशः द्वस्रशः न्वायः न क्रीन् क्षेत्रं । इ. अर्के वा यर्चे यः न र के स्था । विवाहः न क्रीनः यर रे ब र र र विषय प्राप्ति । নর্গার্-উৎ-২২-র্ম-লাল্বর শ্রী-নেধ্রমাধ্রাঝানান্ট্রঝার্ন্র শ্রেম্বর মার্থর মার্কর মন্ত্রী बर मी बेर अर्केन श्रेर व र में बर परि श्रेम मिल स्वित स्व त्या दे:देव:घर:ठव:दु:वर्ड्ड:वेय:य:दे:यर:दुर:बद:वयय:र्ह्ने:विदेर:वेय:यावद: ঀ৾ঀ[৽]৻য়৾ঀ[৽]ৼঀৗ৵৻ৼ৴ৗ য়৾ঢ়য়য়৻য়৻য়৸য়৻য়ড়ৢ৻য়ৼৢ৻য়৾ৼয়৻ यावरायाद्वीतात्र्या । इवादवायायायायात्र्याच्याच्यायायाया चुर्यायार्थेस्य। विषयपाद्दायद्व। देःनषायाः स्वराद्यायदेः क्रेंद्विपायाः

म छिन् श्रीका यान सेन नवीं नका वी सिन्।

म् (धेर्-क्रेश्र-प्रते द्वार्यक्षात्र प्रते वित्रायः वित्र वित्र वित्र प्रते वित्र वित्र

व्यास्त्राचा भ्रेतान्त्राचा भ्रेतान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्र विष्णा अर्देर प्रस्थान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रचान्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्त्रच्याचन्

कुर्नरायान्यात्रयात्रवात्रवात्र कुर्वेत्रःश्चित्रयात्रवा वियाययात्रवात्रह्याक्रवित् र्षायय.ज.श्री.च चर.री.च.से.च.रर.। योज.धे.री.जय.र्ज्या.तयश.री.जया.यश्चीर.य. नहत्रभेर्पार्या श्रीकार्यक्षियम् स्थाप्तान्यक्षा श्चानदे न्याया वस्यास्यायाश्चीति केत्रे हेवायाया वया प्राप्त श्वाप्त श्वापत श्व श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत श्वापत लालर.ब्रूर्-वृष्टामा पराग्रीमापरास्यामा लमाप्रवामारास्या অনষ্ট'ন। ইব-ছব-দ'অম-ইব-বাই-ন। ওম-ছ-ই-ইঅম-নম-স্ক্রীন-মনম य। वर्डद'र्से'र्क्केन्'र्यायार्वे'र्से'सूर'व। क्वें'र्विव|'द्रन'र्यावस्त्रुर'सूर्येन्'य। त्रर्वेजान्न नदे लिट क्षे प्रया ने देन निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा यर्ट्याय्या बुट्रद्याय्या क्रिया मुव्यस्य मुक्रास्य ষ্ট্রিঅ'বালুহ'র্ই'র্ক'বার্ট্রহ'র্মহ'র-র্মবাত্ম'র্ম্ক্রী'বরহ'র্মন্টি'র্মের'চ্র'র্ই'অহ'ব্সপ্রহ'র' र्हे वार्याक्तुः से ८ 'या दिवा 'र्थे ८ 'ग्राटा । से देर 'रास्यु खादा देते 'राह्या खार्या वी विवा र्केग्'दे'सद्दारोस्रायां प्रतिदेशेद्दारा निष्टा प्रतिस्था स्वासीस्थानम् । *र्*ट्रम्गृः से त्रव्याप्तरे से देश देश द्या स्थान से स्थान য়ৢ৾য়ৢয়য়য়য়ড়ড়৻ড়ৼ৻ড়য়ৼ৾ঽয়ৣয়য়ড়ৢয়ৼ৾ৡয়য়য়ড়য়৻য়য়৻য়য়৾য়য়ৼ৻য়৾য়ৢয়ৼ र्वेदः दर्भ व्योदः दुः तसेवः नः धेदा देः वद्वते : धः रचनाः देः विदः दुः दर्शेदः धन्यः सर्वेदः नकुर। बैं'ने'वर्षारराम्बन्निम्यवर्षिर्'हर। बें'वर्नरास्त्रीरायासी सरः यरः श्चेतः प्रति त्रव्यात् । यत् त्रत्यतः विषा त्यः विष्याः श्चेतः सः स्थित।

ग वें बड़ी रव ने है वड़ बिया रेड़ा

ૡ ઽ૽ઌ૽ૼઽ૽ઽૢ૽૽૽ઌૢઽ૽ૻઌૹઌ૾ૣ૽ઌૼૻઌઽ૾ૺ૱૾૱૽ૢ૽૱ૢ૾ૢ૽ૢ૽ૢૼઽ૽૱૾ઌ૾ૺ૱ૢઌઽ૽૱ૣૺ रेगा'व'ळेर'या'वर्'लेर'। र्डेश'व'र्कु'र्ग'र्र'वर्'पर्यायसम्बर्धार्यावर्षी ररावर्रेर्प्रराम्भें क्रुंके ना विषान्रार्टे कें कुराना द्वासेस्यान्रासेरा श्रूषाचर्डेरषाय। विःतहसार्विषासूचाक्कीचहुत्यालुषाषावरूदाय। सीःचदेवः ह्रवः क्रीः वित्रेरः वित्रेरः वा रदः वर्षेष्ठः यः द्यावः विदः वाववः क्रीदः याः यो याः याः अश्यव्यक्षात्राक्षात्रक्षात्राक्ष्यात्राच्यात्राच्याः व्यव्यक्ष्यस्य द्वाः द्वाः यदियाः सैयः दरः रामितः छुः प्राः कुरः खुरः खुरः खुरः खुरः खुरः य। करः रयाः देः यः क्विर में तिक्किर माल र्यादाया मु ह्विर स्याया विक्रिया विक्राया विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिया विक्रिय व શ્ચૈઃઽ૱ૹ૽૾ૺઃૹ૾ૢૢૼ૱ઌ૽ૺ૱ૢૢૢૢૢૢૢ૽૱૱૱૱ઌઌઽ૱ૹ૽ૺૹૹૹ૾૽ૹઽ૱*ૢ*૾૽ૹ૾ૢ૾૱૱ઌ૽૱ૹ૽ रर[्]तेर्णे पर्ने प्रत्रेस्स्र श्रीर पुर्यापस्य प्रस्ट त्या स्तुर हे तर्ने से र से से से से प्र धीव। दे'यद'सर्देर'नसूर्याद'नस्याप'दद'म्यागाव'द्रयानद्गुद्र्यानदे हुँद ८४.क्रिश.विश्व.स.स्व.क्रेया.लुक.धे। ह.स्रेट.२। ता.रचश.र्यया.क्री.यार्ट्र.य. मज्ञासेत्। ।सारवरारेवाराक्षीतात्वार्यासुरा ।है सुरहे सुरह्येत्यते ছি2.নম.ক্রিপা বিষ্ট্রব্যপত্ত, ব্র.ল্. মুবাকা. ইপপা. বাপনা নম. বেক্ট্রবা বিপ্রমা গ্রমুৎম'শ'মুম'র্ম)

मि त्रं व्रश्चेति नवर रव्यं वेर निर्देश्य क्षा नवर रव्यं क्षेत्र न्या हे स्वर स्वर न्या क्षेत्र न्या क्षेत्र

नवर रेंदि क्कें न वार्षा व्यापवर रेंदि लिया ग्राम्या वेंदाया रेंदि । বাপীঝাৰ্ক্সুব্'ব্যৱঝাঝাবাইর'রঝাবারবার্ধিম'বাষ্ক্রুম'ঝীর্ক্তবা'বাজ্ব'ড্রবা'র रवर्षायावश्चवराद्वरापरःकृत्याराषाप्रवर्षायीःश्चेत्रियःत्रद्वरावेतःवर्षयः *ક્ષે*ર્યા વસૂત્ર ગાતુ સુંદ : રે:રે: ૧૬ : ફુંફ : સૂ: રે:ત્રય:૧ફે:લેવ : ફુચ: ફે:સુંત્ર: ફેત્ર : રે:વલેત્ર: *৾ৼ*৽ৡৼ৽ৼৼ৽ড়৾৾য়৽ঢ়য়৽ৡয়৽য়৾৽য়৾৾৻য়৾৻য়য়ৼ৽য়৽য়ৼ৽য়৸য়৽য়য়৽য়য়৽ लाम्बनाक्षेत्रवाद्यां प्रत्वेषा देः यदः निष्ठाम्बन्द्रिद्य। चर्चा प्रति । विष्ठ विष् वर्षानावव नवर में लाद्ये नाष्ट्रकावका दवार्श्वे दिस्र में क्षा क्षुम है में साम्रीका नवर त्र्रात्युरावाय। वर्षेयायाहेदान्यायान्दरार्चेयायार्थाव वरार्यावस्त्रेदायाहे खुवाषावाषोर:५;ॾॗॗर:व:ॡ:५५६°क्षे:८४;क्षे:पवट:ल:ॾॗॗर:वदे:वा४५'८८;क्ष (क्याक्ष्यान्दावरुषायदे ग्रायाक्ष्यया क्याया विष्या दर्वोद्दर्भाषां अर्थेका दर्भाद्रातुद्दर्भाद्रेवास्त्रेवास्याव्याद्वर्भावते देवाद्वा कुर कुर मिन्न प्रति । यहेग हेन हिमान मान मान हैन हिमान कि साम मान है से कि स র্ক্তবাৰ্ম প্রত্যান্ত্র করে ক্রান্ত্র প্রত্যান্তর

त त्। स्राम्बीत् स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र

a.य.ली विषेत्र.कुर्य.ये.थे.यक्ष्मील.पर्ट्र.यी विश्ववीत्र.पुट.पर्टेट्य.य.सु. <u> इ.चर। वर्षेट्रस्ट्रेश्चर्यः स्थः स्थान्त्रा विराधिकात्रास्तरा व्रूरः ।</u> ઌઌૡૣૻૺૻૹ૽ૢૺ૾ૹ૾ૢ૾ઽઌ૽ૼૡૢઽઌઌૢ૽ૺૹ૱ૡ૽ૢૺ૱૱૾ઌ૽ૼઌ૽૽૱૽૽૱ઌ૽૾ૺૢૡ૽ૼઌૡ૽ૼૡ૽ૢૺૹ૱ য়ঀ৾য়ঀ৾৻য়য়৻৸য়য়৻৴৻য়ঢ়য়৻য়ড়৸য়ড়৴ড়ৢ৾ঀ৻য়ৢয়৻ড়ৢঀয়৻য়য়ঀয়৻ঀ৻য়ৢ৻ **ౘ**ॱॺॖॣॖॖॖॖਗ਼ॱख़ॱॿॸॖॱय़क़ऀॱॸ॒ग़ढ़ॱक़ॗॗॖॸॖॱक़ॸॸॖॱॸॎॠॕढ़ॱऄॱॸॖ॔ॺॊ॔ॺॱय़ॸॱक़ॸऀॱॺॖऀॱॴढ़ऀॺॱग़ॸॱ लॅंदराः क्रेंद्रां क्रीरावर्द्धेर विदः क्रेंद्रां प्याधीत हो। केंद्रां वर्द्धेर वा क्रेत्रां पर वागिरा य:५८। १८६:५८:धु:अदी:पर्ने:प:क्कु:के:प। १पिर्नेट:पदी:घपराअकेंपा: गर्रमा में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार श्री विश्वासाप्तराहेराहे स्टाकेरायाचर्रारा वश्रवाश्चार प्रवासी ही ही विश्वास्त्र र्शेर यो ५ त है रहेया तमन् प्रयामया या या ५ रही ६ रहें यो ५ रहा थी त हों। ग ५ १ वें १ व्या १ व्या १ वें দ ব্ল্রামাঞ্জীর্বার্ম্যাঞ্জীবৃত্তীবামনার্মার্মির্মান্ত্রা ব্রাধীবৃত্তীর बॅर्स्सप्य प्येत्रप्यस्ते दर्राद्रस्त सूत्र क्रुक्य क्रुक्य क्रिस्स स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य द्वाप्य दिन्। देवी यन्याः अन् हें या अप्यतेः वेशायना क्षेत्रायन्त्रीया ध्रीतेः न्याः वेश्वरायनः हेन्। ग्रीभागावरायागोर्देनावर्ते ग्रिभामते द्वाराष्ट्रीय प्रीय विदान नेतर गर्म ग्रीमाग्री বাণ্ট্র-ব্-মেন্টে-বেন্স-ব্-মেন্ট্র-বাণ্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্ট্র-বেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-মেন্স-ম मूर भ्रुं सदे पुता से द्वा विकार है द्वा वह समा देवी साम देव द्वार पुता स्था । ঀৼয়৾[৻]ঀ৾ঀ৾৽য়ৣ৾৾৾৻ঀয়৻৴ঀৼ৻৴য়৾য়৾ঀৼ৻৴য়৻ৼ৻য়ৣ৾ঀ৻য়৻য়৾৻৸ঀ৾৻ঀ৻য়৻য়৻য়৻য়৻ धीव है। तहसार्थेयातहसार्थातहस्या हो दिहा। तहसार्थेया सूतार्थेतरा वर्हें अराधर होत्। विह्यारें यातुर वशुव दे थी हीरा विह्या हे द हें विया

यावर्यः इस्रयः ह्या । वियः ५८:। यः र्रत्यः वादनः ५: तवेवः यदेः द्वेवा र्चे.ज.लट.ड्री.श्र.ची विया.ब.यधुर.टे.पट.धेट.जा रि.श.वया.पे.ज.जर. तवृद्गा |बेश.म.क्षेत्र.लुब.मश.चेशश.मधु.भक्ष्य.क्रीश.खे.क्ट्र.गी.ट्या.म्. বর্তুঅ'র'ব্রা'ষ্মঝ'ডব্'বাচর'ব্'বার্লুঅ'মম'রুঝ'ম'অঝা র্মিন'র্রিন্ট'ব্নন' *বী*ষ'নইবা'নইবা'ঈবা'নর'ন্ত্র্ম'র'ন্ত্র'বাইবা'বীষ'ঈ'র্কর'মন'র্ব'মেন্ম'র্ম' योबे रे रुष तायोर्षे र पायर प्रते र्यो त्ये र रा से र र र यो र्ये र यो र से से र र र र यो र र त्यर्थः वृषः यदे : यदे : क्षेत्र क्षाः यद्यः अप्तरः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्या विद्या विद्या व য়ৡয়৾ৠয়য়ঢ়য়ড়৾য়ড়৸ঀৼয়য়ৼ৾য়য়য়ৠ৾ঢ়ৢয়৻য়ৼ৾য়য়ৼ৾য়ড়৾য়য়ৢয়ঢ়ঢ়ৼ৾ ब्रूंन:प्रश धूर:रु:रर:रर:वी:पवा:हु:ब्रंन:ब्रूंन:ब्रिन:ब्रूं-अते:क्रुॅन:ब्रूंन:ब्रूंन:ब्रूंन:ब्रूंन:ब्रूंन:ब्रू मर्सेन'न'भेग्राम्। चगातः देव के। चगातः देव के। दर्श देश यात्रा हो दारी सामाता त्रव यनार्थे नात्र र र्शेटा। व्येटार्विस प्येट्र तुरु त्रीना प्येत्र त्र र र जीत्र जीता ग्यूटर त्रचे प्रदेन। ५:५५:त्युवार्यायाष्ट्रेयाची प्रवाद प्रदेश सम्प्रते । स्वाद्य प्रवाद प्रदेश सम्प्रते । स्वाद प्रव

রর্ধরান্ধী দ্বালাম দ্বালার্থ কিন্তুর বিশ্বর্ধরার্থ কিন্তুর বিশ্বর্ধর বিশ্বর্ধর বিশ্বর বিশ্বর

अर्थः श्रीभाक्तान्य प्रकृत्यर प्रक्षाप्याणा व्यक्ष्य प्रक्षिया विश्व वि

सःश्चरःश्चित्राच्याः क्रय्यानश्चरः तर्श्चित्राच्याः श्वेता। स्वारः स्वार्थः स्वारः क्रय्याः व्याः स्वारं स्वरं स्वारं स

ने:यदः सर्ने: क्रुदः सः धी: विवाः तो रु: द्रायः क्रुीदः स्र सः वी: त्युदः सः विकाः सः वादः सः '৴৽য়৴৽য়ৣ৾৾৾য়ৢ৽৸য়ৄৼ৾ৼয়ৣ৾৽য়ৣ৽৻ড়ৢঀ৾৽ড়ৼ৸ৼয়ৼয়ৢয়৸ড়ৼ৽য়ৼয়ৼয়ৼ र्यार:ब्र्अ.यात्ती.रज.र्स्थ.त। यर.र्स.चया.यात्तवःत्तु.पच्चीर.र्ह्स्र.र्ख्ने.स्चीयःस्वी क्रॅ·भ्रेन्यायद्वियानरावनान्याराक्त्रां क्रियाम्ब्राह्यायस्यात्वानाः भ्रूनार्धेनः ब्रुक्तियाधियाक्षराक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मदाक्ष्मद्रात्त्र એ ફેવા વી સુે ૧ જ્યા છીએ અદ્દેશ ધરા ધુવારા દેવારા સુ જૈવારા ફે વાર વિદ્યારા ધ गलवः यरः गान्तः विधियः गायुः यो सर्वे स्वा ५८ राज्येयः दे स्वतः स्वतः स्वा राज्यः क्री:र्न्युश्वरशु। क्रुन:र्र:स्नुर:क्रेब:श्व:श्व:प्रदेश:श्वायव्य:प्रित्र अर्नुब:र्र:क्रुव्य: য়ড়য়৵৻৸৾৾ঀ৾৾৻ঀ৾৵৻৸ৠৄ৾ৼ৾৾৻৸৻ৼৢ৸৻৸ড়ৢ৾৸৻য়৾৸৻৸য়৾৻৸৻৸য়৾৻ দিন ক্রবার্যার ক্রিলিকার্যা ভিন্ন প্রবিশ্বর প্রত্যান্ত্র প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্য প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্য প্রত্যান প্রত্যান প্রত্য প্রত্য প্রত্যান প্রত্য প্রত্য প্রত্ ने रेर न्या विषयि दे हैं न्यार में या अहे वा की वा वी विषय हैंना श्चेत्र र्थे द्वः प्रदेश प्रवादः सूत्र ह्वे अः वारः श्चे वाडे वार्यः र्थे वर्षः व्यवः सूत्रे ह्वे वा बरःश्चेरःदगारःधेदैःदरःश्चवःबर्छेरःवतुवःश्चेःवरुवःश्चेरःहे। श्चेरःदगारःधेदैः यभ्रियाक्षेत्रप्रदेश हेरायद्येयाद्वेराययाक्षेत्रप्रदेश्येत्र हेराययाद्वर्गा અમ્પ્રામ્યામાં વાજાતા સુધાના સુધા સુધા સુધા સુધા સુધા સુધા અના

८२.वय.क्री.व.यवर.योशूज.खुट.ष्राह्मात्रात्तुचेष.क.क्री.क्रूय.क.की.का.क्रीय.यीथ.यीथ.यीथ.यथीय. य। ध्रमान्द्रमेन के निस्त्री के मान्या मान्य न्यः ब्रॅलिया अप्तारा के त्या अप्तारा अप्तार अप्ता ल्कुम् अहरासुवा र्से देवा वाह्या सुवा वाह् ૹૹૄ૮.ૹ૾ૢ૾ઌ.ૹઌૢ.૮ૣ૾.ઌઌ*૾૽૽ૢ૾ઌ*.ૹ૬ૢઌ.ઌૹૢ૽ૺ૱ઌૢઌ૾ૣઌૺ૱૱ૹ૾ૹઌ.ઌ.૮ૢ૽ઌૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૱ वी'सेर'सुस'रेर्। सहेंस'त्रहुंस'र्च्चेस'पदे'ल्य'र्ग्चीय'य। र्ग्नुसु'वायु' धीः यदः र्वरः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः प्रस्तः प्रस्त्रः यस्य स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स सर्थः ह्यून्यःयन् स्वतः स्व हासुन्। चर्चुस्रस्यापाने। तन्त्रम् स्ति। स्ति। स्ति। स्ति। सिन्। सिन्। सिन्। सिन्। सिन्। सिन्। सिन्। सिन्। सिन त्या वार्श्वर:क्री:वार्:चुति:श्रीत्य:व्रित्य:ठ्रता वाष्यश्व:याद्य:द्रद:द्रद:वार्ध्यद्रव: म्रे.स्. १ प्रदेशकात्रात्र स्त्री स्वार्यात्र स्त्री स्त्र स्वार्थ स्त्र ৰেমার্ন মে। মি'শ্রি'শ্বম'নমি'শ্রী'শ্রেমান্তর। বিশ্রীদ্রান্তর্মানর্শ্রীশ न्ध्रें म्क्रीं मर्द्ध देश्वर्रा संकेद र या मन्त्र र यो स्वर्कें रेन्। स्वर्धे देश स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण প্রি-মে। শ্লীর'মার্কমমার্মান্রিরি'শ্লীরা'মের। ম'মানের'রেশ্রীরি'বাম'শ্লুনমা च्चियानान्त्रे :स्र्रांचा च्चयायायनान्त्रः स्तरः दरः दरः यास्त्रे स्तरः स्त्रे स्तरः यञ्चस्रमानः *ने*ॱवैश्वःकुरःखुःगुतिःसळॅरःप्यग्।'यठशःब्लीरः'दृग्|रः'र्यतेःक्रॅं:ङ्क्षुवः'यनुवः<u>च</u>ीशःसद्देशः यते वार दर स्ववा क्या अव यते सु दर द्वर वा क्या सुर केर के व सु वा द्वर व श्वायाकुर्पन्त्रभूयानारेत्।

तक्रमार्क्रवानिकाय। वह्रमाञ्चीराने क्रमाञ्चलार्यान् नात्राक्ष्याया

५८.पश्चात्राः स्रो रे.लट.येथायायतः यावीत्राचरास्रेटाश्चरात्राः বাওৰ'বাৰ্যুঅ'ন্ত্ৰ'শ্বেম'অৰ্ত্ৰ্ৰ্ৰ'অবা'ন্ম'অবি'ৰ্ক্তবাৰ্থ'ন্দ'নতৰ্থ'মৰ্থ'নৰ্শ্লুম' चति द्वुरुष्र्यु। भ्रुप्यर्देण द्यार ग्रम्थय ग्रद्य देश के स्वत्य क्रिया विद्वुर्पः 'स्'न्। श्_र'नहेर'य'रे:कुअ'सूब'र्या गर्युर:स्य'य'र्नुर:स्ते:श्<u>रु</u>'र्नुर्या द्यवाया:यद्वित:पर्रे:हे:य:रर:पर। वीर:र्पेत:र्पे:चुर्य:त:र्र:पर्द्वेप। ब्रीट रोट रहेत् कुय में द्वु द्वा कुँव यदे ख़ु क्रय रेद्रा द्वु या वर्षेय यदे क्रेंग ॱॸ॔ग़य़ॱक़ॕॺऻॱॿॖॸॱड़ॗॺऻॱऄ॔ॸ॔ॱॻॖऀॱॸॖॖॸॱॸऀॺॱ७ॺॱॸ॓ॱॳॸॺॱय़ॱॸग़ॻॸॱऄ॔ऄऀॱॸड़ॱक़ॕॺऻॱक़ॕॺऻॱ न्गार कुल नते र्ने द्वान रेन्। श्रुल गर्सल नते गर्मर में सर्र न्या सुते वेर के द द्भूग में दगार प्रश्ने खु दगु वर्षे वारेदा दे वे वारा के वारे वे विवा <u> २े'गार्डुग'व'र्२व'केव'ग्री'श्ल</u>पाय्यपाद्दे'र्खि'व्या'ञ्चेत्य'य'रेट्रा ध्रुग'गप्यस्य'व' नर्षुस्रमायते न्यास्त्र प्रमुद्दा स्मित्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र तकर नते सुन के बर्रे सुन के संन्यार विन के बर्रे न न न न स्था सुन्ध्र न दिन विष्यान ने सूना रें र प्राप्त स्थेत हैं र के ता वर हैं र सप्त सें में प्राप्त र ती गर्धेद'र्'ग्राञ्चेग्'ल्वर्यात्रयर'य'र्'ग्राञ्चेग्'ल्वर्याक्षेर'खते'त्नु'ग्राद्यर्थ'र्'र् नगर र में न ति हैया च रेन्। भ्रेन त्या चक्क र पति त्य र ने भ्रेन हो ति हैया है व यालवः यह त्रिर त्रियावयः सुवाय हिवाय विषय । से मिवाय विषय ही मि सुहर । त्यु विषय सुर्थ सुर्थ पर्दे अ द्या । तुर हैं प सर सेंद प्रिय नम्भायते देव त्वा न स्वाया निवा देव त्या स्वाया स्वया स्वाया स्वय

यद्यात्रभाष्ट्र। याण्य्यात्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभ्यक्ष्यभाष्ट्रभाष्ट्रभ्यक्ष्यभाष्ट्रभाष्ट्रभ्य स्वा न्याय्यक्ष्यं याष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष तिर्वरः वितः न्वाः ख्रुः श्वीरः ख्रुयः वायोः विदः तिर्धः से न्। श्रुवः न्यासः श्वीं यायाः ध्याः वितः विद्याः स सुनः उव। ध्याः वाः नः द्वीयः वश्चययः याः नेः याः खाः वेः यावयः श्लुवः न्यायः श्वीं से ने। श्वीः न्ययः विवाः वीः स्याः याः उव। श्वीः क्षुयायः यायानः यावितेः श्लेनः यार्थे याः यार्थे याः वित्यः स्वीं या न्यः सनुनः न्ययः सिंध्वाः वायस्यस्य स्वाः न्याः स्वाः स्वाः स्वाः न्ययः सिंधः स्वाः न्ययः सिंधः स्वाः स्वाः स

प्रकार्ष्य पत्रिया श्रीर प्रमत हुल वि पत्रे प्रकार भ्रीर श्री श्री वा स्था ধ্বামানাৰী দক্ষী দেবামামান্ত্ৰী শ্লেষ দিনে দেবাদী দেৱা দিনে ক্ৰিন্ত শ্লীদানী দেবি দিনি কৰিছে नवै[.]कै.वनुस्र-दरःषम्। देश क्षुम्। दर्भः क्षुः में विनः ह्व। विवः रूषः য়<u>ৼ</u>৵৻য়৻ৢ৻ড়ৄয়৻ড়ৢয়৻৸ড়ৢৼ৻ঀ৾৾৾৽৽ঢ়ড়ৣৼ৻য়য়৻ড়ৢ৻য়ড়ৢয়৻য়ৢয়৻য়৻ৼয়ৼয়৻য়৻ঢ়ৢ৾৽ वर्चन क्रून क्रीन गीन वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्षा बुन्यव केन केन के क्रिवन हुन गी के र्श्वे उत्र। नगर में नुर नी में वियम निर्माण सुन मानव त्याम लुख तर ने से श्चर देव केव दर ये देत्। ये यर विषा यी पर्देर य कवा वि वे प्या श्चिष श्रेगाः तर्ह्या क्रुनः विनः नगरः कें सर्दरः सूरशः से नः ने तत्रुसः यदेः रेटः कं नसरः र्शे वें सहें स्वापित स वार्याः श्रुः नर्त्राः स्टूरः वायाः स्वाः रेता नयतः स्यः स्वाः स्वाः स्वीरः वा स्वासः ला यर्त्र्यः याशुक्षः क्रेयः क्रुकः या क्रूवः द्वरः यवाः क्रदः द्वरः त्यरः त्यरः ने विं श्रुम् के विं त्या महत्र मेन्। श्री क्या दुवा ख्री त्या क्या क्या व्या स्था प्रमुष: इर्ग त्रा क्रूंब विद्या विद्य

तक्षत्राक्ष्यत्राच्यत्रे क्ष्रकाचत्रे क्ष्रकाच्या हिमायत्या क्ष्या क्ष्

*ম*ইন্টের্স্বাশ্ট্রমান্ত্র্যাভর্য সাখন ক্রম্পর্র্মান্ত্রি ব্রিল্ডির্ ૡૢઃ ફ્રચઃ શ્રચઃ ગૃષ્ણુભઃભઃ ઢચઃ વદ: દે: ધ્રું ગૃઃ ક્ષું; બેં તે: ફ્રેં ફ્રાયઃ ક્ષુભઃ અઢં ફઃ રેદ્રા केंद्र'ञ्जू'ल'रन'हु'क्कुर्य'लैट'। बै'तर्ह्य'नब्द'पत्रे'कुसर्य'द्र'युद्र'य'ग्रेचेट'कु यातुःबुवार्यायानः निधन्यायाने स्थाने बॅदिं हर ह्यु उद्या अर् हर ह्यर पर द्वा सुर मार्थे । वा वे मार्थे मार्थे । लर.चेश.बीश.चक्चेथ.त.ट्रे.कैय.द्र्ट.ला.वे.कैय.एसुव.र्र्टी लट.ट्रेतप.सूट्. र्रमञ्जूदे विषय रुषा उदा विषय मार्थिय । विष्युवा यर्नियाः क्रें क्रियायद्वादेशयाः सेंदारायां विषया से दिल्ला स्तर्भावा स्तर्भ कुर्ययाक्त्रुर्याया श्रुवायार्वे राष्ट्रीवार्वे वित्रे स्ट्रास्ट्रियाया । वित्रास्ट्रियाया उत्। क्षुत्रः युः पश्चाः अवेदः योः कः याः उत्। क्षेत्राः दग्नारः वेदिः तद्वरूषः रः क्षेत्रः त्यानहेरामाने सूनार्देर ना तुःनारेदा केदारेदा धराम्दारम् पर्केर नी प्वा सर्गि रुम् नेरःभ्रुगागसेर त्युगाभ्रात्य गर्सेय पाले लिट द्यापदे तर्ज्ञास ॻॖऀॴख़ॼॖऀड़ॱॺॱदेॱॺऻॾॖॱक़॓ढ़ॱऄ॒ॸॱॴढ़ऀॱख़ॗॱॸॣॸॱॸ॓ॸऻॗॱॱ॔ऄॱढ़ॺऻॱॸॣॸॱॴॸॗड़ॱढ़ॺऻॱऄ॔ॱॶढ़ऻ মর্কুর'রবা'নবা'ঞ্টে'র্ক্ল'ম'নচবাধানা মর্কু'মে'ন্রীন'র্ম'বা্বা'রহ'র'র্ম্ড'নর্ম'র্ व्यवेतःवगःर्यः रेत्। सःदगारः ह्यः पविः विषः रुषः उव। क्षुवः ह्युवः गर्थरः गण्युवैः য়৾ৼয়৾^{ৼৢ}য়৾য়৽ঽঀ৾৾৸৾৾৾ড়ৢ৾৽য়য়৽৴য়৸ৼড়য়৽ড়য়ড়য়৽য়৽ঢ়৾৽য়৾ৼ৽য়ৼ৾৾ঀ৽ঢ়৾৽ धीखाद्ययारेत्।

त्रक्रमः क्रॅब्र-इ्जाःय। श्लेर-द्रमतः हुत्य-द्रचर-ची-श्लेर-श्लेर्ध्वनः स्रम्। ब्रह्मः र्र-द्रग्रस-च-ज्ञाह्र-स्र-द्रग्रस-द्रम्याः च्लेर-ची-श्लेर-स्री-श्लेर-स्राधः स्रम्यः स्रम्यः स्रम् त्रवर्गाम्यायाः विषयाम् । स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रोत्तः स्रो <u> र्वाःक्षेःक्वेत्रः सेरः सेर्वःक्वतः र्वेदेःक्षुः संदेत्। देहेशः सेवर्यः पदेःक्षुर्यः तुःतिःयः</u> <u> र्यार त्य त्र श्रुवाय। व्यार्के या द्वाद्या स्थाप स्थाप श्रुके र या या</u> बी'युत्य'तु'क्रम'तद्'दे'ख'गे'र्क्षरम्यदे'र्दे'त्युग्'रेद्। यद'दे'हेर्म'येवम्यपदे' য়ৣ৾৵ॱয়ৢ৽৶ৼ৾৵৽য়৾৾৽ঀ৻য়৾ঀ৽ঢ়ৣ৾৸৽ঀ৾ঢ়৾৴৽৸৽য়ৣৢয়৽য়৾ঀ৾৽ৗ৾য়য়৽য়ৢঢ়৾৽ঀৗ৾য়ঀয়৽য়ৄৼ৾য়৽ उत्रा ग्रवगः श्रूत्रः नतुः श्रुतिः स्तुरः त्यें त्यः दुवाः नगरः वाष्युः ष्येः ग्रानः ग्रीयः क्कुवः धा <u> २ तीर वर्ष स्र</u>प्तर क्षेत्र त्यर तर हे स्रीति हुन त्या हुन हिला हुन हिला हुन हिला हुन है स्रीति है स्रीति है स यते क्रुका तुःक्रुं : प्यवाया स्थाप्त स यः ब्रे 'हें प्रा' यो अप्यक्किया विष्टे र प्रयो प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश য়ৄ৾ঀ৾৻ড়৻ৼৣ৻৸ঀ৾৻ৼৢ৻ৗ৾৾৽৸ৼ৻ৼ৸ড়৻য়৶ৼয়ড়৻৸য়ৣ৾৻ড়৻য়৾য়৻য়য়৻ ब्रेर:र्सेग:श्रु:य:गर्सेय:व। अर्ग:ययर:ग्रव्यर्थसर्थंच:र्र:रेर:ख्य:ख्र:र्सेर: নন্তমানী ইনা ইনার্ক্সমনি বেনার্নানা ক্রিলাবেলামানেছিবামানর। ৾ৠৼ৻য়৾ঀ৾৽ঀ৾ড়৾৽য়৾৽য়৾ৼ৽য়৾৽ঀ৾য়ৼ৾য়ৣ৽ঀ৽ড়য়৽ঽয়৽ৼ৾৽ৠৼ৽ৼঢ়৾ঀ৽৻য়৽য়৽ৠ৽য়৽ৼৼ৾ঀ <u> র</u>ৼ৵৻য়য়৾য়য়ৢৼ৻য়ৢ৻ড়ৄ৻৵য়ৼ৻ড়ৼয়ৼ৻য়য়৾য়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৢয়৻ न्सर-दराक्नेश्वाचर-सूर-प्रगोरशाचा वर्षम-द्रसर-सूर-म्यानुन-प्रदाने-पक्कः न्धेंबाब्विं कं न्सर योग रेन्। विगन्सर से खें सकेन यह ते बह स्वेन बा र्भर मिन्दे हें हिंस मदे हमस माइन स्वा तर्स र्भर महामा में स्व য়৾৽য়৾৾য়৽ৢঀয়৽৽ঢ়য়৾৽ঢ়৾৾য়ৢঀয়য়৽ড়য়ৢ৾৽৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়৽য়৽ঀয়ঢ়

तक्रमः क्ष्रं न्यं न्यं स्वादिया यो का या त्री स्वाद्या स्वाद्या

'तसेब'रेरा रअर'बग'गिषेब'हेते'ब्लारें'ल'क्कु'र्छेब'र्केंअ'रे'त्रिख'तर्दा वर्षम् वर्त्तर् प्रवाणी । वाक्कर्यायविष्यायाविष्य प्रवास्य प्रवास्य विष्य प्रवास्य विष्य प्रवास्य विषय । र्श्वेगः श्चेंदः त्वदः यः स्रेः रेदा यदः स्रेः स्वा द्वेर दिः स्वा सः उदा स्राः प्रविः सर्रयान्त्रान्याक्षे देसवाम। नृष्युत्वत् नृत्यास्य विष्यास्य स्वर्षात्वर् । ने स्वायायायुः भ्रेष्वात्रयुरः रेत्। वयार्थः सुवः पदेः वयः सद्दः वयः सद्दः वयः सद्दः वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्व यदःश्चारःग्रीवेरम। दगःग्रंप्तगुःधेमःगर्भेरःयःदेःगर्दरःवेःरुःवेःसःक्याःसर्वः रेत्। स्यानहेत्सु'त्रुषायी'त्यतःहेत्यासून्यायतात्विरानासुर्याची'रीर्यानग् सर्वर रेन्। न्नर द्वा प्रदेशका प्रते ल्या रेपा केपा में विकास ते हसा <u> রবি প্রবার্থি প্রতির প্রবাধ্য প্রবাধ্য ক্রি কার্য ক্রি বার্থ পরি বর্ণ প্রবার্থ পরি বর্ণ ব</u> कुषाः सर्वत्रेत्। सीः केवः वीः प्रतिः पह्साः कुस्याः प्रस्यः प्रमा केः पर्देतः वि कैरर्यायार्थराञ्चीराग्रीयायार्द्याया वयार्द्वान्चीत्रास्यायात्रीयार्द्वान्यात्रीया ক্রী:ব্রিবা:শ্বর:ক্রীঝ:অইঝ:ম:মার্বব:মার্র-সের্র্র-শ্রের্র্বর:শ্রর্বর:মার্র্বর:শ্রুর-শ্রের:মার্র্বর:শ্রুর म्र्रेर.स.म.प्रम.भ्रेभ.प्रमी यश्राचिय.यश्र.भ्र्या.भ्री.ज.यश्रित.प्रम्र. गर्युअ:र्ग्गंगें र्वेर्रेशर्रेअ:र्या नर्वव:नर्र्रःदर:अ:र्वेःव:क्रंग्वःदर्रःक्रेःनःक्रें र्केन् अन्तः चर्वनः रेन्। न्यतः र्केन् र र र्कं वियायः उत्। वृः र्वते र रूरः युः यवेनः लानङ्गिरान। नक्कु:बुरान्बरार्वति:कुन्सेराउनाने पिराळाळातु:बि:केन्रोने। য়ৢঀॱয়য়ৼ৴য়ৄঀ৽য়ৢ৽ঀয়৽ঀয়৽ঀয়ৼ৽য়ঀ ঀঢ়৽য়ৣ৽য়৾৽য়৾ঢ়৽ঢ়ৢ৽ঀয়ৢৼ৽ঀ নের্ম্ম-বাধ্যম-ব্যন্ত ক্রম-রে, আর্ম-মে ইবাক্য-বা ক্রম-বার্ম্বর্ম-রেইবাক্য-বা র্ম্বর্ম-বা इब्देन्ड्ना अन्यायद्वियायदेश्युः र्वेषायक्क्ष्यायः र्वेदेश्वरायः वित्रायः वित

द्यीय्रां स्वर्म स्वरम्भ स्वर्म स्वर

तक्रमः भूरः रू।

प्रक्रमः भूरः रू।

प्रक्रमः भूरः रू।

प्रक्रमः भूरः निवास्त्रमः प्रक्रमः प्रक्

क्षेत्र्व्यक्ष्यं विश्वत्य विश्वय विश्वत्य विष्य विश्वयत्य विश्वयत्य विश्वयत्य विश्वयत्य विश्वयत्य विश्वयत्य व

য়ৢ৾ঌ৽য়৾ৼয়৽য়৽ঀ৾৽য়ৣ৽ঀৡ৾ঀ৽ঽ৽ঽ৾ঽ৽ঌ৾ঽ৽য়ৣ৽য়ৢয়য়৽য়৾৽য়৽ড়ৢয়৽ঀঀ৾ঀঀ৽য়য়য়৽ড়ৣ৽ঀ৽ঀয়৽ રેડા લવાદેરનારાવાયાતુરાદેવાડ્યરાવા ક્રીકાયાયદાવાસુંવાયા त। ट्रॅ.पह्म.जीयो.क्रेट.क्र्न.ट्योन.जो के.जॅन.ट्योन.चिमानवर.क्रेप.चेमा *दे*ॱख़ॱक़ॖॖॖॖॖढ़ॱय़ॻॺॱॸॣॴॗॱॵॺॱॻक़ॗढ़ॱय़ॱॸ॓ॱऄॣ॔ॸॱक़ॖऀॸॱख़ॴय़ॱॻॿय़ॱक़ॕॺॱऄॗॗ॔ढ़ॱय़॓ॸऻॗ श्चवःसहसासाद्ये:रुतिःसवःस्यः उव। पासेरः५५तः रेवःस्वः द्ये:क्वां क्वां क्वां स्वां स्वां स्वां स्वां स्वां स्वा न्विर। यो वे अर्केर सु हैया यो दायर द्वेया या दे वे अरा या यह सुद कुया के रिदा ञ्चव पर्दुव पुरासर्गा पर्द्यापदी विषा श्रास्ट्रिय स्वेत प्रवेत प्रवेत स्वा ર્વે(અ'ૠુ'૬૨'૨૫]'ૡ૾ૺૹ'એ'૪૽ૼવ|'ૡૄ૽ૺૹ'૨ૹ'૨૧ૣૢૻૢૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૢૡૹ'૨૫'૬ે'ૠૄૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢૻ૱ૹ૽ૼૼૹ૽૾ૹ૽૾ૼૼ૾ઽૺ૬| ल्यः कुः क्रुषः क्रुः नदेः यदः स्ट्रेटः व। गर्थेरः सुः हैगः ह्युटः दत्तु गः स्टेः त्रवः रुव। য়ৄ৾৾৾৴৽ঀ৾৻ঌ৽৻৸৽৻৸ৼ৻৸ড়৾৻ঀ৾৾৽য়ৢ৾৾য়৻ড়ৢ৽ঢ়য়৽৻য়য়৻ড়য়ৢ৾৽ঢ়৾৽ <u> रच्चेत्रामत्रीलयास्य रस्याच्या स्वर्क्ष्यास्य स्वर्ध्यास्या</u> अर्देग्'नग्रा'नदे'द्र'नवत'त्थ। तहत'र्द्वैद'दर्'नदे'क्वुद'र्युद'र्योष'अहेष'य'दे' न्धॅब्रकेब्रन्तुः क्षें नायुरः दुरः अर्कें रेन्। अब्बल्यः अहेषा को र्हेना नी हेन् केर्षः ठव। क्रुवःस्रहेराःस्राद्धेरःत्युरःत्युताःठव। न्द्रवादगारःस्तिःगायेरः यते.श्रेषःत्रःश्लेरःश्लेषःत्रीयाः रचित्रः चीः योः हेवाः या। वार्यरः श्लेषः यचीतः सीः योः <u> २५८४ अत्रवात्रेव विरा र्वे सक्तर गान्य द्यो रेया वे प्रविया गारे। या वर्ष रासू</u> क्षें अर्के रेन्। गुरु:ब्री:क्ष्र्यादा:अर्हेन्:न्रर:क्षेत्र:क्षें नरे:येग्रथ:ग्रीश:ब्र्रेनश:पदे: चगाःविकायते ख्रास्कार्षेवाकाःविदालका वका वहेवा हेव द्वो पति चगाःविकायते ख्रा

নক্স'র্কর'বল্পি'শ। রু'্র'দ্বরি'শ্লী্র'ন্থে'র্র্র'বার্ক্সর্প্রত্র্যার্কর'বর্ক্তর্র্ অথ।

त्रक्षः क्षेत्रः द्र्या। यर ख्रुटः याद्वरः ख्रीट्रः वी क्षुत्रः व्यक्षः विद्रः विद्रः

त्रक्षश्वात्त्र। स्वाप्तक्ष्यःस्वाप्तक्ष्यःस्वाप्तक्ष्यःस्वाप्तःस्वाप्तः स्वाप्तःस्वाप्तः स्वाप्तःस्वाप्तः स्वाप्तःस्वाप्तः स्वाप्तःस्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप

तक्रमार्क्षदाण्युमाय। इटार्ख्येटार्क्षदार्थेते र्झेटार्स्यमास्ट्रेदास्त्रु ध्यायाय्यायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स <u>ৠ</u>ৢঀয়৾৾৾য়ৢ৻য়ৼ৾৻ঀয়ৼয়৾ঀড়ৢঀৢয়৸৻য়য়৾য়য়৾য়৾ঀয়৻ড়ৢ৻ৼৼ৻ড়ৢয়৻য়য়৾ৼ৻ড়৾য়৻য়৾৻ र्गार रेंदि र्घर रेंग ह्ये र्चर पर्वेट्या अंग्य ख़दी गा की गादि द प्रचार है स्रासेट्र मः विवा वार्यायाया ध्वा वाष्यायः स्ट्रिन् च सुन् । च सुन यद्य.यंत्रा.त.रत्या.यज्ञा.र्जू.यु.तुर.युज्ञात.क्विय.व्याय.यञ्जेश्व.यंज्ञा ড়৾৾ঢ়৵৻য়৵৻৸৵৻ৼৼ৾য়ৣ৾৾৾য়৻৸য়৻ঢ়য়ৼ৾৻ঢ়ঢ়৻ড়য়৻ঢ়য়৻ঢ়য়৻ঢ়য়৻ঢ়য়৻৸য়৻ বাৰ্দ'ৰ্মা হৃদ'ৰ্ম্ভ্ৰিদ'ৰ্জৰ'ৰ্ম্ম'ক্ত্ৰুদ'দ্য'ৰ্জ্য'ৰ্জ্ম'দ্দ'। শ্বীবা'বস্তু' श्ररःबिरः नवी नद्धः नश्ची नव्यानस्र नव्यसः नवी नवे स्थान्यात्यन् नवी त्याक्षे त्यर्देर् स्त्रुव क्रीका चुनाकेर सुव क्रियाका सव निर्देश र्याया ता क्रिया या प्राप्त स्वरूप निर्देश त्युद्र नसूत्र त्रशः स्त्रुत्र चीर्यायाचेत्रायासूद्र या द्राद्य प्रीयायीयासद्वर द्रार्ची वायवार्से । אבלקיטון

त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्याच्यान्य त्याच्य त्याच्याच्य त्याच्य त्याच्य त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच्य त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्याच त्याच्य त्याच्य त्याच्याच्य त्याच्याच त्याच्याच्य त्याच्याच त्याच्य

तक्रमः क्षेत्रः वा धारा विष्ठः वा विष्ठः विष्ठः वा विष्ठः वा विष्ठः वा विष्ठः विष्ठः

तक्रमः भूर्यः हो। सर्याची सर्याची स्ति हो स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्व

तक्ष्यः क्ष्र्यं निर्देश्य। स्ट्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राहम स्थ्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राह्म स्थ्राहम स्थ्राह

 বর্ম। বর্ষ্ট্রেরমান্সবিদ্ধান্তর প্রবাদ্ধান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর বর্ষান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্য প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যা

장도.회의.기

नुषान्त्र्यात्र्यात्र्वात्त्र्याः देवात्त्र्याः विष्यः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः व सार्वेद्र्यः देवाः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः न्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व सुष्यः विषयः न्याः विषयः वि

> র্ছিন্ শু-মুন্ব নাম মন্ত্র ন্মন্ত্র ক্রিন্ শুরুষ নের্জ্র ন্মনা। অইবাম নক্রিন্ মুন্ত নিমম শ্যুর দি, মর্ক্তর নের্ব্রিবাম র্মবামা। অম নার্ন ক্রিন নিমম শ্যুর দি, মর্ক্তর নের্ব্রিবাম র্মবামা। ইবাম দ্বের নাম মন্ত্র নিমন শ্রের ক্রিম নের্ক্ত নিবা

> ख्याचीय मुख्याय क्षेत्र मुख्य स्विष्ण केत्र प्रति। यद्या यीय मुख्य त्या यह्शेत्र मुख्य हिं या केत्र प्रति।। खुद हिं या क्षा प्रति स्वा क्षा केत्र प्रति।।

स्रूरः यदः हे स्रुते स्रुव स्रो द्रा र त्यूं वारा विवा

र्वेषायायदी तह्या श्चीर विवास केता या स्वास स्व

বয়ৼয়ৣ৽ৢঽঀৗয়৽য়ৼ৾ৢঀ৾য়য়৽য়ঀ৾ঀয়ঀ

स्वाराध्यः सुन्याः स्वाराध्यः स्वराध्यः स्वराध्यः स्वरायः स्वराध्यः स्वरायः स्वराधः स्वराधः स्वराधः स्वराधः स्वरायः स्वर

ने रेर हेब प्रवेश नुषान बर था। क्चु'ग्रन्थ्युय'क्चु'र्दब'र्दब'र्दर'।। क्रि.येया.लीज.क्री.ला.या.प्री। र्शेर दें। र्शेजा जी रु:ह: ५५ ।। व्र्में भियाती क्रियाती क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वह्यामुद्रिःविदःकेषःग्रीग्राःद्दः॥ बॅब्राम्यत्वे म्यायुर्वे क्षेत्राय द्रा <u> ব্যবাব্যম সমূর দিট্র প্র পিব র্মবাম।।</u> न्विरःश्रुःर्क्षेयाश्रायदेःचश्रदःवियाःसुन्।। ञ्चन श्रु र्ळेगाय पति पञ्ज र रेगा तरेगा। नर्राञ्चे में अदे कन हैगा ब्रुगा ૡૢૻ૽ૻૻૹઽૻૹ૾ૢ૽ૺ૱ૢૻઌૻ૱ૡૢ૿ૢઌ૽ૻૹ૽ૼૡઽૢૢૢૺૺ त्देशय्यरः सर्केन् द्र्योत् सर्केषा यासुसः ये सर्केन्॥ ४ॱग्रुअःधु:५८:शू८:अ:५अ८:॥ रुषाम्बाम्यान्त्रस्याः स्वीताः वह्यासूर युवार्स्ट्री द में दिर वार्डि। <u> न्गार र्स्चेग्रस र्स्ने</u> हायते न्याः स्वारम् वर्गाः । वॅर्क्कुर वस्त्र या वर्षु विशेषा दरा। हें भी अगुराष्ट्रां नहुं ग्रास्त्रां नस्तरा वन्यःविन्याकृतःकेत्रः वनः सुः ननः।।

' भूर'क्ट्रेंद'क्ष'केव'र्क्ट्रेंब'र'पश्रद'। इ.ल्.इ.क्यायस्य विवादरा न्द्राक्षाकृषा चल्या चार्च स्ट्रास्ट्राच्या । श्रु अयर नेय की में न्दर नी। व'त्व'अधेर'गी'गुर'गर'वर्गा। <u>ञ्च गढ़न हैं है गण्ड हु इस्ला</u> नर्डुब र्से र्से ५ खुरा तिर्देर नरुष नगर ॥ त्रुषाचीयायायविदानुः सात्रव्यार्डगा सर्हर रे भ्रुवा रेंदि भ्रु सावर छी। तहतःश्चेत्रातेन्ग्रीःग्रालयः धरान्य। ग्रव्यायद्याः वेदः तुः ग्रायुवः क्रुवः दे।। নর্ভ্বরর্ র্রান্থর র্ল্বর্রর নের্নিম নতব্য নব্যম । धुंग्यपर नर्भेर दस्य स्ट्वेर नत्वेर नस्य। व्यादगार लेखा द्या से व्या ग्युः भुग अद्देश यदे न ग्राम द्रशा खुयार्थे सूत्रामर्द्ध गार्वित तु य।। র্ঝর্টার্নুর্র্টান্রের্বিম্বেড্ঝার্ঝ্যা क्रुनःहेद्रावर्षद्यस्थार्याः वाष्येयः विवा सर्वे वृत्र में वृत्र में देश मु पी सर्वे दिया ग्रुःकुव्यर्वेरःचुदेःचे च्या

रवःसहस्यःयुःर्केः दुरःसर्वेषाः उद्गा युः द्वाया क्षेत्रका क्षेत्रका व्यवस्य । युः वेर परेश युव प्रवन् सेन कुला रे'रेर'ग्रव्यायाः श्रूरायाः च वरा।। के मुन्याम्युयाम्यवयात्यावर्षस्या। য়ড়৾৻ঽয়ড়ৢ৾ঽ৽য়ৣ৽ঢ়ঢ়য়য়ৼ৽৻৻ नरःक्चि:हेब:प्रज्ञायायाःके:नवरः॥ <u>ख़ॖॱॻॴॸॱऄॱऒॱढ़ॎॾॕॕॕ॔॔॔॔॔॔॔॔॔ऄॎॴॸॿॸॱ।।</u> ८.राबीकुर्यस्याःकीयकीयाः तु: द्यतः चेति: खुर्यः ददः त्व्यः योदः विगा सर्चेत्रायाचेत्र्येत्रपतिःसेर्यः इसय।। यर्रेनः हर्रायव्यायेरः विगा भ्रुं कें नम्रेशम् मुन् सेन् पर र्लिगा ब्रूर.जे.लाश्चे.ह्ब्रैं.जया। यर अर्देर वें र श्रीश त्र गोर श यर लेंगा न्नु'तयर'र्रे'।यश'अर्वे'नर'विग्। यि:हे:हु:५:५२:नर:विगा कुयाप्रस्य पर्ने विदासुदायर विवा

ধন্ম:র্মুর:র্ম্প্রম:বহ:র্মুবা। ব্যাম:র্মুর:র্ম্প্রম:বহ:র্মুবা।